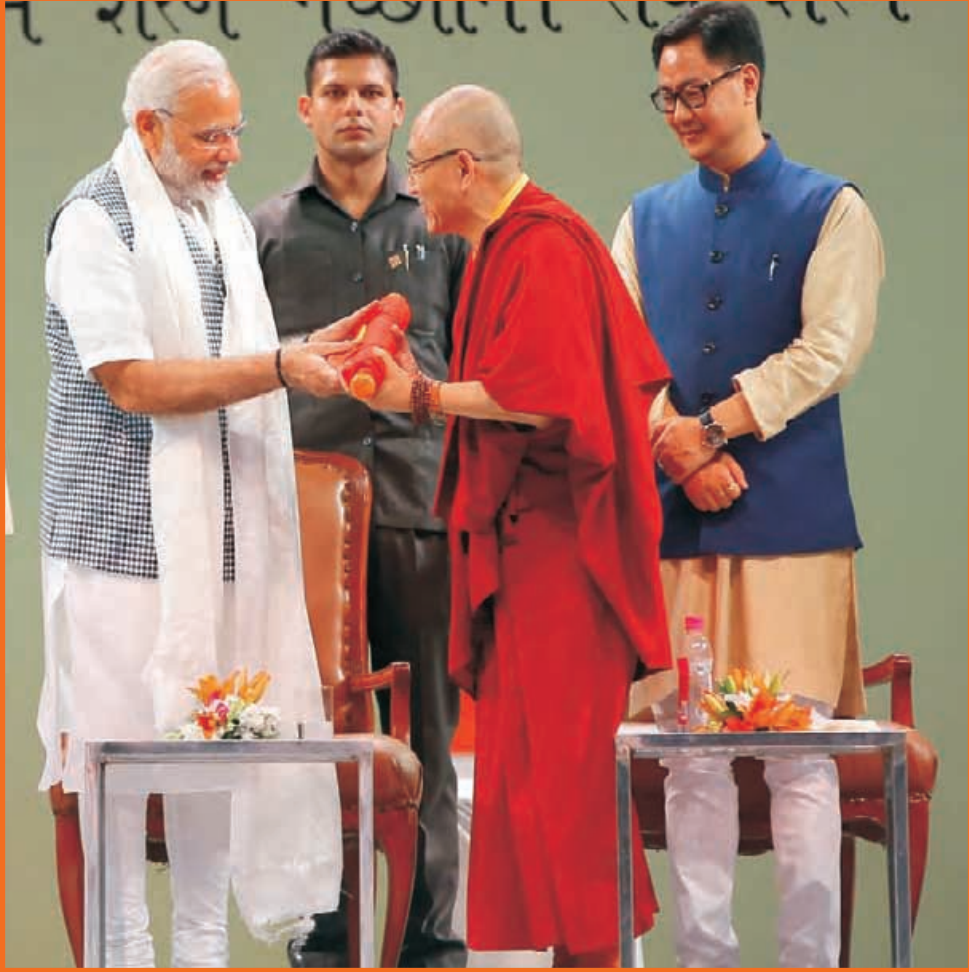




भोट विद्या संस्थानम्

# वार्षिक रिपोर्ट Annual Report 2019-2020



केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान  
Central Institute of Higher Tibetan Studies  
(Deemed University)

SARNATH, VARANASI-221007

[www.cihts.ac.in](http://www.cihts.ac.in)



# विषय-सूची

## परिच्छेद

|                               | पृष्ठ संख्या |
|-------------------------------|--------------|
| 1. संस्थान का संक्षिप्त परिचय | 3            |
| 2. संकाय                      | 10           |
| 3. शोध विभाग                  | 57           |
| 4. शान्तरक्षित ग्रन्थालय      | 79           |
| 5. प्रशासन                    | 90           |
| 6. गतिविधियाँ                 | 101          |

## परिशिष्ट

|  |     |
|--|-----|
| 1. संस्थान द्वारा आयोजित दीक्षान्त समारोह और उनमें उपाधि से सम्मानित विशिष्ट विद्वानों की सूची | 133 |
| 2. सोसायटी के सदस्यों की सूची  | 135 |
| 3. प्रबन्ध परिषद् के सदस्यों की सूची   | 137 |
| 4. विद्वत् परिषद् के सदस्यों की सूची   | 139 |
| 5. वित्त समिति के सदस्यों की सूची  | 143 |
| 6. योजना एवं प्रबोधक परिषद के सदस्यों की सूची  | 144 |
| 7. प्रकाशन समिति के सदस्यों की सूची  | 145 |

## सम्पादन समिति

अध्यक्ष :

प्रो. धर्मदत्त चतुर्वेदी

प्रोफेसर

शब्दविद्या सङ्काय प्रमुख

अध्यक्ष, संस्कृत विभाग

अध्यक्ष, प्राच्य एवं आधुनिक भाषा विभाग

सदस्य :

डॉ. अनिर्वाण दास

एसोसिएट प्रोफेसर

संस्कृत विभाग

डॉ. महेश शर्मा

असिस्टेंट प्रोफेसर, अंग्रेजी

प्राच्य एवं आधुनिक भाषा विभाग

डॉ. अनुराग त्रिपाठी

असिस्टेंट प्रोफेसर, हिन्दी

प्राच्य एवं आधुनिक भाषा विभाग

डॉ. ज्योति सिंह

असिस्टेंट प्रोफेसर, हिन्दी

प्राच्य एवं आधुनिक भाषा विभाग

डॉ. देवीप्रसाद सिंह

प्रोफेसनल असिस्टेंट

शान्तरक्षित ग्रन्थालय

डॉ. जस्मित गिल

अतिथि प्राध्यापक, अंग्रेजी

प्राच्य एवं आधुनिक भाषा विभाग

सदस्य सचिव :

श्री एम.एल. सिंह

वरिष्ठ सहायक

(प्रशासन अनुभाग प्रथम)

# 1. संस्थान का संक्षिप्त परिचय

तिब्बती तथा सीमान्त हिमालय क्षेत्र के विद्यार्थियों की शिक्षा एवं प्रशिक्षण के उद्देश्य से, भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू तथा परम पावन 14वें दलाई लामा के पवित्र प्रयासों से सन् 1967 में स्थापित केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान एक अद्वितीय सुप्रतिष्ठित संस्थान है।

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी के संघटक विभाग के रूप में शुभारम्भ करके सन् 1977 में केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान नाम के साथ, संस्थान ने भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के अधीन स्वायत्त संस्थान का दर्जा प्राप्त किया।

दिनांक 5 अप्रैल, 1988 को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा धारा 3 के अन्तर्गत की गई अनुशंसा के आधार पर भारत सरकार ने केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान की अद्वितीय कार्यपद्धति तथा उपलब्धियों के आधार पर संस्थान को मान्य विश्वविद्यालय का दर्जा प्रदान किया।

प्रो. समदोंग रिनपोछे, पूर्व निदेशक एवं भूतपूर्व कालोन ट्रिपा, केन्द्रीय तिब्बती प्रशासन के कुशल नेतृत्व में सन् 2000 तक संस्थान प्रगति पथ पर अग्रसर रहा।

इस समय यह संस्थान, प्रो. गेशे ड्वड समतेन, कुलपति के कुशल नेतृत्व तथा संकायों के विद्वान् सदस्यों के समर्पित सहयोग से, पूर्ण कुशलता के साथ, भोट अध्ययन, बौद्ध अध्ययन तथा हिमालयी अध्ययन के क्षेत्र में अपने उद्देश्यों की पूर्ति हेतु सतत अग्रसर है।

निर्धारित विषयों के अध्ययन-अध्यापन के साथ यह संस्थान अपने शोध विद्यार्थियों एवं देश-विदेश से आने वाले शोध विद्यार्थियों का मार्गदर्शन कर रहा है। इस सन्दर्भ में यह संस्थान बौद्ध एवं बौद्धेतर भारतीय दार्शनिक विचारधाराओं, बौद्ध एवं पाश्चात्य दार्शनिक विचारधाराओं तथा बौद्ध दार्शनिकों एवं वैज्ञानिकों के मध्य विचार विनिमय एवं संवाद के लिए एक सशक्त मंच प्रदान कर रहा है।

इसे मान्यता देते हुए संस्थान कई शैक्षणिक संस्थानों के साथ-साथ पूरे विश्व के संगठनों के साथ सहयोग और विनिमय कार्यक्रमों का संचालन कर रहा है।

## उद्देश्य एवं योजनाएँ

भारत सरकार तथा परम पावन दलाई लामा जी द्वारा स्थापित संस्थान की परिकल्पना एवं लक्ष्य को संस्थान के निम्नलिखित उद्देश्यों में समाहित किया गया है, जिनकी सतत पूर्ति हेतु संस्थान पिछले चार दशकों से प्रयासरत है।

- तिब्बती संस्कृति एवं परम्पराओं का संरक्षण।
- ऐसे भारतीय ज्ञान-विज्ञान एवं साहित्य का पुनरुद्धार, जो मूल भाषा में समाप्त हो चुके हैं, परन्तु तिब्बती भाषा में उपलब्ध हैं।
- ऐसे सीमान्त भारतीय क्षेत्रों के विद्यार्थियों को वैकल्पिक शिक्षा की सुविधा प्रदान करना, जो पूर्व में इस तरह की उच्च शिक्षा तिब्बत जाकर प्राप्त करते थे।
- आधुनिक संस्थान शिक्षा-प्रणाली के अन्तर्गत पारम्परिक विषयों की शिक्षा एवं प्रशिक्षण की व्यवस्था प्रदान करना तथा तिब्बती अध्ययन के क्षेत्र में उपाधियाँ प्रदान करना है।

- बौद्ध दर्शन और तिब्बती अध्ययन की शिक्षा प्रदान करना एवं इसके माध्यम से व्यक्तित्व में नैतिक मूल्यों का विकास करना।

संस्थान के उपर्युक्त उद्देश्यों के आधार पर संस्थान की शैक्षणिक व्यवस्था को निम्नानुसार संगठित किया गया है।

## (1) शैक्षणिक

### (क) हेतु एवं अध्यात्म विद्या संकाय

- (i) मूलशास्त्र विभाग
- (ii) सम्प्रदायशास्त्र विभाग
- (iii) बोन सम्प्रदायशास्त्र विभाग

### (ख) शब्द विद्या संकाय

- (i) संस्कृत विभाग
- (ii) तिब्बती भाषा एवं साहित्य विभाग
- (iii) प्राचीन एवं आधुनिक भाषा विभाग
- (iv) शिक्षाशास्त्र विभाग

### (ग) आधुनिक विद्या संकाय

- (i) समाजशास्त्र विभाग

### (घ) शिल्प विद्या संकाय

- (i) तिब्बती काष्ठकला विभाग
- (ii) तिब्बती चित्रकला विभाग

### (ङ) सोवा रिग्-पा एवं भोट ज्योतिष संकाय

- (i) सोवा रिग्-पा विभाग
- (ii) भोट ज्योतिष विभाग

## (2) शोध विभाग

- (क) पुनरुद्धार विभाग
- (ख) अनुवाद विभाग
- (ग) दुर्लभ बौद्ध ग्रन्थ शोध विभाग

- (घ) कोश विभाग
- (ङ) तिब्बती साहित्य केन्द्र

### (3) शान्तरक्षित ग्रन्थालय

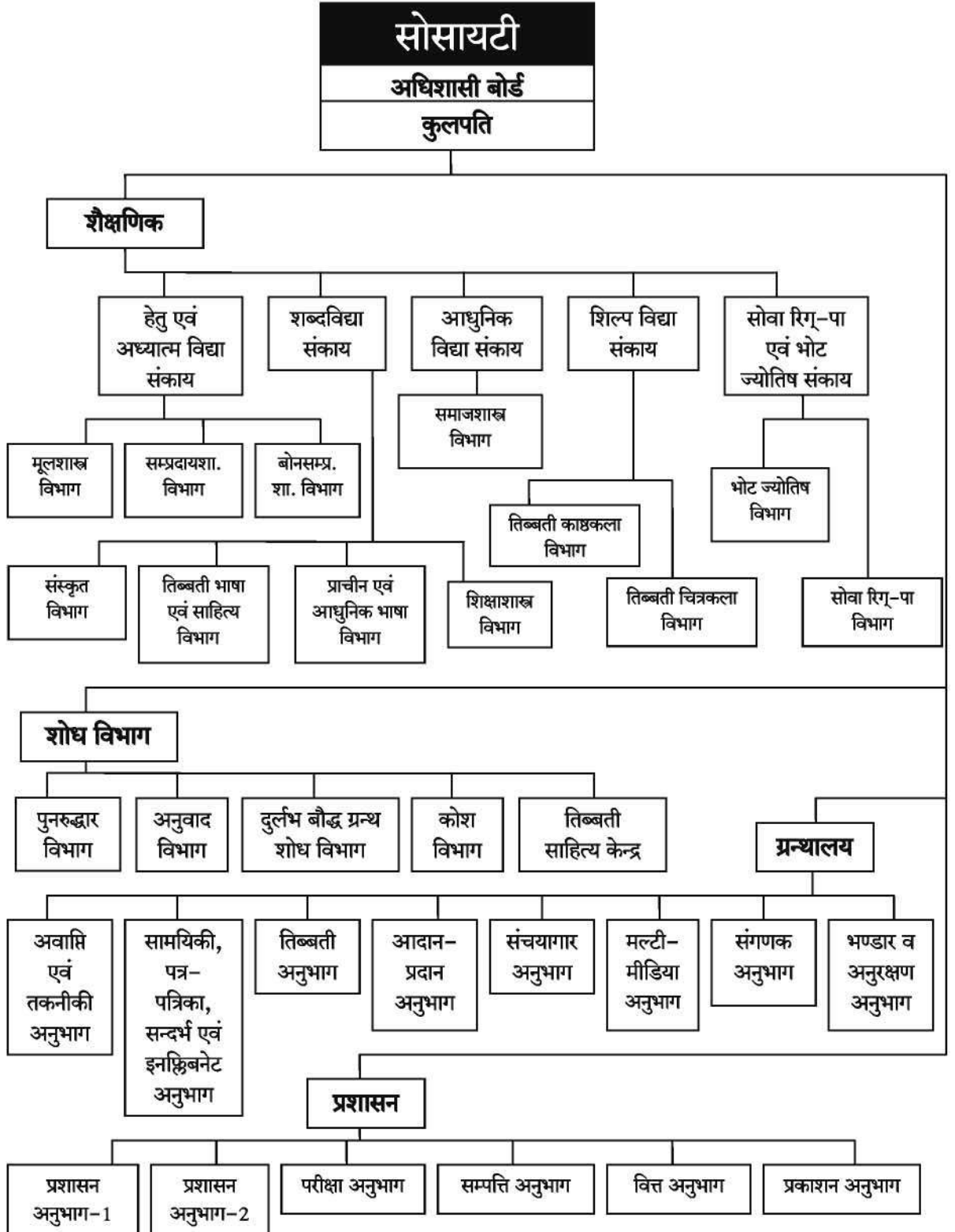
- (क) अवाप्ति एवं तकनीकी अनुभाग
- (ख) सामयिकी, पत्र-पत्रिका, इनफ्लिबनेट एवं सन्दर्भ अनुभाग
- (ग) तिब्बती अनुभाग
- (घ) आदान-प्रदान अनुभाग
- (ङ) संचयागार अनुभाग
- (च) मल्टीमीडिया अनुभाग
- (छ) कम्प्यूटर अनुभाग
- (ज) भण्डार एवं अनुरक्षण अनुभाग

### (4) प्रशासन

- (क) प्रशासन अनुभाग-1
- (ख) प्रशासन अनुभाग-2
- (ग) परीक्षा अनुभाग
- (घ) सम्पत्ति अनुभाग
- (ङ) वित्त अनुभाग
- (च) प्रकाशन अनुभाग

उपर्युक्त शैक्षणिक एवं शोध गतिविधियों की संगठनात्मक रूपरेखा निम्नलिखित प्रकार से की गयी है—

संस्थान की संगठनात्मक रूपरेखा





## शैक्षणिक : पंजीकरण/ नामांकन एवं परीक्षा 2019-20

संस्थान में विभिन्न पाठ्यक्रमों में छात्र नामाङ्कित किए जाते हैं। वर्ष 2019-20 का परीक्षा फल निम्नाङ्कित तालिका में प्रस्तुत किया जा रहा है।

प्रथम अधिसत्र (जुलाई 2019 से दिसम्बर 2019)

| परीक्षा का नाम                  | कुल नामांकित छात्र | अनुपस्थित छात्रों की संख्या | उपस्थित छात्रों की संख्या | अनुत्तीर्ण छात्रों की संख्या | उत्तीर्ण छात्रों की संख्या | टिप्पणी |
|---------------------------------|--------------------|-----------------------------|---------------------------|------------------------------|----------------------------|---------|
| पूर्वमध्यमा, प्रथम वर्ष         | 48                 | ----                        | 48                        | 01                           | 47                         |         |
| पूर्वमध्यमा, द्वितीय वर्ष       | 55                 | 02                          | 53                        | ---                          | 53                         |         |
| उत्तरमध्यमा, प्रथम वर्ष         | 40                 | ----                        | 40                        | 02                           | 38                         |         |
| उत्तरमध्यमा, द्वितीय वर्ष       | 31                 | ----                        | 31                        | ---                          | 31                         |         |
| शास्त्री, प्रथम वर्ष            | 28                 | ----                        | 28                        | ---                          | 28                         |         |
| शास्त्री, द्वितीय वर्ष          | 23                 | 01                          | 22                        | ---                          | 22                         |         |
| शास्त्री, तृतीय वर्ष            | 27                 | 01                          | 26                        | ---                          | 26                         |         |
| आचार्य, प्रथम वर्ष (बी.पी.)     | 14                 | ----                        | 14                        | 01                           | 13                         |         |
| आचार्य, प्रथम वर्ष (टी.एल.)     | 11                 | ----                        | 11                        | ---                          | 11                         |         |
| आचार्य, प्रथम वर्ष (टी.एच.)     | 01                 | ----                        | 01                        | ---                          | 01                         |         |
| आचार्य, द्वितीय वर्ष (बी.पी.)   | 12                 | 01                          | 11                        | ----                         | 11                         |         |
| आचार्य, द्वितीय वर्ष (टी.एल.)   | 10                 | ----                        | 10                        | ---                          | 10                         |         |
| आचार्य, द्वितीय वर्ष (टी.एच.)   | 03                 | ----                        | 03                        | ---                          | 03                         |         |
| उ.म. (सोवारिग्पा), प्रथम वर्ष   | 20                 | ----                        | 20                        | 04                           | 16                         |         |
| उ.म. (सोवारिग्पा), द्वितीय वर्ष | 15                 | 04                          | 11                        | ---                          | 11                         |         |
| फाइन आर्ट्स, उ.म. प्रथम         | 03                 | ----                        | 03                        | ---                          | 03                         |         |
| फाइन आर्ट्स, उ.म. द्वितीय       | 09                 | 01                          | 08                        | ---                          | 08                         |         |
| बी. फाइन आर्ट्स, प्रथम          | 06                 | ----                        | 06                        | 05                           | 01                         |         |

|                          |            |           |            |           |            |  |
|--------------------------|------------|-----------|------------|-----------|------------|--|
| बी. फाइन आर्ट्स, द्वितीय | 03         | ----      | 03         | ---       | 03         |  |
| बी. फाइन आर्ट्स, तृतीय   | 02         | ----      | 02         | ---       | 02         |  |
| बी.एस.आर.एम.एस., द्वितीय | 12         | 01        | 11         | 03        | 08         |  |
| बी.एस.आर.एम.एस., तृतीय   | 15         | 01        | 14         | 02        | 12         |  |
| बी.एस.आर.एम.एस., चतुर्थ  | 11         | ----      | 11         | 01        | 10         |  |
| बी.एस.आर.एम.एस., पंचम    | 03         | ----      | 03         | 01        | 02         |  |
| बी.एड.                   | 24         | 04        | 20         | ---       | 20         |  |
| बी.ए. बी.एड., प्रथम      | 06         | ----      | 06         | ---       | 06         |  |
| बी.ए. बी.एड., द्वितीय    | 20         | ----      | 20         | ---       | 20         |  |
| <b>कुल योग</b>           | <b>452</b> | <b>16</b> | <b>436</b> | <b>20</b> | <b>416</b> |  |

द्वितीय अधिसत्र (दिसम्बर 2019 से मई 2020)

| परीक्षा का नाम                | कुल नामांकित छात्र | अनुपस्थित छात्रों की संख्या | उपस्थित छात्रों की संख्या | अनुत्तीर्ण छात्रों की संख्या | उत्तीर्ण छात्रों की संख्या | टिप्पणी |
|-------------------------------|--------------------|-----------------------------|---------------------------|------------------------------|----------------------------|---------|
| पूर्वमध्यमा, प्रथम वर्ष       | 52                 | --                          | 52                        | 01                           | 51                         |         |
| पूर्वमध्यमा, द्वितीय वर्ष     | 45                 | 01                          | 44                        | 01                           | 43                         |         |
| उत्तरमध्यमा, प्रथम वर्ष       | 33                 | 03                          | 30                        | --                           | 30                         |         |
| उत्तरमध्यमा, द्वितीय वर्ष     | 33                 | 01                          | 32                        | --                           | 32                         |         |
| शास्त्री, प्रथम वर्ष          | 24                 | --                          | 24                        | --                           | 24                         |         |
| शास्त्री, द्वितीय वर्ष        | 27                 | --                          | 27                        | --                           | 27                         |         |
| शास्त्री, तृतीय वर्ष          | 43                 | --                          | 43                        | --                           | 43                         |         |
| आचार्य, प्रथम वर्ष (बी.पी.)   | 12                 | --                          | 12                        | --                           | 12                         |         |
| आचार्य, प्रथम वर्ष (टी.एल.)   | 10                 | --                          | 10                        | --                           | 10                         |         |
| आचार्य, प्रथम वर्ष (टी.एच.)   | 03                 | --                          | 03                        | --                           | 03                         |         |
| आचार्य, द्वितीय वर्ष (बी.पी.) | 14                 | 01                          | 13                        | --                           | 13                         |         |

|                                 |            |           |            |           |            |  |
|---------------------------------|------------|-----------|------------|-----------|------------|--|
| आचार्य, द्वितीय वर्ष (टी.एल.)   | 11         | --        | 11         | --        | 11         |  |
| आचार्य, द्वितीय वर्ष (टी.एच.)   | 04         | --        | 04         | --        | 04         |  |
| उ.म. (सोवारिग्पा), प्रथम वर्ष   | 16         | --        | 16         | 01        | 15         |  |
| उ.म. (सोवारिग्पा), द्वितीय वर्ष | 05         | --        | 05         | 01        | 04         |  |
| फाइन आर्ट्स, प्रथम              | 09         | --        | 09         | --        | 09         |  |
| फाइन आर्ट्स, द्वितीय            | 04         | --        | 04         | --        | 04         |  |
| बी. फाइन आर्ट्स, प्रथम          | 03         | --        | 03         | --        | 03         |  |
| बी. फाइन आर्ट्स, द्वितीय        | 04         | 01        | 03         | 01        | 02         |  |
| एम.एफ.ए., द्वितीय               | 01         | --        | 01         | --        | 01         |  |
| बी.एस.आर.एम.एस., प्रथम          | 12         | --        | 12         | --        | 12         |  |
| बी.एस.आर.एम.एस., द्वितीय        | 15         | --        | 15         | --        | 15         |  |
| बी.एस.आर.एम.एस., तृतीय          | 09         | --        | 09         | --        | 09         |  |
| बी.एस.आर.एम.एस., चतुर्थ         | 04         | --        | 04         | 01        | 03         |  |
| बी.एस.आर.एम.एस., पंचम           | 03         | --        | 03         | --        | 03         |  |
| बी.एड.                          | 13         | --        | 13         | --        | 13         |  |
| बी.ए. बी.एड., प्रथम             | 20         | --        | 20         | --        | 20         |  |
| बी.ए. बी.एड., चतुर्थ            | 16         | --        | 16         | --        | 16         |  |
| <b>कुल योग</b>                  | <b>445</b> | <b>07</b> | <b>438</b> | <b>06</b> | <b>432</b> |  |

## 2. संकाय

संस्थान की शैक्षणिक गतिविधियाँ मुख्यतः अध्ययन-अध्यापन एवं शोध-कार्य है। परीक्षाओं के प्रमाण-पत्र संस्थान स्वयं जारी करता है।

संस्थान बौद्ध अध्ययन, तिब्बती आयुर्विज्ञान (सोवा रिग्-पा) एवं ज्योतिष में शास्त्री, आचार्य, एम. फिल., पी-एच्. डी. एवं एम.डी./एम.एस. पाठ्यक्रमों का संचालन करता है। इसमें विद्यार्थियों को पूर्वमध्यमा प्रथम वर्ष (नौवीं कक्षा) से ही प्रवेश दिया जाता है और उन्हें पूर्व स्नातक तक के चार वर्षीय पाठ्यक्रम को पूरा करना होता है, जो उन्हें आधुनिक संस्थान शिक्षा-प्रणाली में दी जा रही परम्परागत शिक्षा के निमित्त तैयार करता है। पूर्वमध्यमा से लेकर आचार्य तक, नौ वर्षीय बौद्ध अध्ययन के पाठ्यक्रम में विद्यार्थियों को तिब्बती, संस्कृत, हिन्दी अथवा अंग्रेजी भाषाओं का तथा भारतीय बौद्ध शास्त्रों एवं उनकी तिब्बती टीकाओं का अध्ययन कराया जाता है। इसके साथ-साथ सम्प्रदाय शास्त्र, बोन परम्परा, इतिहास, अर्थशास्त्र एवं राजनीतिशास्त्र का भी अध्ययन कराया जाता है।

सोवा रिग्-पा संकाय में परम्परागत तिब्बती चिकित्सा शिक्षा पद्धति के सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक अध्ययन के साथ आधुनिक चिकित्सा-विज्ञान के विकृति-विज्ञान, शरीर-रचना-विज्ञान एवं शरीर-क्रिया-विज्ञान का अध्ययन कराया जाता है। विद्यार्थियों को तिब्बती चिकित्सा पद्धति में निपुण बनाने हेतु उन्हें नैदानिक प्रशिक्षण भी दिया जाता है।

तिब्बती ललित कला के विद्यार्थियों को थंका चित्रपट के निर्माण की विधि तथा तिब्बती काष्ठकला के विद्यार्थियों को काष्ठ-तक्षण-कला सिखाई जाती है। इसके साथ ही बौद्ध दर्शन, तिब्बती भाषा एवं साहित्य, अंग्रेजी या हिन्दी एवं कला का इतिहास का भी ज्ञान कराया जाता है।

### शिक्षण प्रविधि एवं अधिगम

संस्थान के उद्देश्यों के अनुरूप विभिन्न पाठ्यक्रमों की संरचना की गयी है। अध्यापकों के सुझावों तथा उन पर अध्ययन परिषद् के विषय-विशेषज्ञों की सहमति के आधार पर पाठ्यक्रमों की संरचना एवं उनमें परिवर्तन-परिवर्द्धन किया जाता है तथा इन्हें अन्तिम रूप में विद्वत् परिषद एवं अधिशासी बोर्ड द्वारा पारित किया जाता है।

इनके अतिरिक्त विद्यार्थियों के व्यक्तित्व के विकास के लिए संस्थान परिसर में सामूहिक एवं वैयक्तिक स्तर पर और भी अनेक गतिविधियाँ होती रहती हैं, जिनमें सामूहिक परिचर्चा, व्याख्यान, खेल-कूद, शैक्षणिक विनिमय कार्यक्रम एवं समाज सेवा सम्मिलित हैं। यह संस्थान पूर्णरूप से आवासीय है। सभी पाठ्यक्रम परिसर में ही चलाये जाते हैं।

### परीक्षा एवं मूल्यांकन

पंजीकृत विद्यार्थियों को परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए कम से कम 85% उपस्थिति अनिवार्य है। परीक्षा अधिसत्रों में संचालित होती हैं।

आलोच्य वर्ष में आयोजित विभिन्न पाठ्यक्रमों की परीक्षाओं के परिणाम निम्नलिखित तालिका में प्रदर्शित किए गए हैं-





## शैक्षणिक विभागों का परिचय

### (क) हेतु एवं अध्यात्म विद्या संकाय

प्रो. वङ्छुक दोर्जे नेगी - संकायाध्यक्ष

#### (I) मूलशास्त्र विभाग

मानव-जीवन की वास्तविकता एवं उसके उद्देश्य को समझने तथा सक्षम बनाने के निमित्त बौद्ध दर्शन एवं संस्कृति का संरक्षण एवं विकास करना, इस विभाग का उद्देश्य है। इस विभाग में बौद्ध-दर्शन, न्याय, मनोविज्ञान आदि विषय, बुद्धवचन तथा भारतीय आचार्यों द्वारा रचित शास्त्रों का अध्यापन होता है। मानव एवं अन्य प्राणियों के लिये इस जगत् को बेहतर बनाने में सहायता करना भी इस विभाग का उद्देश्य है। मात्र अपने कल्याण की बात न सोचकर करुणा एवं शान्ति का आश्रय लेकर वर्तमान जगत् की आवश्यकतानुसार इन गुणों का प्रसार करना भी इसके उद्देश्यों में शामिल है। यह विभाग बौद्ध दर्शन के अध्यापन के साथ-साथ शोध-कार्य भी कर रहा है। वैश्वीकरण के इस युग में नागार्जुन के शिष्यों एवं महासिद्धों के विचारों के पुनरुद्धार एवं उनके युगानुकूल समायोजन पर उपर्युक्त विभाग शोधरत है।

- |                              |   |                         |
|------------------------------|---|-------------------------|
| (1) प्रो. लोब्संग यारफेल     | - | प्रोफेसर एवं अध्यक्ष    |
| (2) प्रो. गेशे येशे थबख्ये   | - | प्रोफेसर (पुनर्नियोजित) |
| (3) प्रो. वङ्छुक दोर्जे नेगी | - | प्रोफेसर                |
| (4) गेशे लोसंग वांगड्रग      | - | असिस्टेंट प्रोफेसर      |
| (5) गेशे तेनज़िन नोरबू       | - | असिस्टेंट प्रोफेसर      |
| (6) गेशे लोब्संग थरख्ये      | - | अतिथि प्राध्यापक        |
| (7) भिक्षु छुलठिम ग्युरमेद   | - | अतिथि प्राध्यापक        |

#### शैक्षणिक गतिविधियाँ-

#### प्रो. वङ्छुक दोर्जे नेगी

#### प्रकाशन-

1. "प्रज्ञापारमिता - हृदयसूत्रस्फुटार्था भाष्य" (हृदयसूत्र पर टिप्पणी), कुन्फेल लिंग ताइवान द्वारा प्रकाशित, 2019
2. आचार्य नागार्जुन द्वारा "रत्नावली का परिचय" पर हिन्दी में विस्तृत प्रस्तावना; डॉ. नोर्बू ग्यलछेन नेगी द्वारा हिन्दी में अनुवादित (पृ. xv-lviii), विश्वभारती विश्वविद्यालय, ए.के. प्रकाशन, दिल्ली, 2019
3. "बौद्धधर्म के तीन विचारों - तिब्बती, दक्षिणी एवं चीनी बौद्धधर्म की दृष्टि से तिब्बती बौद्धधर्म की विशिष्ट विशेषताएँ", इंटरनेशनल फोरम ऑन त्रि-ट्रेडिशनस ऑफ बुद्धिज्म, पृ. 176-188, आई.एफ.टी.बी., ताइवान द्वारा प्रकाशित, 2019
4. "प्रो. समदोङ् रिनपोछे : एक दूरदर्शी शिक्षाविद्" प्रो. समदोङ् रिनपोछे के 80वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में सम्मान स्वरूप, फाउंडेशन फॉर नॉन-वायलेन्ट अल्टरनेटिव्स द्वारा प्रकाशित (पृ. 71-72), 2019
5. "बुद्धिस्ट स्टडीज माई पर्सपेक्टिव्स" इन सर्च ऑफ ट्युथ, भाग-2 (पृ. 267-292), पुरातन छात्र समिति, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी द्वारा प्रकाशित, 2019

**व्याख्यान/सहभागिता/शोधपत्र प्रस्तुति/धर्मशिक्षा-**

1. 20 अप्रैल 2019 - दर्शनशास्त्र विभाग, काशी विद्यापीठ, वाराणसी द्वारा आयोजित भारत दर्शन दिवस के अवसर पर “बौद्ध प्रमाण दर्शन” विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में भाग लिया।
2. 25 मई - 30 जून 2019 - कर्मा काग्युलिंग, ताइनान, ताइवान में एक महीने के लिये “महामुद्रा” विषय पर अध्यापन किया।
3. 26-28 जुलाई 2019 - त्सेर कर्मो मठ, लद्दाख द्वारा आयोजित तीन दिवसीय ग्रीष्मकालीन युवा शिविर में “बौद्ध दार्शनिक शिक्षण” पर विषय-विशेषज्ञ के रूप में व्याख्यान दिया।
4. जुलाई 2019 - श्रावस्ती सांस्कृतिक महासभा, श्रावस्ती, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित तीन महीने के वर्षाऋतु एकान्तवास समारोह के उद्घाटन में भाग लेने वाले अन्तर्राष्ट्रीय थेरवाद भिक्षुसंघ के लिये “तीन माह के श्रावस्ती के वास के ऐतिहासिक पुनरुद्धार” विषय पर उद्घाटन भाषण दिया।
5. 18 सितम्बर 2019 - कृष्णमूर्ति फाउण्डेशन, राजघाट द्वारा आयोजित “बुद्ध एक शान्तिदूत के रूप में” विषय पर विशिष्ट व्याख्यान।
6. 27 सितम्बर 2019 - श्रावस्ती सांस्कृतिक महासभा, श्रावस्ती, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित तीन महीने के वर्षाऋतु एकान्तवास समारोह में भाग लेने वाले अन्तर्राष्ट्रीय थेरवाद भिक्षुसंघ के लिये “हृदयसूत्र” विषय पर एक व्याख्यान दिया।
7. 28 सितम्बर 2019 - श्रावस्ती सांस्कृतिक महासभा, श्रावस्ती, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित तीन महीने के वर्षाऋतु एकान्तवास समारोह में प्रतिभागी अन्तर्राष्ट्रीय थेरवाद भिक्षुसंघ के लिये “थेरवाद और महायान के बीच अन्तर : दृश्य पथ और परिणाम” विषय पर व्याख्यान दिया।
8. 4-8 अक्टूबर 2019 - द बुद्धिस्ट एसोसिएशन न्यू ताइपेई सिटी, ताइवान द्वारा आयोजित “त्रि-परम्परा बौद्धधर्म” विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में “तिब्बती बौद्धधर्म की विशेषताएँ” (Distinction of Tibetan Buddhism) विषय पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।
9. 25 अक्टूबर 2019 - बिहार सरकार के पर्यटन निदेशालय द्वारा आयोजित विश्वशान्ति स्तूप राजगीर की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर “भगवान् बुद्ध और फुजजी गुरुजी” विषयक संगोष्ठी में मुख्यवक्ता के रूप में भाग लिया।
10. 3-5 नवंबर 2019 - गेलुक सम्प्रदाय विभाग के उ.ति.शि.सं., सारनाथ, वाराणसी द्वारा जे-चोंखापा के 600वीं महापरिनिर्वाण के अवसर पर आयोजित “गेलुक परम्परा का इतिहास एवं इसके संस्थान” विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में “गेलुक मठों का इतिहास” सत्र की अध्यक्षता की तथा इसके समापन सत्र में विशिष्ट वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।
11. 9 नवम्बर 2019 - पुरातन छात्रसंघ, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी द्वारा आयोजित “बौद्ध दर्शन” विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता की।
12. 13-28 नवम्बर 2019 - छोई जोदमा क्यङ्छंग छोगस्-पा, लद्दाख में 15 दिवसीय “महामुद्रा टीचिंग स्ट्रीट कम वर्कशॉप” में विषय-विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।
13. 16 दिसम्बर 2020 - बी.टी.आई. संस्कृति मन्त्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के बौद्ध / तिब्बती संस्कृति और कला के विकास के लिये वित्तीय सहायता की योजना पर विशेषज्ञ सलाहकार समिति की बैठक में संस्कृति मन्त्रालय द्वारा नामित सदस्य के रूप में भाग लिया।



14. दिसम्बर 2019 - एलिस प्रोजेक्ट, सारनाथ, वाराणसी के स्कूली बच्चों के लिये “बौद्ध नैतिकता” पर एक व्याख्यान दिया।
15. 31 दिसम्बर 2019 - 16 जनवरी 2020 - अमेरिका के पाँच कालेजों के छात्रों के शैक्षणिक आदान-प्रदान के लिये शान्तिदेव रचित “बोधिचर्यावतार” विषय पर बारह व्याख्यान दिया।
16. 27-30 जनवरी 2020 - हिमालयन बौद्ध संस्कृति संस्थान विकास समिति, डूंडा, उत्तरकाशी उत्तराखण्ड के अनुरोध पर “धर्मशिक्षण” विषयक पाँच दिवसीय कार्यशाला में विषय-विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।
17. 1 फरवरी 2020 - दून बौद्ध समिति, देहरादून द्वारा आयोजित “आधुनिक भारत में प्राचीन ज्ञान का महत्त्व” विषय पर देहरादून में सार्वजनिक भाषण दिया।
18. 3-4 मार्च 2020 - शिवाजी कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित “सिन्क्रेटिस्म इन इण्डियन हिस्ट्री एण्ड कल्चर थ्रू द एजेस” विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में “हिमालयी क्षेत्र के मठों में बौद्ध कला में प्रतिबिम्बित भारतीय दार्शनिक तत्व” विषय पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।
19. 4 मार्च 2020 - बौद्ध अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित “बोधिचर्यावतार” ग्रन्थ पर व्याख्यान दिया।
20. 13 मार्च 2020 - एम.एच.आर.डी., भारत सरकार, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी और शिकागो विश्वविद्यालय, अमेरिका द्वारा “बुद्धिस्ट एथिक्स, फॉर लीडरशिप फॉर एकेडेमीसियन प्रोग्राम” विषय पर आयोजित एक प्रश्नोत्तर सत्र में भाग लिया एवं व्याख्यान दिया।

### गेशे लोसंग वांगड्रग

#### प्रकाशन-

1. प्रासंगिक माध्यमिक दर्शन सम्प्रदाय में अष्ट बिन्दु-तर्क पर एक विश्लेषण।
2. ग्यूतो बौद्ध मठ के ऐतिहासिक विकास पर एक संक्षिप्त परिचय।

### गेशे तेन्जिन नोर्बू

#### सम्मेलन, कार्यशाला, संगोष्ठी एवं विचारगोष्ठी में शोधपत्र-

1. 25-27 अगस्त 2019 - महासभा श्रावस्ती में “महायान में वर्षावास” विषय पर थेरवाद परम्परा के भिक्षुओं के लिये व्याख्यान दिया।
2. 26 अक्टूबर 2019 - “तिब्बती बौद्धधर्म में ग्रीष्मकालीन एकान्तवास” विषय पर थेरवाद भिक्षुओं की बैठक में व्याख्यान दिया।
3. 3-5 नवम्बर 2019 - गेलुक सम्प्रदाय विभाग के उ.ति.शि.सं., सारनाथ, वाराणसी द्वारा जे-चोंखापा के 600वीं महापरिनिर्वाण के अवसर पर आयोजित “गेलुक परम्परा का इतिहास एवं इसके संस्थान” विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में “गेलुक मठों का इतिहास” विषय पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।
4. 19-21 दिसम्बर 2019 - कीर्ति जेपा मठ, द्वारा “जे-चोंखापा की दग बाई दोन दंग नगे पै दोन” (Je Tsonkhapa’s Drag Bai Don Dang NgesPai Don) पर गया में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
5. 4-5 जनवरी 2020 - दारदेंग केन्द्र, सारनाथ, वाराणसी द्वारा आयोजित कग्युर शोध समिति कार्यक्रम में सहभागिता।

### प्रशासनिक कार्य-

1. 2019-2020 के लिए विश्वविद्यालय की अकादमिक परिषद् की बैठक में भाग लिया।

### गोशे लोब्संग थरख्ये

1. 3-5 नवम्बर 2019 - गेलुक सम्प्रदाय विभाग के उ.ति.शि.सं., सारनाथ, वाराणसी द्वारा जे-चोंखापा के 600वें महापरिनिर्वाण के अवसर पर आयोजित “गेलुक परम्परा का इतिहास एवं इसके संस्थान” विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में “खम में मठों का इतिहास” (History of Monasteries in Kham) विषय पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।
2. केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी के छात्र-कल्याण समिति द्वारा आयोजित सीनियर समर कैम्प में “द मटेरियल एण्ड सब्टलर आस्पेक्ट्स ऑफ सेल्फलेस्नेस” विषयक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

### भिक्षु छुलठिम ग्युमेंद

#### प्रकाशित शोधपत्र-

1. “नंग्युर जिडमा का दृष्टिकोण, ध्यान और अभ्यास” विषयक शोधपत्र (43 पृष्ठ), पृ. सं. 462-505 - गादेन शास्त्रों और जाङ्त्से की अकादमिक परिषद् पी.ओ. तिब्बती कालोनी- 581411, मुंडगोद एन के कर्नाटक, दक्षिण भारत में प्रकाशित, आई.एस.बी.एन- 97881891656041.
2. “रिफ्युटेशन ऑफ प्रोपोनेन्ट्स एक्सिस्टेंस ऑफ फुइरान बाई डिफरेंट डिवीजन एण्ड एनालिसिस ऑन द स्कूल ऑफ सांख्य” (पृ. 24), पृ. सं. 68-93 तक अकादमिक परिषद् टशी लुन्पो मठ, मैसूर (के.ए.) भारत द्वारा प्रकाशित।

#### सम्मेलन, कार्यशाला, संगोष्ठी में शोधपत्र प्रस्तुति-

1. 10-13 जुलाई 2019 - गादेन मठ दक्षिण भारत द्वारा आयोजित “बौद्ध एवं अन्य प्राचीन भारतीय दार्शनिक परम्पराओं के ध्यान सम्बन्धी परिप्रेक्ष्य एवं दार्शनिक दृष्टि” विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में “नंग्युर जिडमा का दृष्टिकोण, ध्यान और अभ्यास” विषयक शोधपत्र प्रस्तुत किया।
2. 9-10 नवम्बर 2019 - अकादमिक परिषद् टशी लुन्पो मठ, मैसूर, भारत द्वारा आयोजित “शान्तरक्षित के तत्त्वसंग्रह” विषयक संगोष्ठी में “सांख्य सम्प्रदाय पर एक विश्लेषण” विषय पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

### (II) सम्प्रदायशास्त्र विभाग

इस विभाग में तिब्बती विद्वानों द्वारा बुद्धवचन एवं भारतीय आचार्यों के ग्रन्थों पर रचित टीका तथा स्वतन्त्र ग्रन्थों पर अध्यापन-कार्य होता है। भिक्षु एवं सामान्य विद्यार्थियों को तिब्बती बौद्ध परम्परा के चारों सम्प्रदायों की शिक्षा एक स्थान पर देना, इस संस्थान की स्थापना के प्रमुख उद्देश्यों में से एक है। यद्यपि भिक्षु, बौद्ध-विहारों में रहकर बौद्ध धर्म एवं दर्शन का अध्ययन कर सकते हैं, परन्तु उनमें चारों सम्प्रदायों की एक साथ शिक्षण की व्यवस्था नहीं है। इसके अतिरिक्त सामान्य विद्यार्थियों के लिए तिब्बती बौद्ध विहारों में अध्ययन की कोई व्यवस्था नहीं है।

उक्त सिद्धान्त एवं तथ्यों के आधार पर यह विभाग तिब्बती बौद्ध परम्परा के निम्नलिखित चार सम्प्रदायों की परम्पराओं के अध्ययन एवं शोध में कार्यरत है-

#### (क) कर्ग्युद सम्प्रदाय

- (1) डॉ. टशी सम्फेल - एसोसिएट प्रोफेसर
- (2) भिक्षु रमेशचन्द्र नेगी - एसोसिएट प्रोफेसर, प्रभारी- कोश विभाग
- (3) भिक्षु मेहर सिंह नेगी - अतिथि प्राध्यापक

**(ख) साक्या सम्प्रदाय**

- |                            |   |   |
|----------------------------|---|---|
| (1) प्रो. टशी छेरिङ् (एस.) | - | प्रोफेसर तथा अध्यक्ष, सम्प्रदाय शास्त्र |
| (2) भिक्षु डक्पा सेङ्गे    | - | एसोसिएट प्रोफेसर                        |
| (3) भिक्षु नवांग जोद्पा    | - | अतिथि प्राध्यापक                        |
| (4) श्री छेरिंग समडुप      | - | अतिथि प्राध्यापक                        |
| (5) लोपन नवांग थोकमे       | - | अतिथि प्राध्यापक                        |

**शैक्षणिक गतिविधियाँ-**

**प्रो. टशी छेरिङ् (एस)**

- 3 से 5 नवंबर, 2019 - जी.एस.डब्ल्यू.सी., वाराणसी द्वारा आयोजित तिब्बत में गेलुक परंपरा के संस्थापक जे-चोंखापा की 600वीं वर्ष की स्मृति के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और अध्यक्षता की।
- 9 नवंबर, 2019 - संस्थान के पुरातन छात्र समिति द्वारा “बौद्ध धर्म” पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- 11 नवंबर से 13 नवंबर 2019 - साक्या कालेज फॉर नन, मांडूवाला, देहरादून द्वारा आयोजित “बौद्ध तर्क प्रणाली” विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- 27 दिसंबर से 28 दिसंबर 2019 - तिब्बत हाउस, नई दिल्ली द्वारा आयोजित संगोष्ठी में भाग लिया और शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- जनवरी 2020 - फाइव कॉलेज, मास, यूएसए से अकादमिक एक्सचेंज के छात्रों के लिए व्याख्यान दिया।
- 13 से 14 जनवरी 2020 - केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ द्वारा आयोजित “राहुल सांकृत्यायन” विषयक संगोष्ठी की अध्यक्षता की।
- 28 फरवरी से 1 मार्च 2020 - अमृता विद्यापीठम, बैंगलोर में एक संगोष्ठी में भाग लिया, अध्यक्षता की और शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- पुस्तक चयन समिति का अध्यक्ष।
- पुस्तकालय प्रभारी।
- फाइव कॉलेज, मास, यूएसए, तस्मानिया विश्वविद्यालय और डीकिन विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया के साथ केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ के बीच शैक्षणिक विनिमय कार्यक्रम के मुख्य समन्वयक।
- संयुक्त राज्य अमेरिका के विभिन्न विश्वविद्यालय से केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ और SIT विदेश अध्ययन के बीच शैक्षणिक कार्यक्रम के मुख्य समन्वयक।
- पढ़े बनारस बढ़े बनारस समिति के अध्यक्ष।
- सम्प्रदाय विभाग के प्रमुख।
- मुख्य सतर्कता अधिकारी - केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी।

## भिक्षु डक्पा सेङ्गे

### संगोष्ठी / कार्यशाला में शोधपत्र प्रस्तुति एवं सहभागिता-

1. 13-14 अप्रैल, 2019 - ग्रेट साक्य मोनलम फाउंडेशन द्वारा जॉर्जर इन्स्टीट्यूट, बीर, हिमाचल प्रदेश में आयोजित "प्रज्ञापारमिता" विषयक नॉन सेक्टोरियन स्कॉलर्स डिबेट ऑफ द ग्रॉन्ड स्प्रिंग रिग्टर धर्म एक्टिविटी में अध्यक्षता की और शोधपत्र प्रस्तुत किया।
2. 10-13 जुलाई, 2019 - गादेन मठ द्वारा आयोजित "बौद्ध एवं अन्य प्राचीन भारतीय दार्शनिक परम्पराओं के ध्यान सम्बन्धी परिप्रेक्ष्य एवं दार्शनिक दृष्टि" विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में शोधपत्र प्रस्तुत किया।
3. 23-24 सितंबर, 2019 - मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की PMMMMNMTT योजना के अंतर्गत सी.टी.ई., केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी में आयोजित मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स (MOOCs) राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
4. 29 अक्टूबर, 2019 - केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी में स्थविर बौद्ध भिक्षुओं के लिए निदेशक कार्यालय द्वारा दिए गए आदेश के अनुसार "द फोर इमेजिरेबल" (The Four Immeasurable) पर व्याख्यान।
5. 4 नवंबर, 2019 - केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी की पुरातन छात्र समिति द्वारा आयोजित "हिमालय और उसकी संस्कृति" विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
6. 3-5 नवंबर, 2019 - गेलुक संप्रदाय विभाग, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी द्वारा जे-चोंखापा के 600वें महापरिनिर्वाण के अवसर पर "गेलुक परंपरा का इतिहास और इसके संस्थान" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में अध्यक्षता की।
7. 13-15 नवंबर, 2019 - साक्या कॉलेज ऑर नन, मँडुवाला, देहरादून के प्रथम दीक्षांत समारोह के दौरान "प्रमाणवार्तिक" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में अध्यक्ष के रूप में सहभागिता।
8. 26 नवंबर, 2019 - केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी द्वारा आयोजित "कन्स्टीट्यूशन ऑफ इण्डिया : एथोस एण्ड इम्पीरिटिव्स" विषयक संगोष्ठी में सहभागिता।
9. अंतर्राष्ट्रीय निंगमा इंस्टीट्यूट फॉर ग्लोबल इनिशिएटिव सारनाथ द्वारा आयोजित कंग्युर करचग विश्वकोश परियोजना के वार्षिक सम्मेलन में सहभागिता की।

### लोपन नवांग थोकमे

1. अगस्त, 2019 - छात्र-कल्याण संघ द्वारा आयोजित पूर्वमध्यमा, प्रथम वर्ष के छात्रों को "साक्य संप्रदाय का इतिहास" विषय पर व्याख्यान दिया।
2. 23 से 24 सितंबर, 2019 - एम.एच.आर.डी., भारत सरकार, नई दिल्ली की PMMMMNMTT योजना के तहत शिक्षक शिक्षण, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी द्वारा आयोजित "मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स" (MOOCs) विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
3. 13 से 15 नवंबर, 2019 - तक साक्या कॉलेज फॉर नन माण्डूवाला, देहरादून द्वारा "प्रमाणवार्तिक" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
4. 3 फरवरी, 2020 - छात्र-कल्याण संघ द्वारा सीनियर स्टूडेंट विन्टर कैम्प के उद्घाटन सत्र में 'Five Hedu of Madhyamak' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

**(ग) जिडमा सम्प्रदाय**

- |                           |   |                    |
|---------------------------|---|--------------------|
| (1) भिक्षु दुदुजोम नमग्यल | - | एसोसिएट प्रोफेसर   |
| (2) खेनपो सङ्गा तेनजिन    | - | असिस्टेंट प्रोफेसर |
| (3) खेनपो खरपो            | - | असिस्टेंट प्रोफेसर |
| (4) भिक्षु सोनम दोर्जे    | - | अतिथि प्राध्यापक   |

**शैक्षणिक गतिविधियाँ-  
खेनपो खरपो**

**मुख्य परियोजनाएं / शोध:**

1. “जिडमा परंपरा और गेलुक परंपरा के माध्यमिक दर्शन पर असमानता” विषयक शोध प्रक्रियाधीन है।
2. “तिब्बती व्याकरण में शब्दरूप एवं धातुरूप में अन्तर” विषयक शोध प्रक्रियाधीन है।
3. महान् भारतीय एवं तिब्बती आचार्यों की स्तुति और अन्य विविध विषयों पर काव्य-लेखन (जो समाप्ति पर है)।
4. “तिब्बती बौद्ध सम्प्रदायों की त्रिसंवर (त्रिमोक्ष बोधिसत्त्व एवं मंत्रयान संवर) पर विविध मान्यता” विषयक शोध प्रक्रियाधीन है।

**अन्य शैक्षणिक गतिविधियाँ:**

1. 20 फरवरी 2019 - 20 फरवरी 2020 - मायादेवी गर्ल्स हॉस्टल के वार्डेन के रूप में कार्य किया।
2. 23-24 सितंबर, 2019 - एम.एच.आर.डी., भारत सरकार, नई दिल्ली की PMMMNMTT योजना के तहत शिक्षक शिक्षण केंद्र, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, वाराणसी में “मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स” (MOOCs) विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
3. 11-20 अक्टूबर 2019 - आंतरिक शिक्षण विनिमय कार्यक्रम के अन्तर्गत बौद्ध दर्शन के चार संप्रदाय शास्त्र के पूर्वमध्यमा द्वितीय, शास्त्री प्रथम और आचार्य प्रथम वर्ष में विभिन्न व्याख्यान दिया।
4. 26-30 नवम्बर, 2019 - सी.टी.ई., केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी द्वारा “पेडगोजिकल प्रेक्टिस एण्ड प्रोफेशनल डेवलपमेन्ट ऑफ टीचर” (PPPDT) विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

**(घ) गेलुक सम्प्रदाय**

- |                             |   |                               |
|-----------------------------|---|-------------------------------|
| (1) भिक्षु लोब्संग ज़लछेन   | - | प्रोफेसर एवं अध्यक्ष (सं.शा.) |
| (2) भिक्षु लोब्संग छुलट्रिम | - | असिस्टेंट प्रोफेसर            |
| (3) भिक्षु नवांग तेनफेल     | - | असिस्टेंट प्रोफेसर            |

**शैक्षणिक गतिविधियाँ-**

**भिक्षु लोब्संग ज़लछेन**

**संगोष्ठी / कार्यशाला में दिए गए व्याख्यान-**

1. 13-14 अप्रैल, 2019 - देहरादून में ज्ञापारमिता शास्त्र पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में “Importance of Emptiness of Phenomena to Hearer and Pratyakbuddha” पर व्याख्यान प्रस्तुत किया और एक सत्र की अध्यक्षता की।

2. जुलाई, 2019 - पूर्वमध्यमा फ्रेशर कैम्प में “गेलुक सम्प्रदाय के इतिहास” पर व्याख्यान प्रस्तुत ।
3. 10-13 जुलाई 2019 - Academic Council of Gaden Shartse and Jangtse द्वारा आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी View and Meditations of Buddhist and Non Buddhist during International year of Tsongkhapa में “History of Madyamika Philosophy and Nagarjuna and Aryadeva view” पर व्याख्यान प्रस्तुत किया और एक सत्र की अध्यक्षता की ।
4. 19-23 अक्टूबर, 2019 - सी.टी.ई., के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ द्वारा आयोजित पाँच दिवसीय कार्यशाला में ‘मेथड ऑफ लॉजिकल’ पर व्याख्यान दिया ।
5. 23-25 अक्टूबर, 2019 - में मूलशास्त्र, सी.आई.एच.सी.एस. दाहुंग, अरुणांचल प्रदेश द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में “सिग्नीफिकेन्स ऑफ एनलाइटनमेंट” पर व्याख्यान प्रस्तुत किया व एक सत्र की अध्यक्षता की ।
6. 3-5 नवम्बर, 2019 - गेलुक सम्प्रदाय, के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी History of Gelugpa Traditional and Its Institutions during International year of Tsongkhapa में “History of Gelug Traditions and its Institutions” पर व्याख्यान प्रस्तुत किया व एक सत्र की अध्यक्षता की ।
7. 13-15 नवम्बर, 2019 - शाक्य ननेरी, लिंगट्संग तिब्बतन सेटलमेंट, चोनधारा द्वारा आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला “सिग्नीफिकेन्ट ऑफ प्रमाणवार्तिक फ्रॉम डिफरेन्ट पर्सपेक्टिव्स” पर आयोजित विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया व सत्र की अध्यक्षता की ।

#### **परियोजना-**

1. “हिस्ट्री ऑफ गेलुक सम्प्रदाय”, के.उ.ति.शि.सं. से प्रकाशित, 2019.
2. “हिस्ट्री ऑफ माध्यमिक एण्ड नागार्जुन थॉट”, एकेडमिक काउंसिल ऑफ गादेन शात्र एण्ड जंगत्स से प्रकाशित, 2019.

#### **शोध-निर्देशन-**

1. शोधछात्र येशी वाङ्दू - शोध-निर्देशक ।
2. शोधछात्र देचेन डोलमा - शोध-निर्देशक ।

#### **गेशे लोब्संग छुलट्रिम**

1. 23-24 सितम्बर, 2019 - सी.टी.ई., के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला ‘Massive Open Online Courses (MOOCs)’ में प्रतिभागिता ।
2. 26 सितम्बर - 5 अक्टूबर, 2019 - के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ में डायलेक्टिक्स के माध्यम से विज्ञान विषय के शिक्षण पर बातचीत की ।
3. 3-5 नवम्बर, 2019 - आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी हिस्ट्री ऑफ गेलुक ट्रेडिशन एण्ड इट्स इन्स्टीट्यूशन्स में “Sila of Gelug Sampradaya” पर विशेष बातचीत की ।
4. 3-4 फरवरी, 2020 - शीतकालीन कैम्प “मध्यमक” में वरिष्ठ विद्यार्थियों को “द टिबेटन बुद्धिस्ट फिलॉसफी” पर विशेष व्याख्यान दिया ।
5. 15-17 फरवरी, 2020 - आयोजित संगोष्ठी में “द डिसेन्ट इन्टू लग्का सूत्र” पर व्याख्यान प्रस्तुत किया ।

### शैक्षणिक लेखन-

1. प्रकाशनाधीन- “अभिधर्मकोशे” पुस्तक दो खण्ड में द कॉर्पोरेट बॉडी ऑफ बुद्ध एडुकेशनल फाउन्डेशन तपेई, तवांग द्वारा प्रकाशन की स्वीकृति प्राप्त ।

### भिक्षु नवांग तेनफेल

#### संगोष्ठी, कार्यशाला में प्रतिभागिता-

1. 3-5 नवम्बर, 2019 - आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी गेलुक परंपरा का इतिहास और संस्थान में “हिस्ट्री ऑफ सेरा महायान यूनिवर्सिटी” पर व्याख्यान प्रस्तुत किया ।
2. के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ और तिब्बत एण्ड हिमालयन स्टडीज के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय Alumni मीट में “हारमनी एण्ड रिलेशन बिटविन रिलीजियस एण्ड इट्स सिग्नीफिकेन्ट” पर व्याख्यान दिया ।

### परियोजना-

1. प्रो. समदोङ् रिनपोछे जी के सम्मान में के.उ.ति.शि.सं. के एलूमनी एशोसियेशन एक लेखों का संग्रह “हारमनी एण्ड रिलेशन बिटविन रिलीजियस एण्ड इट्स सिग्नीफिकेन्ट इन सर्च ऑफ ट्रुथ” part II प्रकाशित किया है । ISBN: 978-81-936254-7-7.
2. डीह प्रकाशन से वर्ष 2019 में “हिस्ट्री ऑफ द मोस्ट होली ऑफ न्यांग डेचेटेन्ग” पर सम्पादित पुस्तक ।
3. “हिस्ट्री ऑफ सेरा महायान यूनिवर्सिटी” के.उ.ति.शि.सं. से प्रकाशित, 2019.
4. थिनले वाङ्छुक द्वारा सम्पादित ‘तत्त्वसंग्रह’ के प्रथम भाग के प्रकाशन में सहयोग किया ।

### (III) बोन सम्प्रदायशास्त्र विभाग

बोन सम्प्रदाय तिब्बत का एक प्राचीन धर्म है । इसकी हजारों वर्षों से अविच्छिन्न ऐतिहासिक, धार्मिक एवं दार्शनिक परम्परा चली आ रही है । इस सम्प्रदाय में प्रचुर मात्रा में दर्शन, तर्क-शास्त्र आदि विषयों के साहित्य उपलब्ध हैं ।

इस संस्थान में बोन सम्प्रदाय के साहित्य को दो भागों में विभाजित कर सुयोग्य अध्यापकों द्वारा अध्ययन-अध्यापन की व्यवस्था की गयी है । प्रथम भाग में बोन सम्प्रदाय के शास्ता शेनरब द्वारा उपदिष्ट वचनों और पूर्व के आचार्यों के ग्रन्थों को तथा द्वितीय भाग में 8वीं शताब्दी के पश्चाद्वर्ती आचार्यों के ग्रन्थों को रखा गया है ।

- |  |   |
|--|---|
| (1) भिक्षु गोरिग तेन्जिन छोगदेन        | - एसोसिएट प्रोफेसर एवं अध्यक्ष                      |
| (2) भिक्षु गोरिग लुडरिग् लोदेन वांगछुक | - एसोसिएट प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, छात्र कल्याण सङ्काय |
| (3) भिक्षु सी.जी.एस. फुन्छोक जिमा      | - असिस्टेंट प्रोफेसर                                |
| (4) भिक्षु युङ्डुङ् गेलेक              | - असिस्टेंट प्रोफेसर                                |
| (5) भिक्षु एम.टी. नमदक छुकफुद          | - अतिथि प्राध्यापक                                  |

### शैक्षणिक गतिविधियाँ-

#### भिक्षु गोरिग लुडरिग् लोदेन वांगछुक

1. “The Methods of Attempting Examination” पर व्याख्यान प्रस्तुत किये ।

#### भिक्षु सी.जी.एस. फुन्छोग जिमा

1. 2 अगस्त, 2019 - एस.डब्ल्यू.ए., के.उ.ति.शि.सं. द्वारा आयोजित कैम्पिंग में पूर्वमध्यमा के विद्यार्थियों को Yungdrung Bon पर परिचयात्मक व्याख्यान दिया ।

2. 23-24 सितम्बर, 2019 - सी.टी.ई., के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला 'Massive Open Online Courses' (MOOCs) में प्रतिभागिता।
3. 28-30 सितम्बर, 2019 - रिगलब कमेटी, के.उ.ति.शि.सं. द्वारा आयोजित कार्यशाला में व्याख्यान प्रस्तुत किया।
4. 3-5 नवम्बर, 2019 - गेलुक सम्प्रदाय, के.उ.ति.शि.सं. द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी 'History of Gelug Tradition and its Institutions' के अध्यक्ष का दायित्व निर्वाह किया।
5. तिसे हिमालयन स्कूल के टेक्स्ट बुक कक्षा IV, V, VI, VII तथा VIII के सम्पादकीय मंडल के सदस्य रहे, जो छेरिंग फुनछोक लिंग बोन सोसाइटी के अन्तर्गत कार्य करता है।
6. ट्रीटन गेलटन पाल द्वारा लिखित 'बोन सालजे' पुस्तक का सम्पादन किया।
7. ख्युङ्गपो लोडे ज़लछेन कृत 'Gyalrab Bon Gyi Jung Nas' पुस्तक का सम्पादन किया।
8. ख्युङ्गपो लोडे ज़लछेन कृत 'Lingzhi tenp'I Jungkhung' पुस्तक का सम्पादन किया।

### भिक्षु एम.टी. नमदक थुकफुद

1. 23-24 सितम्बर, 2019 - सी.टी.ई., के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला 'Massive Open Online Courses' (MOOCs) में प्रतिभागिता।

### (ख) शब्द विद्या संकाय

प्रो. धर्मदत्त चतुर्वेदी - संकायाध्यक्ष

### (I) संस्कृत विभाग

- (1) प्रो. धर्मदत्त चतुर्वेदी - प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष
- (2) डॉ. अनिर्वाण दाश - एसोसिएट प्रोफेसर
- (3) डॉ. रीतेश कुमार चतुर्वेदी - अतिथि प्राध्यापक
- (4) डॉ. उमाशंकर शर्मा - अतिथि प्राध्यापक

### अन्य विभागीय विद्वानों के द्वारा आंशिक संस्कृत शिक्षण शैक्षणिक गतिविधियाँ

1. 22-29 अगस्त 2020 - तक प्राच्य लिपि प्रशिक्षण विषयक साप्ताहिक कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें संस्थानीय तथा बाहरी सहायक आचार्यों, शोध विभागीय विद्वानों तथा स्नातकोत्तर छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।
2. 24 अक्टूबर 2019 - प्रो. गजेन्द्र पण्डा, संस्कृत विभागाध्यक्ष एल.सी. आर्ट्स कालेज, गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद ने संस्कृत विभागीय छात्रों के लिये संस्कृतस्य महत्त्वम् विषय पर विशेष व्याख्यान दिया।
3. श्री लोब्संग छोडक पी-एच.डी. छात्र के लिये माननीय कुलपति जी के मौखिक आदेश पर सरस्वतीकण्ठाभरणम् काव्यशास्त्र का शिक्षण किया।
4. प्रो. पेमा तेनजिन, अनुवाद विभाग (उत्तरमध्यमा, प्रथम वर्ष, अनिवार्य संस्कृत कक्षा)।
5. डॉ. रामजी सिंह, सहायक आचार्य, अनुवाद विभाग (पूर्वमध्यमा तथा उत्तरमध्यमा की 4 संस्कृत खवर्गीय कक्षाएँ)।
6. श्री दावा शेर्पा, अतिथि प्राध्यापक, सोवा-रिग्पा विभाग (पूर्वमध्यमा, प्रथम वर्ष, अनिवार्य संस्कृत कक्षा)।



7. डॉ. विश्वप्रकाश त्रिपाठी, शोध सहायक, कोश विभाग (शास्त्री प्रथम तथा शास्त्री तृतीय खवर्गीय दो संस्कृत कक्षार्ये)।
8. डॉ. उमाशंकर शर्मा - शास्त्री द्वितीय (अनिवार्य सं.), उत्तरमध्यमा द्वितीय (अनि. सं.) तथा शास्त्री प्रथम वर्ष (खवर्ग संस्कृत)।

### प्रो. धर्मदत्त चतुर्वेदी

1. 15 अप्रैल हस्तकला संकुल केन्द्र वाराणसी में लोकसभा निर्वाचन – 2019 को मतदान प्रक्रिया सम्पन्न कराने हेतु प्राप्त दायित्व के निर्वाह हेतु प्रशिक्षण प्राप्त किया।
2. 7 मई 2019 - हस्तकला संकुल केन्द्र में वाराणसी निर्वाचन क्षेत्र लोकसभा चुनाव 2019 की प्रक्रिया सम्पन्न कराने हेतु द्वितीय प्रशिक्षण प्राप्त किया।
3. 18-19 मई 2019 – लोकसभा चुनाव 2019 वाराणसी निर्वाचन क्षेत्र के अन्तर्गत रोहनियाँ विधानसभा के सीरगोवर्धनपुर मतदान-बूथ पर पीठासीन अधिकारी के दायित्व का निर्वाह किया।
4. 2 अक्टूबर 2019 – गान्धी जयन्ती पर स्वरचित तथा निर्देशित भारत को प्लास्टिक मुक्त बनाने व जलसंरक्षण की लहर विषयक नुक्कड़ नाटक का मंचन संस्थानीय छात्र-छात्राओं के माध्यम से संस्थान के मुख्य द्वार पर कराया।
5. 16 अक्टूबर 2019 – गान्धी संकल्प पद यात्रा कार्यक्रम के अन्तर्गत शहर उत्तरी विधायक तथा पंजीयन मन्त्री श्री रवीन्द्र जायसवाल तथा संस्थानीय माननीय कुलपति प्रो. एन समतेन जी के मुख्य आतिथ्य में आशापुर वाराणसी चौराहे पर छात्र-छात्राओं के माध्यम से प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान पर नुक्कड़ नाटक का मंचन कराया।
6. 17 अक्टूबर 2019 – तिब्बती भाषा विभागीय एम. फिल के छात्रों के लिये संस्कृत काव्यशास्त्र पर शिक्षण किया।
7. 27 नवम्बर 2019 - 24 फरवरी 2020 – कोरियन भिक्षुणी श्री धम्मफला के लिये कातन्त्र व्याकरण का शोधात्मक शिक्षण किया।
8. 7 दिसम्बर 2019 – मालवीय भवन बी.एच.यू में पद्मश्री प्रो. अभिराज राजेन्द्र मिश्र पूर्व कुलपति की डाक्यूमेंट्री में साक्षात्कार दिया।
9. 3 मार्च 2020 – डॉ. सुतपा सेन एशोसिएट प्रोफेसर कलकत्ता विश्ववि. पश्चिम बङ्गाल ने संस्कृत कविता की सामयिक स्थिति तथा उपयोगिता विषय पर साक्षात्कार लिया।
10. 15 मार्च 2020 – संस्कृत विद्या धर्मविज्ञान संकाय व्याकरण विभाग, बी.एच.यू में एस.आर.एफ का साक्षात्कार लिया।

### शोधनिबन्धों एवं कविताओं का प्रकाशन

1. विश्वव्यापिसंस्कृतबौद्धवाङ्मयविमर्शः शीर्षकीय निबन्ध परिशीलनम् नामक शोधपत्रिका, ISSN 2231-6221, अंक 42, उ.प्र. संस्कृत संस्थान इन्दिरा भवन, लखनऊ से प्रकाशित।
2. संस्कृत में बौद्धदर्शन – कृति समीक्षा एवं पुण्यानुमोदना श्रीः शोधनिबन्ध बुक चेप्टर के रूप में प्रकाशित, प्रकाश के. पी. पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली, ISBN 978-81-936993-8-6
3. मीमांसाशास्त्रे धात्वाख्यातार्थविमर्शः शीर्षकीय शोधनिबन्ध 50वाँ अखिल भारतीय प्राच्य विद्या सम्मेलन कविकुलगुरु कालिदास संस्कृत यूनिवर्सिटी नागपुर महाराष्ट्र की समरी आफ रिसर्च पेपर्स पार्ट (बुक चेप्टर) के रूप में जनवरी 2020 में प्रकाशित, ISBN 978-93-85710-59-9

4. द्विकर्मकधात्वर्थविमर्शः – “सुसंस्कृतम्” अन्तर्राष्ट्रीय शोधपत्रिका, ISSN 2277-7024, अंक 11, सुरुचिकला समिति, वाराणसी द्वारा प्रकाशित ।
5. श्रीपुरुषोत्तमस्मृतिप्रभा पत्रिका, सुग्रीव किलाधीश मठ अयोध्या से प्रातःस्मरणीयस्वामि-श्रीमज्जगद्गुरुरामानुज-पुरुषोत्तमाचार्याणां चरणकमलयोरैकपञ्चाशत्पद्यमयः सुमाञ्जलिः शीर्षकीय कविता प्रकाशित, फरवरी 2020
6. परिजनसुखमाल्यम् शीर्षकीय संस्कृत कविता अमरवाणी संस्कृत पत्रिका मेरठ से प्रकाशित, जुलाई 2019
7. सामयिकान्दोलितवसन्ततिलकेयम् शीर्षकीय संस्कृत पद्यबद्ध कविता अमरवाणी संस्कृत पत्रिका मेरठ (उ.प्र.) से प्रकाशित, दिसम्बर 2019

### सेमिनारों में शोधपत्र प्रस्तुति

1. 10-12 जनवरी 2020 - अखिल भारतीय 50वाँ प्राच्य विद्या सम्मेलन, कविकुलगुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय नागपुर महाराष्ट्र में क्लासिकल संस्कृत के अन्तर्गत शोधपत्र प्रस्तुत ।
2. 22 फरवरी 2020 - अन्तर्राष्ट्रिय पुराण संगोष्ठी, सं.सं.वि.वि. वाराणसी में कूर्मपुराण के आलोक में काशीतीर्थ विषयक शोधपत्र प्रस्तुत ।

### ग्रन्थ- प्रकाशन –

1. परिधाव्यब्दकाव्यामृतम् मौलिक संस्कृत काव्य, ISBN 978-81-941-224-3-2
2. सद्धर्मचिन्तामणिमोक्षरत्नालंकार – संस्कृत सम्पादन प्रकाशनाधीन, के.उ.ति.शि.सं, सारनाथ, वाराणसी ।

### व्याख्यान एवं कविता प्रस्तुति –

1. 26 मई 2019 - इन्दिरा गान्धी राष्ट्रियकला केन्द्र वाराणसी में आयोजित पं. वासुदेव द्विवेदी शास्त्री पुण्यस्मृति समारोह के अन्तर्गत आयोजित संस्कृत कवि सम्मेलन का संचालन एवं कविता प्रस्तुति की ।
2. 7 जून 2019 - पद्मश्री प्रो. वी. बेंकटाचलम् की पुण्यस्मृति में कुलपति आवास – सं.सं.वि.वि, वाराणसी में आयोजित संस्कृत कवि सम्मेलन में कविता प्रस्तुति की ।
3. 16 अगस्त 2019 - विश्वसंस्कृतकुटुम्बकम् फेशबुक पटल समूह पर संस्कृत व्याख्यान दिया ।
4. 22 अगस्त 2019 - संस्कृत विभाग के.उ.ति.शि.सं सारनाथ द्वारा आयोजित प्राच्य लिपि प्रशिक्षण कार्यशाला के उद्घाटनसत्र में व्याख्यान दिया ।
5. 4 सितम्बर 2019 - संस्थानीय प्राच्य एवं आधुनिक भाषा विभाग द्वारा आयोजित पटना वि.वि. के प्रो. अरुणकमल के व्याख्यान सत्र में अध्यक्षीय वक्तव्य दिया ।
6. 20 सितम्बर 2019 - संस्थानीय प्राच्य एवं आधुनिक भाषा विभागीय अंग्रेजी इकाई द्वारा आयोजित तिब्बती क्रान्तिकारी कवि श्री तेनजिन चोन्डू के व्याख्यान सत्र में उद्बोधन दिया ।
7. 30 सितम्बर 2019 - स्वच्छ भारत मिशन के तहत संस्थान में आयोजित वाद-विवाद प्रतियोगिता में व्याख्यान दिया ।
8. 15 अक्टूबर 2019 - स्वामीनारायण मन्दिर मच्छोदरी वाराणसी में वाराणसेय विश्वविद्यालयों को माननीय कुलपतियों के सान्निध्य में आयोजित विद्वत्सत्कार एवं शास्त्रसंगोष्ठी का संचालन एवं संस्कृत में स्व-रचित 5 महान् सन्तों के अभिनन्दनपत्र का वाचन किया ।

9. 7 दिसम्बर 2019 - मालवीय भवन बी.एच.यू. में योग-प्रशिक्षण सम्पूर्ति सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में व्याख्यान दिया।

10. 2 मार्च 2020 - प्राच्य एवं आधुनिक भाषा विभागीय पालि इकाई द्वारा आयोजित कार्यशाला में व्याख्यान दिया।

### संस्थानीय एवं बाह्य समितियों में सम्पादित प्रशासकीय शैक्षणिक एवं शोधकार्य

1. 8 अप्रैल 2019 - सरस्वती गुरुकुल महाविद्यालय मुनारी वाराणसी में आचार्य द्वितीय वर्ष की मौखिक परीक्षा ली।
2. माननीय कुलपति जी के सान्निध्य में सत्र 2019-20 में बौद्धविज्ञान एवं समुच्चय ग्रन्थ के सम्पादन की अनेक बैठकों में निरन्तर सहभाग तथा प्रदत्त अपने दायित्व का निर्वाह किया।
3. तिब्बतीभाषा विभागीय एम.फिल प्रवेश-परीक्षा साक्षात्कार की अध्यक्षता कर संबद्ध दायित्व का निर्वाह किया।
4. 21 सितम्बर 2019 - संस्थानीय बोर्ड ऑफ गवर्नर समिति की बैठक में सदस्य के तौर पर सहभाग किया।
5. 13 सितम्बर - 1 अक्टूबर 2019 - स्वच्छ भारत मिशन के तहत स्वरचित नुक्कड़ नाटक का प्रशिक्षण रात में 7 बजे से 10 बजे तक छात्र-छात्राओं को दिया।
6. 16 जनवरी 2020 - वार्षिक प्रगति विवरण-रिपोर्ट 2018-19 के अध्यक्ष के तौर पर सम्पादित अन्तिम प्रति प्रकाशन हेतु कुलसचिव-कार्यालय में जमा की।
7. 22 जनवरी 2020 - उ.प्र. संस्कृत संस्थान लखनऊ द्वारा रामेश्वरमठ वाराणसी में आयोजित धर्मशास्त्रीय इतिहास लेखन की बैठक में बौद्धधर्म शास्त्रीय लेखन की रूपरेखा व्याख्यान के रूप में प्रस्तुत की।
8. 2 फरवरी 2020 - ज्ञानप्रवाह सामनेघाट वाराणसी द्वारा प्रायोजित संस्कृत नाटक मृच्छकटिकम् का अवलोकन नागरी नाटक मण्डली कबीरचौरा वाराणसी में किया।
9. 26 फरवरी 2020 - सं.सं.वि.वि. वाराणसी में व्याकरणविभागीय चयन समिति में विषय-विशेषज्ञ के रूप में दायित्व का निर्वाह किया।

### शोध-निर्देशन -

1. अपने निर्देशन में शोधच्छात्र पासड तेनजिन के बोधिसत्त्वचर्यावतारविवृतिपञ्जिकायाः पुनरुद्धारः समीक्षणञ्च विषय पुनरुद्धार में समुचित यथापेक्षित मार्गदर्शन किया।
2. अपने निर्देशन में शोधच्छात्र कोनछोक समडुप के चन्द्रकीर्तिविरचितपञ्चस्कन्धप्रकरणस्य पुनरुद्धारः समीक्षणञ्च विषयक शोधकार्य का मार्गदर्शन किया।
3. श्री नवाड ग्यलछेन नेगी के शोधकार्य में सहनिर्देशक के तौर पर मार्गदर्शन किया।
4. श्री लोबसड छोडक के सरस्वतीकण्ठाभरण विषयक शोधकार्य में सहनिर्देशक के तौर पर मार्गदर्शन किया।

### डॉ. अनिर्वाण दाश

1. अप्रैल 2019 - मार्च 2020 - मुक्तबोध इण्डोलॉजिकल रिसर्च इन्स्टीट्यूट, P.O. Box 8947, Emeryville, CA 94662-0947, USA के शैक्षणिक परामर्शदाता का निर्वाह किया।
2. 8-12 जनवरी 2020 - सिंहली मातृका विवेचन शीर्षक पर शोधपत्र वाचन, कालिदास विश्वविद्यालय, अखिल भारतीय प्राच्य सम्मेलन, नागपुर।
3. राष्ट्रिय अभिलेखागार, नेपाल की योजना के अन्तर्गत कर्माधिकार नामक बौद्ध संस्कृत पाण्डुलिपि का लिप्यन्तरण एवं सम्पादन किया।

## (II) तिब्बती भाषा एवं साहित्य विभाग

- (1) भिक्षु ल्हक्पा छेरिंग - असिस्टेंट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष
- (2) डॉ. टशी छेरिंग (टी) - एसोशिएट प्रोफेसर
- (3) श्री लोब्सङ् तोन्देन - अतिथि प्राध्यापक

### शैक्षणिक गतिविधियाँ-

#### डॉ. ल्हाक्पा छेरिङ

1. 23-24 अप्रैल, 2019 - शिक्षा विभाग, धर्मशाला द्वारा आयोजित शिक्षा सलाहकार की मीटिंग में शिक्षा सलाहकार के सदस्य के रूप में भाग लिया।
2. 23-24 सितम्बर, 2019 - सी.टी.ई., के.उ.ति.शि.सं. द्वारा आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला (MOOCs) में प्रतिभागिता की।
3. 29-30 अक्टूबर, 2019 - दलाईलामा कालेज बेंगलूरु के परास्नातक के पाठ्यक्रम की समीक्षा के लिए विषय-विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।
4. 10 नवम्बर, 2019 - टिबेटन कॉलेज स्टूडेंट कॉन्फ्रेंस कमेटी द्वारा आयोजित व्याख्यानमाला में “हाउ टू सेव टिबेटन लैंग्वेज” पर व्याख्यान दिया।
5. 11 नवम्बर, 2019 - एलुमनी एशोसिएशन, के.उ.ति.शि.सं. द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में “एनालिसिस ऑन डायरेक्ट एण्ड इन्डायरेक्ट इन्डिकेशन ऑफ पार्टिकल्स इन “रूट ग्रामर इन थर्टी वर्सेस” पर व्याख्यान दिया।
6. 30-31 नवम्बर, 2019 - दलाई लामा कालेज बेंगलूरु द्वारा आयोजित व्याख्यान में तिब्बती भाषा के स्नातक के विद्यार्थियों के लिए दो व्याख्यान दिये।
7. 31 नवम्बर, 2019 - तिब्बती भाषा समिति, दलाई लामा कालेज, बेंगलूरु द्वारा आयोजित विद्यार्थियों, शिक्षकों और अन्य के लिए एक विशेष व्याख्यान दिया।

#### डॉ. टशी छेरिंग (टी)

1. 23-24 सितम्बर, 2019 : सी.टी.ई., के.उ.ति.शि.सं. द्वारा आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला (MOOCs) प्रतिभागिता की।
2. नवम्बर, 2019 - के.उ.ति.शि.सं. एलुमनी द्वारा प्रो. समदोङ् रिनपोछे के सम्मान में ‘इन सर्च ऑफ टुथ’ Part-I में “एनालिसिस ऑन द इवोल्यूशन ऑफ मल्टीट्यूड ऑफ नाउन इन टिबेटन ग्रामर” विषयक लेख प्रकाशित हुआ।
3. 11 नवम्बर, 2019 - एलुमनी एशोसिएशन, के.उ.ति.शि.सं. द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता की।
4. जनवरी, 2020 - Mass., USA में पाँच कालेजों में एकेडेमिक एक्सचेंज स्टूडेंट के लिए व्याख्यान दिया।

## (III) प्राच्य एवं आधुनिक भाषा विभाग

- (1) प्रो. धर्मदत्त चतुर्वेदी - विभागाध्यक्ष
- (2) प्रो. बाबूराम त्रिपाठी - विजिटिंग प्रोफेसर (हिन्दी, पुनर्नियुक्त)
- (3) डॉ. अनुराग त्रिपाठी - असिस्टेंट प्रोफेसर (हिन्दी)
- (4) डॉ. ज्योति सिंह - असिस्टेंट प्रोफेसर (हिन्दी)

- (5) डॉ. अनिमेष प्रकाश - असिस्टेंट प्रोफेसर (पालि)  
 (6) डॉ. महेश शर्मा - असिस्टेंट प्रोफेसर (अंग्रेज़ी)  
 (7) डॉ. रामसुधार सिंह - अतिथि प्राध्यापक (हिन्दी)  
 (8) डॉ. विवेकानन्द तिवारी - अतिथि प्राध्यापक (हिन्दी)  
 (9) डॉ. रविरञ्जन द्विवेदी - अतिथि प्राध्यापक (पालि)  
 (10) डॉ. जसमीत गिल - अतिथि प्राध्यापक (अंग्रेज़ी)

### विभागीय गतिविधियाँ-

1. 31 अगस्त 2019 - प्रो. बाबूराम त्रिपाठी के “तथागत” उपन्यास का सेतु सांस्कृतिक केन्द्र, वाराणसी द्वारा अतिश सभागार, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी में नाट्य मंचन किया गया।
2. 3 सितम्बर 2019 - आ.भा.विभाग, के.उ.ति.शि. संस्थान द्वारा आयोजित “हाउ टू रीड ए पोएम” पर प्रो. अरुण कमल ने विशेष व्याख्यान दिया।
3. 4 सितम्बर 2019 - “आधुनिक हिन्दी कविता” विषय पर एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।
4. 17 दिसम्बर, 2019 - डॉ. उदयप्रताप सिंह, अध्यक्ष, हिन्दुस्तानी एकेडमी, प्रयागराज द्वारा “रस सिद्धान्त” विषय पर एक विशेष व्याख्यान आचार्य कक्षा के छात्रों के लिए दिया गया।
5. 20 सितम्बर 2019 - आधुनिक भाषा विभाग, के.उ.ति.शि. संस्थान द्वारा आयोजित कार्यशाला क्रियेटिव राइटिंग द इन्ट्रिन्सिंग प्रोसेस ऑफ राइटिंग टेनजिंग शून्टू द्वारा दिया गया।
6. 26 सितम्बर, 2019 - डॉ. वन्दना झा, हिन्दी विभाग, वसन्त महिला महाविद्यालय, राजघाट, वाराणसी द्वारा “मुंशी प्रेमचन्द और उनकी कहानी “नमक का दारोगा” विषय पर एक विशेष व्याख्यान पूर्वमध्यमा एवं उत्तरमध्यमा के छात्रों के लिए दिया गया।
7. 12 फरवरी, 2020 - डॉ. भगवान शर्मा, पूर्व अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, सेन्ट जॉन्स कालेज, आगरा द्वारा “क्रान्तिकारी कवि निराला” विषय पर एक विशेष व्याख्यान पूर्वमध्यमा, उत्तरमध्यमा एवं शास्त्री के छात्रों के लिए दिया गया।
8. 13 मार्च, 2020 - डॉ. जितेन्द्र नाथ मिश्र, पूर्व अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, डी.ए.वी. कालेज, वाराणसी द्वारा “वक्रोक्ति सिद्धान्त” विषय पर एक विशेष व्याख्यान आचार्य के छात्रों के लिए दिया गया।

### डॉ. अनुराग त्रिपाठी

#### संगोष्ठी में शोधपत्र प्रस्तुति एवं सहभागिता-

1. 22-29 अगस्त, 2019 - केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी में संस्कृत विभाग द्वारा आयोजित सात दिवसीय “प्राच्य लिपि” प्रशिक्षण कार्यशाला में सहभागिता की।
2. 4 सितम्बर, 2019 - केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी में प्राच्य एवं आधुनिक भाषा विभाग द्वारा आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में सम्मिलित होकर “आधुनिक हिन्दी कविता” विषय पर व्याख्यान दिया।
3. 23-24 सितम्बर, 2019 - केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी में आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला “मैसिव ओपन ऑनलाईन कोर्स” (MOOCs) में सहभागिता की।
4. 30 सितम्बर, 2019 - स्वच्छता पखवाड़ा 2019 के तहत के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ, वाराणसी में “स्वच्छता अभियान प्लास्टिक मुक्ति से ही सम्भव है” विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया।

5. 28-29 दिसम्बर, 2019 - सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी एवं केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में “तुलसीदास के रामचरितमानस में सांस्कृतिक चेतना” विषय पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

#### **प्रकाशन-**

1. “आधुनिक परिवेश में रामराज्य की परिकल्पना” डॉ. बृजबाला सिंह द्वारा सम्पादित पुस्तक “रामकथा वैश्विक परिदृश्य” यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन, दरियागंज, नई दिल्ली-11002 से वर्ष 2019 में प्रकाशित, ISBN : 97881-7555-8774 ।

#### **प्रो. बाबूराम त्रिपाठी**

1. 16-20 अगस्त, 2019 - दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा उच्च शिक्षा और शोध संस्थान, मद्रास द्वारा आयोजित पाठ्यक्रम अभिनवीकरण हिन्दी कार्यशाला में भाग लेकर उल्लेखनीय अकादमिक योगदान किया।
2. 16-30 सितम्बर, 2019 तक “अच्छी हिन्दी” विषय पर पन्द्रह दिवसीय प्रशिक्षण में हिन्दी व्याकरण पर विशेष कक्षाएं लीं।
3. 8 जनवरी, 2020 - हिन्दुस्तानी एकेडेमी, प्रयागराज एवं हिन्दी विभाग, जनता पी.जी. कालेज, रानीपुर, मऊ द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में सम्मिलित होकर “हरिऔध के काव्य प्रियप्रवास की भाषा का वैशिष्ट्य” विषय पर वक्तव्य दिया।

#### **डॉ. ज्योति सिंह**

##### **संगोष्ठी / कान्फ्रेंस / वर्कशाप में सहभागिता एवं शोधपत्र प्रस्तुति-**

1. 28 जुलाई, 2019 - राजकीय जिला-पुस्तकालय-वाराणसी एवं प्रेमचन्द मार्गदर्शन केन्द्र लमही, वाराणसी के संयुक्त तत्त्वावधान में प्रेमचन्द की 140वीं जयन्ती के अवसर पर आयोजित संगोष्ठी में “प्रेमचंद और सोजेवतन” विषय पर प्रतिभाग किया तथा “प्रेमचंद का सोजेवतन” शीर्षक शोधपत्र प्रस्तुत किया, साथ ही सत्र का संचालन किया।
2. जुलाई, 2019 - मुंशी प्रेमचन्द लमही महोत्सव में क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्र, वाराणसी, संस्कृति विभाग, उ. प्र. द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रतिभागिता की व सत्र संचालन किया।
3. 1-2 सितम्बर, 2019 - हिन्दी विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी “केदारनाथ सिंह : स्मृति, संघर्ष और सौन्दर्य में समकालीन कविता और केदारनाथ सिंह” विषय पर शोधपत्र प्रस्तुत किया तथा तृतीय सत्र का संचालन किया।
4. 23-24 सितम्बर, 2019 - स्कूल ऑफ एजुकेशन, के.उ.ति.शि.सं. द्वारा “मैसिव ऑपन आनलाईन कोर्स (MOOCs)” विषय पर आयोजित कार्यशाला में प्रतिभागिता की।
5. 16-17 दिसम्बर, 2019 - हिन्दी विभाग गोरखपुर विश्वविद्यालय और साखी का संयुक्त आयोजन अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी “सौ साल बाद सेवासदन स्त्री मुक्ति का भारतीय पाठ में प्रेमचन्द्र के स्त्री पात्र” विषय पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।
6. 28-30 जनवरी, 2020 - विवेकानन्द विद्यापीठ रायपुर में “रामकृष्ण-विवेकानन्द-भावधारा” विषय पर आयोजित त्रि-दिवसीय राष्ट्रीय परिसंवाद में भाग लिया।

7. 7 मार्च, 2020 - के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ में “अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस” के उपलक्ष्य में विशिष्ट व्याख्यान आयोजित किया। सत्र संचालन का दायित्व निभाया।

#### प्रकाशित लेख-

1. दिसम्बर, 2019 - “रवीन्द्रनाथ की कहानी पत्नी का पत्र : स्त्री की सच्ची पहचान”, रेखारानी और प्रियदर्शिनी द्वारा सम्पादित पुस्तक, ‘स्त्री दुनिया समकालीन सरोकार’, स्वराज प्रकाशन, नई दिल्ली से प्रकाशित, ISBN No. : 978-93-88891-55-4.
2. जनवरी, 2020 - “प्रेमचंद का प्रिय पात्र हामिद” ‘सिंगापुर संगम अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल’ में प्रकाशित, ISSN No. : 25917773.

#### निर्णायक के रूप में आमंत्रित

1. 9 नवम्बर, 2019 - महिला महाविद्यालय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के सांस्कृतिक संघ के तत्त्वावधान आयोजित प्रतियोगिताओं के निर्णायक मंडल के सदस्य के रूप में आमंत्रित हुई।
2. 30 नवम्बर, 2019 - इण्टरनेशनल हिन्दू स्कूल में “भाषा-उत्सव” के अन्तर्गत हिन्दी की गतिविधियों के आकलन हेतु निर्णायक के रूप में आमंत्रित हुई।

समिति सदस्य - “सेक्सुअल हासमेन्ट सेल”।

#### डॉ. अनिमेष प्रकाश

##### अतिथि व्याख्यान-

1. 25 जून, 2019 - विशेष व्याख्यान-माला के अंतर्गत "टूल्स फॉर राइटिंग ए रिसर्च पेपर /डिसरटेशन इन पालि एण्ड बुद्धिस्ट स्टडीज" विषयक व्याख्यान पालि विभाग, मुंबई विद्यापीठ, मुंबई।
2. 26-27 जून, 2019 - दिवसीय "लिंग्विस्टिक इन पालि एण्ड टिबेटन लैंग्वेज" विषयक कार्यशाला, पालि विभाग, मुंबई विद्यापीठ, मुंबई।
3. 28-29 जून, 2019 - "डिसेमिनेशन ऑफ टिबेटन बुद्धिस्ट इन द लैण्ड ऑफ स्नो; पालि टेक्स्ट एण्ड देयर पैरालेल इन द टिबेटन कैनन" विषयक विशेष व्याख्यान, पालि विभाग, मुंबई विद्यापीठ, मुंबई।

##### भाषा प्रशिक्षण कार्यक्रम-

1. 2-7 मार्च, 2020 - "Pali Language and Burmese Script" (पालि भाषा और बर्मी लिपि) विषयक कार्यशाला का संचालन एवं प्रशिक्षण, केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी।

##### संगोष्ठी में पत्र-वाचन-

1. 10-11 नवम्बर, 2019 - संगोष्ठी का विषय : "Role of Pali in Promoting Cultural Heritage" अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी; आयोजक : Maha Bodhi Society of India, Sarnath; पत्र का शीर्षक : A Comparative Study of the *Atanatiya-sutta* in the Pali and the Tibetan Canon.
2. 28-28 दिसम्बर, 2019 - संगोष्ठी का विषय : "*Satipatthana Sutta* : Theory and Practice in Theravada and Mahayana" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी, पत्र का शीर्षक : Placement of Mindfulness of Mind and Phenomena in Theravada Buddhism आयोजक : Tibet House, New Delhi.

## शोध परियोजना

1. मई 2019 - अप्रैल 2021 - केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ और ग-देन फो-डंग संस्थान, धर्मशाला की संयुक्त परियोजना के अंतर्गत 2 वर्षीय "Exploring more Cetasikas in Pa li texts" विषयक परियोजना में कार्यरत।

## डॉ. महेश शर्मा

1. 04 जून - 03 जुलाई, 2019 - सेंटर फॉर करिकुलम रिसर्च, पॉलिसी एंड एजुकेशनल डेवलपमेंट, स्कूल ऑफ एक्वैशन, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ भटिंडा, पंजाब द्वारा सेंटर फॉर पीएमएमएनएमटीटी योजना के तहत एक महीने के फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम में भाग लिया।
2. 18 सितंबर 2019 - बीएचयू, वाराणसी में पीजी छात्रों के लिए 'अंडरस्टैंडिंग महानगरीय संस्कृति' पर एक विशेष व्याख्यान दिया।
3. 23-24 सितंबर, 2019 - पीएमएमएनएमटीटी योजना के तहत स्कूल ऑफ एजुकेशन, सीटीई, सीआईएचटीएस, सारनाथ, वाराणसी द्वारा आयोजित "व्यापक ओपन ऑनलाइन पाठ्यक्रम" पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
4. 25 सितंबर 2019 - इंटरसिटी मीट, बीएचयू, वाराणसी में पीजी छात्रों के लिए 'एन (अदर) कॉस्मोपॉलिटिज्म: द एथिकल, पॉलिटिकल एंड कल्चरल बिंद' पर विशेष व्याख्यान दिया।
5. 4 अक्टूबर 2019 - ऋगलाब एनुअल मीट, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान के लिए 'कॉस्मोपॉलिटिज्म: कांट से दलाई लामा' पर एक विशेष व्याख्यान दिया।
6. 4 नवंबर 2019 - छात्र कल्याण समिति द्वारा आयोजित केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान के छात्रों के लिए 'सेमेओटिक्स और शब्दार्थ' पर एक विशेष व्याख्यान दिया।
7. 11 नवंबर 2019 - छात्र कल्याण समिति द्वारा आयोजित केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान के छात्रों के लिए 'इंग्लीश फोनेटिक्स' पर एक विशेष व्याख्यान दिया।
8. 18 नवंबर 2019 - छात्र कल्याण समिति द्वारा आयोजित केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान के छात्रों के लिए 'अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान' पर एक विशेष व्याख्यान दिया।
9. 25 नवंबर 2019 - छात्र कल्याण समिति द्वारा आयोजित केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान के छात्रों के लिए सोसीयलिंग्विस्टिक्स पर एक विशेष व्याख्यान दिया।
10. 29-31 जनवरी 2020 - भारत, एशिया और ऑस्ट्रेलिया के के तत्वाधान में बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी की तरफ से आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "ऑस्ट्रेलिया की शहरी झुगिया : एक कॉस्मोपॉलिटन रीडिंग ऑफ मर्लिंडा बॉबी 'द सोलेमैन लैंटर्न मेकर'" पर एक रिसर्च पेपर प्रस्तुत किया गया।
11. 3-7 फरवरी, 2020 - पीएमएमएनएमटीटी योजना के तहत टीचिंग लर्निंग सेंटर, आईआईटी, बीएचयू, वाराणसी द्वारा अनुसंधान लेखन, प्रकाशन और प्रस्तुति पर एक सप्ताह का फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम में भाग लिया।
12. 26 फरवरी 2020 - इंटरसिटी मीट, बीएचयू, वाराणसी में पीजी छात्रों के लिए 'पोस्टमॉडर्न टुथ एंड नीत्शे' पर एक विशेष व्याख्यान दिया।

## समिति सदस्य -

- (1) ई. बुलेटिन ऑफ सीआईएचटीएस
- (2) वेबसाइट कमेटी
- (3) इंग्लिश लैंग्वेज ऑफ टाक्यूमेन्ट्री क्लब
- (4) एन्वेल रिपोर्ट।



## डॉ. जसमीत गिल

1. “अमृता शेर-गिल हेटेरोग्लोसिंग आर्ट इन दि कान्टेस्ट ऑफ इन्डियन डेस्फोरा एण्ड वाल्ड कल्चर; अ फिलोसॉफिकल प्रस्पेक्टिव” नामक शोधपत्र लेपिस लजूली - एन इन्टरनेशनल लेटेरिरी जर्नल (ISSN 2249-4529), स्प्रिंग 2019 में प्रकाशित।
2. “कान्सेप्टच्यूल क्रॉन्ट्यूर ऑफ दि ‘डिसगाइज’ मोटिफ इन जोशे सारामगोस ‘दि डबल’” नामक शोधपत्र इन्डियन जर्नल ऑफ कम्पैरेटिव लेटेरेचर एण्ड ट्रान्सलेशन स्टडीज (IJCLTS) (ISSN: 2321-8274) वॉल्यूम 5, अंक 1, जून 2019 में प्रकाशित।
3. 23-24 सितम्बर 2019 – संस्थान में आयोजित मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स, राष्ट्रिय कार्यशाला में सहभागिता।
4. “दि पलिमसेस्ट ऑफ अडोलेस्स इन रवीन्द्रनाथ टैगोर ‘दि पोस्टमास्टर’” नामक शोधपत्र GNOSIS Journal (ISSN 2394-0131), वॉल्यूम 6, अंक 1, अक्टूबर 2019 में प्रकाशित।
5. “रिक्लेमिड इममानेट सिंग्लूलेरिटिस : एन इकोसोफिकल रिडिड ऑफ ए. के. रामानुजन ‘दि स्ट्राइडर’” शीर्षकीय शोधपत्र थिड इन्डिया जर्नल (ISSN: 0971-1260) वॉल्यूम 22, अंक 14, दिसम्बर 2019 में प्रकाशित।
6. 29-31 जनवरी 2020 – बी.एच.यू. में आयोजित “इण्डिया, एशिया एण्ड आस्ट्रेलिया - ओकीनिक इन्काउन्टर्स एण्ड एक्सचेन्जेस” अन्तर्राष्ट्रिय सम्मेलन में सहभागिता एवं “डेलिनीटिंग वर्ल्ड लिटेरेचर फ्रॉम दि इण्डो-आस्ट्रेलियन पर्सपेक्टिव - ट्रान्सकल्चरल इन्टरस्टिसेस एण्ड लिटेरेरी कॉन्टैक्ट्स” नामक शोधपत्र प्रस्तुत।
7. जनवरी से अप्रैल 2020 – “विश्व साहित्य का परिचय” पर द्वादश सप्ताहीय MOOCs आनलाइन कोर्स सम्पन्न।
8. 4 फरवरी 2019 – छात्र कल्याण समिति द्वारा आयोजित वरिष्ठ छात्रों के शिविर में “इश्यूस ऑफ अर्टीकुलेशन” पर व्याख्यान प्रदत्त।
9. 10-20 फरवरी 2020 – शास्त्री एवं आचार्य स्तर के छात्रों हेतु एक सप्ताह के लिए निबन्ध लेखन कार्यशाला की।

## सह-संयोजक -

- (1) एन्वेल रिपोर्ट (2) इंग्लिश लर्निंग एण्ड डॉक्यूमेन्टरी क्लब, के.उ.ति.शि.संस्थान, वाराणसी।

## (IV) शिक्षाशास्त्र विभाग

शिक्षा किसी भी समुदाय के विकास में प्रमुख तत्व के रूप में खड़ी है। शिक्षण संस्थानों में समग्र शिक्षा और सक्षम शिक्षकों की आकस्मिक आवश्यकता केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान (CIHTS) द्वारा महसूस की जाती है और इसलिए इसने चार साल के एकीकृत B.A.B.Ed./B.Sc.B.Ed पाठ्यक्रम की पहल की है। धर्मशाला में शिक्षा विभाग (DoE), केंद्रीय तिब्बती प्रशासन (CTA) से बुनियादी वित्तीय सहायता के साथ 2014-15 के शैक्षणिक सत्र के बाद से अभिनव पाठ्यक्रम (शास्त्री सह शिक्षाशास्त्र)। नेशनल काउंसिल फॉर टीचर एजुकेशन (NCTE) ने उत्साहपूर्वक चार साल के एकीकृत पाठ्यक्रम को मंजूरी दे दी है और अपनी वेबसाइट पर पाठ्यक्रम को नमूने के रूप में अपलोड किया है।

CIHTS को B.Ed पाठ्यक्रम आयोजित करने की मंजूरी है। पाठ्यक्रम (शिक्षाशास्त्र) 1999-2000 शैक्षणिक वर्ष के बाद से मांग के आधार पर, एनसीटीई की मान्यता दो वर्षीय इनोवेटिव एम.एड. कोर्स प्रस्तावित है।

CIHTS ने उपर्युक्त कार्यक्रमों के लिए अपना पाठ्यक्रम तैयार किया है जो NCTE द्वारा अनुमोदित किए गए हैं और CIHTS के शिक्षा विभाग के तहत सेंटर फॉर टीचर एजुकेशन (CTE) के रूप में चल रहे हैं।

### पाठ्यक्रम की विशिष्टता:

पाठ्यक्रम की शुरुआत से ही अध्ययन से संबंधित अनुशासन की समृद्ध सामग्री के साथ सह संबंध के साथ शैक्षणिक सामग्री में एक मजबूत आधार छात्रों को अपने पाठ्यक्रमों के पूरा होने के बाद अच्छी तरह से प्रशिक्षित, योग्य और सक्षम शिक्षकों में विकसित करने में सक्षम होगा। प्रशिक्षित और सक्षम शिक्षकों को समाज के समग्र विकास को प्राप्त करने के लिए स्कूलों और अन्य शैक्षिक डोमेन में सख्त आवश्यकता होती है।

पाठ्यक्रमों की विशिष्टता यह है कि अध्ययन के नियमित अनुशासन के अलावा, तिब्बती भाषा और साहित्य एक अनिवार्य विषय है, और बौद्ध दर्शन (नालंदा परंपरा), मन, विज्ञान, तर्कशास्त्र, मनोविज्ञान, तत्वमीमांसा और आधुनिक अवधारणा के आवश्यक घटक हैं। पाठ्यक्रम को समृद्ध करने और कार्यक्रम के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए तंत्रिका विज्ञान और संज्ञानात्मक विज्ञान को भी ध्यान में रखा जाता है।

### शिक्षा विभाग के पाठ्यक्रम-

1. द्विवर्षीय बी.एड. कोर्स।
2. चार साल का एकीकृत बी.ए.बी.एड इनोवेटिव कोर्स

### शिक्षक गण

1. डॉ जम्पा थुपतेन – सहायक प्रोफेसर, भूगोल
2. डॉ जय प्रकाश – सहायक प्रोफेसर, शिक्षा शास्त्र
3. डॉ हुमा क्रयूम – सहायक प्रोफेसर, शिक्षा शास्त्र,
4. श्री ताशी धोंडुप – सहायक प्रोफेसर, तिब्बती भाषा, साहित्य
5. श्री लोबसांग ग्यात्सो – सहायक प्रोफेसर, बौद्ध धर्म, दर्शन / तर्क
6. डॉ कृष्णा पांडे – सहायक प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान
7. डॉ सुशील कुमार सिंह – सहायक प्रोफेसर, हिंदी
8. श्री बृजेश कुमार यादव – सहायक प्रोफेसर, अर्थशास्त्र
9. सुश्री पी. शुष्मिता वात्स्यायन- सहायक प्रोफेसर, अंग्रेजी
10. श्री थिनले वानचुक – सहायक प्रोफेसर, इतिहास
11. श्री तेनजिन नामगंग – सहायक प्रोफेसर, तिब्बती इतिहास

### प्रशासनिक कर्मचारी

1. डॉ हिमांशु पांडे – निदेशक (सीटीई)
2. मिस्टर तेनजिन टेटसन – कार्यालय सहायक
3. श्रीमती रीना पांडे – कार्यालय सहायक
4. श्री विशाल पटेल – कार्यालय सहायक
5. श्री तेनजिन येशी – एमटीएस / कुक
6. श्री राजू भारद्वाज – एमटीएस
7. सुश्री यांगचेन सांगमो – लाइब्रेरियन

### विभागीय गतिविधियाँ:

स्कूल ऑफ एजुकेशन (CTE) और सेंटर फॉर प्रोफेशनल डेवलपमेंट ऑफ टीचर एजुकेटर्स ने 24-अक्टूबर 2018 से 31 मार्च 2019 तक प्री-सर्विस टीचर्स, इन-सर्विस टीचर्स और टीचर एजुकेटर्स के लिए शैक्षणिक गतिविधियों का संचालन किया है-

1. 18-20 जुलाई 2019 - दो वर्षों में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा बी.एड और चतुर्वर्षीय बी.ए.बी.एड आयोजित की गयी।
2. 12 फरवरी 2020 - अभिनव 4-वर्षीय एकीकृत B.A.B.Ed / B.Sc.B.Ed पाठ्यक्रम संशोधन के लिए CTE में बोर्ड ऑफ स्टडीज मीटिंग (BoS) आयोजित की गई।
3. 6 मार्च 2020 - छात्रों के लिए “महिला सशक्तीकरण : अवसर और चुनौतियां” विषय पर महिला दिवस के अवसर पर विभाग द्वारा एक निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था।

## II. व्याख्यान / वार्ता

1. 30 अगस्त 2019 - माननीय वीसी, CHITS, प्रो. गेशे नवांग सामतेन द्वारा “Re-visualising the field of Education” विषय पर व्याख्यान दिया गया।
2. 25 अक्टूबर 2019 - CTE ने सेंटर फॉर टीचर एजुकेशन, सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ हायर तिब्बती स्टडीज, सारनाथ, वाराणसी में टीचर-ट्रेनी टू इमोशनल कोटेक्टिव के लिए एक यात्रा का आयोजन किया।
3. 28 जनवरी 2020 - सेंटर फॉर टीचर एजुकेशन CTE / SoE ने 28 जनवरी, 2020 को B.Ed के लिए “डिजाइनिंग असेसमेंट टूल्स” पर “शैक्षिक परीक्षण और मापन” विषयक कार्यशाला आयोजित की। पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर एंड टीचिंग (PMMMNMTT) MHRD, सरकार की योजना के तहत CTE के छात्र-शिक्षक और संकाय के प्रतिभागियों की कुल संख्या – 31
4. 30 जनवरी 2020 - सेंटर फॉर टीचर एजुकेशन CTE / SoE ने B.Ed के लिए “शिक्षक के रूप में एक चिंतनशील प्रैक्टिशनर” पर एक कार्यशाला आयोजित की। पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर एंड टीचिंग (PMMMNMTT) MHRD, Govt की योजना के तहत CTE के छात्र-शिक्षक और संकाय के प्रतिभागियों की कुल संख्या – 57

## III. कार्यशालाएं-

1. 3-4 सितंबर 2019 - रेगुलर स्कूल में स्पेशल एजुकेशनल नीड्स के लिए अर्ली आइडेंटिफिकेशन एंड बेसिक इंटरवेंशन। एसओई / सीटीई ने वर्कशॉप का आयोजन किया। वर्कशॉप के आयोजक श्री विष्णु शरण, डॉ जेजेना थुप्टन (CTE) तथा अतिथि वक्ता थे-
  - (i) डॉ. रविकेश त्रिपाठी – आरसीआई प्रोग्राम्स इंस्टीट्यूट ऑफ बिहेवियरल साइंस गुजरात फॉरेंसिक साइंसेज यूनिवर्सिटी-गांधीनगर।
  - (ii) डॉ. विक्रम सिंह रावत, एसोसिएट प्रोफेसर, मनोचिकित्सा एम्स विभाग- ऋषिकेश।  
सहभागियों की कुल संख्या – 39
2. **राष्ट्रीय कार्यक्षेत्र :** 23-24 सितंबर 2019 - शिक्षक शिक्षकों और विश्वविद्यालय शिक्षकों के लिए मैसिव ओपन ऑनलाइन पाठ्यक्रम (एमओओसी) पर दो-दिवसीय कार्यशाला का आयोजन डॉ. जय प्रकाश सिंह और डॉ. जम्पा थूपेन (सीटीई) द्वारा किया गया था। अतिथि वक्ता के रूप में थे-
  - (i) डॉ. पंकज तिवारी, निदेशक, EMRC, डॉ. हरि सिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, म.प्र.।
  - (ii) प्रो. बी.के. पुणिया, हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार, पूर्व वी.सी., एम. डी. विश्वविद्यालय, रोहतक।

- (iii) प्रो. वंदना पुनिया, एचआरडीसी, जीजे विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार।  
सहभागियों की कुल संख्या – 53
3. 26 सितंबर से 5 अक्टूबर 2019 - “राष्ट्रीय विज्ञान विषय कार्यशालाओं के माध्यम से शिक्षण”। CTE / SoE ने विज्ञान विद्यालय के शिक्षकों के लिए 10 दिनों की कार्यशाला आयोजित की। कार्यशाला का आयोजन लोबसांग ग्यात्सो (सीटीई) ने किया था। अतिथि वक्ता थे-
- (i) लोबसांग ग्यालत्सेन, एचओडी गेलुग सम्प्रदाय, सीआईएचटीएस, सारनाथ।  
(ii) लोबसांग त्सलत्रिम, प्रोफेसर, CIHTS, सारनाथ।  
(iii) लोबसांग ग्यात्सो, असिस्टेंट प्रोफेसर सीटीई, सीआईएचटीएस, सारनाथ।  
इसमें सहभागियों की कुल संख्या – 30 रही।
4. 25 अक्टूबर, 2019 - सीटीई के छात्र शिक्षकों के लिए “एक यात्रा की खुफिया कोटेशन टू इमोशनल कोटिंट” पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गयी। कार्यशाला का आयोजन डॉ. हुमा कयूम द्वारा किया गया और अतिथि वक्ता के रूप में डॉ सुनीता सिंह, शिक्षा संकाय, बीएचयू वाराणसी थी।
5. 26-30 नवंबर, 2019 - CTE / SoE ने माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों, प्राचार्यों, शिक्षक-शिक्षकों और विश्वविद्यालय के शिक्षकों के लिए “शैक्षणिक अभ्यास और शिक्षकों के व्यावसायिक विकास” (PPPD) पर पाँच दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया है। कार्यशाला का आयोजन डॉ जय प्रकाश सिंह द्वारा किया गया था और विशेष विद्वान् व्यक्ति थे-
- (i) प्रोफेसर के.पी. पांडे, निदेशक SHEPA, पूर्व कुलपति, एम.जी. काशी विद्यापीठ, वाराणसी।  
(ii) डॉ. शंदिन्दु, पूर्व अध्यक्ष, एनसीईआरटी, नई दिल्ली।  
(iii) डॉ. रामा देवी, एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज (AIU), नई दिल्ली।  
(iv) प्रो. सीमा सिंह, शिक्षा संकाय, बीएचयू, वाराणसी।  
इसमें सहभागियों की कुल संख्या – 41 रही।
6. 30 जनवरी 2020 - CTE ने MHRD, Govt की PMMMNTT योजना के तहत “शिक्षक के रूप में चिंतनशील व्यवसायी” पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। डॉ. जयप्रकाश सिंह ने आयोजन व समन्वयन किया।
7. 6-7 फरवरी 2019 - शिक्षा विभाग, CIHTS, ने “माइंड एंड मेंटल फैक्टर” और एसईई लर्निंग विषय पर कार्यशाला सह व्याख्यान शुरू किया। कार्यशाला / व्याख्यान गेशे लखदोर, तिब्बती कार्य और पुरातत्व, धर्मशाला के पुस्तकालय के निदेशक द्वारा दिया गया। कार्यशाला / व्याख्यान का एकमात्र उद्देश्य विभाग के छात्रों के भीतर शिक्षा और विशेष रूप से एसईई सीखने के क्षेत्र में नए विकास के छात्रों को पेश करने के लिए शिक्षा में मन और मानसिक कारक के बारे में एक सामान्य जागरूकता को बढ़ावा देना था।

### इंटरनशिप कार्यक्रम और शैक्षिक भ्रमण

1. 22-31 जनवरी 2020 - बी.एड. के लिए 10-दिवसीय स्कूल आधारित इंटरनशिप। MHRD, गवर्नमेंट की PMMMNMTT योजना के तहत JJHS स्कूल में CTE, CIHTS, सारनाथ में।
2. 12-15 मार्च 2020 - सेंटर फॉर टीचर एजुकेशन, पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर एंड टीचिंग (PMMMNMTT) योजना के तहत MHRD, Govt. भारत के CTE के छात्र-शिक्षकों के लिए चार

दिवसीय शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया। संकाय सदस्य डॉ. जयप्रकाश सिंह, श्री थिनले वांगचुक, डॉ. हुमा कयूम, डॉ. कृष्णा पांडे, सुश्री पी. शुष्मिता वात्स्यायन और श्री बृजेश यादव छात्रों के साथ पहुँचे।

CTE ने बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ में शिक्षा संकाय की यात्रा की और इसके बाद पुस्तकालय और अन्य महत्वपूर्ण स्थानों का दौरा किया। डीन, स्कूल ऑफ एजुकेशन, प्रो. अरविंद कुमार झा ने बहुत गर्मजोशी से सभी छात्रों और संकायों का स्वागत किया और छात्रों के साथ बातचीत की। उन्होंने विशेष रूप से बौद्ध दर्शन और तर्क और परम पावन दलाई लामा के साथ उनके अनुभवों और CIHTS के कुलपति प्रो. गेशे नवांग समतेन के बारे में बात की।

### गतिविधियाँ-

#### डॉ. जय प्रकाश सिंह

1. प्रकाशन - ज्ञान सोसाइटी और उच्च शिक्षा का स्थान, बहु-विषयक शैक्षिक अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, Vol-8, अंक 8 (3), अगस्त 2019, ISSN: 2277-7881
2. उपर्युक्त विभागीय समस्त कार्यशालाओं तथा संगोष्ठियों में आयोजक/समन्वयक के तौर पर प्रतिभागिता दी।
3. MHRD, Govt की PMMMNMTT योजना के तहत 12-15 मार्च तक सीटीई के छात्र शिक्षकों के लिए 4 दिवसीय शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन और समन्वयन। भारत के CTE, CIHTS, सारनाथ में।

#### श्री बृजेश कुमार यादव

1. प्रकाशन - Composition and Trends in States' Non-Tax Revenue: A Case Study of Uttar Pradesh, Journal of Current Science, vol 20, no 03, May 2019.
2. विभागीय समस्त कार्यशाला, कार्यक्रमों और संगोष्ठी में सहभागिता दी गई।
3. अभिनव 4 साल के एकीकृत B.A.B.Ed / B.Sc.B.Ed के पाठ्यक्रम पुनरीक्षण के लिए CTE की 12-02-2020 की बोर्ड ऑफ स्टडीज मीटिंग (BoS) में सक्रिय रूप से भाग लिया। पाठ्यक्रम।

#### डॉ. हुमा क़यूम

1. उपर्युक्त विभागीय समस्त कार्यशालाओं और संगोष्ठी में सहभागिता की गई।
2. महिला सशक्तिकरण विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन : CTE के छात्रों के लिए 6 मार्च 2020 को अवसर और चुनौतियाँ।

#### डॉ. सुशील कुमार सिंह

##### पुस्तकों में प्रकाशित लेख / अध्याय:

1. बीसवीं सदी के महान अनवेषक पंडित राहुल सांकृत्यायन। "राहुल सांकृत्यायन : कथा साहित्य और इतिहास बोध"। 2018-19. पीपी 149 से 153।
2. समस्त विभागीय कार्यशालाओं, कार्यक्रमों और संगोष्ठियों में सहभागिता गई।
3. राष्ट्रीय संगोष्ठी केदारनाथ सिंह : स्मृति, संघर्ष और सौन्दर्य (1/09/2019) हिंदी विभाग, बीएचयू, वाराणसी।

4. अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी सौ साल बाद सेवा सदन: हड़ताल मुक्ति का भारत पथ, 16 और 17/12/2019 डीडीयू गोरखपुर।

### डॉ. कृष्णा पांडे

1. उपर्युक्त समस्त विभागीय कार्यशालाओं, कार्यक्रमों और संगोष्ठियों में सहभागिता गई।
2. अभिनव 4-वर्षीय एकीकृत B.A.B.Ed / B.Sc.B.Ed के पाठ्यक्रम संशोधन के लिए CTE की 12-02-2020 की बोर्ड ऑफ स्टडीज मीटिंग (BoS) में सक्रिय रूप से भाग लिया। पाठ्यक्रम।

### सुश्री पी. शुभिता वात्स्यायन

#### प्रकाशन

1. अवमूल्यन ब्लैक वुमनहुड : कैपिटलिस्ट पैट्रिआर्की और अगस्त में विल्सन के मा राइनी ब्लैक ब्लैक में सेक्सिज्म। प्रज्ञा, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय। वॉल्यूम 65, भाग 1, वर्ष 2019-2020। ISSN: 0554-9884
2. उपर्युक्त समस्त विभागीय कार्यशालाओं, कार्यक्रमों और संगोष्ठियों में सहभागिता गई।
3. अभिनव 4 साल के एकीकृत B.A.B.Ed / B.Sc.B.Ed के पाठ्यक्रम संशोधन के लिए CTE की 12-02-2020 दिनांकित बोर्ड ऑफ स्टडीज मीटिंग (BoS) में सक्रिय रूप से भाग लिया। पाठ्यक्रम।

### डॉ. जम्पा थुपतेन

1. विभागीय समस्त कार्यशालाओं, कार्यक्रमों और संगोष्ठियों में सहभागिता गई।

### श्री ठिनले वांगचुक

1. उपर्युक्त समस्त विभागीय कार्यशालाओं, कार्यक्रमों और संगोष्ठियों में सहभागिता गई।
2. अभिनव 4 साल के एकीकृत B.A.B.Ed / B.Sc.B.Ed के पाठ्यक्रम संशोधन के लिए CTE की 12-02-2020 दिनांकित बोर्ड ऑफ स्टडीज मीटिंग (BoS) में सक्रिय रूप से भाग लिया।

### (ग) आधुनिक विद्या संकाय

प्रो. देवराज सिंह - प्रोफेसर एवं संकायाध्यक्ष, कोर्डिनेटर आई.क्यू.ए.सी. सेल

#### (I) समाजशास्त्र विभाग

- (1) प्रो. जम्पा समतेन - प्रोफेसर एवं अध्यक्ष (तिब्बती इतिहास)
- (2) प्रो. उमेश चन्द्र सिंह - प्रोफेसर (एशिया-इतिहास)
- (3) डॉ. कौशलेश सिंह - प्रोफेसर (एशिया-इतिहास)
- (4) प्रो. एम.पी.एस. चन्देल - प्रोफेसर (राजनीति विज्ञान)
- (5) डॉ. अमित मिश्रा - असिस्टेंट प्रोफेसर (राजनीति विज्ञान)
- (6) डॉ. उर्येन - असिस्टेंट प्रोफेसर (तिब्बती इतिहास)
- (7) डॉ. प्रशांत कुमार मौर्य - असिस्टेंट प्रोफेसर (अर्थशास्त्र)
- (8) डॉ. जे.बी. सिंह - अतिथि प्राध्यापक (अर्थशास्त्र)
- (9) डॉ. वीरेन्द्र सिंह - अतिथि प्राध्यापक (अर्थशास्त्र)

## शैक्षणिक गतिविधियाँ-

इसके अन्तर्गत सन् 2017 जुलाई से आचार्य तथा एम.फिल. स्तर पर नवीन पाठ्यक्रम विकसित किया गया है। इसमें तिब्बती सांस्कृतिक व राजनीतिक इतिहास के साथ पड़ोसी एशियन देशों के इतिहास को भी लिया गया है। इसमें पुरातत्त्व, मानवशास्त्र, इतिहास-लेखन तथा मुद्राशास्त्र के अध्ययन भी समाहित हैं।

## गतिविधियाँ:

### I. सम्मेलन / संगोष्ठियों में शोधपत्र प्रस्तुति :

- (1) प्रो. समदोङ् रिनपोछे के सम्मान में के.उ.ति.शि.सं. के पुरातन छात्रों द्वारा लिखित लेखों के संग्रह **सत्य की खोज, भाग-I** ("In Search of Truth : Part I") में प्रो. जम्पा समतेन का लेख **འདྲ་བཅུ་པོའི་ཚེས་ལྷན་གཟུང་ལ་དབུ་བ་དང་བསྐྱར་ཐབས་ཀྱི་བཀའ་བཅད་ཇི་གནང་བཤད་པའི་ཡིག་ཆ་ <ཕྱེ་བྱལ་ཏུ་རྫོགས་ལེད་>ཀེ་འཕྲིང་གཉིས་ཀྱི་གལ་འགངས་སྐོར་གླེང་བ།** प्रकाशित हुआ और उन्होंने सम्पादन भी किया, जिसका प्रकाशन के.उ.ति.शि.सं., 2019 के पुरातन छात्र संघ द्वारा किया गया। ISBN 978-81-936254-8-4
- (2) प्रो. समदोङ् रिनपोछे के सम्मान में के.उ.ति.शि.सं. के पुरातन छात्रों द्वारा लिखित लेखों के संग्रह **सत्य की खोज, भाग-II** ("In Search of Truth : Part II") में डॉ. उरग्येन का लेख **གནལ་བོའི་ལུང་རབས་རྫོགས་ཤིབ་ལེད་པར་གནང་ཇུས་རྫོགས་ཤིབ་རྒྱུ་པའི་ལས་ཐབས་གསལ་གནང་ཀེ་རྣམ་གྱི་དཔེ་མཚན་འགའ་ཤིག་གླེང་བ།** प्रकाशित हुआ और उन्होंने सम्पादन भी किया। जिसका प्रकाशन के.उ.ति.शि.सं., 2019 के पुरातन छात्र संघ द्वारा किया गया। ISBN 978-81-936254-8-4

### II. संगोष्ठी / सम्मेलन में संकाय सदस्यों की सहभागिता :

- (1) 7 से 13 जुलाई, 2019 : प्रो जम्पा समतेन पेरिस, फ्रांस में आयोजित 15वें तिब्बती अध्ययन के इंटरनेशनल एसोसिएशन की संगोष्ठी में भाग लिया और पैनल इनटाइटिल **དང་རབས་འཕུལ་གསར་གྱི་ལྷན་ཚོས་ལྷན་པའི་“འདྲ་གྱི་དཀར་ཆས་རྒྱུ་པ”** **བསྐྱར་རྒྱུར་ལོམ་གང་མདུན་སྐོར་གྱི་ལས་གཞིའི་དཔྱད་དཔྱད་ལྷན་འཇུག་** का आयोजन किया। ( तिब्बती शास्त्रीय साहित्य और तिब्बतन ग्रंथालयों के स्वचालन के लिए लाइब्रेरी कैटलॉगिंग सिस्टम को बदलने की दिशा में कदम)।

### III. के.उ.ति.शि.सं. के पुरातन छात्रों का अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन :

9 से 11 नवंबर, 2019 : के.उ.ति.शि.सं. पुरातन छात्रों की पहली सभा और तिब्बती और हिमालयी अध्ययन विषय पर के.उ.ति.शि.सं. के पुरातन छात्रों के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन के.उ.ति.शि.सं. और पुरातन छात्र संघ, के.उ.ति.शि.सं. द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। प्रो. समदोङ् रिनपोछे के सम्मान में के.उ.ति.शि.सं. के पुरातन छात्रों द्वारा लिखित लेखों के संग्रह **सत्य की खोज, भाग-II** ("In Search of Truth: Part II") का लोकार्पण उनके 80वें जन्मदिन के अवसर पर किया गया, जो 1335 पृष्ठ के दो खंड में है। इस पुस्तक का प्रकाशन के.उ.ति.शि.सं., 2019 के पुरातन छात्र संघ द्वारा तथा संपादन प्रो. जम्पा समतेन द्वारा किया गया। ISBN 978-81-936254-8-4

### IV. वर्तमान में संचालित परियोजनाएं :

प्रो. जम्पा समतेन की देख-रेख में एम. फिल और पीएच.डी. करने वाले शोधार्थियों को एक परियोजना पर लगाया गया है, जिसका शीर्षक *The Critical Study of the Four Versions of "sBa bzhed" : The earliest Record of Buddhism in Tibet with Annotations* है। (**འདྲ་གྱི་ཚེས་འཕུང་ཡིག་ཆ་ལྷན་པོས་“སྐ་བཤེད”ཀྱི་དཔེ་རྒྱུ་མེད་གཉིས་པའི་གཤེད་ལས་བསྐྱར་དང་མཚན་འགོད།**) इस परियोजना के लिए के.उ.ति.शि.सं. द्वारा रु 25000/ (पच्चीस हजार रुपए मात्र) प्रारंभिक राशि स्वीकृत की गई है।

**V. शैक्षणिक भ्रमण :**

6-12 अक्टूबर, 2019 - समाजशास्त्र विभाग ने तिब्बती इतिहास और संस्कृति के वरिष्ठ छात्रों के लिए बिहार और यूपी के सभी बौद्ध स्थलों के लिए शैक्षणिक यात्रा का आयोजन किया। दो संकाय सदस्यों द्वारा निर्देशित उक्त शैक्षणिक भ्रमण में लगभग 33 छात्रों ने भाग लिया।

**डॉ. अमित मिश्रा**

**शोधपत्र प्रकाशन-**

1. शोधपत्र प्रकाशित- Terrorism in Syria and Global Response, सम्पादित पुस्तक- Terrorism : ISIS and beyond, प्रो. दीपिका गुप्ता और डॉ. वीरन्द्र चावरे द्वारा पुस्तक में सम्पादित।
2. लेख- “Role of cross border terrorism in fomenting tensions between India and Pakistan”, डॉ. चाकली ब्राह्म्या द्वारा सम्पादित पुस्तक Indian Foreign Policy and Contemporary Global Issues में प्रकाशित।
3. शोधपत्र- “ India’s Interests in the South China Sea: Opportunities and Concerns”, प्रो. जी. जयन्द्र रेड्डी द्वारा सम्पादित पुस्तक India and External Players in South China Sea में प्रकाशित।

**संगोष्ठी / कार्यशाला में शोधपत्र प्रस्तुति-**

1. जुलाई, 2019 - वियतनामी एकेडमी ऑफ सोशल साइंसेज एण्ड काउंसिल फॉर रिसर्च इन वेल्थूज एण्ड फिलॉसफी द्वारा आयोजित हनोई, वियतनाम में एक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में “वाटर स्कारसिटी इन इंडिया : इमरजिंग चैलेन्जेस” पर प्रस्ताव स्वीकार किया गया।
2. 2-3 जनवरी, 2020 - काउंसिल फॉर रिसर्च इन वेल्थूज एण्ड फिलॉसफी, चाइना वेस्ट नार्मल यूनिवर्सिटी, ननचॉंग, चाइना द्वारा आयोजित ‘कॉमन वैल्थूज ऑफ ह्यूमनिटी एण्ड क्रॉस कल्चरल एक्सचेंजेस’ नामक अन्तर्राष्ट्रीय कान्फ्रेंस में सम्मिलित होकर “Sustaining multiculturalism in India in the age of globalization” विषयक शोधपत्र प्रस्तुत किया।
3. 22 फरवरी, 2020 - राष्ट्रीय संगोष्ठी रवि नाइक कालेज गोआ द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में “Economic Development of Tibetan Migrants in Goa” विषयक शोधपत्र प्रस्तुति।

**रिफ्रेशर कोर्स में प्रतिभागिता-**

1. 14 फरवरी, 2020 - 2 मार्च 2020 - यू.जी.सी. नियम के तहत 4 रिफ्रेशर कोर्स सामाजिक विज्ञान (Interdisciplinary) में एच.आर.डी.सी., गोवा यूनिवर्सिटी में भाग लिया।

**डॉ. प्रशान्त कुमार मौर्य**

1. सदस्य सचिव, आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ, केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान।

**संगोष्ठियों / कार्यशालाओं में प्रतिभागिता तथा शोधपत्र प्रस्तुति-**

1. 23-24 सितम्बर, 2019 - स्कूल ऑफ एजुकेशन, केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान द्वारा “Massive Open Online Courses (MOOCs)” विषय पर आयोजित कार्यशाला में प्रतिभागिता की।



2. 12-13 अक्टूबर, 2019 - हेमवती नन्दन बहुगुणा गड़वाल विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित “भारत में कृषि रूपांतरण एवं ग्रामीण विकास : मुद्दे, चुनौतियाँ और संभावनाएं” विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रतिभागिता किया तथा ‘कृषि’ परिवर्तन : सतत विकास की प्राप्ति का मूल, नामक शोध पत्र को प्रस्तुत किया ।
3. 16-17 दिसंबर, 2019 - राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा “संस्कृत विश्वविद्यालयों के मूल्यांकन एवं प्रत्यायन” विषय पर आयोजित कार्यशाला में प्रतिभागिता की ।

#### प्रकाशित शोधपत्र-

1. “महिला सशक्तिकरण : भ्रम बनाम वास्तविकता” नामक शोध पत्र प्रकाशित । उत्तर प्रदेश उत्तराखण्ड जनरल वाल्यूम-15, नवम्बर 2019, आई.एस.एस.एन. नं. 09752382.

#### आमन्त्रित व्याख्यान-

1. 04.01.2020 - माँ राम सुमेरी देवी स्मृति पूर्वांचल विकास समिति गाजीपुर, उत्तर प्रदेश द्वारा ‘सामयिक ग्रामीण विकास के लिए वित्तीय समावेशन’ विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में “वित्तीय साक्षरता : वित्तीय समावेशन का मूल” विषय पर व्याख्यान दिया ।

#### घ) शिल्प-विद्या संकाय

प्रो. लोब्संग तेन्जिन - संकायाध्यक्ष

#### (I) तिब्बती चित्रकला विभाग

#### (II) तिब्बती काष्ठकला विभाग

- |                       |   |
|-----------------------|---|
| (1) श्री जिमे         | - असिस्टेंट प्रोफेसर (चित्रकला)                   |
| (2) डॉ. शुचिता शर्मा  | - असिस्टेंट प्रोफेसर (इतिहास एवं सौन्दर्यशास्त्र) |
| (3) श्री बुचुंग       | - अतिथि प्राध्यापक (काष्ठकला)                     |
| (4) श्री देछेन दोर्जे | - अतिथि प्राध्यापक (भोट साहित्य)                  |
| (5) श्री कुंगा जिडपो  | - अतिथि प्राध्यापक (चित्रकला)                     |
| (6) लोप्सङ् शेरब      | - अतिथि प्राध्यापक (चित्रकला)                     |
| (7) तेन्जिन जोर्देन   | - अतिथि प्राध्यापक (काष्ठकला)                     |

#### क. तिब्बती चित्रकला विभाग

इस विभाग का उद्देश्य है- महत्वाकांक्षी विद्यार्थियों को तिब्बती पटचित्र निर्माण के साथ बौद्ध दर्शन, चित्रकला-इतिहास, हस्तकला-दर्शन एवं इतिहास, भारतीय एवं पाश्चात्य कला, इतिहास और सौन्दर्यशास्त्र, तिब्बती भाषा एवं साहित्य, हिन्दी व अंग्रेजी का ज्ञान देना । विद्यार्थियों को हमें अपने पूर्वजों से प्राप्त चित्रलेखन कला की धरोहर तथा उसकी तकनीक सिखायी जाती है । रंग-मिश्रण, चित्रलेखन में प्रयुक्त उपकरण आदि सभी विषयों को बारीकी से सिखाया जाता है । शिक्षण के अतिरिक्त विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियाँ - ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण, कार्यशाला आदि का आयोजन भी किया जाता है ।

#### विभागीय गतिविधियाँ –

1. 4-14 अक्टूबर, 2019 - विभाग के शिक्षक एवं छात्र शैक्षणिक भ्रमण हेतु अजन्ता, एलोरा, कन्हेरी, भाषा, मुम्बई (महाराष्ट्र) गये ।

2. 9 अक्टूबर, 2019 - मुम्बई के गिरीगाँव बीच पर एक दिवसीय फोटोग्राफी कार्यशाला का आयोजन किया गया।
3. 12 नवम्बर, 2019 - शिल्पविद्या विभाग में एक दिवसीय फोटोग्राफी कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें मुम्बई के फोटोग्राफर चन्दन कुशावाहा ने फोटोग्राफी के विविध आयामों पर प्रकाश डाला।
4. 19 जनवरी, 2020 - रामघाट पर न्यास, वाराणसी द्वारा आयोजित "रैत में आकृति" विषयक प्रतियोगिता में विभाग के छात्रों ने प्रतिभागिता की, जिसमें प्रथम स्थान प्राप्त किया।

### डॉ. शुचिता शर्मा

1. 17-18 अगस्त, 2019 - राष्ट्रीय महिला इतिहासकार एवं आयोजित आई.सी.एच.आर., नई दिल्ली द्वारा हैदराबाद में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "छवीसगढ़ की टैटू कला" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।
2. 22-29 अगस्त, 2019 - संस्कृत विभाग, केन्द्रीय उच्च तिम्वती शिक्षा संस्थान द्वारा आयोजित "ब्राह्मी लिपि के शिलालेख" विषयक साप्ताहिक कार्यशाला में सहभागिता की।
3. 23-24 सितम्बर, 2019 - स्कूल ऑफ एजुकेशन, के.ड.वि.शि.सं., सारनाथ, वाराणसी द्वारा पण्डित मदनमोहन मालवीय नेशनल शिक्षक प्रशिक्षण (PMMMNTT) योजना के अन्तर्गत राष्ट्रीय कार्यशाला "मैसिव ऑफन आनलाईन कोर्स" में सहभागिता की।
4. 8-10 दिसम्बर, 2019 - प्रो. वी.पी. कम्बोज मेमोरियल अखिल भारतीय कला प्रदर्शनी "नेचर एवं इन्वायर्नमेंट" इन्द्रप्रस्थ एवं संस्कार भारती द्वारा आयोजित देहरादून, उत्तराखण्ड कला प्रदर्शनी में सहभागिता की।
5. 21 दिसम्बर, 2019 - इन्स्टीट्यूट ऑफ फाइन आर्ट्स, वाराणसी में "पुनर्जागरणकालीन कलाकारिता की सौन्दर्य दृष्टि" विषय पर व्याख्यान दिया।
6. 26 दिसम्बर, 2019 - इन्स्टीट्यूट ऑफ फाइन आर्ट्स, वाराणसी में "यूनानी सौन्दर्य शास्त्र" पर व्याख्यान दिया।
7. 28-29 दिसम्बर, 2019 - भाषा विज्ञान एवं आधुनिक भाषा विभाग, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "गुलसीदास के साहित्य में स्त्री रूपांकन" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।
8. 2019-20 - इतिहास विभाग, बी.एच.यू., में एम.सी.पी.एच.एम., एम.ए. कक्षा में विषय-विशेषज्ञ के तौर पर शैक्षणिक सत्र अध्यापन किया।
9. 24-28 फरवरी, 2020 - कला एवं सौन्दर्य ज्ञान शिक्षा विभाग, एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली द्वारा आयोजित "हिन्दी अनुवाद" में सहभागिता की।



एक दिवसीय कार्यशाला, श्री चन्दन कुमार, फोटोग्राफर (मुम्बई),  
12 नवम्बर, सीआईएचटीएस, सारनाथ

## ख. तिब्बती काष्ठकला विभाग

तिब्बती पारम्परिक काष्ठकला के साथ बौद्ध दर्शन आदि का ज्ञान प्रदान करने के उद्देश्य से यह विभाग स्थापित है। विद्यार्थियों को विशेषकर तिब्बती परम्परा की काष्ठ कला, उसका इतिहास तथा अवधारणा की शिक्षा दी जाती है। इसके अतिरिक्त भारतीय एवं पाश्चात्य कला का इतिहास, सौन्दर्य शास्त्र तथा भाषाएँ सिखायी जाती हैं। वर्ष 2018-19 में शिक्षण के अतिरिक्त - शैक्षणिक भ्रमण तथा अनेक काष्ठकला कार्यशालाओं के आयोजन आदि विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों में विभागीय सदस्यों तथा छात्रों ने भाग लिया।

## (ङ) सोवा रिग्-पा एवं भोट ज्योतिष संकाय

प्रो. लोब्संग तेन्जिन - संकायाध्यक्ष

## (I) सोवा रिग्-पा विभाग

| क्रमांक | नाम                      | पद  |
|---------|--------------------------|---|
| 1       | प्रोफेसर रामहर्ष सिंह    | संयुक्त आचार्य                            |
| 2       | प्रोफेसर लोब्संग तेनजिंग | आचार्य एवं संकाय प्रमुख                   |
| 3       | डाक्टर दमदुल दोर्जे      | सह आचार्य एवं चिकित्सा प्रमुख             |
| 4       | डाक्टर ताशी दावा         | सहायक आचार्य एवं विभागाध्यक्ष             |
| 5       | डाक्टर आर. पी. पाण्डेय   | आगन्तुक आचार्य                            |
| 6       | डाक्टर ए. के. राय        | अतिथि संकाय एवं शोधार्थी                  |
| 7       | डाक्टर पी.पी. श्रीवास्तव | अतिथि संकाय एवं चिकित्सा अधिकारी          |
| 8       | डाक्टर छीमी डोलकर        | अतिथि संकाय एवं अस्पताल प्रभारी           |
| 9       | डाक्टर दावा छेरिंग       | अतिथि संकाय एवं औषधालय प्रभारी            |
| 10      | डाक्टर लोडे मुन्सेल      | अतिथि संकाय एवं चिकित्सा प्रभारी          |
| 11      | डाक्टर तेनजिन देलक       | अतिथि संकाय एवं परामर्शदाता चिकित्सक      |
| 12      | डाक्टर पेमपा छेरिंग      | अतिथि संकाय एवं वी. बी. पुस्तकालय प्रभारी |
| 13      | डॉ. दावा शेरपा           | अतिथि प्राध्यापक, संस्कृत आयुर्वेद        |
| 14      | डाक्टर कर्मा थर्चिन      | औषधालय सहायक                              |
| 15      | डाक्टर छेरिंग थर्चिन     | चिकित्सक                                  |
| 16      | डाक्टर सेगे खंडो         | चिकित्सा सहायक                            |
| 17      | डाक्टर छेवांग संगमो      | शोध एवं विकास सहायक                       |
| 18      | डाक्टर वानगेल दोरजी      | फर्मकोपिया सहायक                          |
| 19      | डाक्टर दावा डोल्मा       | झोंग सहायक                                |
| 20      | श्री वी. के. पाटिल       | प्रयोगशाला तकनीकविद                       |
| 21      | श्रीमती केलसंग वांगमो    | तकनीकविद एवं व्यक्तिगत सहायक              |
| 22      | श्रीमती पेमा संगमो       | औषधि वितरक                                |
| 23      | श्रीमती नवांग लोसो       | औषधि वितरक                                |
| 24      | श्रीमती.तेनजिन नोरदोन    | (उपचार सहायिका) परिचारिका                 |

|    |                            |                                      |
|----|----------------------------|--------------------------------------|
| 25 | श्रीमती तेनजिन छोजोम       | (उपचार सहायिका) परिचारिका            |
| 26 | श्रीमती पासंग डोल्मा       | कम्पाउंडर ( प्राथमिक उपचारक )        |
| 27 | श्री नईमा छोगेल            | ई.डी.ऍम.जी. परियोजना सहयोगी          |
| 28 | श्री रिमो                  | ई.डी.ऍम.जी. परियोजना बहुविध कर्मचारी |
| 29 | श्री सागे वांगचुक          | ई.डी.ऍम.जी. परियोजना पर्यवेक्षक      |
| 30 | श्री सोनम फुनसोक           | ई.डी.ऍम.जी. परियोजना चौकीदार         |
| 31 | श्रीमती मंजू छेत्र         | ई.डी.ऍम.जी. परियोजना बहुविध कर्मचारी |
| 32 | श्री काशीनाथ प्रजापति      | अस्पताल चौकीदार                      |
| 33 | श्री लव कुमार              | कार्यालय चपरासी                      |
| 34 | श्री ब्रजमोहन भारद्वाज     | औषध निर्माणशाला बहुविध कर्मचारी      |
| 35 | श्री सुभास                 | "                                    |
| 36 | श्री शिवशंकर यादव          | "                                    |
| 37 | श्री अनिल कुमार            | "                                    |
| 38 | श्री अशोक कुमार            | "                                    |
| 39 | श्री राजेश कुमार           | "                                    |
| 40 | श्री संजय कुमार भारद्वाज   | "                                    |
| 41 | श्रीमती सुधा देवी          | "                                    |
| 42 | श्री रोहित कुमार राजभर     | "                                    |
| 43 | श्री सुनील कुमार राजभर     | "                                    |
| 44 | श्री ब्रिज कुमार कनुजिया   | शोध एवं विकास केंद्र चपरासी          |
| 45 | श्री संदीप कुमार           | अस्पताल बहुविध कर्मचारी              |
| 46 | श्री वसीम                  | "                                    |
| 47 | श्रीमती धन्वन्तरी देवी     | बहिरंग \ अन्तरंग चपरासी              |
| 48 | श्रीमती. माला देवी         | अस्पताल बहुविध कर्मचारी              |
| 49 | श्रीमती स्वाति कुमारी गौड़ | "                                    |
| 50 | श्री जितेन्द्र बहादुर      | "                                    |

### शैक्षणिक पृष्ठभूमि

संस्थान की स्थापना के चार उद्देश्यों में से प्रथम भोट देश की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण तथा संवर्धन के अन्तर्गत भाषा, साहित्य, धर्म-दर्शन और कला का संवर्धन एवं संरक्षण भी है। तदनुसार तिब्बत के प्राचीन स्वास्थ्य रक्षा की परम्परा के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए सन् 1993 ई. में संस्थान में सोवा रिग्-पा एवं भोट ज्योतिष संकाय की स्थापना की गई थी। सोवा रिग्-पा विभाग की स्थापना के निम्नलिखित उद्देश्य हैं-

- (क) तिब्बती चिकित्सा पद्धति का संरक्षण, संवर्धन तथा जनसामान्य एवं बृहत् समाज को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना।
- (ख) निर्वासित तिब्बती समाज के युवाओं, हिमालयी निवासियों, इच्छुक विदेशी अध्येताओं एवं विद्यार्थियों को इसका अध्ययन कराना, समझाना तथा परम्परागत तिब्बती चिकित्सीय ज्ञान को प्रसारित करना।

**शैक्षणिक गतिविधियाँ-**

1. संस्थान के प्रत्येक कार्यालय अवकाश, शनिवार और रविवार दोपहर में प्रो लोबसांग तेनजिन के मेन्शे-दावे-ग्यालपो पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।
2. सोवा-रिग्पा विभाग का मुख्य उद्देश्य तिब्बती चिकित्सा के विद्यार्थियों को व्यापक स्तर पर उपलब्ध पारंपरिक चिकित्सा और आधुनिक चिकित्सा विज्ञान के अध्ययन करने का अवसर प्रदान करना है। इसलिए, सोवा-रिग्पा ने डॉ. आर.पी. पांडे विजिटिंग प्रोफेसर के द्वारा भारतीय आयुर्वेद के बारे में बी.एस.आर.एम.एस. के सभी छात्रों को हर बुधवार को चिकित्सा, उपचार पर व्याख्यान किया गया।
3. 8 अप्रैल, 2019 - "विश्व स्वास्थ्य अवलोकन दिवस" पर सोवा-रिग्पा के माध्यम से स्वास्थ्य में सुधार और मानव कल्याण को बढ़ावा देने के विषय पर एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
4. 16 अप्रैल, 2019 - "सी.सी.आई.एम. के चुनाव आयोग द्वारा गठित समिति की पहली बैठक" नई दिल्ली में सोवा-रिग्पा पद्धति लिए सी.सी.आई.एम. कार्यालय में आहूत की गयी जिसमें डॉ. ताशी दावा ने भाग लिया।
5. 29-30 अप्रैल, 2019 - केन्द्रीय उच्च ति.शि. संस्थान के सोवा-रिग्पा विभाग ने "सोवा-रिग्पा रिसर्च संगोष्ठी" का आयोजन किया।
6. 29 अप्रैल, 2019 - ताशी दावा ने "एंटीवायरल पोटेंशियल आफ टिबेटन मेडिसिन" पर व्याख्यान दिया।
7. 29 अप्रैल, 2019 - प्रो. लोबसांग तेनजिन ने "टीचिंग मेथड्स ऑफ सोवा-रिग्पा" विषय पर शोध पेपर प्रस्तुत किया।
8. 18.6.19 से 30.6.2019 - सोवा-रिग्पा विभाग द्वारा 11 (ग्यारह) दिवसीय योग प्रशिक्षण पाठ्यक्रम" का आयोजन किया गया।
9. 4 जून, 2019 - बुद्ध के भूमि शास्त्र के सामूहिक पाठ का आयोजन हर दिन विभाग द्वारा आयोजित किया गया।
10. 18-30 जून, 2019 - आयुष मंत्रालय के निर्देशानुसार विभाग द्वारा ए.पी. गेस्ट हाउस में 11 दिन का योग प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किया गया।
11. 21 जून, 2019 - संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को वैश्विक स्वास्थ्य, सद्भाव और शांति को बढ़ावा देने के लिए संस्थान में मनाया गया।
12. 30 अगस्त - 17 सितम्बर, 2019 - प्रो. लोबसांग तेनजिन के नेतृत्व में सिक्किम में तक सिक्किम में वार्षिक चिकित्सा भ्रमण का आयोजन किया गया।
13. 11-12 सितम्बर, 2019 - अतिथि संकाय के विभागीय अध्यापक और कर्मचारियों ने "सोवा-रिग्पा दिवस" के अवसर पर तिब्बत हाउस, लोधी रोड, नई दिल्ली में भाग लिया।
14. 25 सितंबर, 2019 - बी.एस.आर.एम.एस छात्रों ने चिकित्सा भ्रमण के संबंध में अपने अनुभव ए.पी. गेस्ट हाउस में सभी के साथ साझा किया।
15. 17 अक्टूबर, 2019 - संकाय प्रमुख, विभाग प्रमुख तथा डॉ. दोर्जे दमदुल ने के संयुक्त रूप से विभाग के कार्यालय में मेनपा कचुपा (बी.एस.आर.एम.एस. प्रोफेशनल-1) के छात्रों की काउंसलिंग एवं गहन जांच-पड़ताल किया।
16. 22 नवंबर, 2019 - टी.ई.एस. सिंगापुर के संचालन निदेशक श्री रामकृपाल पांडे ने "स्वास्थ्य और स्वास्थ्य लागत पर पर्यावरण का प्रभाव" पर एक अनौपचारिक चर्चा की स्वीकृति मिलने पर सम्भोट भवन के सेमिनार हॉल में अपराह्न 3:30 बजे चर्चा का आयोजन किया गया।

17. 23 नवंबर, 2019 - अपराह्न 3:30 बजे ग्यारह वर्षीय हियरिंग, स्पीकिंग समस्या से ग्रसित मरीज उत्कर्ष पाल के स्वास्थ्य के सन्दर्भ में एक गोलमेज चर्चा हुई जिसमें विभाग के सभी चिकित्सकों ने भाग लिया।
18. 2 दिसंबर, 2019 - शाम 4:00 बजे बैठक में निम्नलिखित बिंदुओं के अनुपालन रिपोर्ट पर सभी संकायों और कर्मचारियों के साथ किया गया।
- (i) बायो मेट्रिक उपस्थिति  
(ii) कार्यालय और व्यक्तिगत आवश्यकता  
(iii) शिकायतें
19. 2 दिसंबर, 2019 - बी.एस.आर.एम.एस. चिकित्सक छात्रों की मौखिक मेमोराइजेशन यूनिट टेस्ट दोपहर 3:15 बजे आयोजित किया गया।
20. 6 दिसंबर, 2019 - निम्नलिखित सदस्यों ने संकाय कार्यालय, (सोवा-रिग्पा और भोट ज्योतिष) के पाठ्यक्रम में संशोधन-परिवर्धन हेतु क्लिनिकल साइकोलॉजी, ह्यूमन एनाटॉमी और फिजियोलॉजी, इत्यादि विषयों पर विचार-विमर्श किया-
- |                           |  |
|---------------------------|--|
| डा. हिमांशु पाण्डेय       | (उपकुलसचिव) के.उ.ति.शि. संस्थान                |
| डाक्टर दोर्जे डमदुल       | सह आचार्य, सोवा-रिग्पा                         |
| डाक्टर ताशी दावा          | सहायक आचार्य, सोवा-रिग्पा                      |
| डाक्टर ए.के. राय          | अतिथि प्राध्यापक, सोवा-रिग्पा                  |
| डाक्टर पी .पी. श्रीवास्तव | अंशकालिक चिकित्सक एवं अतिथि संकाय, सोवा-रिग्पा |
21. 14-15 दिसंबर, 2019 - डाक्टर ताशी दावा के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में तिब्बती विज्ञान की ऐतिहासिक यात्रा के सन्दर्भ में दलाई लामा ट्रस्ट एवं एमोरी विश्वविद्यालय द्वारा सह-प्रायोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के पैनल विशेष का सफलता पूर्वक संचालन आश्रम विश्वविद्यालय और तिब्बती वर्क्स और अभिलेखागार की लाइब्रेरी में किया गया।
22. 16-29 दिसम्बर, 2019 - एमोरी तिब्बत साइंस इनीशिएटिव के तत्वावधान में आयोजित तिब्बती भाषा में तकनीकी शब्दों के वैज्ञानिक मानकीकरण पर 11वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन डॉ. ताशी दावा ने भाग लिया।
23. 19-20 दिसंबर, 2019 - डॉ. दोर्जे दमदुल एसोसिएट प्रोफेसर, आयुष मंत्रालय, बी-ब्लॉक, आईएनए, दिल्ली में "सोवा-रिग्पा हेतु राष्ट्रीय संस्थान की स्थापना की रूपरेखा तय करने के लिए गठित समिति की बैठक" में शामिल हुए।
24. 19-22 दिसंबर, 2019 - सोवा-रिग्पा विभाग ने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी में द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी और सम्मेलन में भाग लिया।
25. 23 दिसंबर 2019 - लेह-लद्दाख में डॉ.दोर्जी दमदुल एसोसिएट प्रोफेसर ने "नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सोवा-रिग्पा की स्थापना की समीक्षा" बैठक में भाग लिया।
26. नई भर्ती के लिए सोवा-रिग्पा विभाग में वॉक इन इंटरव्यू आयोजित किया गया था।
27. 14 जनवरी, 2020 - डेसुंग, कर्नाटक से गेशे जिम्मे रबटेन द्वारा परम पावन, पाँचवे दलाई लामा द्वारा निर्मित "सोरिग डोफेन-लिंग पर एक वार्ता" का आयोजन किया गया।

28. 18 जनवरी, 2020 - अध्ययन बोर्ड" की बैठक पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स और बी.एस.आर.एम.एस. सिलेबस में संशोधन हेतु आयोजित की गई।
29. 28 जनवरी, 2020 - "सोवा-रिग्पा भवन का निर्माण" के बारे में एक बैठक आयोजित की गई थी।
30. 8-9 फरवरी, 2020 - डॉ. दोर्जे दमदुल ने नई दिल्ली के सैमीलिंग में आयोजित "सी.सी.टी.एम. की "विशेष बैठक में भाग लिया।
31. 6-11 फरवरी 2020 - सोवा-रिग्पा द्वारा सभी गेस्ट फैकल्टी, बी.एस.आर.एम.एस., यू.एम. के छात्रों हेतु "पेस्टीशियल आन सोवा-डिजीज" पर व्याख्यान का आयोजन गया, जिसमें प्रो.लोबसंग तेनजिन और डॉ. टाशी दावा ने व्याख्यान दिया।
32. 12-14 फरवरी 2020 - के.उ.ति.शि. संस्थान के सभी छात्रों के लिए वार्षिक टी.बी. स्क्रीनिंग टेस्ट आयोजन किया गया जिसमें स्वास्थ्य विभाग, केंद्रीय तिब्बती प्रशासन, देहरादून के डॉ. वांगडक और नर्स ताशी डोलमा शामिल थे।
33. 26 फरवरी 2020 - डॉ. झाओ फांग द्वारा पीजीआरएच में आयोजित कार्यशाला "वर्कशाप आन मसाज एंड बोन सेटिंग थेरेपी" तथा प्रो. लोबसांग तेनजिन ने "प्रिजर्वेशन एंड प्रमोशन आफ सोवा-रिग्पा एट ग्लोबल लेवल" विषय पर क्षेत्रीय आयुर्वेदिक अनुसंधान संस्थान, गंगटोक सिक्किम पर व्याख्यान दिया।
34. 28 फरवरी, 2020 - डॉ. ताशी दावा ने सी.आई.एच.टी.एस. के सोवा-रिग्पा और एस.आई.टी. सौजन्य से विदेश में अध्ययन कार्यक्रम के सन्दर्भ में संयुक्त राज्य अमेरिका के विभिन्न विश्वविद्यालयों में "इम्पेसिलिटी आफ तिबेतन मेडिसिन" के बारे में अपनी बात रखी।
35. 28-29 फरवरी, 2020 - प्रो. लोबसंग तेनजिन और डॉ. दोरजी दामदुल ने "इंटरनेशनल वर्कशाप आन प्रिजर्वेशन एंड प्रमोशन आफ सोवा-रिग्पा इन एशिया "आयुष मंत्रालय द्वारा आयोजित गंगटोक सिक्किम में भाग लिया।
36. 1 मार्च, 2020 - प्रो. लोबसंग तेनजिन ने एन.आई.टी, गंगटोक, सिक्किम के सोवा-रिग्पा संकाय के कर्मचारियों और छात्रों के मध्य हिस्ट्री एंड कांसेप्ट ऑफ सोवा-रिग्पा पर व्याख्यान दिया।

#### वाग्भट्ट पुस्तकालय

1. विभागीय पुस्तकालय ने 130 खण्डों में तिब्बत में मुद्रित एवं प्रकाशित दुर्लभ तिब्बती चिकित्सा की पाण्डुलिपि गैंग जोंग मेंटसी रिग जोड चेनमो को खरीदा, जो तिब्बत के स्थापित महान विद्वानों द्वारा पारंपरिक पुस्तकों के रूप में लिखा गया है।
2. वर्तमान वर्ष में 173 से अधिक नई पुस्तकों का पंजीकरण वाग्भट्ट पुस्तकालय में किया गया। 17 से अधिक पुस्तकें दान-दाताओं द्वारा प्राप्त हुई तथा 130 जो 25 खंडों में संकलित तिब्बती चिकित्सा की पाण्डुलिपि जिसका प्रकाशन हर्बल एंड एरोमैटिक प्लांट्स डिस्कवरी पब्लिशिंग हाउस पीवीटी लि, नई दिल्ली से हुआ, जो खरीदी गई।
3. वर्ष 2016 से निरंतर वाग्भट्ट पुस्तकालय में प्रति शनिवार दोपहर और रविवार को प्रो. लोबसंग तेनजिन द्वारा प्राचीन तिब्बती चिकित्सा शास्त्र (में छे दावी ज़्लपो) के व्याख्यान की रिकार्डिंग की जाती है।
4. प्रो लोबसांग तेनजिन द्वारा तीसरे तंत्र (मैन नाग ग्युड) पर दिए गए विद्वत्पूर्ण व्याख्यान जो सोवा रिग्पा की मुख्य पाठ्य पुस्तक है की रिकार्डिंग पुस्तकालय में निरंतर हो रही है आशा है आगामी वर्ष में विद्वानों, विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों के ज्ञानवर्धन हेतु उपलब्ध हो जायेगी।

5. पुस्तकालय के प्रभारी सोवा रिग्पा विभाग एवं संकाय द्वारा आयोजित सभी कार्यक्रमों सदैव सहभागी रहे।

### फार्माकोपिया इकाई

विश्व पटल पर सोवा-रिग्पा के बारे में रुचि, जागरूकता एवं विश्वास बढ़ रहा है, विशेष रूप से भारत में उपचार लेने वाले रोगियों की संख्या में तेजी से वृद्धि हो रही है। जिससे चिकित्सा सुविधा की मांग भी बढ़ रही है परिणामस्वरूप औषधियों, सोवा-रिग्पा उत्पादों की मांग में वृद्धि हो रही है। दवाओं की सामान्य वैज्ञानिक स्वीकार्यता बहुत हद तक दवा की गुणवत्ता एवं उसके विनिर्माण प्रक्रिया के अनुपालन पर निर्भर करती है। सोवा-रिग्पा की पारंपरिक औषधि की पहचान, शुद्धता और प्रभावकारिता आदि के लिए वैज्ञानिक मानकों का होना अनिवार्य है।

इस विज्ञान की विश्व व्यापक स्वीकार्यता की दृष्टि से सोवा-रिग्पा ने फार्माकोपिया इकाई स्थापित किया है, ताकि औषधकोशकीय (फार्माकोपियोअल) मानकों को प्रकाशित किया जा सके। इसके अलावा, दुर्लभ पाठ्य पुस्तक का संरक्षण और संवर्धन करना, पूर्वकाल से तिब्बती चिकित्सा विज्ञान का प्रचार प्रसार करने वाले संस्करण को पुनर्स्थापित करना है।

### परियोजना का उद्देश्य एवं ध्येय है:-

1. सोवा-रिग्पा उत्पाद की गुणवत्ता को नियंत्रित रखते हुये उसकी प्रमाणिकता को सिद्ध करना।
2. एक प्रामाणिक औषधकोश ग्रन्थ तैयार करना।
3. सोवा-रिग्पा औषध निर्माण तरीका एवं उसमे प्रयुक्त होने वाले घटक द्रव्य की जानकारी प्रदान करने के लिए।

### संपूरित कार्य

#### परियोजना-

1. नागार्जुन औषधालय में निर्मित होने वाली एकल और यौगिक (मिश्रित) औषधियों तैयारी की सूची पूरी हो गई है।
2. सोवा-रिग्पा की सभी दवाओं को आठ अलग-अलग श्रेणियों में वर्गीकृत किया।
3. जुशी एवं अन्य प्रामाणिक ग्रंथों में पाए जाने वाली दवाओं को वर्गीकृत किया गया।
4. तीस से अधिक संदर्भ पुस्तकों का सामान्य परिचय तैयार किया गया।
5. डॉ. थुटोप द्वारा किए गए पूर्व के औषधकोशकीय कार्यों में पंद्रह और अलग-अलग संदर्भ पाठ्य पुस्तकों को एकत्रित कर सलंगन किया गया।
6. पहला, दूसरा प्रूफ रीडिंग किया गया है।
7. डॉ. दोरजी डमदुल द्वारा अंतिम स्तर का संपादन कार्य किया जा रहा है।
8. औषधकोश ग्रन्थ का पहला खंड प्रकाशनाधीन है।

### औषध निर्माण इकाई

#### वार्षिक भंडार विवरण

1. हिमालयी क्षेत्र से खरीदी गई कच्ची दवा (357.262)
2. स्थानीय बाजार से कच्ची दवा (3806.910 किग्रा)
3. कच्ची दवा एकत्र या दान (138.459 किग्रा)
4. इ.डी.एम.जी. तवांग परियोजना से प्राप्त कच्ची दवा (24.510 किग्रा)
5. के.उ.ति.शि. संस्थान के औषधि उद्यान से प्राप्त (328.075 किग्रा)



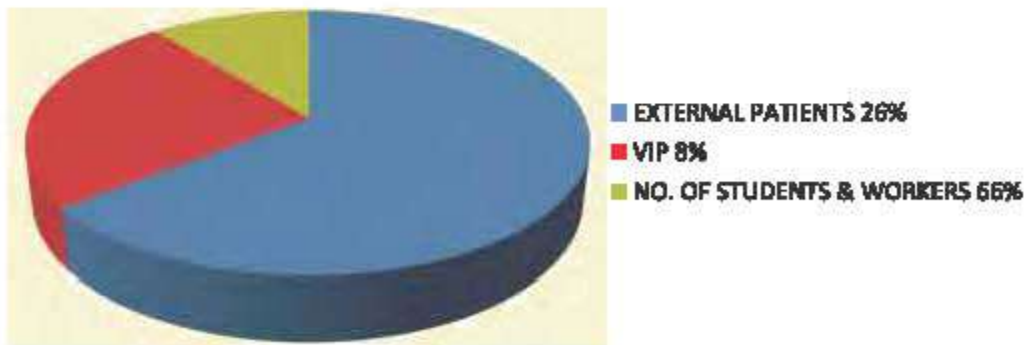
### वार्षिक उत्पाद

|                         |                    |
|-------------------------|--------------------|
| 1. गोलियां              | 1386.796 किलोग्राम |
| 2. तरल                  | 892.385 किग्रा     |
| 3. पाउडर                | 244.325 किग्रा     |
| 4. स्वास्थ्य टॉनिक      | 286.220 किग्रा     |
| 5. मरहम                 | 925.783 किग्रा     |
| 6. कैप्सूल              | 18.711 किग्रा      |
| 7. कीमती गोलियां        | 37.663 किग्रा      |
| 8. प्रैक्टिकल और रिसर्च | 136.402 किग्रा     |
| 9. शोधन / डिटॉक्स       | 343.754 किग्रा     |
| 10. नमूना / प्रदर्शनी   | 13.800 किग्रा      |
| योग                     | 4285.839           |

### निदान केंद्र

सोवारिग्या विभाग एक आधुनिक निदान केंद्र संचलित करता है जिसमें सोवारिग्या चिकित्सकों द्वारा अनुमोदित मरीजों के विभिन्न प्रकार के रोगों का निदान किया जाता है, इस निदान केंद्र में सोवारिग्या के विद्यार्थी साप्ताहिक रूप से जाकर व्यावहारिक ज्ञान लेते हैं साथ ही हीमेटोलोजी, यूरिन, स्पुटम, स्टूल आदि के ज्ञान वर्धन हेतु कक्षाएँ भी चलती हैं। विद्यार्थियों सोवारिग्या के चिकित्सक मूल पद्धति द्वारा निदान प्रक्रिया से निरन्तर अवगत कराते हैं। इस विधा से विद्यार्थियों में निदान ज्ञान सम्पूर्ण जीवन काम आता है। भविष्य में अपने चिकित्सकों हेतु रेडियोलोजी, बायोकेमिकल आदि के विशेषज्ञों की सहायता लेकर रोग और रोगी को समझाने का प्रयास किया जायेगा। अप्रैल 2019 से दिसंबर 2020 तक सभी प्रकार के मरीज यथा- बहिरंग अन्तरंग एवं विशिष्ट लोग आदि कुल 922 मरीजों का निदान किया गया।

FIGURE SHOWING NO. OF OUT DOOR, VIP AND STUDENTS & WORKERS PATIENTS IN % AGE



एक वर्ष में सम्पूर्ण मरीज = 922

## शोध इकाई

### संपन्न शोध कार्य:

1. हिंदी में लिखित शोध लेख - बौद्ध धर्म में व्यवहार संशोधन ।
2. हिंदी में अनुवादित लेख - तिब्बती चिकित्सा का इतिहास ।
3. प्रारंभिक अध्ययन पूर्ण - विषय- “प्राणायाम के माध्यम पूर्ण-बंदी का प्रबंधन”
4. प्रारंभिक अध्ययन पूर्ण - “शारीरिक शूल पर इ.एफ.टी. का प्रभाव पर प्रारंभिक अध्ययन पूर्ण”
5. प्रारंभिक अध्ययन पूर्ण - विषय- “योगनिद्रा एक मनोचिकित्सा है”
6. ऑनलाइन क्लास के लिए पीपीटी तैयार करना (मनोचिकित्सा का परिचय)

### अन्य सम्पादित कार्य :

1. रोगियों का इलाज मनोचिकित्सा तकनीकों से किया ।
2. योग तकनीकी से रोगियों का उपचार किया गया ।
3. बी.एस.आर.एम.एस. के प्रथम, द्वितीय एवं चतुर्थ वर्ष के विद्यार्थियों को मनोविज्ञान, व्यवहार विकार और मनोचिकित्सा आदि पढ़ाया गया ।
4. बी.आर.एम.एस. के इंटरशिप छात्रों की सहायता और मार्गदर्शन किया ।
5. बी.एस.आर.एम.एस. छात्रों के लिए नैदानिक मनोविज्ञान का पाठ्यक्रम तैयार किया ।
6. सोवा-रिग्पा छात्रों के लिए अनुसंधान पद्धति और चिकित्सा सांख्यिकी के लिए पाठ्यक्रम तैयार किया ।
7. अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस ।
8. काशी हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी में आयोजित आरोग्य मेला 2020 में भाग लिया ।

### भविष्य के शोध कार्य:

1. ऑनलाइन कक्षाओं के लिए पीपीटी की तैयारी ।
2. अवसाद का प्रबंधन । (तुलनात्मक अध्ययन)
3. रोग एवं विकार में सोवा-रिग्पा की औषधि का प्रभाव ।
4. प्रो. एल. तेनज़िन के सहयोग से (तिब्बती-मनोविज्ञान या मनोचिकित्सा) हिंदी में चित-विज्ञान पर एक पुस्तक का लिखन ।

## वनस्पति संग्रह इकाई

### (1) मुख्य उद्देश्य:-

1. सोवा-रिग्पा आधारित औषध वनस्पतियों, जड़ी-बूटियों की पहचान, अध्ययन और उपयोग ।
2. सोवा-रिग्पा चिकित्सा प्रणाली में प्रयुक्त होने वाली जड़ी-बूटियों और खनिजों के बारे में छात्रों का ज्ञानवर्धन करना ।
3. विलुप्त या लुप्तप्राय जड़ी बूटियों का संरक्षण ।
4. प्रत्येक जड़ी बूटी की गुणवत्ता के मानक में सुधार करना ।

### (2) वनस्पति संग्रह इकाई के कार्य:-

1. कुल 621 प्रकार की जड़ी-बूटियाँ हिमाचल प्रदेश के मनाली, गर्सा, स्पीति आदि और अरुणाचल प्रदेश के तवांग क्षेत्र से एकत्र की गई हैं ।
2. कुल 51 प्रकार की जड़ी-बूटियाँ विश्वविद्यालय के कालचक्र उद्यान से एकत्र की गईं जिन्हें अलग से वनस्पति पत्र पर सम्हाल के अलग से रक्खा जोड़ा गया ।

3. 169 प्रमाणित जड़ी बूटियों के नमूने हिमालयी क्षेत्र से एकत्रित किये गए जड़ी जिनमें से 23 जड़ी-बूटियों की पूरी जानकारी तिब्बती और अंग्रेजी दोनों भाषाओं दी गयी।

### (3) भविष्य की परियोजनाएं:-

1. वनस्पति प्रमाणीकरण हेतु नमूनों को एकत्रित करने का काम जारी रखना।
2. विश्वविद्यालय के कालचक्र उद्यान से जड़ी-बूटियों का अधिक संग्रह करके शोध परक कार्य करना।
3. जड़ी-बूटी आधारित ग्रीष्मकालीन-अवकाश परियोजना से जुड़े छात्रों का परिसर में रहना।

### सोवा-रिग्पा चिकित्सा खंड - थेरेपी विंग

सी.सी.आई.एम. दिशा-निर्देशों के अनुसार, जुलाई 2019 से युथोक सो-रिग्पा चिकित्सा खंड में 10-शय्या अन्तरंग चिकित्सा सुविधा भी उपलब्ध है। इस चिकित्सा खंड का प्राथमिक उद्देश्य न केवल मरीजों के लिए स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध करना है, बल्कि वरिष्ठ एवं सहायक चिकित्सकों की देख-रेख में कछूपा छात्रों (बी.एस.आर.एम.एस.) को वास्तविक वातावरण (स्थिति) में चिकित्सीय प्रभाव और शिक्षण प्रक्रिया को देखने समझने का पूर्ण अवसर प्रदान करना है। यह एक ऐसा विशिष्ट केंद्र के रूप में भी कार्यरत है, जिसका अन्य चिकित्सा प्रणाली के अप्रभावी या निष्प्रभावी होने पर जीर्ण व्याधियों पर विशेष तौर पर प्रामाणिक औषधियों का कुछ नैदानिक परीक्षण करने के बाद रोगियों पर प्रयोग किया जाता है। सोवा-रिग्पा साहित्य में सौ से अधिक उपचार पद्धतियाँ उपलब्ध होने के बावजूद, उनमें से कुछ ही का यहाँ प्रयोग होता है। 2017 से रोगियों / व्यक्तियों की संख्या में वृद्धि देख कर व्यक्तिगत उपचार एवं सेवा प्रदान करने हेतु यहां कार्यरत और संबंधित बीमारियों के लिए व्यक्तिगत उपचार प्रदान करने हेतु 4 अलग-अलग सोवा-रिग्पा मेनपा बहिरंग खंड में चिकित्सा सेवा दी जा रही है।

### नव वैशिष्ट्य

1. **अभिलेख संरक्षण - रिकॉर्ड कीपिंग :** 2019-2020 के पहले अभिलेख संरक्षण उपचारकों या चिकित्सकों के अनुसार किया जाता था लेकिन अब सी.सी.आई.एम. के निर्देशानुसार कछूपा (स्नातक) छात्रों एवं प्रशिक्षुओं के प्रशिक्षण को ध्यान में रखकर उनके द्वारा कार्य जाता है।
2. **छात्र आधारित गतिविधियाँ :** 10-दिवसीय कार्यशाला में विद्यार्थियों ने पारंपरिक अस्थि मालिश, हड्डी जोड़ने सम्बन्धी कार्यों का प्रशिक्षण, पारंपरिक मालिश आदि ज्ञान वास्तविक रोगियों पर लिया।
3. **अन्तरंग सेवाएं :** यूथोक अस्पताल में भर्ती मरीजों को इन-हाउस थेरेपी सेशन दिए जाते थे, क्योंकि उन्हें विशेष रूप से उठने-बैठने चलने-फिरने में समस्या होती थी।

नैदानिक परीक्षण (शोध परक अध्ययन) जो विशेष रूप से छात्रों के द्वारा संचालित या उपचारित होता है, इस प्रशिक्षण की अवस्था में मरीजों को भुगतान करने से छूट दी जाती है, परन्तु उन्हें अपनी दवाओं के बिल का भुगतान करना होता है। छात्रों द्वारा दी जाने वाली उपचार पद्धतियाँ - क्यूपिंग, मोक्सीबस्टन, हल्की मालिश, हॉट वाष्प कम्प्रेसन थेरेपी, वेनेजेशन शामिल हैं। इस श्रेणी में उन पुराने रोगियों को सम्मिलित किया जाता है जो अन्य चिकित्सा पद्धतियों से अपनी चिकित्सा कुछ वर्षों से करा रहे हैं परन्तु फिर भी स्वस्थ नहीं हैं।

| सर्व चिकित्सा 2019-20 |             |
|-----------------------|-------------|
| चिकित्सा              | 3587        |
| चिकित्सकीय प्रयोग     | 278         |
| <b>कुल</b>            | <b>3865</b> |

## अरुणाचल प्रदेश के तवांग में स्थापित थोट चिकित्सा विद्या की औषधीय उद्यान परियोजना 2019-2020 वार्षिक रिपोर्ट

### 1. तवांग परियोजना की वर्तमान परिस्थितियाँ

वर्ष 2008 में केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी के सोवा-रिग्पा विभाग ने अरुणाचल प्रदेश के तवांग में औषधीय उद्यान परियोजना का प्रारम्भ किया जो निरन्तर गतिशीलता के साथ विकासशील है। अरुणाचल प्रदेश का तवांग क्षेत्र अत्यधिक ऊँचाई वाला क्षेत्र है तथा प्राकृतिक परिवेश को अपने में समेटे सुंदरता से भरपूर है। यह स्थान प्राकृतिक रूप से उगने वाली दुर्लभ जड़ी-बूटियों, सुंदर फूलों और जंगली जानवरों की विभिन्न किस्मों से भरपूर है, जैसा विशेष रूप से तिब्बती पठार में पाए जाते हैं। यह स्थान असाधारण रूप से अद्वितीय है क्योंकि यहाँ स्थानीय निवासी गहरे रूप से धार्मिक और पारंपरिक हैं ये लोग तिब्बती पठार के वंश से जुड़े हैं, निकट भविष्य में इस परियोजना को व्यापक स्तर तथा गुणकारी परियोजना के रूप में विकसित करने की योजना सबोये हैं।

### 2. मेन्मेग्याला - मुख्य परियोजना

मेन्मेग्याला जो हमारी मुख्य परियोजना है वह तवांग से लगभग 20 किमी दूर (5.47 एकड़) में विस्तारित है यह स्थान ढलानी पहाड़ी चट्टानों में स्थित है यहाँ केवल लोहे की तारों वाली बाढ़ के सहारे ही पहुँचा जा सकता है। हमने जड़ी-बूटियों के रोपण के लिए आवश्यकता अनुसार परियोजना स्थल के कुछ हिस्सों में कार्टर रूत का निर्माण किया है (जैसा कि नीचे चित्र 1 और 2 में दिखाया गया है)। इस विशेष क्षेत्र में हमारे पास विभिन्न प्रकार की प्राकृतिक और बहुत ऊँचाई वाली जड़ी-बूटियाँ हैं। इस वर्ष हमें अपने 2-3 वर्षों के काम का उत्साहजनक परिणाम मिला वर्तमान में 40 से अधिक प्रजातियों की प्राकृतिक जड़ी बूटियाँ और पौधे उपलब्ध हैं।



चित्र -1

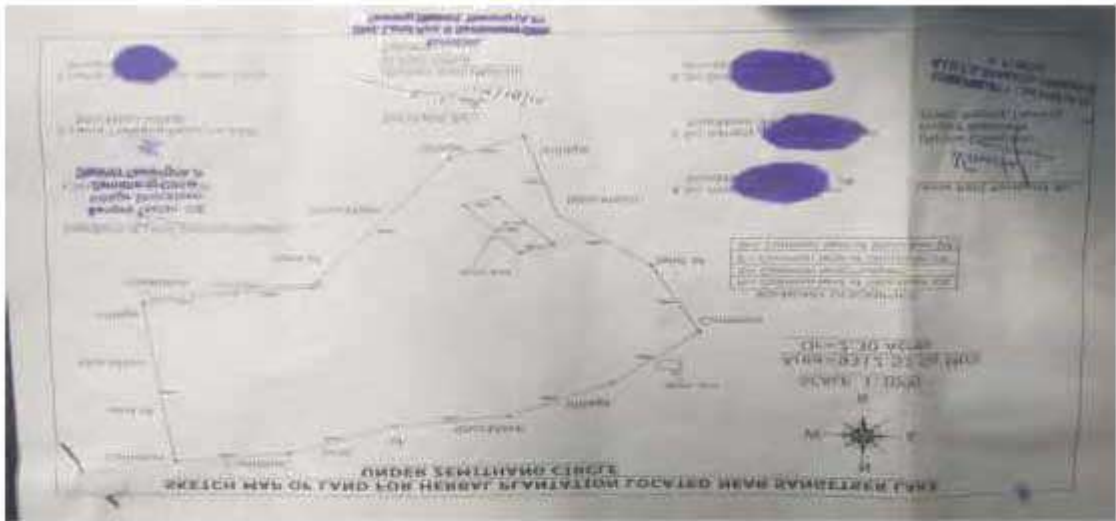


चित्र -2

### 3. पट्टा आधारित भूमि पर वृक्षारोपण

3.1 तवांग से 40 किमी की दूरी पर ताकत्संग ग्राम में स्थित है (चित्र -3 और 4) यह भूमि पट्टा आधार खरीद के लिए प्रस्तावित है। यह करीब 2.30 एकड़ में फैला हुआ है जो अभी लीज एग्जीमेंट की प्रक्रिया के अंतर्गत है। यह परियोजना स्थल दुर्लभ गुणकारी, औषधीय जड़ी बूटियों हेतु अत्यंत उपयोगी है। यह स्थान परियोजना के स्थलीय अनुसंधान अध्ययन के लिए आवश्यक है। हमारे पास इस समय लगभग सौ विभिन्न दुर्लभ जड़ी-बूटियाँ हैं। वर्तमान में हमने शोगत्सांग गांव के लोगों और एल.आर शाखा के डी.सी. कार्यालय तवांग के अधिकारियों के

साथ संयुक्त रूप से वृक्षारोपण योग्य भूमि का सर्वेक्षण किया है। जो एल.आर. द्वारा प्रदान किये गये मानचित्र रूप में नीचे है:-



3.2 बिमीथांग गांव में न्यामजंगचू नदी के पास में स्थित गोरसम औषधीय उद्यान को लगभग 1 एकड़ से अधिक है लीज समझौते की प्रक्रिया में है। मध्यम तापमान में उगने वाले औषधीय पौधों और जड़ी बूटियों के रोपण के अनुकूल है। यह स्थान परियोजना को वृहद् स्वरूप में विकसित करने हेतु एवं शोध अध्ययनों के लिए उपयोगी है। वर्तमान में हम लोग उपलब्ध जमीन पर विभिन्न पौधों और जड़ी-बूटियों जैसे कि तारबू, मनु, शुदा नकोपो आदि को इन क्षेत्रों में उगाने के लिए काम कर रहे हैं।

### 3.3 खिनमी वृक्षारोपण भूमि:

खिनमी मठ तवांग के महामहिम थेगसे रिनपोचे दयालु हैं, ने हमें केवल हर्बल पौधों के लिए लगभग 4-5 एकड़ चारागाह की भूमि प्रदान करने के लिए सहमति दी है। मठ द्वारा स्पष्ट किया गया है योजना सरकार द्वारा संचालित होगी तो लीज पर दिया जायेगा परन्तु यदि हम लोग निजी स्तर पर लेंगे तो मुफ्त में देंगे। हमारी परियोजना के लिए यह एक सुनहरा अवसर है जो भविष्य में हमारी परियोजना के लिए मील का पत्थर साबित हो सकता है।



हमें दी जाने वाली खिनमी मठ द्वारा दी जाने वाली घास आच्छादित भूमि की तस्वीर।

#### 4. परियोजना स्थल पर आगंतुक आगमन:-

श्री साने वांगचू और श्री सोनम फुनसोक दोनों ने मौखिक रूप से बताया कि पिछले साल लगभग सैकड़ों स्थानीय और दूर-दराज के आगंतुक इस स्थल को देखने आये। इस वित्त वर्ष 2019 जून के महीने में, इन दुर्लभ जड़ी-बूटियों और औषधीय पौधों को देखने के लिए ताकत्संग में हमारी वृक्षारोपण भूमि पर पांच अलग-अलग समूह में आये और हमारे कार्यों की सभी आगंतुकों से बहुत सराहना की।

हमारे दोनों परियोजना स्थलों पर उत्पादित विभिन्न जड़ी-बूटियों की गुणवत्ता निरंतर बढ़ रही है। हमारे पास लगभग 40 प्रकार की जड़ी-बूटियाँ और औषधीय पौधे हैं, जो गंग चुंग, हॉगलेन, यूटील सर्पो, उत्पल नगनपो, चोलमोशे, बोंगकर, बोंमाग, खंपा अट्टोंग, खुरमंग एवं इसके अतिरिक्त अन्य मेन्माभ्यालम परियोजना स्थल पर उगते हैं। ताकत्संग परियोजना स्थलों में हमारे पास लगभग 100 अलग-अलग सुन्दर जड़ी-बूटियाँ और औषधीय पौधे हैं जैसे रुटा, मनु, बोंगनैग, बोल्मोसे, हॉगलेन, केरपा, म्गाशिंग, टाइशिंग, रन्नी, बोंमकर, बोंगमारपो, पैन्चियन, टेसबोन, सोलोमारपो तथा अन्य।

#### 73 वें स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त 2019) पर जड़ी-बूटियाँ और औषधीय पौधे प्रदर्शनी का संक्षिप्त विवरण

हम लोगों का मुख्य उद्देश्य स्थानीय लोगों के लिए प्राकृतिक विशाल ऊँचाई वाले औषधीय पौधों की सुरक्षा और पहचान को बढ़ावा देने का है, हमने 15 अगस्त, 2019 की पेरड में 73वें स्वतंत्रता दिवस के बन्ध के दौरान तवांग वन विभाग के साथ मिल कर जड़ी-बूटियों और औषधीय पौधों की लगभग 40 विभिन्न प्रजातियों का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया।

इसी वृष्टि से हमने 40 प्रकार की सोवा-रिप्पा जड़ी-बूटियों का तिब्बती, वानस्पतिक नामों की नाम पट्टिका लगाकर प्रदर्शन किया।



आशा के अनुरूप भारी संख्या में आगंतुकों ने प्रदर्शनी में जड़ी-बूटियों एवं उनकी विशेषताओं को जानने के लिए अपनी रुचि और उत्सुकता प्रदर्शनी स्टाल पर प्रदर्शित की। आगंतुकों ने हमारे कार्यों की सराहना की और अपने क्षेत्रों में स्थित दुर्लभ जड़ी बूटियों के संरक्षण के प्रति ईमानदारी से करने में अपनी रुचि व्यक्त की। गणमान्य व्यक्तियों के साथ मुख्य अतिथि माननीय स्थानीय विधायक श्री तेरसिंग ताशी जी ने स्टाल का उद्घाटन किया। गणमान्य अतिथियों में उपायुक्त तवांग श्री सांग फुटसोक (आ.ई.एस.), पुलिस अधीक्षक तवांग श्री सागर सिंह खलसी (आई पी एस) एवं कई स्थानीय लोग उपस्थित थे। तवांग क्षेत्रों में जड़ी बूटियों के संरक्षण पर वृष्टि से यह एक आवश्यक कार्य है।

अतः सभी आगंतुकों के अनुसार यह प्रदर्शनी बहुत ही सफल और लाभदायक रही है; सभी गणमान्य व्यक्तियों और आगंतुकों ने भविष्य में भी इस तरह की प्रदर्शनी का आयोजन करने के लिए हमें प्रोत्साहित किया।

हम लोग व्यापक उद्देश्यों को ध्यान में रख कर आगामी वर्षों में इस तरह की और प्रदर्शनी करने की योजना बना रहे हैं।

1. प्रदर्शनी को वन विभाग, तवांग का सहयोग मिला
2. प्रदर्शनी का उद्घाटन स्थानीय विधायक तेरसिंग ताशी जी ने किया
3. हर्बल प्रजातियों की लगभग 40 किस्में प्रदर्शित
4. श्री संगे वांगचू (बहुउद्देशीय कर्मचारी) ने आगंतुकों को जड़ी-बूटियों बारे में बताया
5. रैंज अधिकारी श्री नवांग म्यालत्सेन द्वारा वन विभाग द्वारा भी स्टाल लगवाया
6. प्रदर्शनी स्थल पर लगभग सैकड़ों आगंतुक आए।

सितंबर के महीने में हमने शोगत्संग गाँव (ट्रेल रोपण भूमि के तहत तख्तसांग के मालिक) और भूमि रिकॉर्ड और प्रबंधन शाखा (एलआरएम) के अधिकारियों, डीसी ऑफिस तवांग के सदस्यों के साथ संयुक्त रूप से ताकत्संग क्षेत्र वृक्षारोपण भूमि का सर्वेक्षण किया है। जिसके बारे में मैंने पहले ही आवश्यक कार्यों के लिए स्केच किए गए नक्शे और विवरण की प्रतियाँ अपने कार्यालय को भेज दी हैं। भूमि सर्वेक्षण 10/09/2019 को सफलतापूर्वक किया गया है।

अक्टूबर के महीने में, संकाय के डीन की स्वीकृति मिलने के उपरांत मैंने 28-31 अक्टूबर 2019 से सामाजिक वानिकी तवांग के अनुरोध पर तवांग में आयोजित चार दिवसीय उत्सव में संयुक्त रूप से वन विभाग के साथ काम किया है, तथा अपनी 20 विभिन्न प्रकार की औषधीय जड़ी बूटियों और पौधों को प्रदर्शित किया। स्टाल का उद्घाटन भारत में अमेरिका के महामहिम राजदूत, माननीय युवा मामलों के मंत्री सरकार द्वारा किया गया था। भारत के श्री किरेन रिबीजू, माननीय मुख्यमंत्री, स्थानीय विधायक और कई गणमान्य व्यक्तियों ने प्रदर्शनी को गरिमा प्रदान तथा चार दिनों में लगभग 500 आगंतुकों का आगमन हुआ।



इसी प्रकार नवंबर के महीने में, संकाय डीन को मौखिक अनुमोदन पर, मैंने 14-16 नवंबर 2019 में तीन दिवसीय मैत्री दिवस के सन्दर्भ में सामाजिक वानिकी विभाग तवांग में लगभग 15 प्रकार की जड़ी-बूटियाँ और औषधीय पौधों के साथ शामिल हुआ। इस प्रदर्शनी में अरुणाचल सरकार ने संयुक्त रूप से सहयोग किया था और भारतीय सेना तवांग क्षेत्रों में नागरिक और सैन्य के बंधन का जन्म मनाने के लिए। प्रदर्शनी उद्घाटन महामहिम गृहमंत्री, भारत सरकार श्री राजनाथ सिंह द्वारा किया गया था, साथ ही पेमा खांडू, मुख्यमंत्री अरुणाचल प्रदेश और कई उच्च गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। मैंने आगंतुकों को ऊँचाई पर पैदा होने वाली स्थानीय जड़ी-बूटियों के बारे में बताया। यह आगंतुकों की प्रतिक्रिया संतुष्टि प्रदान करने वाली थी जो हमारे लिए उत्साहवर्धक और विजय सद्दृश थी।



वर्तमान में हम अपनी परियोजना को गुणात्मक और मात्रात्मक विकास हेतु कृतसंकल्पित है। चूंकि पहले ही तवांग में ई.डी.एम.बी. परियोजना को 10 वर्षों से सफलतापूर्वक कार्यरत है। अब हम अपनी परियोजना के क्षेत्र को निरंतर बढ़ा रहे हैं आशा है निकट भविष्य में सोवा-रिग्पा विभाग, सी.आई.एच.टी.एस. भविष्य में इसे स्थिरता प्रदान करने की कोशिश करेगा।

#### विभाग की भविष्य योजनाएँ:

1. औषधीय जड़ी बूटियों के उत्पाद और निर्माण पर शोधपरक कार्य।
2. सोवा-रिग्पा के माध्यम से स्थानीय लोगों को स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करना।
3. सुदूर क्षेत्र में मातृ-शिशु स्वास्थ्य सेवा के माध्यम से स्त्री रोग पर सोवा-रिग्पा दवाओं की प्रभावशीलता का अध्ययन करना।
4. चिकित्सा की अन्य प्रणाली के सहयोग से पुरानी और संक्रामक बीमारियों पर नैदानिक अनुसंधान करना।
5. अन्य विश्वविद्यालयों (राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय) के सहयोग से दवा मानकीकरण पर शोध करना।
6. भारतीय चिकित्सा के प्राचीन ग्रन्थों का तिब्बती में अनुवाद करना।
7. विशाल ऊँचाई वाले पौधों की लुप्तप्राय और दुर्लभ प्रजातियों की खेती करने के लिए अरुणाचल प्रदेश के तवांग में हर्बल गार्डन की स्थापना।
8. स्नातक कार्यक्रम के लिए छात्र संख्या में वृद्धि।
9. नव परास्नातक चिकित्सकों की भर्ती करना और सोवा-रिग्पा आर एंड डी यूनिट के लिए जूनियर वैज्ञानिकों की नियुक्ति कर एक पूर्ण शोध इकाई को विकसित करना।
10. सोवा-रिग्पा पीबी कार्यक्रम के दूसरे बैच की शुरुआत करना।
11. पी.बी. और पी-एच.डी. में अधिक पाठ्यक्रम को शुरू प्रारंभ करना।
12. अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोवा-रिग्पा सेवा को विश्व स्तर पर बढ़ावा देना।
13. सोवा-रिग्पा पूर्ण विकास हेतु नए शैक्षणिक और अस्पताल भवन के निर्माण को बढ़ावा देना।
14. निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रबंधन में अधिक बजटशक्ति को सम्मिलित करना।

योजना - सोवा-रिग्पा के विकास को देखते हुए नई शैक्षणिक एवं भव्य अस्पताल की आधारशिला रख कार्य प्रगति पर है।





3D VIEW - SOWA RIGPA HOSPITAL (MPL. SAMSTA, BHARHAI-18 01-18-00 81-28 82)



3D VIEW - SOWA RIGPA HOSPITAL (MPL. SAMSTA, BHARHAI-18 01-18-00 81-28 82)



3D VIEW - SOWA RIGPA HOSPITAL (MPL. SAMSTA, BHARHAI-18 01-18-00 81-28 82)



3D VIEW - SOWA RIGPA HOSPITAL (MPL. SAMSTA, BHARHAI-18 01-18-00 81-28 82)

**वर्तमान स्थिति:**



**(II) शोट उद्योतिष विभाग**

- (1) डॉ. टाशी छेरिंग (बे) - एसोसिएट प्रोफेसर
- (2) डॉ. नम्पा लोफेल - असिस्टेंट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष

**शैक्षणिक गतिविधियाँ-**

1. श्री टाशी छेरिंग ने तिब्बती में अनुवादित प्राचीन चीनी न्योतिष पाठ पर शोध पूरा किया है। टाशी छेरिंग ने बाद में मूल पाठ की रचना की जिसके लिए उन्होंने कई उदाहरणों के साथ उस पर टिप्पणी लिखी है।

2. 8-13 जुलाई, 2019 - डॉ. जम्पा छोफेल ने इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ तिब्बतन स्टडीज इनालको पेरिस द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया, जिसमें उन्होंने कालचक्र परंपरा के हेलिमोसेंट्रिक और जियोनेट्रिक मॉल पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।
3. 3-6 अक्टूबर, 2019 - डॉ. जम्पा छोफेल ने सी.टी.ए. के मुख्यालय धर्मशाला के प्रतिनिधि के रूप में तिब्बती निर्वासित सरकार की आम सभा में भाग लिया।
4. डॉ. जम्पा ने फाइव कालेज विनिमय कार्यक्रम के तहत “तिब्बतन एस्ट्रो-साइन्स” पर व्याख्यान दिया।
5. डॉ. जम्पा ने “मन्थली रिकग्नीशन ऑफ तिब्बतन एस्ट्रो साइन्स” पर अपना शोध पूरा किया जो शोध पुस्तक के रूप में तिब्बत हाउस, दिल्ली में प्रकाशनाधीन है।
6. डॉ. जम्पा भारतीय विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय अकादमिक डिपॉजिटरी एसोसिएशन और उच्च शिक्षा के अखिल भारतीय सर्वेक्षण के लिए संस्थान के नोडल अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार ले रहे हैं तथा स्वच्छ भारत अभियान के अध्यक्ष भी हैं।
7. विभाग ने “तिब्बतन एस्ट्रो-साइन्स फोरम” नाम से व्हाट्सएप समूह की शुरुआत की है, जिसमें आज तक लगभग 57 सदस्य हैं, जिनमें पूरे विश्व के शिक्षक, एस्ट्रो-साइन्स प्रैक्टिशनर्स और शोधकर्ता शामिल हैं। यह मंच सभी सदस्यों के साथ विचार साझा करता है और निकट भविष्य में तिब्बतन एस्ट्रोसाइन्स के क्षेत्र में विकास करेगा।

## 3. शोध विभाग

प्राचीन लुप्तप्राय ग्रन्थों का पुनरुद्धार, सम्पादन तथा उनका संस्कृत, तिब्बती एवं हिन्दी भाषा में अनुवाद एवं प्रकाशन, संस्थान का प्रमुख शोध एवं प्रकाशन कार्य है। पुनरुद्धार, अनुवाद, सम्पादन, संकलन एवं प्रकाशन, ये संस्थान की प्रमुख शोध गतिविधियाँ हैं, जो निम्नलिखित विभागों द्वारा संचालित हैं—

1. पुनरुद्धार विभाग
2. अनुवाद विभाग
3. दुर्लभ बौद्ध ग्रन्थ शोध विभाग
4. कोश विभाग
5. तिब्बती साहित्य केन्द्र

### 1. पुनरुद्धार विभाग

**उद्देश्य:**

तिब्बती भाषा में उपलब्ध प्राचीन भारतीय बौद्ध वाङ्मय को पुनः संस्कृत में उपलब्ध कराने हेतु इस विभाग की स्थापना हुई है। यह शोध विभाग का एक स्वतन्त्र विभाग है। इसका उद्देश्य न केवल शोध हेतु ग्रन्थों का पुनरुद्धार करना है, अपितु लुप्त प्राचीन भारतीय बौद्ध परम्परा को पुनर्जीवित करना भी है। विश्व में यह एकमात्र ऐसा विश्वविद्यालय है, जहाँ पर इस तरह का कार्य किया जा रहा है। इसमें प्राथमिकता के आधार पर आचार्य नागार्जुन, आर्यदेव, शान्तरक्षित, कमलशील एवं आचार्य अतीश आदि के ग्रन्थों पर कार्य हो रहा है।

संस्कृत भाषा में उपलब्ध भारतीय बौद्ध वाङ्मय एवं तिब्बती भाषा में अनुवाद की 9वीं शताब्दी की परम्परा का अनुसरण करते हुए इस विभाग के विद्वान् आज भी संस्कृत भाषा के विद्वानों के साथ तिब्बती ग्रन्थों का संस्कृत में पुनरुद्धार कर रहे हैं।

प्राचीन समय में तिब्बती अनुवाद के लिए बौद्ध दर्शन के भारतीय विद्वानों के साथ मिलकर कार्य करना आवश्यक था। इस परम्पर के अनुसार विभाग के तिब्बती विद्वान्, बौद्ध दर्शन के भारतीय विद्वानों के साथ कार्य कर रहे हैं। विभाग के लिए यह गर्व का विषय है कि यहाँ राष्ट्रपति एवं पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित बौद्ध दर्शन के ख्याति-प्राप्त विद्वान् स्व. प्रो. रामशंकर त्रिपाठी एवं प्रो. पी.पी. गोखले जी तिब्बती विद्वानों के साथ कार्यरत रहे।

अब तक इस विभाग ने बौद्ध धर्म दर्शन के अनेक महत्वपूर्ण ग्रन्थों का पुनरुद्धार एवं हिन्दी अनुवाद किया है। विभाग द्वारा प्रकाशित अनेक ग्रन्थ उत्तर प्रदेश संस्कृत अकादमी द्वारा पुरस्कृत भी हो चुके हैं।

**विभाग में कार्यरत सदस्य एवं पदनाम-**

- |                              |   |
|------------------------------|---|
| 1. डॉ. लोब्संग दोर्जे        | - एसोसिएट प्रोफेसर (वर्तमान विभागाध्यक्ष)         |
| 2. डॉ. पेन्पा दोर्जे         | - प्रोफेसर (विभागाध्यक्ष, फरवरी, 2020 से)         |
| 3. भिक्षु ज़लछेन नमडोल       | - एसोसिएट प्रोफेसर (विभागाध्यक्ष, जनवरी, 2020 तक) |
| 4. भिक्षु डवङ्ग ग्यलछेन नेगी | - शोध सहायक                                       |

वर्तमान सत्र में विभाग की गतिविधियाँ निम्नवत् हैं-

**(क) मुख्य कार्य-**

लुप्त बौद्ध संस्कृत ग्रन्थों का तिब्बती भाषा से संस्कृत में पुनरुद्धार, शोध, अन्य बौद्ध ग्रन्थों का अनुवाद, सम्पादन, प्रकाशनार्थ तैयार करना, संगोष्ठी एवं कार्यशाला का आयोजन, अन्य शैक्षणिक कार्य तथा आगन्तुक (Visiting) शोध विद्वानों का सहयोग करना।

**सामूहिक शोध-कार्य-**

1. **आचार्य चन्द्रकीर्ति द्वारा विरचित माध्यमकावतारभाष्य-** इस ग्रन्थ के द्वितीय चित्तोत्पाद का मूल संस्कृत पांडुलिपि और तिब्बती संस्करणों के साथ संपादन प्रो. पी.पी. गोखले के नेतृत्व में विभाग के सभी सदस्यों के द्वारा सामूहिक कार्य के रूप में किया गया है। इसे धी: पत्रिका के 60वें अंक में प्रकाशित किया गया है।
2. **आचार्य बुद्धपालित द्वारा विरचित मूलमाध्यमिकवृत्ति बुद्धपालित-** इस ग्रन्थ के सातवें अध्याय का मूल संस्कृत पांडुलिपि और तिब्बती संस्करणों का समालोचनात्मक संपादन प्रो. पी.पी. गोखले जी के नेतृत्व में विभाग के सभी सदस्यों के द्वारा सामूहिक कार्य के रूप में किया गया है। सम्प्रति यह प्रकाशन के लिए तैयार है। इसे भावी धी: पत्रिका में प्रकाशित किया जायेगा।
3. **आर्यविमलकीर्तिनिर्देशसूत्र-** भोट संस्करणों के आधार पर इस ग्रन्थ का संस्कृत मूल एवं भोट-पाठ का समालोचनात्मक सम्पादन प्रो. पी.पी. गोखले के नेतृत्व में पुनरुद्धार विभाग, अनुवाद विभाग एवं दुर्लभ बौद्ध शोध विभाग के साथ सामूहिक कार्य के रूप में किया गया। इस ग्रन्थ की प्रस्तावना प्रो. पी.पी. गोखले द्वारा लिखी गयी है। डॉ. गेशे लोबसंग दोर्जे और आचार्य नवांग ग्यालछेन नेगी ने ग्रन्थ को अन्तिम रूप देने के लिए पुनः डेटा इन्पुट, प्रूफ रीडिंग तथा सेटिंग आदि पर कार्य किया है तथा प्रकाशन विभाग को प्रस्तुत किया गया। वस्तुतः इस ग्रन्थ की प्रतिलिपि का विमोचन संस्थान की 50वीं स्वर्ण जयन्ती के शुभावसर पर परम पावन जी के कर-कमलों द्वारा हो चुका है।
4. विभाग के सभी सदस्यों के द्वारा परम पावन दलाई लामा जी के निजी कार्यालय की ओर से निर्देशित 'बौद्ध विज्ञान-दर्शन एवं सिद्धान्त समुच्चय' ग्रन्थ का तिब्बती भाषा से हिन्दी में अनुवाद का कार्य प्रथम प्रारूप सम्पन्न हो चुका है। ग्रन्थ के दो भागों में से प्रथम खण्ड पर अन्तिम संपादन का कार्य लगभग पूरा होने जा रहा है।

**(ख) कार्याधीन प्रमुख योजनाएँ-**

1. **मध्यमकरत्नप्रदीप-** आचार्य भावविवेक द्वारा रचित ग्रन्थ के तिब्बती संस्करणों का समालोचनात्मक संशोधन एवं सम्पादन तथा हिन्दी अनुवाद का कार्य सम्पन्न हो चुका है। सम्प्रति तिब्बती एवं हिन्दी दोनों भाषाओं में भूमिका लेखन का कार्य भी लगभग पूर्ण हो चुका है।
2. **आचार्य नागार्जुन विरचित बोधिचित्त विवरण-** इस ग्रन्थ के संस्कृत पुनरुद्धार का कार्य अतिथि आचार्य के रूप में आमन्त्रित प्रो. पी.पी. गोखले जी के सहयोग से सम्पन्न किया गया है। इस ग्रन्थ का पुनः संशोधन कर संस्कृत पुनरुद्धार को भी द्वितीय संस्करण में प्रकाशित किया जायेगा।
3. **बोधिपथप्रदीपपञ्जिका-** आचार्य दीपंकर श्रीज्ञान द्वारा रचित इस ग्रन्थ का प्रो. रामशंकर त्रिपाठी जी के साथ संस्कृत में पुनरुद्धार एवं हिन्दी अनुवाद का कार्य लगभग सम्पन्न हो चुका है। हालांकि संस्कृत छन्दों के कुछ अंशों को अन्तिम रूप देना बाकी है, लेकिन प्रो. रामशंकर त्रिपाठी जी के आकस्मिक निधन होने के कारण शेष कार्यों को

अतिथि आचार्य प्रो. पी.पी. गोखले जी के साथ किया जायेगा। सम्प्रति ग्रन्थ की भूमिका एवं परिशिष्ट आदि का कार्य प्रगति पर है।

4. **आर्यसर्वबुद्ध-विषयावतार-ज्ञानलोक-अलंकारनाम महायान सूत्र** – इस सूत्र का तिब्बती संस्करण के साथ संस्कृत पांडुलिपि का समालोचनात्मक संपादन का कार्य प्रो. पी.पी. गोखले जी के सहयोग से सम्पन्न किया गया है। सम्प्रति भूमिका लेखन पर शोध कार्य हो रहा है। इसे शीघ्र ही प्रकाशित किया जायेगा।
5. **महाव्युत्पत्ति** – 9वीं शताब्दी में भारतीय आचार्य एवं भोट अनुवादकों द्वारा प्रयुक्त विस्तृत संस्कृत-तिब्बती कोश की शब्दावली के संकलन का कार्य सम्पन्न हो चुका है तथा अन्य दो तिब्बती संस्करणों के साथ संकलन का कार्य भी पूरा हो चुका है। सम्प्रति भूमिका लेखन पर कार्य कर रहे हैं।
6. **युक्तिषष्टिका** – आचार्य नागार्जुन द्वारा रचित इस ग्रन्थ पर चन्द्रकीर्ति की व्याख्या सहित संस्कृत पुनरुद्धार पर पुनः संशोधन का कार्य किया जा रहा है। सम्प्रति तिब्बती संस्करण पर भूमिका लेखन का कार्य प्रगति पर है।
7. **धर्मधातुस्तव** – आचार्य नागार्जुन रचित इस ग्रन्थ का पुनरुद्धार, हिन्दी अनुवाद एवं अंग्रेजी अनुवाद लगभग पूर्ण हो चुका है। हाल ही में ऑस्ट्रिया से प्रकाशित इस ग्रन्थ की पाण्डुलिपि की एक प्रतिलिपि प्राप्त हुई है। इसके नए संस्करण के साथ पाठ का पुनः परस्पर मिलान किया जायेगा। सम्प्रति हिन्दी भूमिका लेखन पर भी कार्य किया जा रहा है।
8. **प्रहाणपूरकशतवन्दनानाम महायानसूत्र, करण्डव्यूहमहायानसूत्र, प्रतीत्यसमुत्पादसूत्र एवं दशकुशलसूत्र** – इन चारों सूत्रों का पुनरुद्धार, हिन्दी अनुवाद तथा तिब्बती संस्करणों का समालोचनात्मक संपादन का कार्य प्रगति पर है।
9. **महायानपथक्रम** – आचार्य सुभागवज्र द्वारा रचित इस ग्रन्थ का अन्य तिब्बती संस्करणों से मिलान सहित संपादन का कार्य सम्पन्न हो चुका है और प्रो. पी.पी. गोखले जी के साथ हिन्दी अनुवाद एवं संस्कृत पुनरुद्धार पर संपादन का कार्य पूर्ण हो चुका है। सम्प्रति भूमिका लेखन आदि कार्य कर रहे हैं।
10. **विनयपरिभाषिक शब्दकोश** – विनय से सम्बद्ध तिब्बती-संस्कृत पारिभाषिक शब्द कोश का कार्य प्रगति पर है। यह कार्य कोश विभाग के साथ संयुक्त रूप से किया जा रहा है।
11. **संक्षिप्तनानादृष्टिविभाजनम्** – आचार्य उमेश सिंह द्वारा रचित इस ग्रन्थ का प्रो. पी.पी. गोखले के सहयोग से संस्कृत पुनरुद्धार का कार्य सम्पन्न हो चुका है। सम्प्रति भूमिका लेखन की तैयारी हो रही है।
12. **अबोधबोधकं नाम प्रकरणम्** – आचार्य नागार्जुन द्वारा रचित इस ग्रन्थ का प्रो. पी.पी. गोखले जी के सहयोग से संस्कृत पुनरुद्धार का कार्य सम्पन्न हो चुका है।
13. **त्रिस्कन्धसूत्र** – नेपाल से उपलब्ध मन्त्रसंग्रह पांडुलिपियों में विद्यमान इस ग्रन्थ पर संपादन का कार्य पूर्ण हो चुका है। हिन्दी अनुवाद का कार्य अतिथि प्राध्यापक प्रो. पी.पी. गोखले जी के सहयोग से किया जा रहा है।

## (2) सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला

1. कार्यालय के निर्गत आदेश के अनुसार आचार्य नवांग ग्यालछेन नेगी को स्वर्गीय जी. एस. नेगी द्वारा कृत तिब्बती-संस्कृत शब्दकोश को डिजीटलीकरण हेतु वर्ष जनवरी से जून, 2019 यानि छह महीने की अवधि तक शब्दकोश विभाग के साथ डेटा संग्रह करने का कार्य करने हेतु नामित किया गया।
2. 16-17 मई 2019 - बोधगया मन्दिर प्रबन्धन समिति के निमन्त्रण पर आचार्य ज़लछेन नमडोल और आचार्य नवांग ग्यालछेन नेगी ने बुद्ध जयंती के उपलक्ष्य पर आयोजित **‘बौद्ध-धर्म-अन्तर्धार्मिक सौहार्द का संदेशवाहक’**

विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया। उस अवसर पर आचार्य जलछेन नमडोल ने संगोष्ठी के एक सत्र में अध्यक्षता का कार्यभार सम्भाला तथा बौद्ध धर्म में कर्मफल की व्यवस्था विषय पर विचार प्रस्तुत किया। आचार्य नवांग ग्यालछेन नेगी ने सम्बन्धित उक्त विषय पर विचार प्रस्तुत किया। साथ ही बुद्ध जयन्ती के अन्य सभी कार्यक्रमों में भाग लिया।

3. 3-5 नवंबर, 2019 - संस्थान के गेलुग सम्प्रदाय द्वारा “गेलुग परम्परा और उसके संस्थानों का इतिहास” (History of Gelug Tradition and its Institutions) विषय पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें आचार्य जलछेन नमडोल ने “बौद्ध शिक्षण में आचार्य चोडखापा का योगदान” विषय पर एक लेख प्रस्तुत किया और एक सत्र में अध्यक्षता का कार्यभार ग्रहण किया। डॉ. लोबसंग दोर्जे ने “भारत, नेपाल, भूटान और विश्व के अन्य क्षेत्रों में गेलुग परम्परा का विकास” विषय पर शोध-पत्र प्रस्तुत किया। जिसमें डॉ. पेन्पा दोर्जे ने अध्यक्षता की। उस अवसर पर विभाग के सभी सदस्य संगोष्ठी में सम्मिलित रहे। साथ ही, डॉ. लोबसंग दोर्जे ने संगोष्ठी को सफलतापूर्वक सम्पन्न करने हेतु आयोजन समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया तथा आचार्य नवांग ग्यालछेन नेगी ने सहायक कर्ता के रूप में सक्रिय रूप से कार्य किया।
4. 9 नवम्बर 2019 - केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान और पुरातन छात्र-संघ समिति, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी के संयुक्त तत्वावधान में “तिब्बती और हिमालयीय अध्ययन” विषय पर एक दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें विभाग के सभी सदस्यों ने भाग लिया। उस अवसर पर प्रो. पेन्पा दोर्जे ने “तिब्बती भाषा और उसके विकास के इतिहास पर एक विश्लेषणात्मक शोध” विषय पर लेख प्रस्तुत किया। आचार्य जलछेन नमडोल ने ‘सामान्य बुद्ध शासन अधिकृत (सूत्रयान) तथा विशिष्ट व्यक्ति अधिकृत (वज्रयान) की वयवस्था’ विषय पर एक लेख प्रस्तुत किया तथा डॉ. गेशे लोबसंग दोर्जे ने “केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान का इतिहास और कंग्युर-तन्युर से पुनरुद्धारित ग्रन्थों का विवरण पर सक्षिप्त रिपोर्ट” विषय पर एक लेख प्रस्तुत किया। इन शोध-पत्रों को संस्थान के पुरातन छात्र-संघ समिति द्वारा दो भागों (Two volumes) में प्रकाशित किया गया है, जिन्हें इन सर्च ऑफ टूथ: पार्ट II कहा गया है। आचार्य नवांग ग्यालछेन नेगी ने इन सभी कार्यक्रमों की व्यवस्था की देख-रेख करने में सक्रिय रूप से सहयोग किया।
5. 16-17 दिसम्बर 2019 - डेपुड गोमड मठ द्वारा नव निर्मित शास्त्रार्थ सभागार के उद्घाटन समारोह एवं दो दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन के उपलक्ष्य में “सामान्य रूप से बौद्ध धर्म के इतिहास का विकास एवं विशेष रूप से रूसी एवं मंगोलियाई क्षेत्रों में गेलुग परम्परा का विकास” विषय पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन के आयोजन में डॉ. लोबसंग दोर्जे ने “मंगोलिया और रूस में गेलुग परम्परा के विकास पर योगदान” विषय पर एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया गया।
6. 13-14 जनवरी, 2020 - कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार सरकार और केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी के संयुक्त तत्वावधान में महापण्डित राहुल सांकृत्यायन द्वारा तिब्बत से लाये गये “कंग्युर-तन्युर एवं सुड्बुम का हिन्दी अनुवाद” विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें डॉ. पेन्पा दोर्जे ने “तिब्बती ग्रन्थों का समालोचनात्मक संपादन” विषय पर व्याख्यान दिया। डॉ. लोबसंग दोर्जे ने “ग्रन्थों में उद्धृत सन्दर्भों की खोज पद्धति एवं स्रोतों का अन्वेषण” विषय पर व्याख्यान दिया और आचार्य जलछेन नमडोल ने उस सत्र की अध्यक्षता की।

7. महापण्डित राहुल सांकृत्यायन द्वारा तिब्बत से लाये गये "कम्पुल-तन्धुर एवं सुङ्खुम का हिन्दी अनुवाद" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें प्रो. पेन्पा दोर्जे, आचार्य म्यालछेन नमडोल एवं आचार्य नवांग म्यालछेन नेगी ने आयोजन समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया।



प्रो. पी.पी. गोखले जी के साथ मूलमध्यमकवृत्ति-बुद्धपालित का समालोचनात्मक सम्पादन कार्य करते हुए शोध विभाग के विद्वज्जन।

### (3) व्याख्यान में सहभागिता-

1. 29 सितम्बर, 2019 - संस्थान द्वारा आयोजित "ब्राह्मी लिपि के माध्यम से व्यक्तित्व विकास" विषय पर जैन साध्वी शास्त्रतूर्णा जी द्वारा प्रदत्त व्याख्यान में विभाग के सभी सदस्यों ने भाग लिया।
2. महात्मा गांधी जी की जयंती के शुभावसर पर संस्थान द्वारा "समकालीन एशिया में महात्मा गांधी के विचारधारा की प्रासंगिता" विषय पर डॉ. केशव मिश्र द्वारा प्रदत्त व्याख्यान में विभाग के सभी सदस्यों ने भाग लिया।
3. 8-10 नवम्बर, 2019 - पुरातन छात्र संघ समिति, के.उ.ति.शि. संस्थान के अनुरोध पर संस्थान के पूर्व निदेशक सर्वसम्मानित प्रो. समदोंग रिन्पोछे जी उनके 80वें जन्म दिवस के शुभ अवसर पर संस्थान में आगमन हुए। उस प्रवास के दौरान दिनांक 9 नवम्बर, 2019 को संस्थान एवं पुरातन छात्रसंघ समिति द्वारा आयोजित "तिब्बती एवं हिमालयन अध्ययन" विषय पर एक दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। उस संगोष्ठी के मुख्य अतिथि प्रो. एस. रिन्पोछे जी उपस्थित रहे। 10 नवम्बर को उन्होंने गेशे छेद-खावा द्वारा रचित "महायान चित्तशोधन सप्तार्थ" नामक लघु ग्रन्थ पर प्रवचन दिया। उस अवसर छात्रों द्वारा प्रो. एस. रिन्पोछे जी के स्वस्थ जीवन की कामना के साथ उनके दीर्घायु हेतु प्रार्थना की गई। 11 नवम्बर, 2019 को प्रो. समदोंग रिन्पोछे जी के निःस्वार्थ सेवा एवं छात्रों के समुचित मार्गदर्शन हेतु पुरातन छात्र संघ समिति द्वारा उनके प्रति कृतज्ञता एवं आभार प्रकट करते हुए भव्य रूप से सम्मानित किया गया तथा उस अवसर पर नौ पुरातन छात्रों को भी शिक्षा के क्षेत्र में

उनके निःस्वार्थ योगदान के लिए उन्हें सम्मानित किया गया। जिसमें विभाग के सभी सदस्यों ने सभी कार्यक्रमों में भाग लिया।

4. 19-22 दिसम्बर, 2019 - कर्नाटक स्थित मोनगोड गादेन मठ में **जे चोखापा के निर्वाण (1419-2019) की 600वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य** पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। उस सम्मेलन समारोह का उद्घाटन परम पावन जी के करकमलों से हुई। जिसमें डॉ. गेशे लोबसंग दोर्जे ने समारोह में भाग लिया तथा विश्व भर के विद्वानों ने समारोह में भाग लिया।
5. 24-31 दिसम्बर, 2019 - आचार्य जलछेन नमडोल, प्रो. पेन्पा दोर्जे एवं डॉ. गेशे लोबसंग दोर्जे ने बोध गया में परम पावन दलाई लामा द्वारा प्रदत्त **37 बोधिसत्त्व अभ्यास, प्रमाणवार्तिक एवं मञ्जुश्री-अभिषेक-विधि** के प्रवचन में भाग लिया।

#### (4) पाण्डुलिपि सर्वेक्षण और संबधित शैक्षणिक कार्य

1. आचार्य नवांग ग्यालछेन नेगी महापंडित राहुल सांकृत्यायन जी द्वारा तिब्बत से लाये गये क्युर-तन्युर एवं सुडबुम की हिन्दी अनुवाद योजना के तहत आयोजन समिति के सदस्य के सचिव के रूप में कार्य कर रहे हैं तथा समन्वयक डॉ. गेशे लोबसंग दोर्जे के साथ सहायक समन्वयक के रूप में अनुवाद से सम्बन्धित कार्यों की देख-रेख कर रहे हैं।
2. 5-13 मई और 23-28 सितम्बर, 2019 - छह दिनों के लिए केन्द्रीय तिब्बती प्रशासनिक शिक्षा विभाग, सीटीए, धर्मशाला द्वारा **22वीं और 23वीं तिब्बती शब्दावली परियोजना** के एकरूपता हेतु उच्च स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें डॉ. गेशे लोबसंग दोर्जे ने दोनों बैठकों में भाग लिया।
3. 21 मई से 19 जून, 2019 - एलटीडब्लू (LTWA) गडछेन किशोड, पुस्तकालय, धर्मशाला के निदेशक के अनुरोध पर संस्थान द्वारा डॉ. गेशे लोबसंग दोर्जे को लगभग एक महीने के लिए महान तिब्बती विद्वान गेदुन छोफेल द्वारा रचित **‘ग्रेन्स ऑफ गोल्ड’** नामक पुस्तक को सम्पादन कार्य के लिए नियुक्त किया गया। उन्होंने अपने कर्तव्य को निष्ठापूर्वक किया।

#### (5) अन्य शैक्षणिक गतिविधियां-

1. प्रो. पेन्पा दोर्जे और येल बेन्टोर, जेरुसलम विश्वविद्यालय, इजराईल ने पंछेन लोबसंग छोए-क्यि ग्यालछेन द्वारा कृत **‘गुह्यसमाजतन्त्र’** ग्रन्थ का अंग्रेजी में अनुवाद किया। इसे 2019 में विज़डम पब्लिकेशन द्वारा प्रकाशित किया गया।
2. प्रो. पेन्पा दोर्जे और प्रो. जोसे केबेजॉन, सांता बारबरा विश्वविद्यालय द्वारा शीर्षक सेरा मठ का एक व्यापक इतिहास **‘सेरा मठ’** नामक ग्रन्थ की अंग्रेजी भाषा में रचना की गई। इसे 2019 में विज़डम पब्लिकेशन द्वारा प्रकाशित किया गया।
3. आचार्य नवांग ग्यालछेन नेगी ने गेशे छेखावा द्वारा रचित **‘महायान चित्तशोधन सप्तार्थ’** लघु ग्रन्थ के तिब्बती पाठ का समालोचनात्मक संपादन, फुटनोट कम्प्यूटरीकरण कर इसका भोट भाषा से हिन्दी में अनुवाद किया है। उन्होंने पुरातन छात्रसंघ समिति के कोषाध्यक्ष प्रो. जम्पा समतेन जी के सहायक के रूप में मूल संस्कृत में उपलब्ध **अष्टसहासिकाप्रज्ञापारमिता** को स्वर्ण पोथी के रूप में प्रकाशित करने हेतु तथा पुरातन छात्रों के शोध-पत्रों को जो दो ग्रन्थों में उपलब्ध हैं, उन लेखों का संशोधन एवं कम्प्यूटरीकरण आदि कार्यों पर सहायता की। इसे पूर्व निदेशक प्रो. समदोंग रिन्पोछे जी के 80वें जन्मदिन समारोह के शुभावसर पर प्रकाशित कर विमोचन किया गया।



4. आचार्य नवांग ग्यालछेन नेगी ने आचार्य बुद्धपालित द्वारा रचित मूलमाध्यमिक बुद्धपालित भाष्य के सातवें अध्याय पर डेटा इन्पुट करने का कार्य किया तथा उन्होंने विद्वानों द्वारा महत्वपूर्ण संस्करण के समालोचनात्मक संपादन हेतु ग्रन्थ का प्रारूप तैयार किया।
5. 16-23 नवम्बर, 2019 - श्री सुलक्षण कीर्तिविहार, चोभार, आयोजन समिति, काठमाण्डू, नेपाल द्वारा प्रमुख भिक्षुणी श्रद्धेय डॉ. अनोजा गुरूमा के प्रव्रजित जीवन के 50 वर्ष पूरा होने पर सुवर्णोत्सव स्मारिका के शुभावसर पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। उस अवसर पर आयोजन समिति के अनुरोध पर डॉ. गेशे लोबसंग दोर्जे ने “महायान और थेरवाद परम्परा के अनुसार आष्टांगिकमार्ग प्रदर्शन” विषय पर एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।
6. आचार्य नवांग ग्यालछेन नेगी और डॉ लोबसंग दोर्जे ने आचार्य चन्द्रकीर्ति के मध्यमकावतारभाष्य के दूसरे अध्याय के संपादित संस्कृत संस्करण का उद्धरण और टिप्पणियों को संकलित कर प्रकाशन हेतु पुनः अन्तिम रूप देने के लिए संशोधन का कार्य किया। इसे दुर्लभ विभाग के 60वें अंक धीः पत्रिका में प्रकाशित किया गया।

**(6) अन्य प्रशासनिक कार्य:-**

1. 12.5.2019 से 30.6.2019 - आचार्य ज्ञलछेन नामडोल, एसोसिएट प्रोफेसर, पुनरुद्धार विभाग ने डॉ. रमेशचन्द्र नेगी सहायक प्रोफेसर / शब्दकोश इकाई के मुख्य संपादक, गर्मियों की छुट्टी के दौरान शब्दकोश विभाग के प्रभारी के रूप में अतिरिक्त कार्य किया।

**(7) पुरस्कार एवं सम्मान-**

1. 7 जुलाई, 2019 - सम्यक् प्रकाशन, दिल्ली द्वारा डॉ. गेशे लोबसंग दोर्जे को सामान्यतः बौद्ध ग्रन्थों के अनुवाद, पुनरुद्धार और सम्पादन पर उत्कृष्ट योगदान एवं विशेष रूप से आम लोगों में बौद्ध शिक्षण के संरक्षण और प्रोत्साहन हेतु दिल्ली के शाह ऑडिटोरियम में “सम्यक् साहित्यरत्न सम्मान और कुमारजीव सम्यक् साहित्यरत्न सम्मान” से सम्मानित किया गया।

**समितियों के सदस्य-**

**डॉ.पेन्या दोर्जे**

1. सदस्य:- प्रकाशन समिति
2. सदस्य:- कोटेशन ऑपनिंग समिति
3. सदस्य:- वेबसाइट विकास समिति
4. सदस्य:- पुस्तकालय समिति

**डॉ. लोबसंग दोर्जे**

1. सदस्य:- पुस्तकालय - मूल्य सत्यापन समिति (Price Verification Committee)
2. सदस्य:- HAC समिति
3. सदस्य:- वार्षिक रिपोर्ट समिति
4. सदस्य:- पुरातन छात्र समिति - महासचिव, के.उ.ति.शि.संस्थान

**नवांग ग्यालछेन नेगी**

1. सदस्य:- अनुसूचित जनजाति

## 2. अनुवाद विभाग

### उद्देश्य:

अनुवाद विभाग शोध विभाग का एक महत्वपूर्ण अंग है, जो बुद्ध वचन के साथ-साथ उन पर प्राचीन भारतीय बौद्धाचार्यों की टीकाओं तथा भोटाचार्यों द्वारा विरचित ग्रन्थों के अनुवाद एवं भोटपाठ का सम्पादन सहित शोधपरक संदर्भों, इन्डेक्स एवं समीक्षात्मक भूमिका लेखन द्वारा ग्रन्थों के प्रकाशन कार्य में संलग्न है।

इस सातत्य में वज्रच्छेदिकाप्रज्ञापारमिताटीका आदि लगभग नौ ग्रन्थों का संस्कृत भाषा में पुनरुद्धार तथा अभिसमया-लंकारस्य कायव्यवस्थाटीका, मुक्तालतावदानम् (द्वितीय संस्करण), एक दर्जन से अधिक ग्रन्थों का संस्कृत, हिन्दी, भोटभाषा एवं आंग्लभाषा में अनुवाद किया गया और साथ ही, सामूहिक कार्य के रूप में विमलकीर्तिनिर्देशसूत्र, मध्यमकावतार एवं भाष्य (प्रथम दो परिच्छेद) एवं मध्यमकशास्त्र की बुद्धपालिती टीका के द्वितीय एवं सप्तम परिवर्तों के संस्कृत पाण्डुलिपियों का सम्पादन, संशोधन, पुनरुद्धार आदि कार्य सम्पन्न किया गया।

विभाग ने इस वर्ष पिछले वर्ष से चले आ रहे कुछ महत्वपूर्ण एवं बड़े ग्रन्थों जैसे- महायानसूत्रालंकार का हिन्दी अनुवाद, आर्यसन्धिनिर्मोचनसूत्र का संस्कृत पुनरुद्धार, प्रत्ययपरीक्षा प्रसन्नपदावृत्ति सहित (प्रथम परिच्छेद, मध्यमकशास्त्र) का सम्पादन एवं हिन्दी अनुवाद, बोधिपथप्रदीपपञ्जिका का संस्कृत पुनरुद्धार व हिन्दी अनुवाद एवं हरिभट्ट की जातकमाला आदि कार्यों को निर्बाध गति से आगे बढ़ाया।

### विभाग में कार्यरत सदस्य एवं पदनाम-

1. डॉ० पेमा तेनजिन - प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
2. एसोसिएट प्रोफेसर - रिक्त
3. डॉ० रामजी सिंह - सहायक प्रोफेसर
4. शोध सहायक - रिक्त
5. शोध सहायक - रिक्त

### (1) विभागीय मुख्य कार्य

#### क. प्रकाशित ग्रन्थ

1. आर्यप्रज्ञापारमितावज्रच्छेदिकाटीका (द्वितीय संस्करण): संस्कृत पुनरुद्धार, हिन्दी भूमिका एवं परिशिष्ट सहित ISBN : 978-81-940337-2-1 HB, 978-81-940337-3-8 PB
2. मध्यमकावतार: स्वोपज्ञभाष्यसहित: (प्रथमचित्तोत्पादः) : विभागीय संयुक्त कार्य के रूप में प्राप्त संस्कृत पाण्डुलिपि का भोटपाठ के सहयोग से सम्पादन एवं पुनरुद्धार, धी:-59, 2019 में प्रकाशित, ISSN: 2395-1524

#### ख. प्रकाशित ग्रन्थ में सहयोग

1. अशोकाभ्युदयकाव्यम् : सम्पादक एवं अनुवादक- प्रो. सेतल संघसेन, ISBN: 978-93-80282-93-0 HB, 978-93-8-282-94-7 PB
2. तिब्बत : एक राजनीतिक इतिहास, अनुवादक- श्री हरिहर प्रसाद चतुर्वेदी, ISBN: 978-93-87023-66-6

#### ग. प्रमुख कार्य (जो प्रगति पर हैं)

1. प्रत्यय-परीक्षा (प्रथम परिच्छेद) : (आचार्य नागार्जुन विरचित मूलमध्यमकशास्त्र का प्रथम परिच्छेद आचार्य चन्द्रकीर्ति कृत टीका सहित) संस्कृत एवं भोट पाठों का सम्पादन हिन्दी अनुवाद एवं भूमिका सहित।

2. **महायानसूत्रालंकार** : 14-16 तीन अधिकारों का टीका सहित हिन्दी अनुवाद भाषागत संशोधन तथा कम्प्यूटरीकरण।
3. **आर्यसन्धिनिर्मोचनसूत्र** : 9वें अध्याय के संस्कृत पुनरुद्धार पूर्ण तथा प्रो. गोखले के साथ मिलकर संस्कृत पुनरुद्धार का संशोधन कार्य पूर्ण।
4. **जातकमाला** : हरिभट्ट कृत जातकमाला का क्रमिक रूप से हिन्दी में अनुवाद कार्य सम्पन्न हो चुका है। सम्प्रति उनमें प्रयुक्त अलङ्कारों एवं छन्दों पर कार्य पूर्ण किया जा रहा है।

(उक्त ग्रन्थों पर कार्य करते समय ग्रन्थ का अध्ययन, विद्वानों के साथ विषयगत चर्चा, परामर्श, भोट अथवा संस्कृत पाठ का सम्पादन, पारिभाषिक शब्दों का चयन, टीकाओं एवं सहायक ग्रन्थों का अध्ययन, सूचनाएं, पाद-टिप्पणियाँ, बिबलियोग्राफी, शब्द-कोश, भूमिका, तीन भाषाओं में कम्प्यूटर कम्पोजिंग, कई बार प्रूफ रीडिंग, भाषागत एवं विषयगत संशोधन एवं अन्तिम निर्णयात्मक सम्पादन, कम्प्यूटर में संशोधन कार्य, प्रकाशनार्थ कम्प्यूटराइज्ड कापी तैयार करना इत्यादि कार्य सम्मिलित हैं। कुल मिलाकर एक उच्च स्तरीय शोधपरक ग्रन्थ तैयार किया जाता है।)

#### घ. सामूहिक शोध कार्य :

1. **मध्यमकावतार एवं भाष्य (1-2 परिच्छेद)** : (आचार्य चन्द्रकीर्ति) सामूहिक कार्य के रूप में इस ग्रन्थ के प्रथम दो परिच्छेदों की प्राप्त संस्कृत पाण्डुलिपि का भोट अनुवाद के सहयोग से सम्पादन एवं संशोधन, पुनरुद्धार एवं अनुवाद विभाग के सदस्यों के द्वारा प्रोफेसर पी. पी. गोखले के साथ मिलकर किया गया है, जिसका प्रकाशन आगामी धी-पत्रिका में किया जायेगा।
2. **बोधिपथप्रदीपपञ्जिका** : (संस्कृत पुनरुद्धार एवं हिन्दी अनुवाद) इस सत्र में ग्रन्थगत पुनरुद्भूत संस्कृत श्लोकों का प्रोफेसर गोखले के साथ मिलकर पुनः संशोधन का कार्य पूर्ण।
3. **बौद्धविज्ञान एवं सिद्धान्तसमुच्चय** : (250 पृष्ठों का तिब्बती से हिन्दी अनुवाद) इस सत्र में पुनः भाषागत संशोधन एवं पाद-टिप्पणियों सहित पारिभाषिक शब्दों की टिप्पणी भी तैयार की गयी।

#### (2) अध्यापन कार्य

1. प्रोफेसर पेमा तेनजिन, विश्वविद्यालय के शैक्षणिक विभाग में उत्तरमध्यमा प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए नियमित रूप से अनिवार्य संस्कृत भाषा का अध्यापन एवं तत्सम्बद्ध दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं।
2. डॉ० रामजी सिंह, सहायक प्रोफेसर, विश्वविद्यालय के शैक्षणिक विभाग में वैकल्पिक विषय संस्कृत-खवर्ग के अन्तर्गत नियमित रूप से चार कक्षाएं ले रहे हैं।

#### (3) सेमिनार एवं कार्यशाला में प्रतिभागिता

1. 6 जुलाई, 2019 - प्रोफेसर पेमा तेनजिन ने परम पावन चौदहवें दलाई लामा जी के जन्मदिन के उपलक्ष्य पर "होलिस्टिक एजुकेशन" (सर्वाङ्गीर्ण शिक्षा) नामक विषय पर आयोजित एक-दिवसीय संगोष्ठी में भाग लेते हुए गोष्ठी के संचालन का दायित्व निभाया।
2. 9 नवम्बर, 2019 - प्रोफेसर पेमा तेनजिन ने "रिलेशन बिटवीन टिवेट एण्ड हिमालयन कल्चर" नामक विषय पर भूतपूर्व छात्र संगठन, के.उ.ति.शि.सं. के द्वारा आयोजित एक-दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार में भाग लेकर "तिब्बत में बौद्ध साहित्य का विकास एवं संस्कृत भाषा का प्रभाव" विषय पर लेख प्रस्तुत किया।
3. 9-11 नवम्बर, 2019 - प्रोफेसर पेमा तेनजिन ने महाबोधि सोसायटी, भारत द्वारा आयोजित "पालि एवं बुद्धिज्म" विषय पर अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार में भाग लेकर "बोधिपाक्षिक धर्म एवं स्मृत्युपस्थान : एक अवलोकन" नामक विषय पर शोध निबन्ध प्रस्तुत किया।

4. 3-5 नवम्बर, 2019 - प्रोफेसर पेमा तेनजिन ने संस्थान के गेलुग सम्प्रदाय विभाग द्वारा “हिस्ट्री ऑफ गेलुग ट्रेडिशन एण्ड इट्स इन्स्टीट्यूशन” नामक विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और एक सत्र की अध्यक्षता भी की।
5. 13-14 जनवरी, 2020 - प्रोफेसर पेमा तेनजिन ने “कग्युर, तनग्युर एवं सुड्बुम का हिन्दी अनुवाद” नामक राष्ट्रीय कार्यशाला का समिति के अध्यक्ष के रूप में आयोजन किया तथा दो शोध प्रबन्ध प्रस्तुत किया।

#### (4) शोध-निबन्ध एवं व्याख्यान

विभागाध्यक्ष प्रोफेसर पेमा तेनजिन द्वारा सम्पन्न कार्य:

1. “क्षेमेन्द्र का मुक्तालतावदान : एव अवलोकन” (प्रकाशित), धर्मदूत-85, ISSN: 2347-3428
2. बोधिपाक्षिक धर्म एवं स्मृत्युपस्थान : एक अवलोकन (अप्रकाशित)
3. तिब्बत में बौद्ध साहित्य का विकास एवं संस्कृत भाषा का प्रभाव (प्रकाशित), इन सर्च आफ टूथ, भाग-2, 2019, ISBN: 978-81-936254-7-7
4. अनुवाद के नियम एवं प्रणाली (अप्रकाशित)
5. इश्यूज इन ट्रान्सलेटिंग बुद्धिस्ट टेक्स्ट (प्रकाशनाधीन)
6. 20 सितम्बर, 2019 - वसन्त महिला कालेज, राजघाट के बी.एड. एवं एम.एड. की छात्राओं को “बुद्ध एण्ड हिज टीचिंग” विषय पर व्याख्यान दिया।
7. 17 अक्टूबर, 2019 - मैत्री भवन से आये फादर्स ट्रेनिंग ग्रुप को “भगवान् बुद्ध एवं उनका सिद्धान्त” विषय पर व्याख्यान दिया।
8. 13-14 जनवरी, 2020 - अनुवाद कार्यशाला में निम्न दो विषयों पर व्याख्यान दिया-  
क. अनुवाद के नियम एवं प्रणाली तथा  
ख. सम्पादन एवं ग्रन्थ का प्रारूप एवं स्टाइल शीट।

#### (5) अन्य शैक्षणिक क्रियाकलाप

1. विभागाध्यक्ष ने बौद्धविज्ञान एवं सिद्धान्त समुच्चय ग्रन्थ के हिन्दी में अनूदित 120 पृष्ठों का भाषागत संशोधन एवं सम्पादन किया।
2. विभाग के सदस्यों ने विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित पाश्चात्य एवं देश के विभिन्न प्रतिष्ठानों के विद्वानों के व्याख्यानो में भाग लिया।

#### (6) अन्य प्रशासनिक कार्य

प्रकाशन प्रभारी

1. डॉ० पेमा तेनजिन विगत कई वर्षों से अतिरिक्त कार्य के रूप में प्रकाशन विभाग के प्रभारी का कार्यभार सभाल रहे हैं। प्रकाशन प्रभारी के रूप में प्रकाशन अनुभाग के समस्त कार्यालयीय कार्यों की देख-रेख कर रहे हैं, जो इस प्रकार हैं- ग्रन्थों का सम्पादन, संशोधन एवं प्रकाशनार्थ समस्त प्रक्रियाओं को पूर्ण कर प्रिंटिंग प्रेस को प्रेषित करना, प्रकाशन में सुधार लाना आदि पर कार्य।

राजभाषा समिति

राजभाषा कार्यान्वयन समिति का कार्यभार अनुवाद विभाग के दो सदस्यों प्रोफेसर पेमा तेनजिन, अध्यक्ष तथा डॉ. रामजी सिंह, सचिव को सौंपा गया है। तदनुसार प्रत्येक तिमाही पर एक-दिवसीय एवं सप्ताह-पर्यन्त कार्यशालाओं

का आयोजन किया गया है। अध्यक्ष के रूप में प्रोफेसर पेमा तेनजिन ने विषयोत्थापन वक्तव्य, स्वागत एवं धन्यवाद आदि का निर्वहन किया।

1. 9 जुलाई, 2019 - समिति ने एक-दिवसीय राजभाषा हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया जिसमें “राजभाषा सम्बन्धित सांविधिक प्रावधान” नामक विषय पर, नदेसर ब्रान्च, इलाहाबाद बैंक के राजभाषा अधिकारी श्री जगदीश पाण्डेय द्वारा व्याख्यान कराया गया।
2. 28 अगस्त से 5 सितम्बर, 2019 - राजभाषा क्रियान्वयन समिति ने सप्ताह-पर्यन्त राजभाषा-कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें व्याख्यान, कवि-गोष्ठी, वाद-विवाद प्रतियोगिता, पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र वितरण आदि कार्य सम्पादित किये गये।
3. 11 जनवरी, 2020 - संसदीय राजभाषा समिति की पहली उप-समिति द्वारा केन्द्रीय सरकार के कार्यालयों का निरीक्षण/दौरा को सफल बनाने के लिए गठित समिति के सदस्य के रूप में 1-10 जनवरी, 2020 तक संस्थागत पूर्ण विवरण तैयार किया गया और 11 जनवरी, 2020 को माननीय सांसद श्री राम गोपाल यादव के नेतृत्व में वाराणसी के होटल ताज में बैठक सम्पन्न हुई।

### (7) समिति-सदस्यता

प्रोफेसर पेमा तेनजिन निम्नलिखित समितियों के सदस्य हैं- • आवास आवंटन समिति, तिब्बती संस्थान, सारनाथ, वाराणसी, • प्राइज वेरिफिकेशन समिति, शान्तरक्षित ग्रन्थालय, • राजभाषा-हिन्दी समिति, अध्यक्ष, के. उ. ति. शि. सं., सारनाथ, वाराणसी, • पब्लिकेशन समिति, सचिव, पब्लिकेशन विभाग, • संस्थान के विभिन्न पदों के चयनार्थ स्त्रीनिंग समिति, • एमएसीपी/डीपीसी समिति, • स्वच्छता अभियान समिति, • रिगरस ट्रेनिंग कोर्स समिति, • विकलांग सूचना समिति।

## 3. दुर्लभ बौद्ध ग्रन्थ शोध विभाग

### (1) विभाग की शैक्षिक पृष्ठभूमि

#### क. परिकल्पना

ऐतिहासिक विडम्बना के फलस्वरूप भारत से प्राचीन बौद्ध संस्कृत साहित्य का अधिकांश भाग प्रायः विलुप्त हो चुका था। भारत के इस प्राचीन बौद्धिक सम्पदा के कुछ अंश भारत के पड़ोसी देशों विशेषकर नेपाल एवं तिब्बत में पाण्डुलिपियों के रूप में उपलब्ध हुए हैं। परवर्ती समय में इन देशों से अनेक पाण्डुलिपियाँ विश्व के अनेक पुस्तकालयों में पहुँच गयीं। उस विलुप्त साहित्य का विशेषकर बौद्धतन्त्र साहित्य का पुनरुद्धार, सम्पादन, प्रकाशन तथा शोध की परिकल्पना की दृष्टि से इस विभाग की स्थापना की गई है।

#### ख. स्थापना

दुर्लभ बौद्ध ग्रन्थों के शोध एवं प्रकाशन की इस अति महत्त्वपूर्ण एवं महत्वाकांक्षी योजना को मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार के सहयोग से केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान में, सारनाथ, वाराणसी में नवम्बर, 1985 से प्रारम्भ किया गया था। प्रारम्भ में इसके कार्य क्षेत्र एवं अध्ययन तथा शोध के आयामों के निर्धारण के लिए पाँच महीने का पायलेट प्रोजेक्ट संचालित किया गया था। तत्पश्चात् इसकी उपलब्धियों, विषय की महत्ता एवं व्यापकता को दृष्टि में रखते हुए 1 अप्रैल, 1986 से इसे पञ्चवर्षीय योजना का रूप प्रदान कर संचालित किया गया, जिसे बाद में संस्थान के स्थायी अनुभाग के रूप में स्वीकृत किया गया और सम्प्रति संस्थान के शोध संकाय के अन्तर्गत स्थायी विभाग के रूप में कार्य कर रहा है। इस शोध विभाग के प्रथम निदेशक एवं द्रष्टा स्व. प्रो. जगन्नाथ उपाध्याय थे।

ग. विभाग में कार्यरत सदस्य एवं पदनाम-

1. प्रो. कामेश्वरनाथ मिश्र - प्रोफेसर (विभागाध्यक्ष, पुनर्नियोजित)
2. डॉ. ठाकुरसेन नेगी - प्रोफेसर (विभाग प्रभारी)
3. डॉ. बनारसी लाल - प्रोफेसर
4. श्री टी. आर. शाशनी - एसोसिएट प्रोफेसर
5. डॉ. छेरिंग डोलकर - शोध-सहायक
6. डॉ. रञ्जन कुमार शर्मा - शोध-सहायक
7. डॉ. विजयराज वज्राचार्य - शोध-सहायक
8. डॉ. रविगुप्त मौर्य - शोध-सहायक

(2) प्रकाशन, सम्पादन एवं शोध कार्य

1. प्रकाशन सम्पादन एवं शोध-कार्य

क. शोध-पत्रिका धी: का प्रकाशन

(1) बौद्धतन्त्रों से सम्बन्धित नवीन शोध कार्यों और उससे प्राप्त निष्कर्षों तथा हो रहे शोध कार्यों की नवीनम सूचनाओं को विश्व के विद्वानों एवं शोधार्थियों तक पहुँचाने के लिए विभाग द्वारा धी: नामक वार्षिक शोध पत्रिका प्रकाशित की जाती है। विभाग के प्रारम्भ से अब तक यह पत्रिका अविच्छिन्न रूप से प्रकाशित हो रही है। बौद्ध अध्ययन, विशेषकर बौद्धतन्त्रों के अध्ययन में संलग्न विद्वानों द्वारा इसकी भूरि-भूरि प्रशंसा हो रही है। देश विदेश की अनेक शोध-पत्रिकाओं के साथ सम्प्रति संस्थान के पुस्तकालय में इसका विनिमय हो रहा है। इस पत्रिका के प्रायः सभी स्तम्भ विभागीय सदस्यों द्वारा प्रस्तुत किये जाते हैं। प्रस्तुत आलोच्य वर्ष तक इसके 59 अंक प्रकाशित हो चुके हैं।

(2) शोध पत्रिका धी: के 59वें अंक का प्रकाशन

विभागीय शोध पत्रिका धी: के 59वें अंक का प्रकाशन अपने सुनियत समय 18 मई, 2019 को बुद्धजयन्ती समारोह के अवसर पर कर दिया गया। इस अंक में 7 लघु ग्रन्थ, 2 विस्तृत ग्रन्थों के आंशिक भाग, तीन नवीन स्तोत्र तथा 8 शोध लेखों का समावेश हुआ है।

(3) आगामी 60वें अंक के लिए सामग्री संकलन

इस आलोच्य वर्ष में शोध-पत्रिका धी: के आगामी 60वें अंक के लिए सामग्रियों का संकलन, शोध लेखों का लेखन, सम्पादन इत्यादि कार्य किया गया।

ख. ग्रन्थों का प्रकाशन कार्य

(1) धी: में प्रकाशित लघु ग्रन्थ

1. आर्यतथागताचिन्त्यगुह्यनिर्देशसूत्र (6-7 परिवर्त), 2. मध्यमकावतार-स्वोपज्ञभाष्यसहित (1 परिच्छेद), 3. संक्षिप्ताभिषेकविधिः, 4. अप्रतिष्ठानप्रकाश, 5. तत्त्वप्रकाश, 6. महासुखप्रकाश, 7. युगनद्धप्रकाश, 8. मायानिरुक्ति, 9. स्वप्ननिरुक्ति, 10. सोम-अवदान।

(2) धी: में प्रकाशित स्तोत्र

1. ताराष्टकम्, 2. तारास्तुतिः, 3. प्रतिसरास्तोत्र।

(3) स्वतन्त्र ग्रन्थ

1. गुरुपञ्चाशिका व्याख्या (हिन्दी अनुवाद)- इस ग्रन्थ को भूमिका एवं विविध सूचियों के साथ तैयार कर प्रकाशनार्थ प्रकाशन विभाग को सौंप दिया गया है।

ग. ग्रन्थों का सम्पादन कार्य तथा प्रूफ संशोधन आदि कार्य

(1) श्रीचतुष्पीठमहायोगिनीतन्त्रराज मूल (संस्कृत संस्करण) तथा मूल (भोट संस्करण)

इस ग्रन्थ के परपीठ प्रकरण के तृतीय एवं चतुर्थ पटल तक कुल दो पटलों का महाचार्य भवभद्र विरचित श्रीचतुष्पीठतन्त्रराजस्य स्मृतिनिबन्धनाम टीका ग्रन्थ की विभिन्न पाँच संस्कृत तथा भोट पाण्डुलिपियों में उपलब्ध मूल ग्रन्थ के पाठों को संकलित कर, तदनुसार आवश्यक पाठों को पुनः संशोधित कर उपर्युक्त मूल ग्रन्थ के संस्कृत संस्करण को अन्तिम रूप दिया गया।

(2) श्रीचतुष्पीठतन्त्रराजस्य स्मृतिनिबन्धनामटीका (संस्कृत एवं भोट संस्करण)

इस ग्रन्थ के परपीठ प्रकरण के तृतीय एवं चतुर्थ पटल तक का विभिन्न पाँच संस्कृत तथा भोट पाण्डुलिपियों एवं भोट-संस्कृत पाठों से पाठ निर्णय का कार्य सम्पन्न किया गया।

(3) शिष्य-आशा परिपूरणी गुरुपञ्चाशिका व्याख्या-

इस ग्रन्थ के हिन्दी अनुवाद का सम्पादन तथा भोट पाठ का भी सम्पादन पूर्ण किया गया तथा भूमिका एवं परिशिष्टों को तैयार कर प्रकाशनार्थ प्रकाशन विभाग को सौंप दिया गया।

(4) आचार्य अद्वयवज्र रचित ग्रन्थ-पञ्चकम्-

अद्वयवज्र के 25 अमनसिकार ग्रन्थों के अन्तर्गत तत्त्वदशक, तत्त्वविंशिका, मध्यमषट्क, महायानविंशिका तथा सहजषट्क इन पाँचों लघु ग्रन्थों के पाठ निर्णय तथा हिन्दी अनुवादित अंशों का पुनः अवलोकन तथा संशोधन का कार्य सम्पन्न किया गया।

(5) अभिषेकविधि: -

इस ग्रन्थ का श्लोकार्धानुक्रमणी का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

(6) सर्वबुद्धसमायोगडाकिनीजालसंवरतन्त्र-

इस ग्रन्थ का श्लोकार्धानुक्रमणी का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

(7) हेवज्रसाधनवज्रप्रदीपनाम-टिप्पणी-

इस ग्रन्थ का श्लोकार्धानुक्रमणी का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

(8) यमारिमण्डलोपायिका-

इस ग्रन्थ का प्रूफ संशोधन का कार्य प्रगति पर है।

(9) संक्षिप्ताभिषेकविधि:-

धी: 59वें अंक में प्रकाशित इस ग्रन्थ का प्रूफ संशोधन किया गया।

(10) हेवज्रपञ्जिकारत्नावली

इस ग्रन्थ के प्रूफ संशोधन का कार्य प्रगति पर है।

3. प्राचीन लिपियों में निबद्ध पाण्डुलिपियों का देवनागरीकरण तथा इन-पुट

(क) पञ्चक्रमटिप्पणी (प्राचीन मैथिली से), (ख) आदिकर्मावतार (2 से 5 पत्र, भुजिमोल लिपि से), (ग) बुद्धादि-पूजाविधि (2-4 पत्र), (ङ) हेरुकस्तुति, (च) अमृतप्रभासाधनोपायिका, (छ) नैरात्म्यास्तुति, (ज) ज्ञानप्रदीपाभिधान हेवज्रसाधन (47 से 52 पत्र, 21 मार्च तक), (झ) हेवज्रतत्त्वविकास (पत्रांक 22-बी से 26-ए तक), (ञ) हेवज्रचक्रविंशिकास्तोत्र, (ट) नैरात्म्यसाधन, (ठ) तत्त्वप्रदीपनाम साधनोपायिका, (ड) तर्पणविधि, (ढ) हेवज्राख्ये पञ्चक्रम- इस ग्रन्थ का तन्यूर में भोट-संस्करण उपलब्ध न होने के कारण 'धी:' शोध पत्रिका के 60वें अंक में

प्रकाशनार्थ एक मात्र संस्कृत पाण्डुलिपि के आधार पर डिप्लोमेटिक-संस्करण तैयार किया गया। (ण) नैरात्म्या-प्रकाश- इस ग्रन्थ का देवनागरीकरण सम्पन्न किया गया। (त) हेवञ्जविशुद्धिनिधिसाधनम्, (थ) योगसिद्धान्त-बौद्धसिद्धितन्त्र, (द) महाचिन्तामणिर्नाम कर्मावरणसन्ततिच्छेदकमन्त्रशतकम् का भोट से देवनागरीकरण तथा डाटा इनपुट।

#### 4. विभिन्न पाण्डुलिपियों और भोटानुवादों से पाठों का संकलन

- (क) श्रीचतुष्पीठतन्त्रराजस्मृतिनिबन्ध टीका - इस बृहत् टीका ग्रन्थ का परपीठ प्रकरण के तृतीय पटल से योगपीठ के तृतीय पटल तक क. ख. ग. घ. ङ. नामक पांच पाण्डुलिपियों से पाठों का संकलन कार्य सम्पन्न किया गया।
- (ख) डाकिनीवज्रपञ्जर तत्त्वविषदा पञ्जिका के 4 से 5 पटल तक भोट पाठ से मिलान का कार्य सम्पन्न किया गया।
- (ग) यमारिमण्डलोपायिका - इस ग्रन्थ का भोटपाठ से मिलान तथा अनुवाद कार्य किया गया।
- (घ) महाप्रत्यङ्गिरातन्त्र - (1-बी से 6 बी) तक का पुनः पाठसंकलन का कार्य सम्पन्न किया गया।
- (ङ) पद्मश्रीकृत मण्डलोपायिका - इस ग्रन्थ के पाठसंकलन का कार्य प्रारम्भ किया गया।
- (च) योगसिद्धान्तबौद्धसिद्धितन्त्र - इस ग्रन्थ के तीसरे पटल का मिलान कार्य सम्पन्न किया गया।
- (छ) आर्यतथागताचिन्त्यगुह्यसूत्र - इस ग्रन्थ के 8-11वें परिच्छेद तक का भोटपाठ से मिलान तथा सम्पादन का कार्य किया गया।

#### 5. कम्प्यूटर में डाटा इनपुट एवं प्रूफ संशोधन

- (क) सम्पुटतन्त्रटीका (संक्षिप्त) - इस ग्रन्थ का कम्प्यूटर में इनपुट कार्य किया जा रहा है।
- (ख) सम्पुटोद्भवतन्त्र - इस ग्रन्थ के प्रथम पटल से सातवें पटल तक के चारों प्रकरणों का कम्प्यूटर में इनपुट तथा प्रूफ संशोधन का कार्य सम्पन्न किया गया।
- (ग) धी: 60वें अंक के सामग्रियों का इनपुट का कार्य किया गया।

#### 6. विभागीय पुस्तकालय

- (क) दुर्लभ बौद्ध ग्रन्थ शोध विभाग में प्रारम्भ से ही पृथक् रूप से विभागीय पुस्तकालय की स्थापना की गई है, जिसमें विभाग के शोध कार्य को दृष्टि में रख कर बौद्ध शैव शाक्त तथा अन्य तन्त्रों से सम्बन्धित महत्वपूर्ण तन्त्र साहित्य का संकलन किया जाता है। आलोच्य वर्ष में कुल 06 ग्रन्थ गृहीत किये गए हैं।
- (ख) वर्ष 2019-2020 में नये ग्रन्थों का चयन तथा क्रय -  
वर्ष 2019-2020 में विभागीय पुस्तकालय के लिए कोई ग्रन्थ क्रय नहीं किया गया। संस्थान के प्रकाशन विभाग से 06 ग्रन्थ प्राप्त हुए। इनका मूल्य रुपये 2370.00 है। इसमें 03 एक-भाषी, एवं 03 बहुभाषी ग्रन्थ हैं। भेंट स्वरूप तथा प्रकाशन विभाग से प्राप्त ग्रन्थों को परिग्रहण पञ्जिका में क्रमानुसार क्रम सं. 02374 से 02379 तक में अंकित किया गया है।

#### 7. संगोष्ठियों, कार्यशालाओं का आयोजन तथा सहभागिता

- (क) बुद्धजयन्ती समारोह तथा परिचर्चा गोष्ठी का आयोजन-  
18 मई, 2019 - विभाग द्वारा संस्थान के अनाथपिण्डद अतिथिगृह के सभागार में बुद्ध जयन्ती समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभाग द्वारा प्रकाशित शोध-पत्रिका धी: के 59वें अंक का बुद्धार्पण भी सम्पन्न हुआ। साथ ही इस अवसर पर विभाग द्वारा “विज्ञान के युग में बौद्धधर्म” विषय पर विद्वत् परिचर्चा सत्र का



भी आयोजन किया गया, जिसमें विद्वानों ने अपने-अपने विचार प्रकट किये। गोष्ठी एवं समारोह की अध्यक्षता संस्थान के कुलपति प्रो. गेशे एन. सम्नेन ने की।

(ख) स्मृति संगोष्ठी का आयोजन-



संस्थान की ओर से इस विभाग के आयोजकत्व में दिनांक 20-02-2020 को स्व. प्रो. रामशंकर त्रिपाठी जी के प्रथम पुण्य तिथि के अवसर पर संस्थान के प्रांगण में “बौद्धदर्शन और बौद्ध विद्याओं के क्षेत्र में प्रो. पद्मश्री रामशंकर त्रिपाठी जी का योगदान” विषय पर एक दिवसीय स्मृति संगोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी की अध्यक्षता संस्थान के कुलपति प्रो. गेशे एन. सम्नेन ने की। संगोष्ठी में विशिष्ट अतिथि के रूप में काशीविद्यापीठ के समानशास्त्र विभाग के पूर्व प्रो. रविप्रकाश पाण्डेय तथा मुख्य अतिथि के रूप में जैन दर्शन विभाग, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व अध्यक्ष एवं प्रो. फूलचन्द जैन प्रेमी जी उपस्थित हुए। इसमें वाराणसी स्थित तीनों विश्वविद्यालयों के विद्वानों ने भाग लिया तथा अपने विचार प्रकट किये। इसके आयोजन सम्बन्धी कार्य एवं संचालन डॉ. बनारसी लाल ने किया।

(ग) 13-14 जनवरी, 2020 - संस्थान के शोध विभागों द्वारा संस्थान एवं संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार सरकार द्वारा महा पण्डित राहुल सांकृत्यायन द्वारा तिम्बत से लाये गए कन्युर तन्युर एवं सुखबुम का हिन्दी अनुवाद पर कार्यशाला” के आयोजन में सहभागिता की।

8. राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशालाओं, गोष्ठियों में विभागीय सदस्यों की सहभागिता तथा प्रस्तुत शोधपत्र

- (क) 1-2 फरवरी, 2020 - राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, लखनऊ परिसर द्वारा आयोजित “संस्कृतवाङ्मयस्य विकासे जैनबौद्धाचार्याणामवदानम्” विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रो. बनारसीलाल ने भाग लिया तथा “बौद्धतन्त्र साहित्य की अभिवृद्धि में भारतीय आचार्यों का योगदान” विषय पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- (ख) 14 अप्रैल, 2019 - बुद्धाकुर भीम ज्योति समिति, गोहना, मुहम्मदाबाद, मऊ में अम्बेडकर जयन्ती के अवसर पर प्रो. बनारसी लाल विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए तथा इस अवसर पर अपना वक्तव्य दिया।
- (ग) 01-09 जून, 2019 - प्रो. बनारसी लाल ने के.ति.उ.शि.सं. और हिमाचल बौद्ध छात्र संघ, सारनाथ द्वारा हि. प्र. किन्नौर में आयोजित “बौद्धधर्म एवं हिमालयी संस्कृति की प्रासांगिकता” विषयक कार्यशाला में भाग लिया तथा विभिन्न विषयों पर अपने वक्तव्य दिये।

- (घ) 13-16 जून, 2019 - प्रो. बनारसी लाल लोकज्योति बौद्ध विहार, लाहुल, हि. प्र. द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में सम्मिलित हुए तथा “बौद्ध तान्त्रिक पीठ” विषय पर अपना पत्र प्रस्तुत किया।
- (ङ) 13-17 सितम्बर, 2019 - प्रो. बनारसीलाल ने शाक्यमुनि तपस फाउंडेशन औरंगाबाद द्वारा आयोजित “वज्रयान – दर्शन और साधना” विषयक कार्यशाला में भाग लिया तथा “मञ्जुश्री साधना में मञ्जुश्रीनामसंगीति का वैशिष्ट्य” पर लेख प्रस्तुत किया।
- (च) 09 नवम्बर, 2019 - डॉ. छेरिड डोलकर ने इसमें “वुमेन इन बुद्धिज्म” विषय पर शोध लेख प्रस्तुत किया।
- (छ) 18 नवम्बर, 2019 - डॉ. रविगुप्त मौर्य अहरोरा, मिर्जापुर में आयोजित सम्राट अशोक शिलालेख महोत्सव में विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए तथा “राष्ट्र की एकता, अखण्डता और आपसी सौहार्द में सम्राट अशोक के शिलालेखों की प्रासंगिकता” विषय पर अपना व्याख्यान प्रदान किया।
- (ज) 10-11 नवम्बर, 2019 - प्रो. बनारसी लाल महाबोधि सोसायटी और इन्टरनेशनल पालि इंस्टीच्यूट द्वारा सारनाथ में आयोजित छठे इन्टरनेशनल कान्फ्रेंस ऑन पालि एण्ड बुद्धिस्ट स्टडीज़ में भाग लिया तथा “तीनों यानों में बुद्ध के उपदेशों की भाषा विषयक अवधारणा” पर अपना शोध-पत्र प्रस्तुत किया।
- (झ) 13-14 जनवरी, 2020 - प्रो. बनारसी लाल ने इसमें “भोटी से हिन्दी अनुवाद प्रक्रिया, सम्पादन तथा अनुवाद में संस्कृत पाठों का महत्त्व” विषय पर अपना पत्र प्रस्तुत किया।

#### 9. आलोच्य अवधि में विभागीय सदस्यों द्वारा प्रकाशित निबन्ध एवं शोध-लेख

- (क) “मञ्जुश्रीनामसंगीति एवं विष्णुसहस्रनाम - तुलनात्मक सामग्री”- बनारसीलाल, धी:-59, पृ. 5-24, 2019, ISSN 2395-1524
- (ख) “सर्वबुद्धसमायोगडाकिनीजालसंवरतन्त्र - संक्षिप्त परिचय”- ठाकुरसेन नेगी, धी:-59, पृ. 25-36, 2019, ISSN 2395-1524
- (ग) “दगपो चतुर्धर्म-मूल त्रिपुरुष-मार्गोत्तम रत्नमाला तथा त्रिपुरुष मार्गक्रम”- छेरिड डोलकर, धी:-59, पृ. 37-52, 2019, ISSN 2395-1524
- (घ) “महापण्डिताचार्य अद्वयवज्रपाद विरचित रत्नावली”- “ठिनलेराम शाशनी, धी:-59, पृ. 69-78, 2019, ISSN 2395-1524
- (ङ) “प्रतीत्यसमुत्पाद गाथा का स्वरूप एवं माहात्म्य”- विजयराज वज्राचार्य, धी:-59, पृ. 79-88, 2019, ISSN 2395-1524
- (च) “कालचक्रतन्त्र और उसकी टीका में उद्धृत आयुर्विज्ञान की समीक्षा”-(1)- रविगुप्त मौर्य, धी:-59, पृ. 89-100, 2019, ISSN 2395-1524
- (छ) “तिब्बत के बौद्ध सम्प्रदाय (निकाय)”- बनारसी लाल, धर्मदूत 2019, भाग 85, पृ. 126-134, ISSN 2347-3428, महाबोधि सोसायटी, सारनाथ
- (ज) “प्रारम्भिक बौद्धधर्म में स्त्रियों का स्थान”- बनारसी लाल, अनोजा गुरु मां प्रव्रजित जीवन सुवर्णोत्सव स्मारिका, नवम्बर, 2019, पृ 83-86, काठमाण्डू, नेपाल
- (झ) “भिक्षुणी अनोजा का बहुआयामी व्यक्तित्व”- ठिनलेराम शाशनी, अनोजा गुरु मां प्रव्रजित जीवन सुवर्णोत्सव स्मारिका, नवम्बर, 2019, पृ. 81-82, काठमाण्डू, नेपाल

- (ज) “भगवान् बुद्ध का धर्मचक्र प्रवर्तन और लोक कल्याण”- बनारसी लाल, ताओ आफ वज्रयान, शाक्यमुनि तपस फाउंडेशन, औरंगाबाद, सितम्बर, 2019
- (ट) “A Collection of brief life stories of the Great Indian Buddhist Womens described in Buddhist Texts”- Tsering Dolkar, in Prof. S. Rinpoche Felicitation, Vol.2, Nov. 2019
- (ठ) “रोहतांग सुरंग- सपनों का साकार होना”- बनारसी लाल, अटल-स्मृति अंक, कुलूत विकास मंच, कुल्लु, हि. प्र., अगस्त 2019
- (ड) “आधुनिक समाज के सन्दर्भ में बौद्ध संस्कृति का महत्त्व”- बनारसी लाल, “प्रज्ञा” ए जर्नल आफ बोधगया टेम्पल मैनेजमेंट कमेटी, भाग- 21, 2019, पृ., ISSN 2250-1983
- (ढ) “पश्चिमोत्तर हिमालयी संस्कृति की समस्याएं एवं उनकी व्यापकता” – बनारसी लाल, “जडछम” किन्नौर, लाहुल स्पित बौद्ध सेवा संघ, शिमला, पृ. 34-41, अप्रैल, 2019

#### 10. अन्य शैक्षिक कार्य एवं गतिविधियाँ

- (क) श्री ठिनलेराम शाशानी, एसो प्रो. ने संस्कृति मन्त्रालय भारत सरकार और संस्थान के कुलपति महोदय के आदेशानुसार बम्बई स्थित आयुर्वेदिक एवं सिद्धवेद के विख्यात चिकित्सक श्रीपंकज नरम जी के व्यक्तिगत संग्रह के पाण्डुलिपियों में से 39 वेष्टनों का निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत किया।
- (ख) श्री ठिनले राम शाशानी ने विश्वविद्यालय के पुरातन छात्रों द्वारा प्रकाशित अष्टसाहस्रिकाप्रज्ञापारमिता का प्रूफ संसोधन तथा सम्पादन कार्य में सहयोग किया।

#### 11. विभिन्न समितियों के सदस्य

- (क) श्री ठिनलेराम शाशानी राजभाषा उप समिति-सदस्य।
- (ख) प्रो. बनारसी लाल, शान्तरक्षित पुस्तकालय - ग्रन्थ चयन समिति-सदस्य।
- (ग) प्रो. बनारसी लाल, कयुर तन्युर एवं सुडबुम अनुवाद कार्यशाला आयोजन समिति-सदस्य।
- (घ) प्रो. बनारसी लाल, संस्थान में विभिन्न पदों के चयन समितियों एवं स्क्रीनिंग समितियों में एस.टी.- एस.सी. आब्जर्वर सदस्य।
- (ङ) श्री ठिनले राम शाशानी, एसो. प्रो. संस्थानीय रिजर्वेशन रोस्टर समिति-सदस्य।
- (च) श्री ठिनलेराम शाशानी, एसो. प्रो. संस्थान के सोवा-रिग्पा विभागीय औषधि सामग्री हेतु क्रय समिति-सदस्य।

#### 4. कोश विभाग

कुछ दशक पहले, जब महायानी बौद्ध परम्परा के प्रति विश्व जन-मानस में जिज्ञासा उत्पन्न हुई, तब इससे सम्बद्ध वाङ्मय तिब्बती, चीनी आदि प्राच्य भाषाओं तक ही सीमित थे। महापण्डित राहुल सांकृत्यायन आदि के प्रयास से कुछ संस्कृत ग्रन्थ पाठकों के सामने आये, किन्तु वे बहुत त्रुटिपूर्ण एवं अपूर्ण थे। उक्त स्थिति को देखते हुए तत्कालीन विद्वानों ने एक बृहत्-कार्य योजना तैयार की। जिसका मुख्य लक्ष्य इस प्रकार है—

1. उपलब्ध संस्कृत ग्रन्थों का परिष्कृत संस्करण तैयार करना।
2. विनष्ट संस्कृत ग्रन्थों को उनके तिब्बती अनुवाद की सहायता से पुनः अपने मूल रूप में प्रतिष्ठित करना।
3. प्राच्य भाषाओं में उपलब्ध सामग्रियों का उपयोग करते हुये उच्चस्तरीय शोध कार्य को प्रोत्साहित करना।
4. प्राचीन भाषाओं में उपलब्ध बौद्ध वाङ्मय को अर्वाचीन भाषाओं में सुलभ करना।

इस महत्वाकांक्षी योजना के अन्तर्गत संपादन कार्यों को पूरा करने के लिये विभिन्न प्रकार के कोशों के निर्माण की आवश्यकता का अनुभव किया गया। तदनुसार केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा-संस्थान, सारनाथ, वाराणसी ने एक बृहत् कोश योजना तैयार की, जिसमें दो प्रकार के कोशों के निर्माण का प्रावधान है— सामान्य और विषयगत कोश।

सामान्य कोश के अन्तर्गत विभाग ने भोट-संस्कृत-कोश पर कार्य शुरू किया, जो सन् 2005 ई. में सोलह भागों में पूरा हुआ। विश्व के उपलब्ध भोट-संस्कृत-कोशों में यह सबसे बड़ा कोश है। सहित भोट-संस्कृत सन्दर्भनिर्देशिका-कोश के प्रथम भाग का भी प्रकाशन हो चुका है तथा भोट-संस्कृत छात्रोपयोगी-कोश के निर्माण का कार्य चल रहा है। विषयगत कोश के रूप में भोट-संस्कृत आयुर्विज्ञान-कोश एवं ज्योतिष-कोश का कार्य भी अन्तिम चरण में है।

#### विभाग में कार्यरत सदस्य एवं पदनाम-

- |                             |                              |
|-----------------------------|------------------------------|
| 1. डॉ. रमेशचन्द्र नेगी      | - प्रधान सम्पादक (कार्यकारी) |
| 2. डॉ. टशी छेरिंग           | - शोध सहायक                  |
| 3. श्री तेन्जिन सिदोन       | - शोध सहायक                  |
| 4. डॉ. कर्मा सोनम पाल्मो    | - शोध सहायक                  |
| 5. डॉ. लोब्संग छोडोन        | - शोध सहायक (संविदा)         |
| 6. डॉ. विश्वप्रकाश त्रिपाठी | - शोध सहायक (संविदा)         |
| 7. श्री रमेशचन्द्र          | - कनिष्ठ लिपिक (संविदा)      |

#### निर्माणाधीन योजनायें-

##### 1. आयुर्विज्ञान-कोश :

यह कोश अष्टाङ्गहृदय एवं इसके भोटानूदित तथा कुछ संस्कृत टीकाओं पर आधारित है। यह कोश अष्टाङ्गहृदय की सामग्रियों का व्याख्यान करता है और साथ ही यह सामान्य एवं पारिभाषिक तिब्बती पर्याय तथा उसके संस्कृत पर्यायों को भी सूचित करता है। इस कोश का अन्तिम चरण लगभग पूर्ण हो चुका है तथा यह प्रकाशन के लिये शीघ्र ही तैयार हो जायेगा।

##### 2. ज्योतिष-कोष :

यह कोश ज्योतिष एवं खगोल विज्ञान से सम्बन्धित संस्कृत एवं उसके भोटानूदित ग्रन्थों पर आधारित है और इन ग्रन्थों की सामग्रियों का व्याख्यान करता है। जिसका मुख्य आधार पण्डित काशीनाथ के द्वारा रचित शीघ्रबोध नामक ग्रन्थ है। इस कोश में पारिभाषिक शब्दों के अर्थों को बताने के लिये शास्त्रीय उद्धरणों को प्रयोग में लिया गया है। इस कोश के सम्पादन का कार्य उपलब्ध भोटी एवं संस्कृत ज्योतिष ग्रन्थों के आधार पर किया गया है। वर्तमान में विभाग के मुख्य संपादक प्रो. रमेश चन्द्र नेगी और शोध-सहायक डॉ. विश्व प्रकाश त्रिपाठी के साथ अब तक लगभग अधिकांश संशोधन कार्य पूरा कर लिया गया है।

##### 3. भोट-संस्कृत छात्रोपयोगी-कोश :

यह मुख्यतया स्व. जे. एस. नेगी जी के बृहत् भोट-संस्कृत कोश पर आधारित एक सामान्य-कोश है। बृहत् भोट-संस्कृत-कोश से शास्त्रीय पदों से सम्बन्धित सामान्य व प्रचलित शब्दों का तथा आधुनिक कोशों से बोल-चाल के शब्दों का चयन किया जाना है। भोट-संस्कृत छात्रोपयोगी कोश में भोटी प्रविष्टियों के संस्कृत पर्याय दिये जाने के कारण यह एक शब्द-पर्याय-कोश है। इसके अतिरिक्त भोटी प्रविष्टियों का अंग्रेजी लिप्यन्तरण और उच्चारण भी दिया जा रहा है, जिससे भोटी लिपि से अनभिज्ञ छात्र, प्रविष्टि को अंग्रेजी लिप्यन्तरण व उच्चारण के माध्यम से सरलतापूर्वक जान सकें। इसके अतिरिक्त प्रविष्टियों के संस्कृत सहित शब्द-पर्याय भी दिये जा रहे हैं। यह कोश तीन चरणों में सम्पन्न होगा। पहले चरण के रूप में बृहत् भोट-संस्कृत कोश से सरल शब्दों का चयन कर उनके संस्कृत

पर्यायों को दिया जाना है। दूसरे चरण में अन्य आधुनिक कोशों से बोल-चाल के शब्दों का चयन कर उनके संस्कृत पर्यायों को दिया जाना है तथा अन्तिम चरण में संशोधन से सम्बन्धित कार्य होगा। यह कोश दो भागों में प्रकाशित होगा। प्रथम भाग में क वर्ण से लेकर न वर्ण तक की तिब्बती प्रविष्टि, संस्कृत पर्याय एवं उनके प्रयोगों को देने का कार्य पूरा हो चुका है तथा अन्तिम संशोधन के लिये तैयार है। द्वितीय भाग के प्रथमचरण के रूप में प-फ वर्ण तक के भोटीय प्रविष्टियों का अंग्रेजी लिप्यन्तरण और उच्चारण तथा संस्कृत पर्याय देने का कार्य किया गया है।

#### 4. भोट-संस्कृत अभिधर्म-कोश :

इस द्विभाषी शब्दकोश में सभी आवश्यक पारिभाषिक प्रविष्टियों का पूर्वापर अभिधर्मों से चयन किया जा रहा है। पूर्व-अभिधर्म का तात्पर्य आचार्य असंग द्वारा विरचित **अभिधर्मसमुच्चय** से है तथा अपर-अभिधर्म का तात्पर्य आचार्य **वसुबन्धुकृत अभिधर्मकोश** एवं उसके भाष्य से है। इन दो आधारभूत ग्रन्थों के अतिरिक्त आचार्य **यशोमित्रकृत अभिधर्मकोशटीका** और **जिनपुत्रकृत अभिधर्मसमुच्चय-भाष्य** एवं **अभिधर्मसमुच्चय-व्याख्या** आदि से भी आवश्यक पारिभाषिक शब्दों का चयन किया जा रहा है। उक्त काल के दौरान प्रविष्टि शब्दों के लिये **अभिधर्मसमुच्चय** से उद्धरणों का संग्रह किया गया और साथ ही साथ पारिभाषिक शब्दों की शब्दानुक्रमणिका के लिये शब्दों का संग्रह किया गया।

#### 5. भोट संस्करणों का सन्दर्भ कोश :

भोट संस्करणों का सन्दर्भ-कोश, भोट-संस्कृत सन्दर्भ-कोश पर आधारित है। इस कोश के माध्यम से भोटानूदित ग्रन्थों के पाँचों संस्करणों (देगे, नर्थङ्ग, पेकिङ्ग, चोने और लहासा) के सन्दर्भों को दर्शाना है। अब तक लगभग 18 ग्रन्थों के देगे और नर्थङ्ग संस्करणों का पृष्ठांक सन्दर्भ देने का कार्य हुआ है।

#### 6. विनयकोश :

इसके लिये पुनरुद्धार विभाग के वार्षिक प्रतिवेदन का अवलोकन करें।

#### भावी योजनाएँ

1. भोट-संस्कृत शब्दानुक्रमणिका
2. नाम-कोश (प्राचीन बौद्ध तीर्थ स्थल एवं विद्वानों के नाम का कोश)
3. बौद्ध तन्त्र-कोश
4. बौद्ध न्याय-कोश
5. तिब्बती हिन्दी-कोश
6. ग्रन्थ-कोश
7. क्रिया-कोश

#### शैक्षणिक कार्य:

1. डॉ. रमेश चन्द्र नेगी ने कर्गुद सम्प्रदाय में अध्यापन का कार्य किया।
2. 17 जनवरी 2020 - एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत आये विदेशी छात्रों को **इसेन्स आफ बुद्धिस्ट प्रेक्टिस** (बौद्ध शिक्षा का सार) विषय पर विशेष व्याख्यान दिया।
3. 9-11 अगस्त 2019 - छात्रों के त्रिदिवसीय विशेष प्रशिक्षण शिविर के दौरान **विषयना-साधना** सिखाने का कार्य एवं तत्सम्बन्धित विषय पर व्याख्यान।
4. 9-18 मार्च 2020 - **साक्या भिक्षुणी विहार देहरादून, उत्तराखण्ड** में **विषयना-साधना** सिखाने का कार्य किया।

5. डॉ. कर्मा सोनम पलमो ने पूर्व मध्यमा द्वितीय वर्ष के छात्रों को अंग्रेजी पढ़ाने का कार्य किया।
6. डॉ. कर्मा सोनम पलमो 22 जुलाई 2019 से नमग्येल इन्स्टीट्यूट ऑफ तिब्बतोलॉजी में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर प्रतिनियुक्ति पर रहीं।
7. डॉ. विश्व प्रकाश त्रिपाठी ने शास्त्री प्रथम तथा तृतीय वर्ष के ख वर्ग के छात्रों को संस्कृत पढ़ाने का कार्य किया।

राष्ट्रीय, अन्तर्राष्ट्रीय सभाओं में शोध-पत्र प्रस्तुति तथा लेखन :

डॉ. रमेशचन्द्र नेगी

1. 10 अप्रैल 2019 - पालि सोसायटी आफ इण्डिया के कार्यकारिणी सभा की विशेष बैठक की अध्यक्षता की।
2. 16 जुलाई 2019 - धर्म चक्र विहार मवईया, सारनाथ द्वारा आयोजित धर्मचक्रप्रवर्तन दिवस के अवसर पर वक्ता के रूप में सम्मिलित हुआ तथा बुद्ध का मूल उपदेश विषय पर व्याख्यान दिया।
3. 13-17 सितम्बर 2019 - औरंगाबाद, महाराष्ट्र में बुद्ध तपस फाउण्डेशन द्वारा वज्रयान दर्शन पर आयोजित पंच दिवसीय कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में सम्मिलित हुआ तथा चार आर्ससत्य विषयक व्याख्यान प्रस्तुत किया।
4. 25 सितम्बर 2019 - बी.एच.यू. के LEADERSHIP FOR ACADEMICIANS PROGRAMME के तहत आये वरिष्ठ सदस्यों को विपश्यना साधना विषयक व्याख्यान दिया।
5. 9 अक्टूबर 2019 - जंगी, किन्नौर (हि.प्र.) में मेधावी उदानङ् उत्सव के दौरान विशेष सम्मान समारोह में भाग लिया तथा शिरोमणि मेधावी जंगी गौरव नामक सम्मान प्राप्त किया।
6. 23 अक्टूबर 2019 - चिक्स दाहुड, अरूणाचल प्रदेश में उत्तरतन्त्र सम्बन्धित राष्ट्रीय संगोष्ठी के प्रथम दिन उद्घाटन के बाद काग्युद् की महामुद्रा तथा तथागत-गोत्र विषय पर शोधपत्र प्रस्तुत किया तथा 24 अक्टूबर को एक सत्र की अध्यक्षता भी की।
7. 30-31 अक्टूबर 2019 - बलराम महाविद्यालय मेजा, प्रयागराज द्वारा आयोजित ध्यान एवं परहित नामक विशेष सत्रों का मुख्य अतिथि एवं वक्ता के रूप में संचालन किया तथा उक्त विषय पर प्रायोगिक एवं सैद्धान्तिक मतों का तीन विशेष सत्रों में प्रस्थापन भी किया। इसके साथ ही बुद्ध प्रतिमा का अनावरण तथा 2020 के कैलेन्डर का विमोचन भी किया गया।
8. 3-14 दिसम्बर 2019 - धम्मचक्क खरगीपुर, सारनाथ में दस दिवसीय विपश्यना शिविर में भाग लिया।
9. डॉ. रमेश चन्द्र नेगी ने बौद्ध ग्रन्थों का तिब्बती से हिन्दी में अनुवाद के लिये शब्दकोश का स्रोत विषय पर व्याख्यान भी दिया।
10. 17 जनवरी 2020 - एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत आये विदेशी छात्रों को इसेन्स आफ बुद्धिस्ट प्रेक्टिस (बौद्ध शिक्षा का सार) विषय पर विशेष व्याख्यान दिया।
11. 22 जनवरी 2020 - सी.आई.बी.एस. लदाख के छात्रों को बौद्ध-साधना विषय पर विशेष व्याख्यान दिया।
12. 25 जनवरी 2020 - जापानी ग्रुप को धम्मेख स्तूप के पास बौद्ध तीर्थ स्थल एवं धर्मचक्रप्रवर्तन विषय पर विशेष व्याख्यान दिया।
13. 31 जनवरी 2020 - डी.ए.वी. कालेज वाराणसी द्वारा आयोजित दिव्यांगता के अधिकार से सम्बन्धित राष्ट्रीय एक दिवसीय कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुआ तथा सभा को सम्बोधित भी किया।

14. 3 फरवरी 2020 - किन्नौर से आये यात्रियों को प्रो. वड्छुग दोर्जे नेगी द्वारा बौद्ध तीर्थ-स्थलों की यात्रा विषयक विशेष व्याख्यान का आयोजन बिड़ला धर्मशाला सारनाथ में किया गया, उसमें सम्मिलित हुआ।
15. 4 फरवरी 2020 - किन्नौर से आये यात्रियों को बौद्धधर्म एवं हिमालयन संस्कृति पर विशेष व्याख्यान दिया।
16. 16-24 फरवरी 2020 - धम्मचक्क विषयना केन्द्र खरगीपुर, सारनाथ में सप्तदिवसीय सतिपट्टान स्वयं शिविर में भाग लिया।
17. 28 फरवरी 2020 - विदेशी अमेरिकन छात्रों को बुद्धिस्ट मेडिटेशन विषय पर व्याख्यान दिया।
18. विभाग के सभी सदस्यों ने शोध विभाग के द्वारा आयोजित मोलनम जी द्वारा दिये गये इनडिजाईन प्रशिक्षण में भाग लिया।

### शोध निर्देशन/ प्रकाशन एवं अनुवाद

1. 13-14 अप्रैल 2019 - डॉ. रमेश चन्द्र नेगी ने साक्या मोनलम संस्था बीड, हिमाचल प्रदेश द्वारा आयोजित दो दिवसीय विशेष संगोष्ठी में प्रस्तुतीकरण के लिये द्रव्य-विकल्प एवं पुद्गल-प्रज्ञप्ति विकल्प विषय पर शोधपत्र ईमेल द्वारा प्रेषित किया।
2. डॉ. ललित कुमार द्वारा तारा, चक्रसंवर, शिठो एवं शिठो-विधि के पाठ के लाभ आदि से सम्बन्धित चार संक्षिप्त विषयों पर तिब्बती से हिन्दी में किये अनुवाद-कार्य का संशोधन कार्य।
3. डॉ. रमेश चन्द्र नेगी ने एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत आये विदेशी छात्रों को मेडिटेशन (बौद्ध ध्यान) विषय पर विशेष व्याख्यान के लिए लेख लिखा।
4. डॉ. टाशी छेरिंग ने संस्कृत सोपान नामक ग्रन्थ के संशोधन तथा संपादन किया गया।
5. डॉ. टाशी छेरिंग तथा डॉ. विश्व प्रकाश त्रिपाठी ने तर्कसंग्रह नामक ग्रन्थ का संस्कृत से हिन्दी तथा तिब्बती अनुवाद कार्य किया।
6. डॉ. टाशी छेरिंग तथा डॉ. विश्व प्रकाश त्रिपाठी ने बोधिचर्यावतार नामक ग्रन्थ एवं उसकी पंजिका टीका का अनुवाद कार्य किया।
7. डॉ. टाशी छेरिंग तथा डॉ. विश्व प्रकाश त्रिपाठी सांख्यकारिका का हिन्दी अनुवाद एवं उसकी व्याख्या तथा उसके तिब्बती अनुवाद का कार्य कर रहे हैं।

### अन्य शैक्षणिक गतिविधियाँ :

1. 06 मई 2019 - डॉ. रमेश चन्द्र नेगी ने दाहुड, अरुणाचल प्रदेश के बोर्ड आफ स्टडीज़ की बैठक जो सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय के बौद्ध कक्ष में आयोजित थी, में भाग लिया।
2. 25 मई 2019 ई. - पालि सोसायटी आफ इण्डिया, सारनाथ की विशेष बैठक में उपाध्यक्ष के रूप में भाग लिया।
3. 23 सितम्बर 2019 - विहार सरकार एवं विश्वविद्यालय के MOU से सम्बद्ध कार्य हेतु शोध विभागाध्यक्षों की सभा में भाग लिया।
4. 23-24 सितम्बर 2019 - पाण्डुलिपि लिप्यन्तरण से सम्बन्धित विषय पर कुलपति जी की अध्यक्षता में आयोजित शोधविभागाध्यक्षों की विशेष सभा में भाग लिया।
5. 26 जनवरी 2020 - धर्म चक्र विहार इण्टर कालेज नवापुरा, सारनाथ, वाराणसी के द्वारा आयोजित गणतन्त्र दिवस समारोह में विशेष अतिथि के रूप में सम्मिलित हुआ तथा तत्सम्बन्धित विषय पर अपना विचार प्रस्तुत किया।

6. कोश निर्माण के लिए कम्प्यूटर में संगृहीत संस्कृत एवं तिब्बती ग्रन्थों को पुराने फोन्ट से नये यूनिकोड फोन्ट में परिवर्तन का कार्य किया गया।
7. मैक और विन्डोस के अनुकूल डिजिटल कोश के निर्माण हेतु डाटा इन्पुट करने का कार्य किया गया।
8. डॉ. टाशी छेरिंग ने लामा तारानाथ द्वारा रचित भारत में बौद्ध धर्म का इतिहास नामक ग्रन्थ का संशोधन एवं संपादन का कार्य किया।
9. डॉ. टाशी छेरिंग ने राहुल साँकृत्यायन द्वारा रचित तिब्बत में बौद्ध धर्म का इतिहास नामक ग्रन्थ का संशोधन एवं संपादन कार्य किया।

### सामूहिक कार्य

1. डॉ. रमेश चन्द्र नेगी, डॉ. विश्व प्रकाश त्रिपाठी तथा डॉ. लोब्संग छोडोन ने ज्योतिष कोश तथा आयुर्विज्ञान कोश पर सामूहिक रूप से संशोधन का कार्य किया।
2. डॉ. टाशी छेरिंग, डॉ. कर्मा सोनम पलमो, डॉ. विश्व प्रकाश त्रिपाठी, तथा डॉ. लोब्संग छोडोन ने विभागीय 16 भाग के भोट-संस्कृत कोश के डिजिटल कोश के लिए डाटा इन्पुट करने का कार्य किया।
3. विभाग के सभी सदस्यों ने संस्थान द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में सहभागिता की तथा कार्यालय के द्वारा प्रदान किये कार्यों को सम्पन्न किया।

### 5. तिब्बती साहित्य केन्द्र

ऐसा प्रतीत होता है कि समृद्ध एवं महत्त्वपूर्ण तिब्बती साहित्य का बृहत् इतिहास अभी तक नहीं लिखा गया। इसे ध्यान में रखकर तिब्बती साहित्य केन्द्र की स्थापना की गई। इस बृहत् तिब्बती साहित्य के इतिहास में इसका विकासक्रम व भारतीय साहित्य का तिब्बती पर प्रभाव परिलक्षित होगा। पूरे तिब्बती साहित्य की दो विधाएँ हैं - 1. भारतीय भाषाओं में मुख्यतः संस्कृत से अनूदित पाँच हजार से अधिक ग्रन्थ, 2. तिब्बती विद्वानों की विविध विषयों पर रचनाएँ जो लाख से भी अधिक हैं। इतने विशाल साहित्य के होते हुए भी बृहत् तिब्बती साहित्य का इतिहास नहीं लिखा गया है। अतः संस्थान ने बृहत् तिब्बती साहित्य का इतिहास तैयार करने का निर्णय लिया, जिसे मूर्त रूप देने के लिए संस्थान ने तिब्बती साहित्य केन्द्र नामक शोध अनुभाग की कल्पना की, जो कि बृहत् तिब्बती साहित्य का इतिहास प्रस्तुत कर सके और साथ ही अन्य साहित्यिक रचनाओं का अनुवाद, शोध, कार्यशाला व सम्मेलन कर सके। इन तथ्यों को दृष्टिगत कर संस्थान ने वरिष्ठ प्रसिद्ध विद्वानों को इस योजना में नियुक्त करने की योजना बनाई।

तदनुसार एक वरिष्ठ अनुसन्धाता को तिब्बती साहित्य केन्द्र में प्रमुख बनाया गया है जिन्होंने आठ साल तक इस योजना में कार्य किया है और बृहत् तिब्बती साहित्य इतिहास के प्रारूप की चार भागों में रचना की जो सम्पन्न होने की स्थिति में है। इस योजना के साथ ही केन्द्र ने अनुवाद व व्याख्याग्रन्थ के रूप में अन्य साहित्यिक रचनाएँ भी प्रकाशित की हैं। केन्द्र ने संस्कृत व हिन्दी साहित्य पर एक कार्यशाला भी आयोजित की तथा तिब्बती साहित्य-इतिहास के प्रारूप पर परिचर्चा करने के लिए एक कार्यशाला आयोजित की।



## 4. शान्तरक्षित ग्रन्थालय

केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान का शान्तरक्षित ग्रन्थालय एक विशिष्ट ग्रन्थालय है। इस ग्रन्थालय में प्राचीन संस्कृत पाण्डुलिपियों के तिब्बती अनुवाद के रूप में भारतीय बौद्ध-वाङ्मय का समृद्ध संग्रह अपने मौलिक स्वरूप में काष्ठोत्कीर्णित (Xylograph), मुद्रित एवं मल्टीमीडिया ग्रंथों के रूप में विद्यमान है। ग्रन्थालय में विद्यमान ग्रन्थों का यह संग्रह विश्वविद्यालय के उद्देश्यों पर आधारित है, जिसे भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय महत्त्व का संग्रह घोषित किया गया है।

इस ग्रन्थालय का नामकरण प्राचीन नालन्दा महाविहार के प्रसिद्ध भारतीय बौद्ध विद्वान् आचार्य शान्तरक्षित के नाम पर हुआ है जिन्होंने बौद्ध धर्म की शिक्षाओं एवं परम्पराओं के प्रसार हेतु 8वीं शताब्दी में तिब्बत की यात्रा की थी।

इस ग्रन्थालय में संरक्षित बौद्ध, तिब्बती और हिमालयीय-अध्ययन विषयक ग्रन्थों का समृद्ध संग्रह संसार-भर के विद्वानों के आकर्षण का केन्द्र है। बौद्ध-वाङ्मय की दृष्टि से यह अद्वितीय ग्रन्थालय है।

शान्तरक्षित ग्रन्थालय अत्याधुनिक सूचना तकनीकी सुविधाओं से सम्पन्न हैं तथा ग्रन्थालय में संगृहीत समस्त प्रलेखों की कम्प्यूटरीकृत बहुभाषी ग्रन्थसूची के आधार पर ग्रन्थालय सेवाएं प्रदान की जाती हैं, यह बहुभाषी सूचीपत्रक (ओपेक) विश्वविद्यालय परिसर के कम्प्यूटर नेटवर्क (LAN) के साथ ही विश्वविद्यालय की वेबसाइट (www.cuts.ac.in) से कहीं भी देखा जा सकता है।

शान्तरक्षित ग्रन्थालय विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अन्तर्विश्वविद्यालयी केन्द्र इनफ्लिबनेट, अहमदाबाद (www.inflibnet.ac.in) द्वारा संचालित इन्फोनेट (ऑन लाइन जर्नल्स योजना) का सदस्य है, जिसके फलस्वरूप अर्थशास्त्र एवं राजनीति की साप्ताहिकी (www.epw.in) तथा आई. एस. आई. डी. (www.isid.org.in) डेटाबेस, विश्वविद्यालय परिसर में विश्वविद्यालय के इण्टरनेट नेटवर्क का प्रयोग कर मुफ्त में देखें, पढ़ें और डाउन-लोड किए जा सकते हैं।

शान्तरक्षित ग्रन्थालय को टी.बी.आर.सी. (तिब्बतन बुद्धिस्ट रिसोर्स सेण्टर) <https://www.tbrc.org> तथा वर्ल्ड पब्लिक लाइब्रेरी <http://community.worldLib.in> और साउथ एशिया आर्काइव (एस.ए.ए.) <http://www.southasiaarchive.com> के संसाधनों के ऑनलाइन उपयोग की अनुमति भी प्राप्त है।

मुद्रित और ऑनलाइन प्रलेखों के साथ ही यह ग्रन्थालय माइक्रोफिच, माइक्रोफिल्म और ऑडियो और वीडियो प्रलेखों के समृद्ध संग्रह पर आधारित सेवाएं प्रदान करता है तथा इन अमूल्य संसाधनों का प्रबंधन करता है। ग्रन्थालय तिब्बती साहित्य और संस्कृति के विकास के लिए दलाई लामा फाउंडेशन, धर्मशाला, के साथ जुड़ा हुआ है।

1. प्रो. टशी छेरिंग (एस), ग्रन्थालय प्रभारी
2. श्री सुधृति विश्वास, कार्यालय सहायक, संविदा

शान्तरक्षित ग्रन्थालय के सात प्रमुख अनुभाग हैं—

1. अवाप्ति, तकनीकी एवं इनफ्लिबनेट अनुभाग।
2. सामयिकी, पत्र-पत्रिका एवं सन्दर्भ अनुभाग।
3. तिब्बती अनुभाग।
4. आदान-प्रदान अनुभाग।
5. संचयागार अनुभाग।

6. मल्टीमीडिया अनुभाग।

7. कम्प्यूटर अनुभाग।

## 1. अवाप्ति एवं तकनीकी अनुभाग

### 1.1 ग्रन्थ अवाप्ति

(क) ग्रन्थालय के अवाप्ति अनुभाग द्वारा वर्ष 2019-20 में ₹3152000.00 मूल्य के कुल 2642 ग्रन्थों की अवाप्ति कर आगम संख्या 118841 से 122595 तक पंजीकृत किया गया। इनमें से ₹3006617.00 मूल्य के 2642 ग्रंथ खरीदे गये तथा ₹145463.00 मूल्य के 458 ग्रंथ दानस्वरूप एवं विश्वविद्यालय-प्रकाशनों के विनिमय द्वारा प्राप्त हुए।

(ख) कुल 655 जिल्दबन्द जर्नल का भी आगम पुस्तिका में पंजीकृत किया गया है।

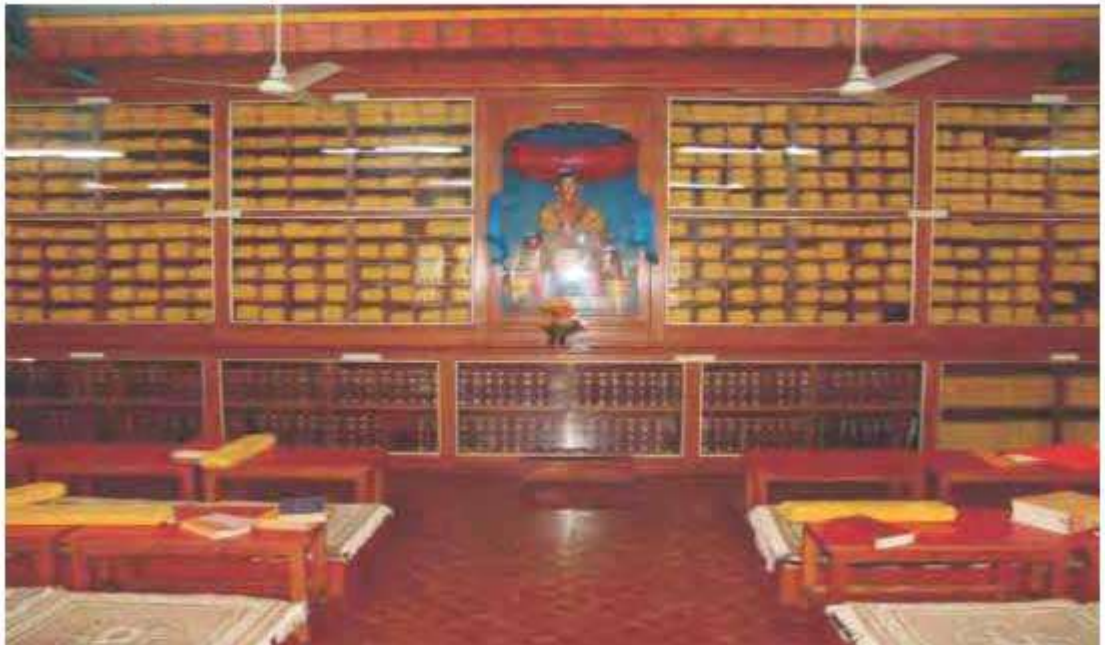
(ग) वर्ष ग्रन्थालय में पूर्व से संगृहीत बोन साहित्य की अनेक पोथियों (ग्रन्थों) का पंजीकरण किया गया।

### वर्ष 2019-20 में अवाप्त ग्रंथों का विवरण

|            |             |
|------------|-------------|
| तिब्बती    | 1447        |
| संस्कृत    | 41          |
| हिन्दी     | 579         |
| अंग्रेजी   | 1322        |
| बहुभाषी    | 353         |
| अन्य       | 13          |
| <b>कुल</b> | <b>3755</b> |

|                 |             |
|-----------------|-------------|
| ग्रन्थ          | 2642        |
| दान             | 452         |
| विनिमय          | 6           |
| जिल्दबन्द जर्नल | 655         |
| <b>कुल</b>      | <b>3755</b> |

|                  |                   |
|------------------|-------------------|
| क्रय मूल्य       | 3006617.00        |
| दान मूल्य        | 145463.00         |
| <b>कुल मूल्य</b> | <b>3152080.00</b> |



## 1.2 तकनीकी अनुभाग

1. वर्ष 2019-20 में अनुभाग द्वारा कुल 1780 ग्रन्थों का वर्गीकरण एवं सूचीकरण कर इन्हें स्लिम लाइब्रेरी साफ्टवेयर द्वारा डेटाबेस में निवेशित कर ग्रन्थालय संचयागार में स्थानान्तरित किया गया।
2. डुप्लीकेट चेकिंग एवं स्लिम डेटाबेस में परिग्रहण आदि कार्यों में अवाप्ति अनुभाग की सहायता की गई। स्लिम डेटाबेस में पुस्तकों के डुप्लीकेट परिग्रहण का सुधार तथा प्रविष्टियों को संपादित किया गया।
3. 1396 तिब्बती ग्रन्थों का वर्गीकरण एवं सूचीकरण कर अनुभाग में स्थानान्तरित किया गया।

## 1.3 श्री राजेश कुमार मिश्र, प्रलेखन अधिकारी द्वारा की गयी संगोष्ठी, कार्यशालाओं में सहभागिता एवं अन्य शैक्षणिक कार्य

1. श्री राजेश कुमार मिश्र ने दिनांक 19 सितम्बर 2019 तक संस्थान के प्रभारी-अधिकारी (नियुक्ति) के दायित्व का निर्वहन किया है।
2. श्री मिश्र ने 26 सितम्बर 2019 को “ब्राह्मी लिपि द्वारा व्यक्तित्व विकास” विषय पर साध्वी शाश्वतपूर्णा जी का विशेष व्याख्यान आयोजित कराया।
3. श्री मिश्र ने नेहरू ग्राम भारती (मान्य विश्वविद्यालय) प्रयागराज द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में दिनांक 27 सितम्बर 2019 को व्याख्यान दिया एवं एक सभासत्र की अध्यक्षता की।
4. श्री मिश्र ने 13 और 14 फरवरी 2020 को “पढ़ो बनारस बढ़ो बनारस कार्यक्रम” को संस्थान में आयोजित कराया।
5. श्री मिश्र ने संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की एन. वी. एल. आई. परियोजना एवं आरटीआई-एक्ट के तहत सुओ-मोटो प्रकटीकरण के लिए संस्थान के नोडल अधिकारी का कार्य किया।
6. श्री राजेश कुमार मिश्र ने संस्थान की ई-बुलेटिन समिति, वेबसाइट समिति, नियुक्ति नियमावली समिति, आरक्षण सूची समिति, भूमि क्रय समिति, चिकित्सा प्रतिपूर्ति समिति, MACP एवं DPC की अनुवीक्षण समिति, राजभाषा की संसदीय समिति की तैयारियों के लिए गठित समिति, विभिन्न कार्यक्रमों के लिए बनी प्रेस एवं मीडिया समितियों में सदस्य के रूप में कार्य किया और विश्वविद्यालय की अन्य विभिन्न समितियों के सदस्य / अध्यक्ष के रूप में भी काम किया।

## 1.4 अनुभाग में कार्यरत कर्मचारियों की सूची

1. श्री राजेश कुमार मिश्र, प्रलेखन अधिकारी
2. श्री शोभनाथ सिंह यादव, प्रोफेसनल असिस्टेंट (पुनर्नियुक्त)
3. श्री लोब्संग वांग्दू, प्रोफेसनल असिस्टेंट
4. श्रीमती तेनजिन रिगसंग, प्रोफेसनल असिस्टेंट
5. श्री रविकान्त पाल, सेमी प्रोफेसनल असिस्टेंट
6. श्री तेनजिन चुंग्दक, सेमी प्रोफेसनल असिस्टेंट (संविदा)
8. श्री शिवबचन शर्मा, विविध कार्य कर्मचारी

## 2. सामयिकी, पत्र-पत्रिका व सन्दर्भ अनुभाग

### 2.1 अवाप्ति-

आलोच्य वर्ष 2019-20 में अनुभाग द्वारा जर्नल्स, पत्र-पत्रिकाओं एवं न्यूज क्लिपिंग सेवा की अवाप्ति पर ₹3,82,464.00 व्यय किये गये, जिनका विवरण निम्नवत् है-

| क्रम सं. | फर्म का नाम      | सामयिकी का प्रकार     | शीर्षक   | भाग | कुल प्राप्त अंक | मूल्य       |
|----------|------------------|-----------------------|----------|-----|-----------------|-------------|
| 1.       | एलाइड पब्लिशर्स  | अंतरराष्ट्रीय सामयिकी | 10       | 32  | 34              | 3,01,958.00 |
| 2.       | भारतीय प्रकाशक   | राष्ट्रीय सामयिकी     | 10       | 11  | 32              | 19,790.00   |
| 3.       | विनिमय सामयिकी   | विनि. सामयिकी         | 3        | 3   | 3               | 00.00       |
| 4.       | आभार स्वरूप      | आभार स्वरूप प्राप्त   | 6        | 6   | 6               | 00.00       |
| 5.       | स्थानीय विक्रेता | सामान्य पत्रिकाएं     | 14       | 14  | 125             | 20,355.00   |
| 6.       | मीडिया क्लिपिंग  | न्यूजपेपर क्लिपिंग    | प्रतिमाह | --  | ---             | 28,320.00   |
| 7.       | स्थानीय विक्रेता | समाचारपत्र-पत्रिका    | 10       | 10  | 60              | 2,041.00    |
|          | योग              |                       | 53       | 76  | 260             | 3,82,464.00 |

## 2.2 सेवाएँ-

1. आलोच्य वर्ष में सामयिकियों में उपलब्ध **402 आर्टिकल्स** का पूर्णरूपेण स्लिम डेटाबेस में इनपुट किया गया। इस समय डेटाबेस में कुल संख्या **17539** हो गई है।
2. वर्तमान सत्र में प्राप्त प्रेस क्लिपिंग को स्कैन करने हेतु क्रमबद्ध किया गया।
3. अनुभाग में बाइंडिंग से प्राप्त 400 शैक्षणिक जर्नल्स को कैटलाग माड्यूल में इनपुट पूर्ण करने के बाद ट्रांसक्राइब करने की प्रक्रिया जारी है।

## 4. पाठक सेवाएँ-

1. पाठकों की माँग पर सामयिकियों में प्रकाशित लेखों की छाया प्रति उपलब्ध करायी गयी।
2. विश्वविद्यालय के छात्रों को उनके शोध से संबंधित संदर्भ सेवाएं (ग्रंथ) उपलब्ध करायी गयी।

## 2.3 अनुभाग में कार्यरत कर्मचारियों की सूची

1. श्री विजय बहादुर सिंह, प्रोफेसनल असिस्टेंट
2. श्री कृष्णानन्द सिंह, सेमी प्रोफेसनल असिस्टेंट
3. श्री राजेन्द्र ओझा, विविध कार्य कर्मचारी

## 3. तिब्बती अनुभाग

तिब्बती अनुभाग ने बौद्ध साहित्य के समृद्ध संग्रह को वर्गीकृत किया है जिसे कग्युर के नाम से जाना जाता है, जो तिब्बती में बुद्ध के अनूदित कथनों का अनुवाद करता है और तिब्बती में बुद्ध के कथनों को समझाने तथा विस्तार से भारतीय बौद्ध गुरु के अनुवादित ग्रन्थों को तंग्युर कहते हैं। भारतीय आचार्यों और तिब्बती विद्वानों के सहयोग से हजार वर्षों की अवधि में मूल संस्कृत पाठ का तिब्बती में लगातार अनुवाद किया था। प्रमुख तिब्बती विद्वान् चोमदेन रिगपई राल्द्री (*bcomldan-rig-pa'i-ral-gri* 1227-1305) के रूप में जाना जाता है और उनकी टीम के साथ सभी अनुवादित कार्यों को सूचीबद्ध किया और उन्हें दो विशाल खंडों जैसे कग्युर और तन्युर में वर्गीकृत किया। धीरे-धीरे 1608 में जाइलोग्राफिक प्रारूप में पहला लिथांग कग्युर तिब्बत में पेश किया गया था और वहाँ से फिर कई संस्करण सामने आए। वर्तमान में तिब्बती खंड में विहित ग्रन्थों के निम्नलिखित संस्करण हैं-

1. देगे तंग्युर और ल्हासा कग्युर (जाइलोग्राफ रूप में)
2. देगे थेलपा कग्युर और तंग्युर (पोथी रूप में)

3. नार्थग कग्युर और तंग्युर (पोथी रूप में)
4. लद्दाख तोग कग्युर (पोथी रूप में)
5. गोल्डन एम.एस.एस. कग्युर (पोथी और पुस्तक रूप में)
6. उर्ग कग्युर (लोकेशचन्द्र द्वारा सम्पादित)
7. नार्थग कग्युर (लोकेशचन्द्र द्वारा सम्पादित)
10. कग्युर और तंग्युर का तुलनात्मक संस्करण (किताब रूप में तिब्बत से)

इस विभाग में बौद्ध धर्म के चार प्रमुख विद्यालयों के तिब्बती विद्वानों के विशाल कार्य हैं (*gsung- 'bum*) पारंपरिक पोथी में और साथ ही पुस्तक रूप में। चीनी और बर्मी त्रिपिटक का और बोनपो कग्युर तंग्युर (तिब्बत स्वदेशी धर्म) संग्रह को और विस्तृत करते हैं। तिब्बती चिकित्सा (*gso-ba-rig-pa*), तिब्बती खगोल विज्ञान और कला (थंका पेन्टिंग) भी संग्रह का अनिवार्य हिस्सा है। वित्त वर्ष 2019-2020 के अन्त तक, विभागीय कोष में 38997 के आस-पास व्यक्तिगत किताब तिब्बती भाषा में अपनी पकड़ को मजबूत बनाते हैं।

- 3.1 ग्रन्थालय के अवाप्ति अनुभाग द्वारा इस वर्ष क्रय किये गये तिब्बती भाषा के 1396 ग्रन्थों का सूचीकरण एवं ग्रन्थालय डेटाबेस में उनका निवेश किया गया जिसके फलस्वरूप अनुभाग में पोथियों सहित ग्रंथों की कुल संख्या 38997 हो गई है।
- 3.2 अनुभाग द्वारा संस्थान के शोध अनुभागों, शोध छात्र-छात्राओं, परियोजनाओं तथा अन्य विद्वानों को उनकी माँग के अनुसार विशेष ग्रन्थालय सेवाएँ प्रदान की गयीं।
- 3.3 काष्ठोत्कीर्णित ग्रन्थों (*Xylographs*) की जाँच एवं संरक्षण का कार्य किया गया।
- 3.4 इस वर्ष स्लिम डाटाबेस में 1160 पोथियों की वैश्लेषिक तथा सामान्य प्रविष्टियाँ निवेशित की गयी।
- 3.5 स्लिम लाइब्रेरी डेटाबेस में पूर्व में निवेशित तिब्बती ग्रंथों की प्रविष्टियों में से लगभग 1997 प्रविष्टियों के संशोधन व परिवर्धन का कार्य सम्पादित किया गया।
- 3.6 246 कम्प्यूटरीकृत पोथी फ्लैग तैयार करके सम्बन्धित ग्रंथों में लगाए गए।
- 3.7 आलोच्य वर्ष में तिब्बती अनुभाग के विभिन्न संग्रहों से 20835 आदान-प्रदान सम्पन्न हुए।

### 3.7 अनुभाग में कार्यरत कर्मचारियों की सूची

1. श्री लोब्संग वांगदु (प्रभारी, तिब्बती अनुभाग) दिनांक 17 सितम्बर, 2020 से
2. श्री तेनजिन घेग्ये, संविदा
3. श्री चोंगा छेरिंग, संविदा
4. सुश्री छेवांग डोलकर, संविदा
5. सुश्री टशी लामो, संविदा
6. श्री अनिल कुमार यादव, संविदा

## 4. आदान-प्रदान अनुभाग

ग्रन्थालय का आदान प्रदान अनुभाग ग्रन्थालय में नए सदस्यों का पंजीकरण, सदस्यता नवीनीकरण, ग्रंथों का आगम, निर्गम, आरक्षण, अदेयता प्रमाण पत्र जारी करना तथा ग्रन्थालय उपयोग की सूचनाओं का संग्रहण एवं अन्य सम्बन्धित कार्य सम्पादित करता है।

वित्तीय वर्ष 2019-20 में अनुभाग द्वारा पंजीकृत ग्रन्थालय सदस्यों का विवरण निम्नवत है-

| सदस्यता का प्रकार | संख्या     |
|-------------------|------------|
| विद्यार्थी        | 377        |
| कर्मचारी          | 080        |
| तदर्थ सदस्य       | 029        |
| अस्थायी सदस्य     | 033        |
| विभाग             | 008        |
| <b>योग</b>        | <b>527</b> |

- 4.1 वर्ष 2019-20 में 109 नये ग्रन्थालय सदस्यों का नामांकन किया गया, जिनमें 88 विद्यार्थी, 11 कर्मचारी, 10 अस्थायी सदस्य सम्मिलित हैं तथा 82 सदस्यों द्वारा उनके निवेदन पर अदेयता प्रमाण-पत्र निर्गत किये गए।
- 4.2 वर्ष 2019-20 में आदान, प्रदान, आरक्षण आदि से सम्बन्धित 12812 प्रविष्टियों का ग्रन्थालय डेटाबेस में निवेश किया गया।
- 4.3 वर्ष 2019-20 में ग्रन्थालय के संग्रह से 5053 ग्रन्थ पाठकों द्वारा आहरित किए गए तथा 5076 ग्रन्थ वापस किए गए।
- 4.4 आलोच्य वर्ष में कुल 18731 पाठकों ने ग्रन्थालय का प्रयोग किया।
- 4.5 उपर्युक्त कार्यों के अतिरिक्त अनुभाग द्वारा तिब्बती ग्रन्थों का सूचीकरण एवं वर्गीकरण किया गया तथा पाठक सेवार्यें प्रदान की गयीं।
- 4.6 **अनुभाग में कार्यरत कर्मचारियों की सूची**
  1. सुश्री डिकी डोलमा, सेमी प्रोफेसनल असिस्टेंट (संविदा)
  2. श्री मुन्ना लाल, बहु उद्देश्यीय कर्मी (पुनर्नियुक्त)

## 5. संचयागार अनुभाग

भूतल व प्रथम तल पर अवस्थित विशिष्ट संग्रहों सहित सभी मुद्रित ग्रंथों (तिब्बती भाषा के अतिरिक्त) का संचयागार कोलन वर्गीकरण पद्धति के छोटे संस्करण के आधार पर विषय क्रम से व्यवस्थित है, यह अनुभाग इस संग्रह पर आधारित सेवाएं प्रदान करने के साथ-साथ संग्रह के संरक्षण व रखरखाव की व्यवस्था सुनिश्चित करता है। संचयागार द्वारा प्रदान सेवाओं एवं रख-रखाव के कार्यों का विवरण निम्न तालिका में प्रस्तुत है-

### 5.1 सेवार्यें-

|    |   |       |
|----|---|-------|
| 1. | संचयागार में आए पाठकों की संख्या (मांग पर्चियों की संख्या के आधार पर)   | 1851  |
| 2. | फलक से निकाले गए ग्रंथों की संख्या (मांग पर्चियों की संख्या के आधार पर) | 3553  |
| 3. | अध्ययन कक्ष से फलक पर व्यवस्थित किए गए ग्रंथों की संख्या                | 29052 |
| 4. | विशेष संग्रह से प्रदान की गई पाठक सेवाएं                                | 156   |

### 5.2 संग्रह में आए नए ग्रन्थ तथा संचयागार का रख-रखाव-

|    |   |      |
|----|---|------|
| 1. | संग्रह में आए नए ग्रंथों की संख्या                            | 1103 |
| 2. | तकनीकी सुधार हेतु निकाले गए ग्रंथों की संख्या                 | 94   |
| 3. | तकनीकी सुधार के पश्चात संग्रह में आए पुराने ग्रंथों की संख्या | 94   |

|    |   |                   |
|----|---|-------------------|
| 4. | संग्रह संशोधन                                     | R,Y2,X,W,V,^,O,Lk |
| 5. | ट्रांसक्राइब किए गए नए व पुराने ग्रंथों की संख्या | 2433              |

### 5.3 अनुभाग में कार्यरत कर्मचारियों की सूची

1. डॉ. देवी प्रसाद सिंह, प्रोफेसनल असिस्टेण्ट
2. श्री रमेशचन्द्र सिंह, प्रोफेसनल असिस्टेण्ट
3. श्री जगरनाथ सिंह, सेमी प्रोफेसनल असिस्टेण्ट
4. श्री विजय कुमार पटेल, ग्रंथालय परिचारक
5. मु. मुमताज, ग्रंथालय परिचारक

### 6. मल्टीमीडिया अनुभाग

ग्रन्थालय का मल्टीमीडिया अनुभाग, अत्याधुनिक तकनीकी सुविधाओं से सुसज्जित है। ग्रन्थालय का यह अनुभाग माइक्रोफिल्म, माइक्रोफिस, आडियो/वीडियो कैसेट्स, सी.डी., एम.पी.3, एम.पी.4 एवं डी.वी.डी आदि प्रारूपों में उपलब्ध प्रलेखों का निर्माण, संग्रहण, संवर्धन व संरक्षण करता है तथा इन प्रलेखों पर आधारित पाठक सेवाएँ प्रदान करता है।

ग्रन्थालय मल्टीमीडिया अनुभाग, विश्वविद्यालय के समस्त शैक्षणिक कार्यक्रमों की स्टिल फोटोग्राफी व विडियोग्राफी कर प्राप्त प्रलेखों का तकनीकी सम्पादन कर उन्हें संग्रह व सेवा के उपयुक्त बनाता है साथ ही ग्रन्थालय का मल्टीमीडिया अनुभाग शैक्षणिक उद्देश्य हेतु फोटो कापी, स्कैनिंग, प्रिंटिंग व कॉपींग की सेवा भी प्रदान करता है। अनुभाग द्वारा देश के सुदूर व दुर्गम स्थानों में उपलब्ध बौद्ध धर्म-दर्शन की प्राचीन पाण्डुलिपियों व ग्रंथों के डिजिटल इजेसन का कार्य भी सम्पादित किया जाता है।

मल्टीमीडिया अनुभाग समय की बदलती जरूरतों और तकनीक के साथ बना रहता है। अस्सी के दशक में यह अनुभाग सक्रिय रूप से माइक्रोफॉर्म में लगा हुआ था तथा नब्बे के दशक में अनुभाग ने मैग्नेटिक टेपों के साथ काम किया और अब यह अनुभाग संस्थान के लिए डिजिटलीकरण कार्य का केंद्र है।

नवीनतम आई.सी.टी. उपकरण से लैस यह अनुभाग जीवित दुर्लभ बौद्ध पाण्डुलिपि और मूल्यवान प्रलेखों को डिजिटल रूप से संरक्षित करने के लिए डिजिटलीकरण कार्य से जुड़ा हुआ है।

#### 6.1 आडिओ वीडियो एवं फोटो प्रलेखन

आलोच्य वर्ष में संस्थान में आयोजित निम्नलिखित शैक्षणिक कार्यक्रमों की वीडियो रिकॉर्डिंग व तकनीकी सम्पादन कर इनके प्रलेख डिजिटल प्रारूप में पाठकों की सेवा हेतु अनुभाग के संग्रह में सम्मिलित किये गये।

1. 29-30 अप्रैल 2019 - “सोवा-रिग्पा शोध परिसंवाद”।
2. 3-4 सितंबर 2019 - “नियमित स्कूल में विशेष आवश्यकता के लिए प्रारंभिक पहचान और बुनियादी हस्तक्षेप” विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला।
3. 23-24 सितंबर 2019 - दो दिवसीय मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्सेज (MOOCs) पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला।
4. 25 सितंबर 2019 - लीडरशिप इन अकादमिक प्रोग्राम (LEAP) कार्यशाला।
5. 26 सितंबर 2019 - जैन साध्वी शाश्वतपूर्णा जी द्वारा “ब्राह्मी लिपि के माध्यम से व्यक्तित्व विकास” नामक विषय पर विशेष व्याख्यान।

6. 16 अक्टूबर 2019 - "प्लास्टिक निरोध व जल संरक्षण" विषयक नुक्कड़ नाटक का मंचन।
7. 25 अक्टूबर 2019 - डा. सुनीता सिंह द्वारा "इंटीलिजेंस कौशन्ट टू इमोशनल कौशन्ट" विषय पर व्याख्यान।
8. 25 अक्टूबर 2019 - छात्रों द्वारा परम पावन दलाई लामा द्वारा लिखे गये "दी यूनिवर्स इन अ सिंगल एटम" नामक ग्रन्थ का विश्लेषण संगोष्ठी।
9. 9 नवम्बर 2019 - संस्थान के पूर्व छात्रों द्वारा "तिब्बती एवं हिमालयन अध्ययन" नामक विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।
10. 10 नवम्बर 2019 - प्रो. एस. रिनपोछे द्वारा "मन प्रशिक्षण के सात बिंदुओं" विषय पर उपदेश।
11. 11 नवम्बर 2019 - प्रो. एस. रिनपोछे के 80 वें जन्मदिन के अवसर पर अभिनन्दन समारोह।
12. 11 नवम्बर 2019 - प्रो. एस. रिनपोछे द्वारा संस्थान के भूतपूर्व छात्रों को सम्बोधन।
13. 3-5 नवम्बर 2019 - "गोलुग परंपरा के इतिहास और इसकी स्थापना" विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।
14. मल्टीमीडिया का तकनीकी कर्मचारी सक्रिय रूप से संस्थान पर बन रहे डॉक्यूमेंट्री फिल्म के संपादन के साथ जुड़ा रहा, जो कि टेन डायरेक्शन प्रोडक्शंस और मल्टीमीडिया सेक्शन द्वारा संयुक्त रूप से बना रहा है।
15. 11 जनवरी 2020 - संसदीय राजभाषा समिति ने संस्थान का दौरा किया, जिसमें सचिवों सहित पांच माननीय सांसदों ने संस्थान में राजभाषा हिंदी के उपयोग का निरीक्षण किया।
16. 13-14 जनवरी 2020 - बिहार सरकार के सहभागिता से महापंडित राहुल सांकृत्यायन द्वारा तिब्बत से लाई गई "कग्युर, तेंग्युर और सुंगबम के हिंदी अनुवाद" पर कार्यशाला।
17. 24 जनवरी 2020 - श्री अशोक ठाकुरजी, आईएस (सेवानिवृत्त) द्वारा "शिक्षा" पर व्याख्यान।
18. 28 जनवरी 2020 - प्रो. अंजलि बाजपेई द्वारा "डिजाइनिंग असेसमेंट टूल्स" कार्यशाला के दौरान "शिक्षा परीक्षण और माप" विषय पर व्याख्यान।
19. 28 जनवरी 2020 - प्रो. के. पी. पाण्डेय द्वारा "डिजाइनिंग असेसमेंट टूल्स" कार्यशाला के दौरान "टीचर एस अ रिफ्लेक्टिव प्रैक्टिशनर" विषय पर व्याख्यान।
20. 28-31 जनवरी 2020 - प्रो. जम्पा सामतेन द्वारा "समकालीन तिब्बती इतिहास" पर व्याख्यान शृंखला।
21. 31 जनवरी 2020 - "पढ़े बनारस, बढ़े बनारस" कार्यक्रम।
22. 3-5 फरवरी 2020 - तीन दिवसीय वरिष्ठ छात्रों का "शैक्षणिक शीतकालीन शिविर"।
23. 6-7 फरवरी 2020 - गेशे ल्हागदोर द्वारा "सामाजिक भावनात्मक और नैतिक शिक्षा" (SEE Learning) पर दो दिवसीय कार्यशाला।
24. 7 फरवरी 2020 - संस्थान के अनुरोध पर, डॉ. जसबीर सिंह चावला का पीएचडी ऑन मैनेजमेंट इन जातक कथा "मैनेजमेंट इन जातक कथा" पर व्याख्यान।
25. 14 फरवरी 2020 - "पढ़े बनारस, बढ़े बनारस" कार्यक्रम।
26. 20.02.2020 - पद्मश्री प्रो. रामशंकर त्रिपाठी जी की प्रथम पुण्य-तिथि के अवसर पर "बौद्ध दर्शन एवं बौद्ध विद्याओं के क्षेत्र में स्वर्गीय प्रो. रामशंकर त्रिपाठी जी का योगदान" विषय पर आयोजित एक दिवसीय स्मृति संगोष्ठी।
27. 22 फरवरी 2020 - भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के माननीय मंत्री श्री प्रह्लाद सिंह पटेल जी द्वारा संस्थान का संक्षिप्त दौरा।



## 6.2 ऑडिओ कैसेट्स और वि.एच.एस. टेप का डिजिटाइजेशन

1. आलोच्य वर्ष में अनुभाग द्वारा 271 घंटे अवधि के 280 आडीओ कैसेटों (70 शीर्षकों) का एमपी-3 फार्मेट में रूपान्तरण किया गया।
2. 70 घंटे की अवधि के 20 वि.एच.एस. टेप (6 शीर्षकों) का कैप्चर, संपादन और एमपी-4 में रूपान्तरण किया गया।

## 6.3 दुर्लभ ग्रन्थों एवं प्रलेखों का डिजिटाइजेशन

1. बीएचयू की सेंट्रल लाइब्रेरी से स्कैन किए गए देगे तेंग्युर के सभी 212 पोथी के संपादन को पूरा किया और Raw, Jpeg और PDF में सहेजा गया। देगे तेंग्युर बुकमार्क सहित के 50 पोथी संपादित और सहेजे गए।
2. लद्दाख माठो मठ से स्कैन किए गए देगे काग्युर के 103 पोथी में से 75 पोथी को सम्पादन किया गया।
3. लद्दाख ज़ाँस्कर के फुखतार मठ से स्कैन किए गये नरथंड कंग्युर के 4 पोथी का संपादन किया।
4. मिफम छोगले नमज़ाल के सामूहिक कार्य के 13 खंडों 2392 पृष्ठ को स्कैन तथा संपादन कर संरक्षित किया गया।
5. मिफम छोगले नमज़ाल के सामूहिक कार्य में से 9 खण्ड 1724 पृष्ठ को संपादन कर संरक्षित किया गया।
6. माइक्रोफिच में उपलब्ध, भारत के पुरातात्विक सर्वेक्षण द्वारा बौद्ध क्षेत्र पर रिपोर्ट की 21 बॉक्स, 20635 फोलियो स्कैन किया गया।
7. माइक्रोफिश और माइक्रोफिल्म से स्कैन किए गए बौद्ध संस्कृत मनुस्क्रिप्ट्स के 20 खण्ड, 1304 फोलियो को संपादन कर संरक्षित किया गया।

## 6.4 सोशल मीडिया के माध्यम से संस्थान के विशिष्ट आयोजनों का सीधा प्रसारण

1. 25 अक्टूबर 2019 - छात्रों द्वारा परम पावन दलाई लामा द्वारा लिखे गये “दी यूनिवर्स इन अ सिंगल एटम” नामक ग्रन्थ का विश्लेषण संगोष्ठी का सीधा प्रसारण किया।
2. 9 नवम्बर 2019 - संस्थान के पूर्व छात्रों द्वारा “तिब्बती एवं हिमालयी अध्ययन” नामक विषय पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का सीधा प्रसारण किया।
3. 10 नवम्बर 2019 - प्रो. एस. रिनपोछे जी द्वारा “मन प्रशिक्षण के सात बिंदुओं” के विषय पर उपदेश का सीधा प्रसारण किया।
4. 10 नवम्बर 2019 - संस्कृति कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया।
5. 11 नवम्बर 2019 - प्रो. एस. रिनपोछे जी के 80वें जन्मदिन के अवसर पर अभिनन्दन समारोह का सीधा प्रसारण किया।
6. 11 नवम्बर 2019 - प्रो. एस. रिनपोछे जी द्वारा संस्थान के भूतपूर्व छात्रों को सम्बोधन का सीधा प्रसारण किया।

## 6.5 ऑडियो-वीडियो संग्रह का ऑनलाइन प्रसार

1. आलोच्य वर्ष 2019-2020 में संस्थान की अनेक गतिविधियों से सम्बन्धित लगभग 88 वीडियो अनुभाग द्वारा संपादन कर संस्थान के यूट्यूब चैनल पर अपलोड किये गए। [www.youtube.com/centraluniversityoftibetanstudies](http://www.youtube.com/centraluniversityoftibetanstudies).
2. संस्थान की गतिविधियों से सम्बन्धित लगभग 26 फोटो एलबम संस्थान के फेसबुक सोशल मीडिया एकाउण्ट पर अपलोड किए गए। [www.facebook.com/CIHTS](http://www.facebook.com/CIHTS).

## 6.6 पाठक सेवाएँ-

1. आलोच्य वर्ष में अनुभाग द्वारा कार्यालयी और शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए कुल 84509 पृष्ठ फोटोकॉपी और 76223 पृष्ठ स्कैन की गयी।
2. आलोच्य वर्ष में अनुभाग द्वारा आधिकारिक उद्देश्य से 201 स्पाइरल बाइंडिंग की गयी।
3. आलोच्य वर्ष में अनुभाग द्वारा आधिकारिक उद्देश्य से 4812 पृष्ठ का स्कैन किया गया।
4. आलोच्य वर्ष में अनुभाग पाठकों के सेवा के लिए फोटोकॉपी, प्रिंट आउट, स्कैन, ऑडियो-वीडियो की प्रतिलिपि जैसी अनेक सुविधा प्रदान करती हैं। इसका भुगतान आधारित पाठक सेवाओं के निमित्त किया गया है जिससे अनुभाग को ₹ 113755.00 प्राप्त हुए।
5. अनुभाग द्वारा खोज, संदर्भ व सी. ए. एस., और परामर्श पाठक सेवाएं प्रदान की गयी।
6. संग्रह और आई.सी.टी. उपकरणों का रखरखाव।

## 6.7 अनुभाग के कर्मचारियों की प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सहभागिता-

1. अनुभाग में नवनियुक्त कर्मचारी श्रीमती तेनजिन कलदेन, श्री पदमा यडजोर और श्री टाशी दोनडूप को बुनियादी डिजिटल डिजिटल संपादन का प्रशिक्षण दिया गया।
2. श्रीमती तेनजिन कलदेन, श्री पदमा यडजोर और श्री टाशी दोनडूप ने शान्तरक्षित ग्रन्थालय द्वारा आयोजित एक माह के डाक्यूमेंट्री फिल्म मेकिंग कोर्स में भाग लिया।
3. शान्तरक्षित ग्रन्थालय द्वारा आयोजित एक महीने के "डाक्यूमेंट्री फिल्म मेकिंग कोर्स" हेतु श्री तेनजिन दोन्यो ने समन्वयक तथा श्री कलदेन गुरुड और श्री दोर्जे बूम ने सहायक पर्यवेक्षक के तौर सेवाएं प्रदान कीं।

## 6.8 अन्य गतिविधियाँ-

1. दिनांक 17 नवम्बर 2019 से मल्टीमीडिया के कर्मचारी सक्रिय रूप से संस्थान पर बन रहे डाक्यूमेंट्री फिल्म के वीडियो रिकॉर्डिंग तथा संपादन के साथ जुड़े रहे, जो कि टेन डायरेक्शन प्रोडक्शंस और मल्टीमीडिया सेक्शन संयुक्त रूप से बना रहा है।

## 6.9 अनुभाग में कार्यरत कर्मचारियों की सूची

1. श्री तेनजिन दोन्यो, सेमी प्रोफेशनल असिस्टेंट (संविदा)
2. श्री पालदेन छेरिंग, संविदा
3. श्री दोर्जे बूम, कनिष्ठ लिपिक
4. श्री कलदेन गुरुंग, संविदा
5. सुश्री तेनजिन सोमो, संविदा
6. श्रीमती तेनजिन कलदेन, संविदा
7. श्री पद्मा यागंजोर, संविदा
8. श्री टाशी धोंडुप, संविदा
9. श्री राकेश गुप्ता, दैनिक वेतन भोगी

## 7. कम्प्यूटर अनुभाग

ग्रन्थालय के संगणक अनुभाग द्वारा सूचना तकनीक से सम्बन्धित समस्त उपकरणों एवं सेवाओं के क्रय एवं अवाप्ति हेतु अनुशंसा एवं उनका संरक्षण तथा प्रबंधन किया जाता है तथा संस्थान के छात्रों के लिए कम्प्यूटर अनुप्रयोग में प्रमाणपत्र व डिप्लोमा पाठ्यक्रमों (सी.सी.ए. व डी.सी.ए) का संचालन किया जाता है। साथ ही अनुभाग द्वारा विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, कर्मचारियों एवं अस्थायी सदस्यों को इण्टरनेट, टेक्स्ट कम्पोजिंग एवं

प्रिन्टिंग तथा अन्य कम्प्यूटर आधारित सेवाएँ प्रदान की जाती हैं। अनुभाग द्वारा विश्वविद्यालय के नेटवर्क, साफ्टवेयर, यूपीएस तथा सर्वर आदि का संचालन और अनुरक्षण भी किया जाता है।

संस्थान को मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के राष्ट्रीय ज्ञान आयोग (NKN) की नेशनल मिशन फॉर एजुकेशन थ्रू इन्फॉर्मेशन एण्ड कम्प्यूनिकेशन टेक्नॉलाजी (NME-ICT) योजना के अन्तर्गत भारत संचार निगम लिमिटेड द्वारा फाइबर ऑप्टिक आधारित जी.बी.पी.एस. इण्टरनेट कनेक्शन प्राप्त है जिसका प्रबन्धन व रखरखाव भी संगणक अनुभाग द्वारा किया जाता है। कम्प्यूटर अनुभाग नेटवर्क सर्वर और इण्टरनेट सेवाओं सहित संस्थान के विभिन्न विभागों में संस्थापित 150 से अधिक कम्प्यूटर, 45 प्रिंटर, 8 स्कैनर और 5 लैपटॉप, प्रोजेक्टर, डिजिटल पोडियम और संस्थान के अन्य आईटी उपकरणों और सेवाओं का संरक्षण व प्रबंधन करता है।

आलोच्य वर्ष 2018-19 में अनुभाग द्वारा सम्पादित प्रमुख कार्य निम्नवत हैं-

- 7.1 विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों हेतु सी.सी.ए. / डी.सी.ए. पाठ्यक्रम का विधिवत् संचालन किया गया।
- 7.2 विश्वविद्यालय के परिसर नेटवर्क एवं इन्टरनेट तथा लाइब्रेरी साफ्टवेयर तथा अन्य सम्बन्धित सेवाओं का समुचित प्रबन्धन किया गया।
- 7.3 छात्रों एवं विश्वविद्यालय कर्मचारियों की मांग पर कम्प्यूटर सेवाएं उपलब्ध करायी गयीं।
- 7.4 स्लिम लाइब्रेरी साफ्टवेयर द्वारा संचालित डेटाबेस की समय-समय पर वर्ड इन्डेक्सिंग, बैक अप आदि का कार्य किया गया एल्गोरिद्म, पुणे के सर्विस इंजीनियर की सर्विस विजिट के दौरान स्लिम लाइब्रेरी साफ्टवेयर का अपडेट इंस्टाल करा कर क्लाईंट इंस्टालेशन किया गया।
- 7.5 विश्वविद्यालय के विभिन्न अनुभागों के लिए आवश्यक हार्डवेयर, साफ्टवेयर का क्रय अनुशंसा एवं अनुरक्षण का कार्य सम्पादित किया गया।
- 7.6 विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित शैक्षणिक कार्यक्रमों में तकनीकी सेवाएं प्रदान की गयीं।
- 7.7 PFMS, URKUND, GLIS, PROBITY एवं SAP पोर्टलों के संचालन में सहयोग प्रदान किया एवं LIMBS पोर्टल पर आकड़े प्रबन्धन का कार्य किया।
- 7.8 अनुभाग में कार्यरत कर्मचारियों की सूची
  1. डॉ. जितेन्द्र कुमार सिंह, तकनीकी अधिकारी / कम्प्यूटर प्रोग्रामर ग्रेड-1 (अवकाश पर)
  2. श्री निरंकार पाण्डेय, कम्प्यूटर मरम्मत कार्यकर्ता, संविदा
  3. श्री ओजस शाण्डिल्य, संविदा
  4. श्री अन्वेष जैन, संविदा
  5. श्री नन्दलाल, विविध कार्य कर्मचारी

#### ग्रन्थालय कर्मियों के अन्य दायित्व

1. प्रलेखन अधिकारी श्री राजेश कुमार मिश्र ने विश्वविद्यालय के प्रभारी अधिकारी (नियुक्ति), नोडल अधिकारी, सुओ-मोटो डिस्कलोजर आर.टी.आई., नोडल अधिकारी- आनलाइन आर.टी.आई. पोर्टल, नोडल अधिकारी- एन.वी.एल.आई., संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार तथा नोडल अधिकारी-मीडिया सेल, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार का कार्य सम्पादित किया तथा साथ ही क्रय एवं अवाप्ति समिति-2, मीडिया समिति व विश्वविद्यालय की अन्य अस्थायी समितियों के सदस्य भी रहे।
2. सेमी प्रोफेसनल असिस्टेंट श्री रविकान्त पाल ने क्रय एवं अवाप्ति समिति के सदस्य-सचिव का कार्य, GeM पोर्टल पर खरीद, ई-निविदा, प्रबन्धन एवं ग्रन्थालय भण्डार के प्रभार का कार्य सम्पादित किया।
3. कार्यालय सहायक, संविदा, श्री सुधृति विश्वास ने जनसूचना अधिकार अनुभाग के अन्तर्गत कार्यालय सहायक का कार्य सम्पादित किया।

## 5 प्रशासन

संस्थान प्रशासन के मुख्यतः पाँच प्रमुख अंग हैं— सामान्य प्रशासन, कार्मिक प्रशासन, शैक्षणिक प्रशासन, वित्तीय प्रशासन एवं प्रकाशन विभाग। संस्थान की प्रमुख प्रशासनिक गतिविधियों को निम्नलिखित संगठन चार्ट के अनुसार संचालित किया जाता है—

कुलपति

कुलसचिव

| प्रशासन-1  | प्रशासन-2   | परीक्षा अनुभाग   | अनुरक्षण अनुभाग  | वित्त अनुभाग   | प्रकाशन विभाग   |
|--|---|--|--|--|---|
| <ul style="list-style-type: none"> <li>• शैक्षणिक संवर्ग के कर्मचारियों की पत्रावलियों का रख-रखाव</li> <li>• संगोष्ठी, सम्मेलन तथा कार्यशाला</li> <li>• क्रय एवं अवाप्ति इकाई का पर्यवेक्षण</li> <li>• विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से पत्राचार</li> <li>• शैक्षिक एवं शोध प्रस्तावों/योजनाओं का प्रबंधन संचालन</li> <li>• अन्य शैक्षणिक संस्थाओं/निकायों से पत्राचार</li> <li>• शैक्षणिक एवं शोध सम्बन्धी मामलों में सचिवालयीय सहायता</li> <li>• अन्य प्रशासनिक मामले</li> </ul> | <ul style="list-style-type: none"> <li>• सभी शिक्षणोत्तर कर्मचारियों की पत्रावलियों का रख-रखाव</li> <li>• कार्मिक नीति</li> <li>• अस्थाई श्रमिकों की व्यवस्था</li> <li>• सभी संवर्ग की अस्थाई एवं तदर्थ नियुक्तियाँ</li> <li>• सेवा शर्तें</li> <li>• वैधानिक मामले</li> <li>• संस्कृति मंत्रालय से पत्राचार</li> <li>• कर्मचारी कल्याण</li> <li>• सुरक्षा</li> <li>• परिवहन</li> <li>• मानक प्रपत्र एवं उनका मुद्रण</li> <li>• अन्य प्रशासनिक मामले</li> </ul> | <ul style="list-style-type: none"> <li>• परीक्षा संचालन हेतु प्रेलेखन</li> <li>• परीक्षकों एवं संशोधकों की नियुक्ति</li> <li>• सारणीकरण</li> <li>• प्रश्नपत्र</li> <li>• परिणाम</li> <li>• प्रमाण-पत्र एवं अंकपत्र जारी करना</li> <li>• परीक्षा से सम्बन्धित अन्य मामले</li> </ul> | <ul style="list-style-type: none"> <li>• परिसर का रख-रखाव एवं सफाई</li> <li>• विद्युत एवं जल व्यवस्था</li> <li>• अतिथि-गृह</li> <li>• विद्युत एवं सिविल रख-रखाव</li> <li>• बागवानी</li> <li>• केन्द्रीय भण्डारण एवं वस्तु-सूची</li> <li>• वार्षिक रख-रखाव संविदाएं</li> <li>• रख-रखाव सम्बन्धी अन्य मामले</li> </ul> | <ul style="list-style-type: none"> <li>• बजट</li> <li>• लेखा परीक्षा</li> <li>• वेतन एवं मजदूरी का भुगतान</li> <li>• बिलों का भुगतान एवं अन्य वित्तीय मामले</li> </ul> | <ul style="list-style-type: none"> <li>• भोट-बौद्ध दर्शन के शोधपरक पुनरुद्धार, अनुवाद, मौलिक, व्याख्यायित एवं सम्पादित ग्रन्थों का प्रकाशन</li> <li>• प्रूफ-रीडिंग का कार्य</li> <li>• प्रकाशित ग्रन्थों का विक्रय</li> </ul> |

## गैर शैक्षणिक कर्मचारी-

| क्र.सं. | नाम                      |   | पद                  |
|---------|--------------------------|---|---------------------|
| 1.      | प्रो. डवडू समतेन         | - | कुलपति              |
| 2.      | डॉ. रणशील कुमार उपाध्याय | - | कुलसचिव             |
| 3.      | श्री सुनील कुमार         | - | निजी सचिव, कुलपति   |
| 4.      | श्री एस. भट्टाचार्य      | - | अनुभाग अधिकारी      |
| 5.      | श्री एस. के. चौधरी       | - | -तदैव- (31.01.2019) |
| 6.      | श्री कैलाशनाथ शुक्ल      | - | -तदैव-              |
| 7.      | श्री जे.पी. विश्वकर्मा   | - | वरिष्ठ सहायक        |
| 8.      | श्री कुलसंग नमग्यल       | - | वरिष्ठ लिपिक        |
| 9.      | श्री एम. एल. सिंह        | - | -तदैव-              |
| 10.     | श्री आनन्द कुमार सिंह    | - | -तदैव-              |
| 11.     | श्री राजीव रंजन सिंह     | - | -तदैव-              |
| 12.     | श्री दीपंकर त्रिपाठी     | - | स्टेनो टाइपिस्ट     |
| 13.     | श्री विनय मौर्या         | - | कनिष्ठ लिपिक        |
| 14.     | श्री दोर्जे बुम          | - | -तदैव-              |
| 15.     | श्री प्रदीप कुमार        | - | -तदैव-              |
| 16.     | श्री फूलचन्द यादव        | - | इलेक्ट्रीशियन       |
| 17.     | श्री केशव प्रसाद         | - | बहु-उद्देशीय        |
| 18.     | श्री लक्ष्मन प्रसाद      | - | बहु-उद्देशीय        |
| 19.     | श्री लालमन शर्मा         | - | बहु-उद्देशीय        |
| 20.     | श्री गोपाल प्रसाद        | - | बहु-उद्देशीय        |
| 21.     | श्री राजेन्द्र ओझा       | - | बहु-उद्देशीय        |
| 22.     | श्री दयाराम यादव         | - | बहु-उद्देशीय        |
| 23.     | श्री रमेश कुमार मौर्य    | - | बहु-उद्देशीय        |
| 24.     | श्री प्रेमशंकर यादव      | - | बहु-उद्देशीय        |
| 25.     | श्री रामकिसुन            | - | बहु-उद्देशीय        |
| 26.     | श्री उमाशंकर मौर्य       | - | बहु-उद्देशीय        |
| 27.     | श्री निर्मल कुमार        | - | बहु-उद्देशीय        |
| 28.     | श्री सुमति बाल्मीकि      | - | बहु-उद्देशीय        |

|     |                            |   |                          |
|-----|----------------------------|---|--------------------------|
| 29. | श्री महेन्द्र प्रसाद यादव  | - | बहु-उद्देशीय             |
| 30. | श्री संजय मौर्य            | - | बहु-उद्देशीय             |
| 31. | श्री मुन्नालाल पटेल        | - | बहु-उद्देशीय             |
| 32. | श्री सुरेन्द्र कुमार वर्मा | - | बहु-उद्देशीय             |
| 33. | श्री भैयालाल               | - | बहु-उद्देशीय             |
| 34. | श्री श्याम नरायन           | - | बहु-उद्देशीय             |
| 35. | श्री हौसिला प्रसाद         | - | बहु-उद्देशीय             |
| 36. | श्री राजेन्द्र प्रसाद      | - | बहु-उद्देशीय             |
| 37. | श्री सुभाष चन्द्र गौतम     | - | बहु-उद्देशीय             |
| 38. | श्री प्रकाश                | - | बहु-उद्देशीय             |
| 39. | श्री विरेन्द्र कुमार गौड़  | - | बहु-उद्देशीय             |
| 40. | श्री श्यामजी पाल           | - | बहु-उद्देशीय             |
| 41. | श्री गणेश प्रसाद           | - | बहु-उद्देशीय             |
| 42. | श्री ओम प्रकाश             | - | बहु-उद्देशीय             |
| 43. | श्री नन्दलाल               | - | बहु-उद्देशीय (ग्रन्थालय) |
| 44. | श्रीमती मीना               | - | ग्रन्थालय अटेन्डेन्ट     |
| 45. | श्री सागर राम              | - | बहु-उद्देशीय             |
| 46. | मु. मुमताज                 | - | बहु-उद्देशीय             |
| 47. | श्री विजय कुमार पटेल       | - | बहु-उद्देशीय             |
| 48. | श्री फूलचन्द्र बाल्मीकि    | - | रसोइया                   |
| 49. | श्री मिश्रीलाल             | - | -तदैव-                   |
| 50. | श्री राजाराम               | - | प्लम्बर                  |
| 51. | श्री मुन्नालाल             | - | वाचमैन (बहु-उद्देशीय)    |
| 52. | श्री विजय कुमार            | - | माली (बहु-उद्देशीय)      |
| 53. | श्री मुन्नालाल             | - | -तदैव- (निधन 8.2.19)     |
| 54. | श्री हीरा                  | - | सफाईवाला                 |
| 55. | श्री इलियास                | - | -तदैव- (निधन 13.2.19)    |
| 56. | श्री असरफ                  | - | -तदैव-                   |
| 57. | श्री हबीब                  | - | -तदैव-                   |
| 58. | श्री प्रदीप कुमार          | - | -तदैव-                   |

|     |              |   |                           |
|-----|--------------|---|---------------------------|
| 59. | श्री इजराइल  | - | -तदैव-                    |
| 60. | श्री लालाराम | - | -तदैव-                    |
| 61. | श्री रामरतन  | - | -तदैव-                    |
| 62. | श्री रामकिशन | - | बहु-उद्देश्यीय (सफाईवाला) |
| 63. | श्री नन्दलाल | - | -तदैव-                    |

**गैर-शैक्षणिक कर्मचारी (तदर्थ एवं संविदा)**

| क्र.सं. | नाम                   |   | पद  |
|---------|-----------------------|---|---|
| 1.      | श्री एस.पी. त्रिपाठी  | - | विजिटिंग कम्प्यूटर टाइपिंग इन्स्ट्रक्टर                                 |
| 2.      | श्री वी.के. पाटिल     | - | लैब पैथालोजिकल (सोवा रिग्पा)  |
| 3.      | श्री तेनजिन नोर्बू    | - | आर. ए.  |
| 4.      | श्रीमती लोब्संग छोडेन | - | -तदैव-  |
| 5.      | श्री सरस सनोकर        | - | कन्सल्टेन्ट   |
| 6.      | श्री पल्देन छेरिंग    | - | कैजुअल/प्रोजेक्ट वर्कर (ग्रन्थालय)                                      |
| 7.      | श्री तेनजिन येशी      | - | -तदैव-  |
| 8.      | डॉ. पेन्पा छेरिंग     | - | विभाग के देखने के बाद उ.म./ बी.एस.एम.एस. की कक्षायें लेना (सोवा रिग्पा) |
| 9.      | श्री तेनजिन घेगे      | - | कैजुअल/प्रोजेक्ट वर्कर (ग्रन्थालय)                                      |
| 10.     | डॉ. दावा छेरिंग       | - | फार्मैसी कार्य और बी.एस.एम.एस. की कक्षायें लेना (सोवा रिग्पा)           |
| 11.     | डॉ. तेनजिन छोटुप      | - | सम्पादन प्रभारी   |
| 12.     | डॉ. छिमी डोलकर        | - | क्लीनिकल कार्य तथा गेस्ट फैकल्टी (सोवा रिग्पा)                          |
| 13.     | मिस पासंग डोलमा       | - | नर्स  |
| 14.     | श्री एस.एन. सिंह यादव | - | पी.ए. (सेवा-निवृत्त)  |
| 15.     | मिस. छेरिंग           | - | कैजुअल वर्कर  |
| 16.     | मिस दिकी डोलमा        | - | एस.पी.ए.  |
| 17.     | श्री तेनजिन लुनडक     | - | एस.पी.ए.  |
| 18.     | कल्संग वांगमो         | - | टी.ए. कुम पी.ए. (सोवा रिग्पा)   |
| 19.     | श्री येशी दोर्जे      | - | सहायक   |
| 20.     | डॉ. टाशी दावा         | - | बी.एस.एम.एस. की कक्षायें लेना तथा लगातार इमोरी प्रोजेक्ट देखना          |

|     |                        |   |                                  |
|-----|------------------------|---|----------------------------------|
| 21. | डॉ. कर्मा थरचिन गुरुंग | - | फार्मैसी सहायक                   |
| 22. | डॉ. छेरिंग छोकी        | - | सोरिंग थिरेपिस्ट                 |
| 23. | डॉ. नवांग छेरिंग       | - | फार्माकोपिया प्रोजेक्ट असिस्टेंट |
| 24. | श्री अनिवेश जैन        | - | कैजुअल वर्कर                     |
| 25. | मिस छेवांग डोलकर       | - | तिब्बती अनुभाग (लाइब्रेरी)       |
| 26. | श्री चोंगा छेरिंग      | - | तिब्बती अनुभाग (लाइब्रेरी)       |
| 27. | श्री मुन्नालाल         | - | परिचारक (सेवा-निवृत्त)           |
| 28. | श्री छेरिंग अक्लो      | - | वरिष्ठ लिपिक                     |
| 29. | श्री दोर्जे क्याब      | - | आर.ए.                            |
| 30. | श्री विजय कुमार यादव   | - | परिचारक (सेवा-निवृत्त)           |
| 31. | मिस तेनजिन ल्हाकी      | - | कैजुअल वर्कर                     |
| 32. | श्री इनायत अली         | - | सफाईवाला                         |
| 33. | श्री नन्दलाल           | - | गार्डन                           |
| 34. | श्री सुभाष             | - | गार्डनर, कालचक्र मैदान           |
| 35. | श्री काशीनाथ प्रजापति  | - | सोवा-रिग्पा (फार्मैसी)           |
| 36. | श्री लव कुमार          | - | सोवा-रिग्पा (फार्मैसी)           |
| 37. | श्री विनोद कुमार       | - | एम./डब्ल्यू. (पम्प वर्क)         |
| 38. | श्री वृजमोहन भारद्वाज  | - | सोवा-रिग्पा (फार्मैसी)           |
| 39. | श्री चन्द्रिका         | - | गार्डनर (रोस्टर बेसिस)           |
| 40. | श्री पारस              | - | -तदैव-                           |
| 41. | श्री दिनेश कुमार यादव  | - | एम./डब्ल्यू. (परिचारक)           |
| 42. | श्री महेश              | - | एम./डब्ल्यू. (गार्डन)            |
| 43. | श्री शिवशंकर यादव      | - | सोवा रिग्पा (फार्मैसी)           |
| 44. | श्री साहिद अहमद        | - | सफाईवाला                         |
| 45. | मो. असलम               | - | -तदैव-                           |
| 46. | श्री अशोक कुमार        | - | बढ़ई                             |
| 47. | कल्देन गुरुंग          | - | कैजुअल वर्कर                     |
| 48. | श्री तेनजिन छोमो       | - | -तदैव-                           |
| 49. | श्री डी.पी. तिवारी     | - | वरिष्ठ सहायक                     |
| 50. | श्री कश्मीर            | - | सफाईकर्मी                        |



|     |                             |   |                                     |
|-----|-----------------------------|---|-------------------------------------|
| 51. | श्री कुंवर रविशंकर          | - | कार्यालय सहायक                      |
| 52. | श्रीमती तेनजिन नोर्देन      | - | थिरेपी असिस्टेंट                    |
| 53. | मिस तेनजिन कल्देन           | - | कैशियर                              |
| 54. | श्रीमती पेमा संगमो          | - | ओपीडी डिस्पेन्सर                    |
| 55. | मिस पेमा डोलकर              | - | आर. ए.                              |
| 56. | श्री तेनजिन थाये            | - | प्रोजेक्ट कार्य हेतु सहायक          |
| 57. | श्री तेनजिन छोग्यल          | - | -तदैव-                              |
| 58. | डॉ. छेवांग संगमो            | - | आर एण्ड डी असिस्टेंट                |
| 59. | श्री नीमा छेरिंग            | - | आर. ए.                              |
| 60. | श्री श्रवण कुमार            | - | सफाईवाला                            |
| 61. | मिस मंजू                    | - | मल्टीपरपज                           |
| 62. | मिस रिमो                    | - | -तदैव-                              |
| 63. | श्री सोनम फुनछोक            | - | वाचमैन                              |
| 64. | श्री सेंगे वांगलुक          | - | मल्टीपरपज                           |
| 65. | श्री नीमा छोग्याल           | - | प्रोजेक्ट एसोसिएट                   |
| 66. | श्री तेनजिन दोनयो           | - | एस.पी.ए.                            |
| 67. | श्री सर्वजीत सिंह           | - | कनिष्ठ लिपिक                        |
| 68. | श्री गोपेश चन्द्र राय       | - | कनिष्ठ लिपिक                        |
| 69. | श्री निरंकार पाण्डेय        | - | कम्प्यूटर मेन्टिनेन्स               |
| 70. | श्री चन्द्रपाल              | - | ऑफिस अटेन्डेंट                      |
| 71. | श्री एन.के. सिंह            | - | असिस्टेंट रजिस्ट्रार (सेवा-निवृत्त) |
| 72. | श्री सुधृति विश्वास         | - | पी.आर.ओ. का कार्य                   |
| 73. | डॉ. विश्वप्रकाश त्रिपाठी    | - | शोध सहायक                           |
| 74. | मिस पेमा पयंग               | - | एस.पी.ए.                            |
| 75. | श्री तेनजिन टाशी            | - | कनिष्ठ शोध साइंटिस्ट                |
| 76. | डॉ. प्रेम प्रकाश श्रीवास्तव | - | डॉक्टर-कुम-गेस्ट फैकल्टी            |
| 77. | श्री याशीन                  | - | बहु-उद्देश्यीय                      |
| 78. | श्री मोहन यादव              | - | -तदैव-                              |
| 79. | श्री लालमन                  | - | -तदैव-                              |

केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम द्वारा पंजीकृत एक मान्य विश्वविद्यालय है, जो संस्कृति मन्त्रालय, भारत सरकार से प्राप्त सहायता अनुदान से संचालित है। सोसायटी, प्रबन्ध परिषद्, विद्वत् परिषद्, वित्त

समिति, ये चार संस्थान के महत्त्वपूर्ण अंग हैं। संस्थान के प्रधान कार्यपालक अधिकारी कुलपति हैं, जो कुलसचिव के सहयोग से कार्य सम्पादित करते हैं।

### संस्थान के महत्त्वपूर्ण निकाय

**सोसायटी-** सोसायटी, संस्थान का सर्वोपरि निकाय है। इसके पदेन अध्यक्ष, सचिव, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार होते हैं। इसके सदस्यों की संख्या परिशिष्ट-2 में दी गई है।

**प्रबन्ध परिषद्-** संस्थान के कुलपति, प्रबन्ध परिषद् के पदेन अध्यक्ष होते हैं। परिषद् के सदस्य, संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार, परम पावन दलाई लामा जी एवं संस्थान के कुलपति द्वारा मनोनीत होते हैं। सदस्यों की सूची परिशिष्ट-3 में दी गयी है।

**विद्वत् परिषद्-** संस्थान की विद्वत् परिषद् एक महत्त्वपूर्ण निकाय है, जो शैक्षणिक मामलों में दिशा-निर्देश करती है। संस्थान के कुलपति, इसके भी पदेन अध्यक्ष होते हैं। सदस्यों की सूची परिशिष्ट-4 में दी गई है।

**वित्त समिति-** यह समिति संस्थान के वित्तीय मामलों एवं अनुमानित बजट की संवीक्षा करने के साथ-साथ संस्थान के लिए अनुदान की भी संस्तुति करती है। संस्थान के कुलपति, इसके अध्यक्ष होते हैं। अन्य सदस्य, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा नामित होते हैं। सदस्यों की सूची परिशिष्ट-5 में प्रस्तुत की गयी है।

**योजना एवं प्रबोधक परिषद्-** यह परिषद् संस्थान की योजनाओं की रूपरेखा तथा उसकी निगरानी (मॉनिटरिंग) करती है। सदस्यों की सूची परिशिष्ट-6 में दी गई है।

### संस्थान को प्राप्त अनुदान

संस्थान का प्रशासन अनुभाग मुख्यतः सामान्य प्रशासन, कार्मिक प्रशासन, शैक्षणिक प्रशासन एवं वित्तीय प्रशासन तथा सहायक सेवाओं का संचालन, रख-रखाव एवं नियंत्रण करता है। संस्थान को वर्ष 2019-2020 में संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निम्नलिखित अनुदान प्राप्त हुए-

| क्र.सं. | विवरण                                 | प्राप्त अनुदान | व्यय          | शेष             |
|---------|---------------------------------------|----------------|---------------|-----------------|
| 1.      | सामान्य मद-31                         | ₹ 560.00 लाख   | ₹ 560.00 लाख  | ₹ 0.00 लाख      |
| 2.      | सामान्य मद-96-31                      | ₹ 1.00 लाख     | ₹ 1.00 लाख    | ₹ 0.00 लाख      |
| 3.      | पूँजी-सम्पत्ति क्रय मद-35             | ₹ 300.00 लाख   | ₹ 300.00 लाख  | ₹ (-) 74.00 लाख |
| 4.      | सोवा-रिग्पा भवन                       | ₹ 300.07 लाख   | ₹ 296.42 लाख  | ₹ 3.65 लाख      |
| 5.      | वेतन मद-36                            | ₹ 2992.98 लाख  | ₹ 2833.76 लाख | ₹ 159.22 लाख    |
| 6.      | राजभाषा हेतु<br>(वर्ष 2014-15 का शेष) |                |               | ₹ 0.04 लाख      |

### प्रकाशन अनुभाग

प्रकाशन अनुभाग संस्थान के उद्देश्यों के अनुसार भोट-बौद्ध दर्शन के शोधपरक ग्रन्थों का प्रकाशन एवं विक्रय करता है। अनुभाग बौद्ध धर्म एवं दर्शन से सम्बद्ध शोध-विषयक, पुनरुद्धार, अनुवाद, मौलिक, व्याख्यायित एवं सम्पादित ग्रन्थों का प्रकाशन करता है।

संस्थान द्वारा स्थापित व संचालित विभिन्न शोध विभागों द्वारा पुनरुद्धृत, अनुवादित, सम्पादित एवं संशोधित आदि शोधपरक सामग्रियाँ एवं शोध योजनाएं ही प्रकाशन-सामग्री के मुख्य स्रोत हैं। बाहरी विद्वानों द्वारा भोट-बौद्ध दर्शन पर विरचित एवं सम्पादित स्तरीय शोध ग्रन्थों को भी प्रकाशित किया जाता है। तदनुसार प्रकाशित ग्रन्थों पर बाहरी विद्वानों को निर्धारित दर पर मानदेय भी प्रदान किया जाता है। अब तक प्रकाशित ग्रन्थों में मुख्य रूप से भोट-बौद्ध दर्शन के उच्चस्तरीय, बहुभाषी, शोधपरक महत्त्वपूर्ण ग्रन्थ रहे हैं।

सम्प्रति निम्नलिखित नौ ग्रन्थमालाओं के अन्तर्गत संस्थान के ग्रन्थ प्रकाशित हो रहे हैं। इनके अतिरिक्त सन् 1986 से प्रारम्भ दुर्लभ बौद्ध ग्रन्थ शोध पत्रिका 'धीः' के अब तक 59 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। शोध-पत्रिका धीः विगत 33-34 वर्षों से लगातार प्रकाशित होती रही है। कोश सीरीज के अन्तर्गत भोट संस्कृत कोश के अब तक सम्पूर्ण 16 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसके अलावा कोश सीरीज द्वितीय एवं तृतीय के अन्तर्गत भी दो कोश ग्रन्थों का प्रकाशन किया गया है। वर्ष 2012 में 'नेयार्थ-नीतार्थ सीरीज' नामक एक नई श्रृंखला शुरू कर अब तक 8 ग्रन्थमाला में प्रकाशित हो चुके हैं।

#### अनुभाग के कार्यरत सदस्य एवं पदनाम :

- |                         |   |                               |
|-------------------------|---|-------------------------------|
| 1. प्रो. पेमा तेनजिन    | - | प्रभारी (कार्यवाहक)           |
| 2. श्री पेमा छोदेन      | - | सहायक सम्पादक                 |
| 3. श्रीमती छिमे छोमो    | - | प्रकाशन सहायक                 |
| 4. श्री शिव प्रकाश सिंह | - | प्रकाशन सहायक                 |
| 5. डॉ. ललित कुमार नेगी  | - | प्रकाशन सहायक                 |
| 6. रिक्त (2 पद)         | - | (1 संपादक और 1 प्रकाशन सहायक) |

#### ग्रन्थमालाएँ-

ग्रन्थमालाओं के शीर्षक निम्नलिखित हैं-

- (1) **भोट-भारतीय ग्रन्थमाला-** नागार्जुन, असंग आदि प्राचीन भारतीय विद्वानों के ग्रंथों का संकलन का प्रकाशन इस ग्रंथमाला के तहत प्रकाशित हुए।
- (2) **दलाई लामा भोट-भारती ग्रन्थमाला-** चार तिब्बती बौद्ध प्रथाओं के प्राचीन विख्यात तिब्बती विद्वानों के ग्रंथों का प्रकाशन इस ग्रंथमाला के तहत हुआ।
- (3) **सम्यक्-वाक् ग्रन्थमाला-** कई संगोष्ठियों को शोधपत्र का संकलन का प्रकाशन इस ग्रंथमाला के माध्यम से हुआ।
- (4) **सम्यक्-वाक् विशेष ग्रन्थमाला-** स्व. प्रो. ए. के. शरण के महत्त्वपूर्ण कार्यों का संकलन का प्रकाशन इस ग्रंथमाला के माध्यम से सम्पन्न हुआ।
- (5) **व्याख्यान ग्रन्थमाला-** विभिन्न प्रख्यात विद्वानों के आमंत्रित वक्तव्य, व्याख्यान और विचारों का संकलन इस ग्रंथमाला में प्रकाशित हुए।
- (6) **दुर्लभ बौद्ध ग्रन्थमाला-** दुर्लभ बौद्ध ग्रंथ एवं शोध इस संस्थान का एक विभाग है। इस विभाग के अन्तर्गत सदस्यों के दुर्लभ बौद्ध ग्रंथ तथा तांत्रिक ग्रंथों पर कार्य का एक संकलन इस ग्रंथमाला के तहत प्रकाशित हुआ।
- (7) **अवलोकितेश्वर ग्रन्थमाला-** परम पावन दलाई लामा जी के कई प्रवचनों का तिब्बती और अंग्रेजी भाषाओं से हिन्दी भाषा के अनुवाद किये गये और संकलित रूप में इस ग्रंथमाला में प्रकाशित भी किये गये।
- (8) **विविध-ग्रन्थमाला-** इस ग्रंथमाला के तहत विषय के विशेषज्ञों द्वारा अनुमोदित विश्वविद्यालय की प्रकाशन समिति द्वारा संकलित रूप में इस ग्रंथमाला के तहत प्रकाशित किये गये।

- (9) 'धीः' दुर्लभ बौद्ध ग्रन्थ शोध-पत्रिका- 'धीः' दुर्लभ बौद्ध ग्रंथ एवं शोध विभाग का एक शोध-पत्रिका है। इस अनुभाग के सदस्यों का यह एक सम्मिलित प्रयास है। इसकी शुरुआत सन् 1986 में हुई और इसके कई सारे अंकों के प्रकाशन हो चुके हैं।
- (10) कोश ग्रन्थमाला- पहली खण्ड में भोट-संस्कृत कोश के 16 अंकों का प्रकाशन सम्पन्न हुआ और दूसरे खंड में धर्मसंग्रह-कोश तथा तीसरे खंड भोटसंस्कृत-ग्रन्थसन्दर्भनिदर्शिका इस ग्रंथमाला के तहत प्रकाशित हुई।
- (11) भोट-मंगोलिया ग्रन्थमाला- एनड्रीव बाज़ारब द्वारा संकलित की गई कई तिब्बती पाण्डुलिपि और काष्ठ चित्रों की एक सूची इस ग्रंथमाला के तहत प्रकाशित हुई।
- (12) नेयार्थ-नीतार्थ ग्रन्थमाला- यह ग्रंथमाला सन् 2012 से प्रकाशित हो रहा है। चोंखापा के 'नेयार्थ-नीतार्थ सुभाषितसार' पर यह एक सम्पादन का शोध कार्य है। इसके अन्तर्गत कई तिब्बती विद्वानों के संबंधित ग्रंथ एवं टिप्पणी भी सम्पादित व प्रकाशित होंगे।

उपर्युक्त बारह ग्रन्थमालाओं में संस्थान के प्रकाशन मौलिक, व्याख्यायुक्त, शोधपूर्ण बौद्धग्रन्थ, संस्कृत-पुनरुद्धार, अनुवाद, सम्पादन, हिन्दी, भोट, संस्कृत एवं आंग्ल भाषाओं में प्रकाशित हैं। पालि, अपभ्रंश एवं चीनी भाषा में कुछ ग्रन्थ मूल व अनुवाद रूप में प्रकाशित हैं। अधिकतर ग्रन्थों की भाषा मिश्रित (दो या दो से अधिक भाषाएं) हैं।

मार्च 2020 तक लगभग 237 शीर्षक प्रकाशित हो चुके हैं। इसके अतिरिक्त 'धीः' दुर्लभ बौद्ध ग्रन्थ शोध पत्रिका के 59 अंक तथा भोट-संस्कृत कोश के 16 अंक भी प्रकाशित हैं। कोश सीरीज-2 के अन्तर्गत 'धर्मसंग्रहकोश' तथा कोश सीरीज-3 के अन्तर्गत 'कोनकोर्डेन्स ऑफ टिबेटन एण्ड संस्कृत टेक्स्ट' नामक ग्रन्थ प्रकाशित हुए हैं।

अनेक ग्रन्थ जो आउट ऑफ प्रिन्ट हो चुके हैं, इनमें कुछ का पुनर्मुद्रण हुआ है तथा कुछ का संशोधित-परिवर्द्धित संस्करण भी प्रकाशित हो चुका है।

### वर्तमान सत्र में प्रकाशित ग्रन्थ

इस आलोच्य वर्ष में निम्नलिखित नए ग्रन्थ प्रकाशित किए गए-

1. धीः' दुर्लभ बौद्ध ग्रंथ शोध पत्रिका, अंक 59
2. नेयार्थ-नीतार्थ सीरीज-7 (भोट भाषा), सम्पादक- प्रो. गेशे येशे थबखे
3. नेयार्थ-नीतार्थ सीरीज-8 (भोट भाषा), सम्पादक- प्रो. गेशे येशे थबखे
4. पोताला आनन्द के गीतों पर संक्षिप्त विश्लेषण (भोट भाषा), सम्पादक- गेशे बिरी जिग्मेद वङ्ग्यल

### विक्रय से प्राप्त धनराशि

इस वित्तीय वर्ष 2019-2020 में प्रकाशित ग्रन्थों के विक्रय से इस अनुभाग ने कुल ₹ 5,56,746 00 (पाँच लाख छप्पन हजार सात सौ छियालीस) की धनराशि अर्जित की।

### प्रकाशित ग्रन्थों का विनिमय

संस्थान के प्रकाशनों का देश-विदेश के प्रकाशनों से विनिमय-वितरण किया जाता है। 'प्रकाशन-विनिमय-योजना' के अन्तर्गत राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के उपयोगी प्रकाशन हमें प्राप्त होते हैं, जो संस्थान के ग्रन्थालय में संगृहीत कर रखे जाते हैं तथा यहाँ के अध्ययन-अध्यापन में काफी उपयोगी होते हैं। सम्प्रति निम्नलिखित विश्वविद्यालयों से हमारे प्रकाशनों का आदान-प्रदान हो रहा है-

1. डेर यूनिवर्सिटी, वियना, ऑस्ट्रिया
2. अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध अध्ययन संस्थान, टोकियो, जापान
3. इण्डिका एट टिबेटिका, वेरलाग, जर्मनी

4. हैम्बर्ग यूनिवर्सिटी, हैम्बर्ग, जर्मनी
5. ड्रेपुंग लोसेलिंग लाइब्रेरी सोसायटी, मुण्डगोड, कर्नाटक
6. गादेन शार्ल्स ड्राइंग, मुण्डगोड, कर्नाटक
7. अडयार लाइब्रेरी एण्ड रिसर्च सेण्टर, अडयार, चेन्नई
8. टिबेट हाउस, नई दिल्ली
9. आई. जी. एन. ए. सी., नई दिल्ली
10. केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, चोगलमसर, लेह लद्दाख (यह प्रकाशन-विनिमय-योजना 2012 से प्रारम्भ की गयी। दोनो संस्थानों में प्रकाशित ग्रन्थों का विनिमय निरन्तर किया जायेगा।)
11. सोडचेन ग्रन्थालय, केन्द्रीय अध्ययन बौद्ध और हिमालयन, ड्रिंकुंग कर्गुद संस्थान, कुलहान, देहरादून, उत्तराखण्ड (यह प्रकाशन-विनिमय-योजना 2014 से प्रारम्भ की गयी। दोनो संस्थानों में प्रकाशित ग्रन्थों का विनिमय निरन्तर किया जायेगा।)
12. सेरा जे लाइब्रेरी एंड कम्प्यूटर प्रोजेक्ट, सेरा मोनैस्टिक यूनिवर्सिटी, बैलाकूपी, जिला-मैसूर, कर्नाटक राज्य, दक्षिण भारत (यह प्रकाशन-विनिमय-योजना 2017 से प्रारम्भ की गयी। दोनों संस्थानों में प्रकाशित ग्रन्थों का विनिमय निरन्तर किया जायेगा।)

सामान्य प्रकाशनों के विनिमय के अतिरिक्त राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की शोध-पत्रिकाओं से भी हमारी शोध-पत्रिका 'धीः' का आदान-प्रदान वर्ष भर किया जाता है। इस वर्ष विनिमय योजना के अन्तर्गत प्राप्त हुई-

1. ईस्ट एंड वेस्ट (रोम, इटली)
2. हावर्ड जर्नल ऑव एशियाटिक स्टडीज (कैम्ब्रिज, यू.एस.ए.)
3. धर्मावर्ल्ड (टोक्यो, जापान)
4. ड्रेलोमा (मुण्डगोड)
5. बुलेटिन ऑव डेकन कालेज (पुणे)
6. इण्डियन फिलॉसफिकल क्वार्टली (पूना विश्वविद्यालय, पूना)
7. जर्नल ऑव ओरिन्टल इंस्टीट्यूट, (ओरिएण्टल इंस्टीट्यूट, बड़ौदा)
8. प्राची ज्योति (कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र)
9. बुलेटिन ऑव टिबेटोलॉजी (सिक्किम शोध संस्थान, गंगटोक)
10. अन्वीक्षा (जाधवपुर विश्वविद्यालय, कलकत्ता)
11. शोधप्रभा (श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली)
12. एनल्स ऑफ दी भण्डारकर ओरिन्टल रिसर्च इंस्टीट्यूट (पुणे)
13. बुलेटिन डी इट्यूडे इंडीन्नीस (पेरिस, फ्रान्स)

### प्रकाशन समिति

संस्थान के प्रकाशनों के मुद्रण व प्रकाशन पर विचार-विमर्श व निर्णय करने हेतु एक उच्चस्तरीय प्रकाशन समिति का गठन किया जाता है, जिसमें प्रकाशन कार्य से सम्बद्ध कुछ बाहरी विशेषज्ञ सदस्यों सहित संस्थान के विशिष्ट विद्वानों, अधिकारियों व विभागाध्यक्षों को भी शामिल किया जाता है। सम्प्रति इसमें कुल दस सदस्य हैं। संस्थान के कुलपति इस समिति के पदेन अध्यक्ष हैं।

### अतिरिक्त कार्य

हमेशा की तरह प्रकाशन अनुभाग अपने नियमित प्रकाशन कार्यों के अतिरिक्त वार्षिक रिपोर्ट तथा संस्थान के विभिन्न विभागों के कई अन्य विविध मुद्रण आदि से सम्बन्धित कार्यों में सहयोग करता है।

### विशेष क्रियाकलाप

1. प्रकाशन प्रभारी माननीय कुलपति के साथ प्रकाशन अनुभाग को लेकर सदैव सम्पर्क में बने रहते हैं और कई समितियों के माननीय सदस्य भी हैं। इसके अतिरिक्त संस्थान एवं अन्यत्र आयोजित कार्यशाला, संगोष्ठी एवं अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार में भाग लेते हैं।
2. श्री पेमा छोदेन (सहायक सम्पादक) के द्वारा अपने नियमित कार्य के अतिरिक्त संस्थान के सक्षम अधिकारियों के आदेशानुसार समय समय पर संस्थान के विभिन्न अन्य महत्वपूर्ण कार्यों को भी सम्पन्न किया जाता है।

## 6. गतिविधियाँ

### संस्थान की शैक्षणिक गतिविधियाँ

शैक्षिक वर्ष 2019-20 में संस्थान द्वारा निम्नलिखित शैक्षणिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया:-

#### I. कार्यशाला, कान्फ्रेंस एवं अन्य आयोजन

##### 1. 15 अप्रैल, 2019 - जलियाँवाला नरसंहार पर एक दिवसीय कार्यशाला

जलियाँवाला नरसंहार के शताब्दी वर्ष पर जलियाँवाला नरसंहार पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। संस्थान द्वारा जलियाँवाला नरसंहार, कारणों, संभावनाओं तथा भविष्य के निहितार्थ पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन करके सभी भारतीय शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।



इस कार्यशाला की अध्यक्षता संस्थान के माननीय कुलपति प्रो. एन. समतेन ने की, जिन्होंने शहीदों को याद किया। उन्होंने कर्ण और अहिंसा के महत्त्व पर भी जोर दिया। मुख्य अतिथि के रूप में अनिल कुमार बुबे, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय ने ऐतिहासिक प्रक्षेपक का जिक्र किया और तत्कालीन राजनैतिक नेताओं के महान् बलिदान को याद किया। राकेश पाण्डे, सम्मानित अतिथि, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय ने नरसंहार के कारणों को बताया और इस दुःखद घटना के भविष्य में प्रभाव की ओर इंगित किया। प्रो. उमेशचन्द्र सिंह ने इस कार्यक्रम का संचालन किया और प्रो. देवराज सिंह ने धन्यवाद दिया। आयोजन के दौरान कुलसचिव और वरिष्ठ अध्यापक भी मौजूद।

##### 2. 29-30 अप्रैल, 2019 - दो दिवसीय सोवा-रिग्या अनुसंधान संगोष्ठी

अपनी स्थापना के सफल और गौरवशाली 25 वर्षों के लिए, सोवा-रिग्या, के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ, वाराणसी ने दो दिवसीय सोवा-रिग्या अनुसंधान संगोष्ठी का आयोजन किया। इसमें श्रीमती अनीतादास, पूर्व सचिव, आयुष् मन्त्रालय अतिथि के रूप में तथा NAAC के अध्यक्ष प्रो. वीरन्द्र चौहान मुख्य अतिथि के रूप में उद्घाटन समारोह में उपस्थित रहे।



माननीय कुलपति प्रो. गेशे ऋचहू समतेन ने मेहमानों को पारम्परिक खतक प्रदान कर तथा स्वर्ण जयन्ती समारोह के स्मृति चिह्न और स्मारिका के रूप में राजसी पारम्परिक चित्रों को भेंट किया। डॉ. टशी दावा संयोजक और विभागाध्यक्ष सोवा-रिग्पा द्वारा सभी गणमान्य व्यक्तियों, अतिथियों, प्रतिभागियों, संकाय-सदस्यों और छात्रों का स्वागत किया गया। गोष्ठी के विषय पर मुख्य भाषण प्रो. लोम्संग तेनजिन, संकायाध्यक्ष, सोवा-रिग्पा द्वारा दिया गया।



प्रसिद्ध आणविक फार्माकोलॉजिस्ट डॉ. जिम नेटल द्वारा एक संक्षिप्त टेलीकांफ्रेंसिंग की गयी। एमेरी विश्वविद्यालय, अटलांटा। टेलीकांफ्रेंसिंग के बाद गेस्ट ऑफ ऑनर, श्रीमती अनीतादास पूर्व सचिव, आयुष मन्त्रालय का संबोधन हुआ। उद्घाटन भाषण गेस्ट ऑफ ऑनर प्रो. वरिन्द्र चौहान, अध्यक्ष NAAC द्वारा दिया गया। जिसके बाद राष्ट्रपति के संबोधन को प्रो. गेशे ऋचहू समतेन द्वारा दिया गया। डॉ. आर. के. उपाध्याय रजिस्ट्रार ने बोट ऑफ थैंक्स दिया। दो दिवसीय कार्यशाला में विचारोत्तेजक सत्र प्रसाद किया, जिसमें विभिन्न विद्वानों और गणमान्य लोगों ने अपने विचार प्रस्तुत किये। आयोजन के अन्त में सभी पत्र-प्रस्तोता और अतिथियों को सोवा-रिग्पा के विभाग द्वारा सम्मानित किया गया।





**3. 21 जून, 2019 - अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह**

संस्थान के सदस्यों के स्वास्थ्य के महत्त्व को समझते हुए तथा इस विरासत को आगे बढ़ाते हुए, के.उ.ति.शि.सं. ने 18-30 जून, 2019 तक दो सप्ताह का योग शिविर मनाया। संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और छात्रों सहित पचास से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। योग विशेषज्ञों द्वारा पुनः आयोजित पाँचवें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस में संस्थान के रजिस्ट्रार और कई वरिष्ठ संकाय सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।



**4. 6 जुलाई, 2019 - 'समग्र शिक्षा' पर एक दिवसीय संगोष्ठी**

जीवित किंवदन्ती और महानगरीय आत्मा से प्रेरणा लेते हुए के.उ.ति.शि.सं. ने परम्पराबन दलाईलामा के 84वें जन्मदिन का उत्सव परिसर में धूमधाम से मनाया। वृक्षारोपण समारोह के साथ सुबह से ही उत्सव की शुरुआत हुई। माननीय कुलपति जी तथा परिसर के अन्य वरिष्ठ संकाय सदस्यों द्वारा 'होलिस्टिक एजुकेशन' विषय पर अतिशा हॉल में संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ के कुलपति प्रो. त्रिलोकीनाथ सिंह शामिल हुए।



सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजाराम शुक्ल तथा म.गां.का.वि. के पूर्व कुलपति के.पी. पाण्डेय ने सभी को सम्बोधित किया। उन्होंने उच्च शिक्षा पर अपने विचार रखे तथा पूरी दुनिया में परम पावन के शैक्षिक दर्शन के योगदान को हमारे साथ साझा किया। माननीय कुलपति प्रो. गेशे ऊबडू समतेन ने परमपावन के शिक्षा शास्त्रीय विचारों की प्रतिभागिता पर विस्तार से बातचीत की, जो बौद्धिक, नैतिक और आध्यात्मिक मूल्यों को एकीकृत करता है।

#### 5. 2-11 अगस्त, 2019 : ब्राह्मी लिपि और बौद्ध पांडुलिपि पर कार्यशाला

2-11 अगस्त, 2019 - संस्कृत विभाग, के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ, वाराणसी द्वारा ब्राह्मी लिपि और बौद्ध पांडुलिपि विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम का उद्घाटन प्रो. बनारसी लाल, मुख्य संपादक, आर.बी.टी.आर. विभाग, के.उ.ति.शि.सं. के पवित्र करकमलों द्वारा किया गया। उन्होंने इस कार्यक्रम में मुख्य वक्तव्य भी दिया। प्रो. धर्मदत्त चतुर्वेदी, विभागाध्यक्ष, संस्कृत विभाग ने स्वागत संबोधन किया तथा लिपि शब्द की व्युत्पत्ति व उसके प्रयोग पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम में 42 प्रतिभागियों ने भाग लिया और प्राचीन लिपि तथा अशोक काल के शिलालेखों के बारे में जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम की अध्यक्षता हमारे महान कुलपति मान्यवर पद्मश्री प्रो. गेशे ऊबडू समतेन ने की। इस कार्यशाला से सभी प्रतिभागियों का विशेष ज्ञानार्जन हुआ। इसके सम्पादन में प्रो. समतेन जी के निर्देशानुसार प्रो. धर्मदत्त चतुर्वेदी ने वक्तव्य दिया। अध्यक्ष महोदय ने प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्रदान किये।



6. 3-4 सितंबर, 2019 : “अली आइन्टेन्टिफिकेशन एण्ड बेसिक इन्टरवेंशन फॉर स्पेशल एजुकेशनल नीड्स इन द रेगुलर स्कूल” पर दो दिवसीय कार्यशाला

शिक्षक शिक्षण केंद्र द्वारा “अली आइन्टेन्टिफिकेशन एण्ड बेसिक इन्टरवेंशन फॉर स्पेशल एजुकेशनल नीड्स इन द रेगुलर स्कूल” पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का आयोजन श्री विष्णु शरण, डॉ. जम्मा थुपतेन (शिक्षक शिक्षण केंद्र) द्वारा किया गया था और विषय-विशेषज्ञ डॉ. रविकेश त्रिपाठी, आर.सी.आई. प्रोग्राम इंस्टीट्यूट ऑफ बिहेवियरल साइंस गुजरात फॉरसिक साइंसेज यूनिवर्सिटी, गांधीनगर और डॉ. विक्रम सिंह रावत, एसोसिएट प्रोफेसर, मनोरोग विभाग AIIMS- ऋषिकेश थे। बिन्टोने नियमित स्कूल के पाठ्यक्रम और पाठ्यक्रम में विशेष शिक्षा आवश्यकताओं पर जोर दिया। प्रो. देवराव सिंह ने उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता की और निदेशक, शिक्षक शिक्षण केंद्र कार्यक्रम के दौरान उपस्थित थे।



7. 20 सितम्बर, 2019 - लेखन की आन्तरिक गूढ़ प्रक्रिया पर एक दिवसीय रचनात्मक लेखन कार्यशाला

प्राच्य एवं आधुनिक भाषा विभाग ने एक दिवसीय रचनात्मक लेखन कार्यशाला का आयोजन किया। प्रसिद्ध तिब्बती लेखक तेनात्सुर्के ने केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान के सभी विद्यार्थियों के लिए ‘लेखन की आन्तरिक गूढ़ प्रक्रिया’ पर विचार व्यक्त किये।



इस अवसर पर विभागाध्यक्ष प्रो. धर्मदत्त चतुर्वेदी ने बहुत ही दिलचस्प तरीके से संस्थान की ओर से वक्ता का सम्मान किया। तेनचिन स्यूंछे ने रचनात्मक लेखन प्रक्रिया के लिए विशेष रूप से विकसित की गई गतिविधियों में सभी छात्रों को शामिल किया, जिसमें उन्होंने लेखन की आन्तरिक गूढ़ पद्धति पर जोर दिया। छात्रों ने इस कार्यशाला से साहित्य की विभिन्न शैलियों के विधान के बारे में भी जाना और लेखन के बारे में बहुत से प्रश्न पूछकर अपनी रुचि दिखाई। कार्यशाला का संचालन डॉ. महेश शर्मा और डॉ. बसमीत गिल ने किया।

8. 23-24 सितंबर 2019 : 'मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्सेस (MOOCs)' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला डॉ. बसप्रकाश सिंह और डॉ. जम्पा धुपतेन, सी.टी.ई., के.उ.वि.शि.सं. द्वारा शिक्षक शिक्षकों और विश्वविद्यालय शिक्षकों के लिए 'मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्सेस (MOOCs)' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। विषय-विशेषज्ञ डॉ. पंकव तिवारी, निदेशक, ई.एम.आर.सी., डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, म.प्र., प्रो. बी.के. पुनिया, हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार, पूर्व वी.सी., एम.डी. विश्वविद्यालय, रोहतक और प्रो वंदना पुनिया, एच.आर.डी.सी., बी.जे. यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, हिसार ने सभी संकाय सदस्यों को ओ.ई.आर. और ऑनलाइन शिक्षण उपकरणों के अनुप्रयोग के बारे में व्यापक अनुभव साझा किया और प्रशिक्षण दिया। प्रतिभागियों को संस्थान के कुलसचिव द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।



9. 26 सितंबर - 5 अक्टूबर, 2019 : "तर्कशास्त्र के माध्यम से विज्ञान विषय का शिक्षण" पर राष्ट्रीय कार्यशाला शिक्षक शिक्षण केन्द्र, के.उ.ति.शि.सं. के द्वारा "तर्कशास्त्र के माध्यम से विज्ञान विषय का शिक्षण" विषय पर विज्ञान विद्यालय के शिक्षकों के लिए 10 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर लोबसंग म्यलछेन, विभागाध्यक्ष, गेलुक सम्प्रदाय, प्रो लोबसंग चुलट्रिम और डॉ. लोबसंग ग्यात्सो, शिक्षक शिक्षण केन्द्र, के.उ. ति.शि.सं., सारनाथ द्वारा विषय-विशेषज्ञ के रूप में तर्कशास्त्र के माध्यम से विज्ञान पढ़ाने के लिए शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया। कार्यशाला का आयोजन लोबसंग ग्यात्सो (शि.शि. के) द्वारा किया गया था।



इसी के साथ प्रो. जम्पा समतेन, इतिहास विभाग, के.उ.ति.शि.सं. के मार्गदर्शन में प्रतिभागियों ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अधीन धम्मेश्व स्तूप, सारनाथ संग्रहालय एवं रामनगर किला संग्रहालय का भ्रमण किया।

10. 2 अक्टूबर, 2019 - 'प्लास्टिक मुक्त भारत एवं जल संरक्षण पर नुक्कड़ नाटक'

महात्मा गाँधी की 150वीं जन्म जयंती पर, के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ के छात्रों ने संस्थान के मुख्य द्वार पर प्लास्टिक मुक्त भारत और जल संरक्षण विषय पर आधारित एक संदेशात्मक नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया।

संस्थान ने नाटक के दौरान 'स्वच्छता पखवाड़ा' के विषय को भी बढ़ावा दिया। नाटक का लेखन शब्दविद्या संकाय के अध्यक्ष प्रो. धर्मदत्त चतुर्वेदी ने किया तथा निर्देशन का दायित्व भी निभाया। नाटक ने स्थानीय दर्शकों को आकर्षित किया, जो नाटक के पूरा होने तक गेट के पास विशाल संख्या में बसे रहे और नाटक की प्रशंसा की। छात्रों का मनोबल बढ़ाने के लिए विभिन्न वरिष्ठ संकाय सदस्य भी मौजूद थे। रजिस्ट्रार ने सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र वितरित किये।





**11. 16 अक्टूबर, 2019 - गाँधी संकल्प यात्रा पर नुक्कड़ नाटक**

गाँधी संकल्प यात्रा पर के.उ.ति.शि.सं. के छात्रों ने नुक्कड़ नाटक का मंचन किया, जिसका शीर्षक है- "प्लास्टिक मुक्त भारत और जल संरक्षण का महत्त्व" जिसका नाट्यांकन शाम 4 बजे आशापुर चौराहे पर हुआ। विशिष्ट अतिथि के रूप में माननीय कुलपति प्रो. गेशे डबल्यू समतेन उपस्थित थे, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में पद्मश्री डॉ. रजनीकांत बी ने भाग लिया। शहर उत्तरी वाराणसी व पंजीयन मन्त्री के विधायक सहित श्री रवीन्द्र नाथसवाल सहित विभिन्न गणमान्य अनेक व्यक्ति उपस्थित थे। यह नाटक प्रो. धर्मदत्त चतुर्वेदी द्वारा लिखा गया तथा निर्देशित किया गया। उन्होंने नाटक के माध्यम से दर्शकों के बीच सार्थक सन्देश प्रेषित किया, जिसकी लोगों द्वारा सराहना की गई।



**12. 3-5 नवंबर 2019 : गेलुक परंपरा का इतिहास और इसके संस्थान पर राष्ट्रीय संगोष्ठी**

बीहड़ धर्म में महान गेलुक परंपरा के सदियों पुराने मूल्यों की खोज करते हुए, गेलुक संप्रदाय विभाग, के.उ.ति.शि.सं. के द्वारा आयोजित "गेलुक परंपरा का इतिहास और इसके संस्थान" विषय पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय कुलपति द्वारा की गई, जिन्होंने महान गेलुक परंपरा के

प्रक्षेपण (trajectory) की खोज की। विभिन्न संकायों के बरिष्ठ सदस्यों के साथ, डॉ. पेन्पा दोर्जे और डॉ. गेशे लोबसंग दोर्जे ने सत्र की अध्यक्षता की। भिक्षु नवांग म्यलछेन नेगी ने इस कार्यक्रम का संचालन किया।



**13. 26-30 नवंबर, 2019 : “शैक्षणिक अभ्यास और शिक्षकों के व्यावसायिक विकास” पर पञ्च दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला**

शिक्षक शिक्षण केंद्र, केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान द्वारा माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों, प्रधानाचार्यों, शिक्षक-शिक्षकों और विश्वविद्यालय के शिक्षकों के लिए “शैक्षणिक अभ्यास और शिक्षकों के व्यावसायिक विकास” (PPPDT) पर पाँच दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का आयोजन डॉ. जय प्रकाश सिंह द्वारा किया गया और विषय विशेषज्ञों में प्रोफेसर के. पी. पाण्डेय, निदेशक एस.एच.ई.पी.ए. एवं पूर्व कुलपति, म.गां., काशी विद्यापीठ, वाराणसी, डॉ. शंदिन्दु, पूर्व अध्यक्ष, एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली, डॉ. रमा देवी, एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज़ (ए.आई.यू.), नई दिल्ली और बी.एच.यू. वाराणसी के शिक्षा संकाय की प्रो. सीमा सिंह ने भारत सरकार द्वारा अपनाई गई नई शैक्षिक नीति के तत्वावधान में शैक्षणिक गतिविधियों में नए विकास के बारे में विस्तार से वार्ता की। माननीय कुलपति महोदय ने उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता तथा निदेशक ने धन्यवाद ज्ञापित किया।



**14. 13-14 जनवरी, 2020 - दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला कंग्युर-तंग्युर और संगबम ग्रन्थों का हिन्दी अनुवाद**

तिब्बत के महापंडित राहुल सांकृत्यायन द्वारा लाई गयी कंग्युर-तंग्युर और संगबम ग्रन्थों के हिन्दी अनुवाद पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन के.उ.ति.शि.सं. तथा कला युवा व संस्कृति विभाग, पटना, बिहार के संयुक्त तत्वावधान में सम्पन्न हुआ। माननीय कुलपति जी ने इसकी अध्यक्षता की। इस आयोजन के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि प्रो. के.पी. पाण्डेय, पूर्व कुलपति, म.गां.का.विद्यापीठ रहे। सम्मानित अतिथि पूर्व निर्देशक प्रो.

टशी पलबोर, सी.आई.बी.एस., लद्दाख ने अनुवाद के इतने बड़े और महत्वपूर्ण कार्य को शुरू करने से पहले प्रशिक्षण पर जोर दिया। माननीय कुलपति ने तिब्बत के परिमाण पर जोर दिया और के.उ.ति.शि.सं. द्वारा प्रदान किये गए पर्याप्त संसाधनों के माध्यम से सभा को आश्वस्त किया।



प्रो. वांगलुक दोर्जे नेगी, प्रो. म्यल्लेन नमडोल, प्रो. टशी छेरिंग (एस) तथा शान्तिनिकेतन और लद्दाख के विभिन्न गणमान्य लोगों ने भी परियोजना पर अपने निचार प्रस्तुत किये। कार्यक्रम का संचालन भिक्षु नवांग म्यल्लेन नेगी और कुलसचिव आर.के. उपाध्याय ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

#### 15. 29 दिसम्बर 2019 - 21 जनवरी 2020 - "इंटरनेशनल एक्सचेंज प्रोग्राम"

संयुक्त राज्य अमेरिका के फाइव कॉलेज से शैक्षिक आदान-प्रदान कार्यक्रम के लिए छात्रों का दल 29 दिसम्बर, 2019 को केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान पहुँचा और 20 जनवरी, 2020 तक रुका। उनके लिए आचार्य चन्द्रकीर्ति Candrakirti की मध्यमक में प्रवेश (Madhyamakavatara), आचार्य शान्तिदेव (Shantidev) की बोधिसत्व के जीवन के मार्ग (Bodhisattvacaryavatara), भिक्षुणी को दीक्षा प्रदान करने का उद्घरण के माध्यम से लिंग और बौद्ध धर्म की तुलना एवं अन्य विषयों पर विशेष कक्षाएं आयोजित की गईं। उन्होंने तिब्बती चिकित्सा, तिब्बती ज्योतिष, तिब्बती इतिहास, तिब्बती थंका चित्रकला और काष्ठ शिल्प के बारे में भी सीखा।



#### 16. 28 जनवरी 2020 : "शैक्षिक परीक्षण और मापन" पर विशेषज्ञ वार्ता

शिक्षक शिक्षण केंद्र, के.उ. ति.शि.सं., सास्नाथ में "शैक्षिक परीक्षण और मापन" (Educational Testing and Measurement) पर विशेषज्ञ वार्ता तथा मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार की PMMMNMTT योजना के तहत डिजाइनिंग असेसमेंट टूल्स पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। बी.एच.यू. से आमन्त्रित विषय-विशेषज्ञ ने परीक्षण एवं मापन की विभिन्न सुक्तियों को छात्रों के लिए व्याख्यायित किया। उक्त कार्यक्रम के दौरान कुलसचिव और सी.टी.ई. के निदेशक उपस्थित थे।





**17. 30 जनवरी, 2020 : “टीचर ऐज रिफ्लेक्टिव प्रैक्टिशनर” पर एक दिवसीय कार्यशाला**

शिक्षक शिक्षण केंद्र द्वारा के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ में मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार की FMMMNMTT योजना के तहत “टीचर ऐज रिफ्लेक्टिव प्रैक्टिशनर” पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। प्रोफेसर के. पी. पांडे, निदेशक SHEPA, पूर्व कुलपति, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी ने कक्षा में शिक्षक के चिंतनशील और प्रभावशाली व्यक्तित्व के बारे में अपने विचार साझा किए तथा शिक्षक शिक्षण केंद्र के निदेशक ने धन्यवाद ज्ञापित किया।



**18. 6-7 फरवरी, 2020 : “माइंड एंड मेटल फैक्टर” पर कार्यशाला सह व्याख्यान**

शिक्षा विभाग, के.उ.ति.शि.सं. ने “माइंड एंड मेटल फैक्टर” और एस.ई.ई. लर्निंग विषय पर कार्यशाला सह व्याख्यान शुरू किया। तिब्बती कार्य और पुरातत्व प्रंधालय, धर्मशाला के निदेशक, भिक्षु गेशे लखदोर द्वारा व्याख्यान दिया गया। कार्यशाला का एकमात्र उद्देश्य विभाग के छात्रों के बीच शिक्षा में माइंड एंड मेटल फैक्टर की एक सामान्य जागरूकता को बढ़ावा देना और छात्रों को विशेष रूप से एसईई सीखने के क्षेत्र में नए विकास से परिचित करना था। इसमें संकाय-सदस्यों और छात्रों दोनों ने भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन टाशी वोंडुप, सहायक प्रोफेसर तिब्बती भाषा और साहित्य, शि.शि. केंद्र द्वारा किया गया था।

**19. 2-7 मार्च, 2020 - पालि भाषा और बर्मी लिपि पर साप्ताहिक कार्यशाला**

केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान के प्राच्य एवं आधुनिक भाषा विभाग की पालि इकाई ने पालि भाषा और बर्मी लिपि पर एक कार्यशाला आयोजित की। बर्मी लिपि पर विभिन्न सत्र आयोजित किये गए। जहाँ विभिन्न प्रतिभागियों ने आधुनिक युग में पालि भाषा और बर्मी लिपि के महत्व के बारे में विचार-विमर्श किया। सत्रों का संचालन के.उ.ति.शि.सं. के सहायक प्रोफेसर डॉ. अनिमेष प्रकाश ने किया। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि आदरणीय रिचर्ड सीवली तथा डॉ. हिमांशु पाण्डेय, उपकुलसचिव, के.उ.ति.शि.सं. थे तथा इस अवसर पर शब्दविद्या संकाय के प्रमुख तथा प्राच्य एवं आधुनिक भाषा विभाग के अध्यक्ष प्रो. धर्मदत्त चतुर्वेदी ने बौद्ध वाङ्मय के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यशाला में भारत के विभिन्न संस्थानों के बावन (52) प्रतिभागियों ने भाग लिया।



**20. 6 मार्च 2020 : सचिव, आयुष मंत्रालय का दौरा**

सोवा रिग्पा द्वारा किए गए विभिन्न सहयोगात्मक प्रयासों को जानने के लिए श्री वैद्य रानेश कोटेचा जी, सचिव, आयुष मंत्रालय, ने के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ का दौरा किया। माननीय कुलपति और संस्थान के कुलसचिव द्वारा उनका स्वागत किया गया। उन्हें परिसर के भ्रमण पर ले जाया गया, जहाँ वे शान्तरक्षित प्रंधालय की समृद्ध विरासत के साथ-साथ सोवा-रिग्पा उत्पादों की प्रदर्शनी देखकर आश्चर्यचकित रह गए। उन्होंने सोवा-रिग्पा विभाग द्वारा अनुसंधान और नवोत्पाद में किए गए विशेष प्रयासों की सराहना की।



**21. 7 मार्च, 2020 - 'महिला सशक्तिकरण और लिंग समानता' पर विशेष व्याख्यान**

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्वसन्ध्या पर संस्थानीय अनाथपिण्ड सभागार में "महिला सशक्तिकरण और लैंगिक समानता : नारी स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा के विशेष सन्दर्भ में" विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। इस विशेष व्याख्यान की विशिष्ट वक्ता रहीं प्रो. चन्द्रकला पाडिया, पूर्व कुलपति, महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर तथा प्रो. शुभाराव राजनीति विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।



कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रो. गेशे डबडू समतेन बी ने की। सम्मानित वक्ताओं ने हमारे लिंगमय जीवन के सार्कजनिक निजी दृष्टिकोण का विश्लेषण किया और स्पष्ट किया कि दुनिया में यह बाइनरी महिलाओं को बनाए रखती है और अंत में महिलाओं को सशक्त बनाने के कुछ निश्चित प्रस्तावों का संकेत भी करती हैं। कार्यक्रम का संचालन प्राच्य एवं आधुनिक भाषा विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. न्योति सिंह ने किया। डॉ. हूमा नयूम, सहायक प्रोफेसर ने औपचारिक धन्ववाद ज्ञापित किया।

**पुरातन छात्र समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम**

दिनांक 2 जनवरी, 2018 को पुरातन छात्र समिति, केन्द्रीय उच्च त्रिब्वती शिक्षा संस्थान द्वारा आयोजित दूसरी मण्डली की बैठक में निम्नलिखित सदस्यों को दो साल की अवधि के लिए पुरातन छात्र समिति के कार्यकर्ता सदस्य के रूप में चुना गया था।

- |                             |            |
|-----------------------------|------------|
| 1. आचार्य श्रुपतन लुङरिंग   | अध्यक्ष    |
| 2. डॉ. गेशे लोबसंग दोर्जे   | महासचिव    |
| 3. प्रो. जम्पा समतेन        | कोषाध्यक्ष |
| 4. आचार्य नवांग तेनजिन      | सदस्य      |
| 5. डॉ. टाशी तोपञ्जल (कनाडा) | सदस्य      |

|   |       |
|---|-------|
| 6. आचार्य केलसंग फुनछोक (अमेरिका)         | सदस्य |
| 7. आचार्य तेनज़िन छोएम्थल (स्विट्ज़रलैंड) | सदस्य |
| 8. डॉ. नवांग तेनफेल                       | सदस्य |
| 9. आचार्य तेनज़िन सिदोन                   | सदस्य |
| 10. आचार्य छिमेद छोमो                     | सदस्य |
| 11. डॉ. दावा छोरिंग                       | सदस्य |

दिनांक 14 जनवरी, 2018 को आयोजित कार्यकारिणी सदस्य की पहली बैठक में दो साल के कार्यकाल में निम्नलिखित कार्यों को करने का निर्णय लिया गया है।

(क) तीसरे अधिवेशन में दिनांक 9 से 11 नवम्बर, 2019 को पुरातन छात्र समिति, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी द्वारा “शोट एवं हिमालयन अध्ययन” विषय पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया था। उस अवसर पर विश्व के विभिन्न क्षेत्रों से लगभग 200 पुरातन छात्रों ने इस सम्मेलन में भाग लिया।



तीन दिवसीय कार्यक्रम का विवरण-

1. प्रथम दिन पुरातन छात्र समिति एवं केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी के संयुक्त तत्वावधान में “शोट एवं हिमालयन अध्ययन” विषय पर एक दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। उस अवसर पर पुरातन छात्रों द्वारा समिति को 35 शोध पत्र प्रस्तुत किये गये। इन शोध पत्रों को तीन अलग-अलग स्थानों एवं पैनेलों में विभक्त कर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें 12 शोध पत्रों में से, 8 शोध पत्र तिब्बती, 3 अंग्रेजी एवं एक हिन्दी को “दर्शन एवं बौद्ध धर्म में महिलाओं का योगदान” पैनेल में पढ़ा गया और अच्छी तरह से चर्चा की गई। 10 शोध पत्रों में से, 6 शोध पत्र तिब्बती एवं अंग्रेजी और हिन्दी में प्रत्येक के दो को “तिब्बती भाषा एवं साहित्य से सम्बन्धित विषय” पैनेल में पढ़ा गया और चर्चा की गई। 12 शोध पत्रों में से, 10 शोध पत्र तिब्बती और 1 अंग्रेजी एवं हिन्दी को “इतिहास से सम्बन्धित विषय” पैनेल में पढ़े गए और चर्चा की गई। उपर्युक्त एक दिवसीय सम्मेलन की सम्पूर्ण व्यवस्था का वित्तीय सहयोग संस्थान द्वारा प्रदान किया गया।



2. सम्मेलन की कार्यवाही "In Search of Truth : Part II." (सत्य की खोज: भाग-2) शीर्षक के तहत 1335 पृष्ठों वाले ग्रन्थ को दो भागों (2 volumes) में प्रकाशित किया गया। ग्रन्थ के प्रकाशन का सम्पूर्ण वित्तीय सहयोग संस्थान द्वारा प्रदान किया गया। दो भागों में संकलित शोध-प्रबन्ध लेख जो "In Search of Truth : Part II." ग्रन्थ के रूप में प्रकाशित हैं, उसे विभिन्न मठों, संस्थानों, स्कूलों एवं सम्मलेन में सम्मिलित होने वाले पुरातन छात्रों को वितरित किया गया।
3. दूसरे दिन आचार्य अतीश दीर्पकरश्रीज्ञान (गेशे छेदखावा) द्वारा रचित "महायान चिन्तशोधन सप्तार्थ" लघु ग्रन्थ पर सर्व सम्मानित संस्थान के पूर्व निदेशक प्रो. समदोंग रिनपोछे जी के द्वारा संस्थान के छात्रों एवं समारोह में उपस्थित होने वाले पुरातन छात्रों को प्रवचन दिया गया।
4. तीसरे दिन सर्व सम्मानित संस्थान के पूर्व निदेशक प्रो. समदोंग रिनपोछे जी के 80वें जन्मदिन के शुभावसर पर भव्य अभिनन्दन समारोह का आयोजन किया गया। उस अवसर पर उनके प्रति आभार एवं कृतज्ञता प्रकट करने हेतु प्रतीक के रूप में चाँदी से निर्मित "बौद्ध रूपांकन रिदाग छोएखोर अर्चात् धर्मचक्र प्रवर्तन स्मृति चिह्न" अर्पित किया गया। तत्पश्चात् स्वर्ण अक्षर द्वारा लिखित मूल संस्कृत अष्टसाहसिकाप्रज्ञापारमिता को पारम्परिक पोथी के रूप में उनके स्मृति हेतु प्रकाशित किया गया।



5. इस अवसर पर निम्नलिखित पूर्व छात्रों को शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए चाँदी से निर्मित स्मृति चिह्न और प्रशस्ति प्रमाण-पत्र से सम्मानित किया गया।
  6. खेनपो पेमा वांगडक और सम्मानित गुरु ग्यालछेन को **पेमा छल स्कूल** की स्थापना और उन्नति में उनकी उल्लेखनीय सेवा तथा तिब्बती कॉलोनी, मोनगोड, कर्नाटक राज्य, भारत में तिब्बती छात्रों के लिए शैक्षिक अवसर के विकास में अतुलनीय योगदान हेतु।
  7. आचार्य गेलोड थुपतेन गोणपो को **तवांग बौद्ध सांस्कृतिक स्कूल** की उन्नति में अपनी उल्लेखनीय सेवा तथा तवांग, अरुणाचल प्रदेश, भारत में छात्रों के लिए शैक्षिक अवसर के विकास में अतुलनीय योगदान दिया।
  8. आचार्य गेलोड नवांग तेनजिन और आचार्य गेलोड छोडुब को **डुकपा कर्ग्युद स्कूल** की स्थापना एवं उन्नति में अपनी उल्लेखनीय सेवा तथा दार्जिलिंग, पश्चिम बंगाल, भारत में छात्रों के लिए शैक्षिक अवसर के विकास में अतुलनीय योगदान हेतु।
  9. खेनजुर काछेन लोबसंग छेतन को **सिद्धार्थ हाई स्कूल**, स्तोक, लेह लद्दाख की स्थापना एवं उन्नति में अपनी उल्लेखनीय सेवा तथा स्तोक, लेह लद्दाख, भारत में छात्रों के लिए शैक्षिक अवसर के विकास में अतुलनीय योगदान।
  10. डॉ. नवांग येशे को **डारि इंस्टीट्यूट ऑफ बुद्धिस्ट डायलेक्टिक्स, साबू**, लेह, लद्दाख की स्थापना एवं उन्नति में उल्लेखनीय सेवा तथा साबू, लेह, लद्दाख, भारत में छात्रों के लिए शैक्षिक अवसर के विकास में अतुलनीय योगदान हेतु।
  11. खेनपो संगे लोटोए को पश्चिम बंगाल के जयगांव में **डॉ. बी. आर. अम्बेडकर मेमोरियल महायान बौद्ध शैक्षणिक संस्थान** की स्थापना एवं उन्नति में उनकी उल्लेखनीय सेवा हेतु तथा जयगांव, पश्चिम बंगाल, भारत में छात्रों के लिए शैक्षिक अवसर के विकास में अतुलनीय योगदान के लिये।
  12. आचार्य जम्पा फुनछोग को **सोडःचन भूकुटि बोर्डिंग हाई स्कूल** की स्थापना एवं उन्नति में उनकी उल्लेखनीय सेवा हेतु तथा प्रतीक के रूप में चाँदी से निर्मित स्मृति चिह्न और प्रशस्ति प्रमाण-पत्र से सम्मानित किया गया। काठमाण्डू, नेपाल में छात्रों के लिए शैक्षिक अवसर के विकास में अतुलनीय योगदान के लिये।
- (ख) संस्थान के शान्तरक्षित पुस्तकालय में संरक्षित भूतपूर्व निदेशक प्रो. समदोंग रिनपोछे जी द्वारा प्रदत्त शिक्षण और प्रवचनों की संकलित व्यापक सूची को “**इन सर्च ऑफ टूथ भाग-II**” के परिशिष्ट में संलग्न है। एमपी 3 और एमपी 4 में एस रिनपोछे जी की विशिष्ट शिक्षाओं और प्रवचनों का डिजिटাইज करके समारोह में भाग लेने वाले सभी पुरातन छात्रों को वितरित किया गया।
- (ग) पहली बैठक में लिये गये निर्मय के अनुसार विश्वभर के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में सेवारत संस्थान के पुरातन छात्रों द्वारा लिखित तथा संपादित पुस्तकों की एक व्यापक सूची संकलन किया गया और “**इन सर्च ऑफ टूथ भाग-II**” के परिशिष्ट में सम्मिलित किया गया।
- (घ) इसी के साथ विश्वभर के विभिन्न शैक्षणिक संस्थान में सेवारत संस्थान के पुरातन छात्रों द्वारा लिखित शोध पत्र एवं पुस्तक अध्यायों की व्यापक सूची का संकलन किया गया और “**इन सर्च ऑफ टूथ भाग-II**” के परिशिष्ट में सम्मिलित किया गया।
- (ङ) पुरातन छात्र समिति, के.उ.ति.शि.सं. सारनाथ के सभी पंजीकृत सदस्यों के संकलित प्रोफाइल को “**alumnihts.org**” वेबपेज पर अपलोड किया गया है।
- (च) दिनांक 11 नवम्बर, 2019 को पुरातन छात्रों की कार्य बैठक में अगले दो वर्षों के लिए संस्थान के पुरातन छात्र समिति के नये कार्यकारी सदस्यों का चुनाव किया गया।

## II. राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम

### राजभाषा हिन्दी सप्ताह समारोह

दिनांक 28.08.2019 से 05.09.2019 तक राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा हिंदी राजभाषा सप्ताह समारोह का आयोजन किया गया, जिसके अन्तर्गत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये। इन कार्यक्रमों की रूपरेखा निम्नवत् है-

1. दिनांक 28.08.2019 को डॉ. संजय सिंह, राजभाषा अधिकारी, डी.एल.डब्ल्यू., वाराणसी ने 'प्रशासनिक कार्यों में राजभाषा की भूमिका' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।



2. दिनांक 30.08.2019 को कवि गोष्ठी में श्री भूषण त्यागी, श्री ईश्वरचन्द्र त्यागी, श्री बाबूसाह प्रेमी, श्रीमती रंजना राय, श्री जगदीश नारायण तिवारी 'लोकेश', श्री ओमप्रकाश चौबे 'ओम धीरज', श्रीमती पूनम श्रीवास्तव, श्री प्रकाश उदय, श्री हिमांशु उपाध्याय आदि राष्ट्रीय स्तर के कवियों के साथ संस्थान के छात्र-छात्राओं द्वारा काव्यपाठ प्रस्तुत किया गया जिसकी अध्यक्षता ख्यातिलब्ध विद्वान प्रो. एन. समतेन, माननीय कुलपति, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी ने की। उनके उद्बोधन से सभी लाभान्वित हुए।



3. दिनांक 29.08.2019 को डॉ. प्रकाश उदय, बलदेव पी.जी. कालेन, बड़गाँव, वाराणसी ने 'राजभाषा कार्यशाला की उपयोगिता' विषय व्याख्यान प्रस्तुत किया।

4. दिनांक 02.09.2019 को श्री सुदामा सिंह यादव, मुख्य प्रबंधक (राजभाषा), सेवा-निवृत्त, यूनियन बैंक, वाराणसी ने 'कार्यालयी टिप्पणी में वर्तनी का महत्त्व' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।
5. दिनांक 03.09.2019 को प्रो. प्रभाकर सिंह, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी ने 'बदलते परिवेश में राजभाषा की उपयोगिता राष्ट्रभाषा के विकास में' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।
6. दिनांक 4.09.2019 को प्रो. निरंजन सहाय, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी ने 'हिन्दी के प्रचार-प्रसार में आने वाली व्यावहारिक समस्याएं' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।



7. दिनांक 5.09.2019 को वाद-विवाद प्रतियोगिता में निर्णायक भूमिका हेतु डॉ. ऋचा सिंह, हरिश्चन्द्र महाविद्यालय, वाराणसी को आमंत्रित किया गया। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले कर्मचारी श्री गोपेश चन्द्र राय को प्रथम नगद पुरस्कार (पक्ष), श्री ओजस शांडिल्य को प्रथम नगद पुरस्कार (विपक्ष), श्री मेह्रीलाल को द्वितीय नगद पुरस्कार (पक्ष), श्री दीपकर त्रिपाठी को तृतीय नगद पुरस्कार (पक्ष) तथा श्री जगरनाथ सिंह को सांस्थना पुरस्कार प्रदान किया गया। उपर्युक्त कार्यक्रमों (क्र.सं. 2. को छोड़कर) की अध्यक्षता माननीय कुलसचिव डॉ. रणशील कुमार उपाध्याय ने तथा अतिथियों का स्वागत डॉ. रामबी सिंह, सदस्य सचिव, राजभाषा कार्यान्वयन समिति तथा धन्यवाद शापन प्रो. पेमा तेनजिन, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी ने किया।





### संसदीय राजभाषा समिति द्वारा निरीक्षण

संसदीय राजभाषा समिति ने दिनांक 11.01.2020 को इस संस्थान का निरीक्षण किया।

#### राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

1. दिनांक 20.03.2020 को माननीय कुलपति महोदय की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक सम्पन्न हुई जिसमें सदस्य-सचिव डॉ. अनुराग त्रिपाठी ने राजभाषा के प्रयोग-प्रसार में प्रगति लाने का अनुरोध करते हुए हिन्दी पत्राचार में गम्भीरतापूर्वक विचार करते हुए प्रयोग बढ़ाने पर बल दिया।
2. बैठक में हिंदी कार्यशालाओं संगोष्ठियों तथा विभागीय बैठकों के नियमित आयोजन पर बल दिया गया।
3. बैठक में राजभाषा के प्रयोग-प्रसार को गति देने के लिये एक अनुवादक की तैनाती करने पर सहमति बनी।
4. बैठक में हिंदी में अधिक कार्य करने वाले अधिकारियों/कर्मचारियों को चिह्नित कर पुरस्कृत करने का निर्णय लिया गया।
5. राजभाषा के प्रयोग को व्यावहारिक एवं सुगम बनाने हेतु सरल एवं सहज हिंदी के प्रयोग का निर्णय लिया गया।

### III. स्वच्छता अभियान पखवाड़ा

वर्ष 2019-20 में स्वच्छता पखवाड़ा के अन्तर्गत निम्न कार्यक्रम सम्पन्न किये गये-

1. दिनांक 16.09.2019 को माननीय कुलसचिव के निर्देशन में संस्थान के प्रशासन-प्रथम, प्रशासन-द्वितीय, सम्पत्ति विभाग, परीक्षा विभाग, वित्त विभाग, कुलसचिव कार्यालय के सभी कर्मचारियों द्वारा खिसौंग प्रशासनिक भवन के सामने एवं पीछे सायं 4 बजे से 5 बजे तक सफाई से सम्बन्धित श्रमदान किया गया।
2. दिनांक 17.09.2019 को संस्थान के जनरेटर, पम्प एवं प्लम्बर सम्बन्धित कार्य करने वाले कर्मचारियों द्वारा जनरेटर कक्ष, पम्प कक्ष के अन्दर एवं उसके आस-पास अपराह्न 3 बजे से सायं 5 बजे तक सफाई सम्बन्धी श्रमदान किया गया।
3. दिनांक 18.09.2019 को सभी कर्मचारी अपने-अपने कार्यालय के अन्दर एवं बाहर तथा प्राध्यापक के साथ मिलकर छात्र-छात्रायें अपनी-अपनी कक्षाओं के अन्दर तथा बाहर सफाई हेतु श्रमदान सायं 3 बजे से 5 बजे के मध्य किया गया।
4. दिनांक 19.09.2019 को अपराह्न 2 बजे से 5 बजे तक विश्वविद्यालय के सभी छात्र एवं छात्राएं नवापुरा गाँव में स्वच्छता एवं प्लास्टिक के उपयोग पर रोक लगाने का अनुरोध करने के प्रति जागरूकता एवं उनमें व्यावहारिक बदलाव लाने के लिए सफाई सम्बन्धित श्रमदान छात्र-कल्याण संकायाध्यक्ष की निगरानी में सम्पन्न हुआ।



5. दिनांक 20.09.2019 को छात्र-छात्राओं द्वारा आवास परिसर तथा आवासीय परिसर से बाहर जाने के सम्पर्क मार्ग की सफाई अपराह्न 3 बजे से 5 बजे तक किया गया।
6. दिनांक 21.09.2019 को अपराह्न 2 बजे से 5 बजे तक संस्थान के सभी छात्र एवं छात्राएं नवापुरा गाँव में स्वच्छता के प्रति जागरूकता एवं जल संरक्षण करने के प्रति उनमें व्यावहारिक बदलाव लाने के लिए छात्र-कल्याण संकायाध्यक्ष की निगरानी में किया गया।
7. दिनांक 23.09.2019 को संस्थान के नेहरू अतिथि भवन के आस-पास तथा विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर माली, विविध कर्मचारी तथा शोध छात्र अपने छात्रावास एवं आस-पास अपराह्न 4 बजे से सायं 5 बजे तक सफाई सम्बन्धित श्रमदान किया।
8. दिनांक 24.09.2019 को अपराह्न 2 बजे से 5 तक संस्थान के सभी छात्र एवं छात्राएं विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर संस्थान में सारनाथ तक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए जनमानस में व्यावहारिक बदलाव लाने के लिए जग-जागरण का कार्य कल्याण संकायाध्यक्ष की निगरानी में पूरा किया गया।
9. दिनांक 25.09.2019 को कुलपति कार्यालय के कर्मचारी एवं शोध, प्रकाशन अनुभाग में कार्यरत कर्मचारी कमलशील भवन तथा सम्मोट भवन के आस-पास अपराह्न 4 बजे से सायं 5 बजे तक सफाई सम्बन्धित श्रमदान किया गया।
10. दिनांक 26.09.2019 को ग्रन्थालय के कर्मचारी शान्तरक्षित ग्रंथालय के आस-पास एवं छात्र-छात्राएँ अपने-अपने छात्रावास कैम्पस तथा सड़क के आस-पास अपराह्न 4 बजे से सायं 5 बजे तक सफाई सम्बन्धित श्रमदान कार्य सम्पन्न किया।
11. दिनांक 27.09.2019 को संस्थान के गैर-शैक्षणिक, शोध विभाग एवं पुस्तकालय के सभी कर्मचारी अपराह्न 4 बजे से सायं 5 बजे तक कालचक्र मण्डप एवं अनाद्यपिण्ड अतिथि-गृह के सामने की सफाई की गई।
12. दिनांक 28.09.2019 को संस्थान के छात्र एवं छात्राएँ संस्थान से धार्मिक स्थल सारनाथ तक प्लास्टिक के उपयोग पर रोक लगाने का अनुरोध करते हुए पर्यावरण के अनुकूल विकल्प का उपयोग करने की सलाह के साथ "प्लास्टिक मुक्त स्वच्छता अभियान" को सफल बनाने के लिए स्थानीय नागरिकों में जन-जागरण का कार्य कल्याण संकायाध्यक्ष की निगरानी में सम्पन्न किया गया।



13. दिनांक 30.09.2019 को छात्र-छात्राओं के द्वारा "प्लास्टिक मुक्त स्वच्छता अभियान" विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन संस्थान के डॉ. अनुराग त्रिपाठी के निर्देशन एवं माननीय कुलसचिव महोदय की अध्यक्षता में होगा। छात्रों में इस विषय में रुचि लाने हेतु कुछ पुरस्कार आवि दिये गये, जो इस प्रकार हैं- (क) प्रथम पुरस्कार, एक किताब तथा 1000 रुपये नगद, (ख) द्वितीय पुरस्कार, एक किताब तथा 800 रुपये नगद, (ग) तृतीय पुरस्कार, एक किताब तथा 500 रुपये नगद।



14. दिनांक 02.10.2019 को छात्र-छात्राओं द्वारा सारनाथ में महात्मा गाँधी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर भारत को प्लास्टिक-मुक्त बनाने एवं जल-संरक्षण सम्बन्धित नुक्कड़ नाटक सुबह 10 बजे से 11 बजे के मध्य डॉ. धर्मवत्त चतुर्वेदी के निर्देशन में किया गया।

#### IV. कुलपति महोदय प्रो. गेशे इन्वर्ज समतेन के शैक्षणिक कार्यक्रम एवं गतिविधियाँ

- 23.04.2019 : राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (NAAC) के अनुरोध पर NAAC मुख्यालय, बेंगलुरु में आयोजित संस्कृत विश्वविद्यालय संस्थागत प्रत्यायन विशेषज्ञ बैठक में भाग लिया तथा बेंगलुरु स्थित इंदिरा नगर में कुलपति महोदय पूर्व सचिव, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के साथ बैठक की।
- 01.05.2019 : माननीय सचिव (संस्कृति) भारत सरकार की अध्यक्षता में आयोजित दो बैठकों में भाग लिया तथा शास्त्री भवन में - "महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती के रूप में संस्कृति मंत्रालय द्वारा की जा रही गतिविधियों की प्रगति पर समीक्षा बैठक कर और "योजनाओं / कार्यक्रमों / पहलों सहित संस्कृति मंत्रालय के अन्तर्गत संस्थानों का अवलोकन किया। इस बैठक में संस्कृति मंत्रालय के सभी प्रमुखों ने भाग लिया।
- 02.05.2019 : मानव संसाधन विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की और उसके बाद विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अधिकारियों के साथ भी बैठक की तथा इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, संस्कृति मंत्रालय और उसके बाद भारतीय बौद्ध संघ के अधिकारियों के साथ भी बैठक की।
- 03.05.2019 : माननीय कुलपति ने आयुष मंत्रालय एवं विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के अधिकारियों के साथ बैठक में भाग लिया। राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड, आयुष मंत्रालय के अधिकारियों के साथ बैठक की और उसके बाद सिक्किम हाउस, नई दिल्ली में नामग्याल इंस्टीट्यूट ऑफ तिब्बतोलॉजी के अधिकारियों के साथ भी बैठक की।

5. 14.05.2019 : बिहार सरकार के अधिकारियों के साथ प्रस्तावित स्थान बुद्ध स्मृति पार्क का परिभ्रमण किया, जहाँ बिहार सरकार निकट भविष्य में बौद्ध अध्ययन पाठ्यक्रम शुरू करने की योजना बना रही है।  
खड़िया भवन, पाटना में महाप्रबंधक, शहरी अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड, बिहार, के साथ बैठक की।  
बिहार के पुराने सचिवालय, पटना में बिहार सरकार के अनुरोध पर माननीय कुलपति ने विकास आयुक्त, बिहार सरकार की अध्यक्षता के अन्तर्गत एक बैठक में भाग लिया। इस बैठक में शहरी विकास और आवास विभाग के प्रधान सचिव, आर्यभट्ट विश्वविद्यालय के कुलपति और बिहार सरकार तथा BUIDCO के अधिकारी उपस्थित थे, जिसमें कुलपति ने प्राचीन नालंदा महाविहार की परंपरा की जानकारी प्रदान की जो तिब्बती परंपरा में संरक्षित है, और पाली भाषा में थेरवाद के बौद्ध अध्ययनों की व्यापक रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने अधिकारियों द्वारा पूछे गए कई प्रश्नों को भी समाधान किया। बौद्ध धर्म के प्रमाणपत्र स्तरीय पाठ्यक्रम के प्रारम्भ करने हेतु इस बैठक को मूल रूप से आहूत किया गया था।
6. 15.05.2019 : बिहार सरकार और सी.आई.एच.टी.एस, सारनाथ, वाराणसी के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के संबंध में माननीय कुलपति ने प्रधान सचिव, कला, संस्कृति और युवा विभाग, बिहार सरकार के साथ बैठक की।  
पटना स्थित सूचना भवन में राज्य सूचना आयुक्त बिहार सरकार के साथ बैठक में भाग लिया। पटना संग्रहालय का भ्रमण किया और संस्कृत पांडुलिपियों के अप्रकाशित कार्यों के बारे में संग्रहालय के अधिकारियों के साथ बैठक में भी भाग लिया।
7. 21.05.2019 : विज्ञान भवन, नई दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध संघ (IBC) के अधिकारियों के साथ एक बैठक में भाग लिया।
8. 22.05.2019 : शास्त्री भवन स्थित वित्त विभाग में संस्कृति मंत्रालय के अधिकारियों के साथ बैठक में भाग लिया तथा विज्ञान भवन में अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध संघ (IBC) के अधिकारियों के साथ और उसके बाद नई दिल्ली में Men-Tse-Khang (तिब्बती चिकित्सा और ज्योतिष संस्थान) के अधिकारियों के साथ बैठक में भाग लिया।
9. 23.05.2019 : शास्त्री भवन में माननीय सचिव, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के साथ बैठक में भाग लिया तथा संयुक्त सचिव, संस्कृति मंत्रालय के साथ, पूर्वांचल भवन में और उसके बाद जनकपुरी, नई दिल्ली में केंद्रीय भारतीय चिकित्सा परिषद के अधिकारियों के साथ बैठकें की।
10. 26.06.2019 : पुरातत्त्व भवन में संयुक्त सचिव, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के साथ बैठक की तथा साउथ ब्लॉक सचिवालय, नई दिल्ली में विदेश मंत्रालय, भारत सरकार के अधिकारियों के साथ बैठक की। इसके अलावा विज्ञान भवन, नई दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध संघ (IBC) के अधिकारियों के साथ बैठकें की।
11. 28.06.2019 : माननीय मंत्री, मानव संसाधन विकास मंत्रालय (MHRD), भारत सरकार के साथ बैठक की तथा आयुष मंत्रालय के अधिकारियों के साथ भी बैठक की।
12. 10-11.07.2019 : संगोष्ठी आयोजन समिति "Gaden Shartse and Jangtse" की अकादमिक परिषदों के अनुरोध पर अतिथि के रूप में भाग लिया तथा "बौद्ध एवं बौद्धेतर-विचार और ध्यान" विषयक संगोष्ठी में उद्घाटन भाषण दिया और दो सत्रों की अध्यक्षता भी की गई।
13. 13.07.2019 : पालि विभाग, पुणे विश्वविद्यालय के शिक्षकों और छात्रों और भंडारकर ओरिएंटल रिसर्च इंस्टीट्यूट, पुणे के शोधकर्ताओं और छात्रों को संबोधित किया।

14. 14.07.2019 : महाकाश्यप महाविहार, पुणे में प्रवचन दिया ।
15. 20-21.07.2019 : अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध संघ (IBC) के महानिदेशक के अनुरोध पर “भारत में बौद्ध धर्म का अध्ययन करने के लिए छात्रवृत्ति पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी” में भाग लिया ।
16. 22.07.2019 : माननीय संस्कृति मन्त्री, भारत सरकार के साथ बैठक में भाग लिया ।
17. 30.07.2019 : नामग्याल इंस्टीट्यूट ऑफ तिब्बतोलॉजी (एन.आई.टी) सिक्किम के अनुरोध पर एन.आई.टी. के सभी कर्मचारियों और छात्रों को संबोधित किया ।
18. 31.07.2019 : सिक्किम विश्वविद्यालय के बारहवें स्थापना दिवस पर विश्वविद्यालय के सभी कर्मचारियों, छात्रों, उपस्थित राज्य सरकार के अधिकारियों तथा आमंत्रित मेहमानों को संबोधित किया और “बौद्ध धर्म एवं 21वीं सदी” विषय पर व्याख्यान भी प्रस्तुत किया तथा एस.आर.एम. विश्वविद्यालय, सिक्किम के अनुरोध पर विश्वविद्यालय के सभी संकाय सदस्यों को संबोधित किया और “Emotional Intelligence” विषय पर एक सारगर्भित व्याख्यान दिया ।
19. 01.08.2019 : सिक्किम विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों के साथ बैठक की । इसके अलावा एस.आर.एम. विश्वविद्यालय, सिक्किम के संकाय सदस्यों के साथ भी बैठक की ।
20. 09.09.2019 : भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के सचिव के साथ बैठक की तथा भारतीय बौद्ध संघ (IBC) के महानिदेशक के अनुरोध पर, माननीय कुलपति ने IBC के अधिकारियों और विद्वानों के साथ भी बैठक की ।
21. 17-19.09.2019 : कार्यकारी निदेशक, गेलुक इंटरनेशनल फाउंडेशन, मुंदगोड, कर्नाटक के आमंत्रण पर “Carrying The Nalanda Tradition Forward” कार्यशाला में भाग लिया और सत्र में “Indian University System-Sharing Experience” विषय पर व्याख्यान दिया । इस कार्यशाला में शिक्षाविदों, उच्च शिक्षा के पूर्व सचिवों, एम.एच.आर.डी., विश्वविद्यालय के कुलपति और बौद्धविहार के भिक्षुगण तथा संस्थानों के विद्वानों ने भाग लिया ।
22. 04.10.2019 : संयुक्त सचिव, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के साथ पुरातत्व भवन में बैठक की और उसके बाद अतिरिक्त सचिव, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के साथ शास्त्री भवन, नई दिल्ली में बैठक की ।
23. 25.10.2019 : शास्त्री भवन में भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के माननीय सचिव के साथ बैठक की गई और उसके बाद संयुक्त सचिव, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के साथ पुरातत्व भवन में भी बैठक की गई ।
24. 26.10.2019 : उपाध्यक्ष, एन.आई.टी.आई. आयोग, भारत सरकार के निमंत्रण पर “Fifth Edition of NITI Lectures : Transforming India on Role of Financial Sector in Development” कार्यक्रम में भाग लिया ।
25. 29.10.19 - 01.11.19 : धर्मशाला स्थित माइंड एंड लाइफ इंस्टीट्यूट के निमंत्रण पर परम पावन दलाई लामा के साथ माइंड एंड लाइफ की परिचर्चा में भाग लिया, जिसमें प्रख्यात वैज्ञानिकों, जीवविज्ञानी, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक वैज्ञानिकों ने भाग लिया ।
26. 16.11.2019 : लखनऊ प्रबंधन संघ (एल.एम.ए.) और ग्लोबल लखनऊ, के अनुरोध पर “International Convention on Promoting Happiness through Public Policy” विषय पर संगोष्ठी में भाग लिया और “Happiness Oriented Education and Employment” सत्र की अध्यक्षता भी की ।

27. 22.11.2019 : महामहिम परम पावन दलाई लामा के प्रतिनिधि होने के कारण बोधगया मंदिर सलाहकार बोर्ड (BTAB) के लिए बोधगया मंदिर प्रबंधन समिति के पुस्तकालय कक्ष में आयोजित BTAB की बैठक में भाग लिया।
28. 23.11.2019 : बिहार संग्रहालय, पटना में कला, युवा और संस्कृति विभाग के प्रधान सचिव और बिहार सरकार के अधिकारियों के साथ एक बैठक की।
29. 27.11.2019 : दर्शनशास्त्र विभाग, मुंबई विश्वविद्यालय के बौद्ध अध्ययन केंद्र, द्वारा आयोजित "बौद्ध धर्म और नव बौद्ध धर्म के वैश्विक प्रभाव" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन भाषण दिया।
30. 16-17.12.2019 : राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (NAAC), बेंगलुरु, द्वारा आयोजित संस्कृत विश्वविद्यालयों के मूल्यांकन और प्रत्यायन के बारे में चर्चा करने के लिए दो-दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।
31. 19-23.12.2019 : कार्यकारी निदेशक, गेलुक इंटरनेशनल फाउंडेशन, मुंदगोड, कर्नाटक के आमंत्रण पर सम्मेलन की पूर्व बैठक में भाग लिया और उसके बाद "Je Tsongkhapa : His Life, Thought, and Legacy" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भी भाग लिया और "Hermeneutics and textual exegesis" विषय पर शोधनिबन्ध भी प्रस्तुत किया।
32. 21.01.2020 : जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा, बिहार के निमंत्रण पर विशिष्ट अतिथि और मुख्य वक्ता के रूप में विश्वविद्यालय के 5वें दीक्षांत समारोह में शामिल हुए।
33. 28.01.2020 : चेयरपर्सन, FICCI, Lucknow Chapter के अनुरोध पर "Secular Ethics" विषय पर परिचर्चा की, जिसमें वाणिज्य और उद्योग फेडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर्स की वुमन विंग के सदस्यों ने भाग लिया।
34. 03.03.2020 : परिवहन भवन, संसद मार्ग में माननीय सचिव, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, दिल्ली के साथ बैठक की और उसके बाद शास्त्री भवन में विशेष सचिव और वित्तीय सलाहकार, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के अधिकारियों के साथ बैठक में भाग लिया तथा मानव संसाधन विभाग मंत्रालय, भारत सरकार, के अधिकारियों के साथ बैठक की।
35. 12.03.2020 : माननीय कुलपति परम पावन दलाई लामा के धर्मार्थ ट्रस्ट के सदस्य होने के नाते, धर्मशाला में आयोजित 115वें Trustee Meeting की बैठक में शामिल हुए।
36. 13.03.2020 : श्री प्रह्लाद सिंह पटेल, माननीय कुलाधिपति, NMIHACM एवं राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार संस्कृति मन्त्रालय), भारत सरकार की अध्यक्षता में आयोजित "Society of National Museum Institute" की बैठक में सदस्य के रूप में शामिल हुए। इसके अलावा विशेष सचिव, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार और वित्तीय सलाहकार के साथ बैठक में भाग लिया और उसके बाद शास्त्री भवन, नई दिल्ली में संस्कृति मंत्रालय के अन्य अधिकारियों के साथ बैठक में भी भाग लिया।

### **कुलसचिव महोदय डॉ. रणशील कुमार उपाध्याय - शैक्षणिक गतिविधियाँ**

1. 28 अगस्त 2019 - राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा आयोजित विशेष व्याख्यान सत्र में अध्यक्षीय वक्तव्य दिया।
2. 5 सितम्बर 2019 - राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा आयोजित वाद-विवाद प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरण कार्यक्रम की अध्यक्षता कर भाषण दिया।

3. 19 दिसम्बर 2019 - श्री हरमन माईनर एस.ओ.एस. चीनेपुर, वाराणसी स्कूल के विशेष स्वर्ण जयन्ती समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. रणशील कुमार उपाध्याय ने वक्तव्य दिया तथा सम्मान स्वरूप स्मृति चिन्ह प्राप्त किया।



## V. छात्रों की गतिविधियाँ

### 1. एस. डब्ल्यू. ए.

संस्थान के विद्यार्थियों के सामुदायिक कार्य संस्थान के नियमानुसार छात्र-कल्याण परिषद् (एस.डब्ल्यू.ए.) द्वारा संचालित किए जाते हैं। इस परिषद् की स्थापना 1972 में हुई थी। इसके द्वारा छात्रों को सांस्कृतिक, शैक्षणिक एवं स्वास्थ्य संबंधी विषयों में जागरूकता तथा इस दिशा में कार्य करने के लिए अवसर प्रदान किया जाता है। इसके सदस्यों का चुनाव प्रतिवर्ष लोकतांत्रिक ढंग से किया जाता है। वर्तमान 48वीं छात्र कल्याण परिषद् के पदाधिकारी निम्नलिखित हैं-

| क्र.सं | नाम             | पद                      | कक्षा                 |
|--------|-----------------|-------------------------|-----------------------|
| 1.     | डबलू बंगचुप     | अध्यक्ष                 | आचार्य प्रथम          |
| 2.     | डबलू लोसेल लामा | उपाध्यक्ष               | आचार्य प्रथम          |
| 3.     | देबेन बाबुपो    | सचिव                    | शास्त्री तृतीय        |
| 4.     | छोयिङ्ग लुनहुप  | कोषाध्यक्ष              | आचार्य प्रथम          |
| 5.     | तेन्जिन जमयङ्गा | सहायक कोषाध्यक्ष        | आचार्य प्रथम          |
| 6.     | पेनपा डेरिंग    | शिक्षा-सचिव             | बीएसआरएमएस, द्वितीय   |
| 7.     | लोबसांग जिनपा   | खेल-प्रभारी             | बीएसआरएमएस, तृतीय     |
| 8.     | बिट्टू          | चिकित्सा-प्रभारी        | शास्त्री तृतीय        |
| 9.     | तेन्जिन डेविथ   | सांस्कृतिक सचिव         | आचार्य प्रथम          |
| 10.    | रिनचेन छोडक     | सार्वजनिक संबंध प्रभारी | शिक्षाशास्त्री, प्रथम |

### परिषद् के उद्देश्य

- विद्यार्थियों के कल्याण तथा ज्ञानवर्धन के निमित्त संसाधनों का प्रबंध करना।
- अतिरिक्त कक्षाओं, वाद-विवाद प्रतियोगिताओं, शिविरों, कार्यशाला आदि के आयोजन द्वारा विद्यार्थियों में रचनात्मक अभिरुचि एवं स्वस्थ शैक्षणिक परिस्थिति पैदा करना।
- विख्यात भारतीय एवं विदेशी विद्वानों को निमंत्रित कर वाक्यांश संपन्न कराना।
- विद्यार्थियों के लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएँ उपलब्ध कराना।

- यक्ष्मा एवं अन्य गंभीर रोगों से पीड़ित विद्यार्थियों को चिकित्सा हेतु आर्थिक सहायता की व्यवस्था करना।
- छात्रों को इंटरनेट में शिक्षा, स्वास्थ्य एवं टेक्नोलॉजी आदि विषयों के प्रति जागरूकता का प्रचार-प्रसार करना।
- संस्थान के शैक्षणिक एवं पर्यावरण के विकास के लिए छात्रों के सुझावों का संकलन करना।
- संस्थान में छात्रों के लिए आउट-डोर तथा इ-डोर खेलों जैसे फुटबॉल, बास्केटबॉल, टेबल-टेनिस इत्यादि प्रतियोगिताओं का आयोजन करना तथा उसके लिए व्यवस्था करना।

### **वर्ष 2019-20 में आयोजित कार्यक्रम**

शैक्षणिक सत्र 2019-20 के दौरान एस. डब्ल्यू. ए. द्वारा निम्नलिखित गतिविधियाँ की गई हैं।

#### **शैक्षणिक गतिविधियाँ-**

1. 9-11 सितंबर 2019 - लगभग 50 नवीन प्रविष्ट छात्रों को ग्रीष्मकालीन अभियान में तिब्बती बौद्ध धर्म के चार संप्रदायों के साथ-साथ युगयुग बौद्ध और संस्थान के नियमों का परिचय दिया गया।
2. 10 सितंबर 2019 - तिब्बती विद्वान चुंग छेरिंग के द्वारा तिब्बती काल्पनिक और गैर-काल्पनिक कहानियों और लेखन की विधि पर व्याख्यान किया गया।
3. 13 सितंबर 2019 - पुनः उसी विद्वान के द्वारा अनुवाद की विधि पर व्याख्यान किया गया।
4. 13-15 सितंबर 2019 - कुछ छात्रों ने दिल्ली में सांस्कृतिक नृत्य, वाद-विवाद, प्रस्तुति, फिल्म प्रतियोगिता निर्माण और निबंध लेखन में भाग लिया।
5. सितंबर-अक्टूबर 2019 - डॉ. महेश शर्मा और डॉ. बसमीत गिल द्वारा भाषा विज्ञान पर एक कार्यशाला की गई।
6. 28 सितंबर - 9 अक्टूबर 2019 - दस दिनों के लिए आचार्य कक्षा के 54 छात्रों का शैक्षिक भ्रमण लद्दाख और मनाली गया।



7. 25 अक्टूबर 2019 - परम पावन 14वें दलाई लामा की पुस्तक "Universe in a Single Atom" पर अंतर कक्षाओं में एक सेमिनार या संगोष्ठी आयोजित की गई। सेमिनार के दौरान छात्रों ने अपने पेपर प्रस्तुत किए और बाद में सवाल और जवाब भी किया गया।





8. 47वीं छात्र कल्याण समिति ने छात्रों के लेखन और पढ़ने के कौशल को विकसित करने के लिए अतिशा सभागार में नए बोर्ड की व्यवस्था की, जिस पर छात्र अपनी तिब्बती, हिंदी और अंग्रेजी भाषा में कविताएँ लिख सकते हैं।
9. 11 दिसंबर 2019 - एक सप्ताह की कार्यशाला शुरू हुई जिसमें 30 छात्रों को Indesign- बुक मेकिंग पर एक प्रशिक्षण दिया गया।
10. 2019 जुलाई महीने में 40 छात्रों को माइक्रोसॉफ्ट वर्ड पर एक कार्यशाला दी गई।
11. 16-27 दिसंबर 2019 - सभी नए छात्रों और बी.एड. छात्रों (कुल 60 छात्रों) को दो सप्ताह के लिए लेखन कला पर एक कार्यशाला आयोजित की गई।
12. 2019 में डॉ. लक्ष्मणा छेरिंग ने एक सप्ताह के लिए 24 दिसंबर से छात्रों को तिब्बती व्याकरण पर एक कार्यशाला दी गई।
13. 2019 सितंबर महीने में शैक्षिक भ्रमण के दौरान पर CIETIS लद्दाख के वरिष्ठ छात्रों के साथ एक लघु शैक्षिक आदान-प्रदान किया।
14. 14 जनवरी 2019 - संगीतकार / गायक श्री लोतेन नमलिंग के द्वारा तिब्बती पारंपरिक गीत का परिचय और कुछ गीत प्रस्तुत किया गया।
15. संस्थान परिसर में लगभग 15 सुभाषित शब्द वाले बोर्ड चिपकाए गये।
16. 27-31 जनवरी 2019 - इतिहास प्रोफेसर जम्पा समतेन जी के द्वारा तिब्बत के समकालीन इतिहास पर एक व्याख्यान दिया गया।
17. 4 फरवरी 2019 - अतीश सभागार में गेशे लकदोर के द्वारा "कैसे बौद्ध धर्म अभ्यास से शांतिपूर्ण मन बने" विषय पर छात्रों को एक व्याख्यान दिया।
18. 3-5 फरवरी 2019 - वरिष्ठ छात्रों के लिए शीतकालीन अभियान का आयोजन किया गया। जिसमें बाहर से दो विद्वान गेशे लकदोर और लोपोन सोनम म्यालछेन को आमंत्रित किया गया।
19. 18-19 फरवरी 2019 - छात्रों द्वारा रिसर्च पेपर प्रस्तुति आयोजित की गयी।
20. फरवरी 2019 - छात्र कल्याण समिति द्वारा छात्रों के लेखन कौशल को बढ़ाने के लिए एक निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया।

## स्वास्थ्य और खेल-प्रतियोगितायें-

1. 1-15 अगस्त 2019 - अंतर कक्षाओं में प्रोफेसर लालमणि जोशी स्मृति फुटबाल खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।



2. 19 सितंबर 2019 - खेल प्रशिक्षक तेन्जिन निमा द्वारा सभी छात्रों को योग प्रशिक्षण दिया गया।
3. 2019 में मायादेवी गर्ल्स हॉस्टल में छह Sanitary Pad बर्निंग मशीन लगाई गईं।
4. टी.बी. स्क्रीनिंग के दौरान वेलिंग अस्पताल के डॉक्टर और नर्सों को सहायता की गई।
5. 2 नवंबर 2019 - छात्रों के लिए एथलेटिक दिवस का आयोजन किया गया।
6. 10 दिसंबर 2019 - परम पावन 14वें दलाई लामा को नोबेल शांति पुरस्कार देने के उत्सव पर एक फुटबाल प्रतियोगिता आयोजित की गई।
7. 26 जनवरी 2019 - दस दिवसीय वार्षिक बास्केटबाल टूर्नामेंट आयोजित किया गया।



### छात्रों के लिए लाभकारी कार्य और गतिविधियाँ-

1. वाराणसी के लोक कार्य विभाग के लगातार दौर के बाद संस्थान की मुख्य द्वार के सड़क पर दो डबल स्पीड ब्रेकर बनाए गए।
2. आचार्य कक्षा के दो छात्रों ने हॉस्टल में नए वाई-फाई कनेक्शन लगाया और पदसंभव छात्रावास में वाई-फाई की गति बढ़ाई गई।
3. 18 दिसंबर 2019 - छात्रों द्वारा निर्वाचित लगभग 10 छात्रों को महान् उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया।
4. 13 अप्रैल 2019 - एक लघु समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें शास्त्री तृतीय, आचार्य द्वितीय और बी.एड. अन्तिम बैच के छात्रों ने भाग लिया।
5. नए सोशल मीडिया अकाउंट फेसबुक और इंस्टाग्राम के पंजीकरण में छात्रों ने अधिक शैक्षिक अवसर का लाभ लिया।
6. 2019 में बास्केटबाल कोर्ट की मरम्मत की गई और ललित कला के छात्रों की मदद से कोर्ट को चित्रित किया गया और दर्शकों के लिए बेंच के प्लाइवुड भी बदल दिये गये।

### 2. भोजन प्रबन्ध समिति (छात्र-संगठन)

छात्र भोजन प्रबन्ध समिति, द्वारा सभी छात्रों का भोजन प्रबंध किया जाता है। इस समिति में कुल 10 सदस्य हैं, जो भिन्न-भिन्न संप्रदायों का प्रतिनिधित्व करते हैं। वर्तमान में कार्यरत समिति 38वीं है। इस समिति का मुख्य लक्ष्य छात्रों को पौष्टिक भोजन प्रदान करना, समस्त छात्रवास के निर्धारित नियमों तथा स्वच्छता की देख-रेख करना है। वर्तमान छात्र भोजन प्रबन्ध समिति के सदस्य इस प्रकार हैं:

|    |                       |                  |                  |
|----|-----------------------|------------------|------------------|
| 1  | खेनचे ग्याछो          | शास्त्री 3       | कोषाध्यक्ष       |
| 2  | थुबतेन डवाड           | आचार्य 1         | सहायक-कोषाध्यक्ष |
| 3  | तेनजिन येशे           | आचार्य 1         | सचिव             |
| 4  | लोबसड पलदेन           | आचार्य 1         | सहायक-सचिव       |
| 5  | छेरिड डोलकर           | बी.एस.आर.एम.एस 3 | सदस्य            |
| 6  | छेरिड वञ्चो           | बी.ए.बी.एड 2     | सदस्य            |
| 7  | जिमा समडुब            | बी.एस.आर.एम.एस 4 | सदस्य            |
| 8  | ल्हक्पा नोर्बु शेर्पा | बी.एस.आर.एम.एस 4 | सदस्य            |
| 9  | जिगमे स्तनजिन         | आचार्य 1         | सदस्य            |
| 10 | योनतेन ग्याछो         | शास्त्री 2       | सदस्य            |

### 3. रिग्-लब छात्र पत्रिका का प्रकाशन एवं कार्यशाला का आयोजन

प्रस्तावना और उद्देश्य - रिगलब वाराणसी एक स्वतन्त्र छात्र सम्पादक मण्डल है, जिसका उद्देश्य छात्रों की शैक्षणिक प्रतिभा का विकास करना है तथा तिब्बती भाषा तथा संस्कृति का संरक्षण करना है। प्रत्येक वर्ष इस छात्र सम्पादक मण्डल द्वारा कार्यशाला, निबन्ध प्रतियोगिता और वार्षिक पत्रिका का सम्पादन किया जाता है।

#### गतिविधियाँ-

1. 2 अगस्त 2019 - इस संघ ने दुंगडा-पांचवीं-वॉल्यूम पत्रिका प्रकाशित की। जिसका शीर्षक चेतसोम-छोकड्रिक (आर्टिकल्स का संग्रह) था, जो विभिन्न शिक्षाविधाओं को प्रभावित करता है।

2. 26 सितंबर 2019 - इस संघ ने स्वर्गीय प्रोफेसर लोबसांग नोरबू शास्त्री की स्मृति में अतिशा हॉल में एक कार्यक्रम आयोजित किया, जो संस्थान के महानतम प्रोफेसरों में से एक रहे। कार्यक्रम में कुछ वरिष्ठ छात्रों ने अपने शोध लेख प्रस्तुत किए और छात्रों के बीच उनके विषय में बात भी की गई। उनके कुछ निबंधों को अखबार में भी प्रकाशित किया गया।
3. 28 जनवरी 2020 - इस संघ के द्वारा हिमालयी संस्कृति विषय पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें मोनपा, लद्दाखी, पेमाको, स्पिति, किन्नौर और भारत के बाहरीय क्षेत्र तथा कुछ हिमालयी क्षेत्र जैसे नेपाल और भूटान आदि विषय शामिल रहे।

वर्नई-रिगलब के सक्रिय सदस्यों को दो साल में (वीआर) के वरिष्ठ सदस्यों द्वारा चुना जाता है। वर्नई-रिगलब के वर्तमान सदस्य निम्नलिखित हैं-

| क्रमांक | नाम             | स्थिति             | कक्षा                    |
|---------|-----------------|--------------------|--------------------------|
| 1       | नोरबू           | अध्यक्ष            | शास्त्री 3 <sup>rd</sup> |
| 2       | छोयज़ल योनतन    | उपाध्यक्ष          | शास्त्री 3 <sup>rd</sup> |
| 3       | देछेन वांग्पो   | सेक्रेटरी          | शास्त्री 3 <sup>rd</sup> |
| 4       | पेंपा चुड्दक    | सहायक सचिव         | शास्त्री 3 <sup>rd</sup> |
| 5       | नवांग देछेन     | कोषाध्यक्ष         | शास्त्री 1 <sup>st</sup> |
| 6       | छेडुब दोरजे     | कोषाध्यक्ष - सहायक | शास्त्री 1 <sup>st</sup> |
| 7       | तेनजिन जांग्लुप | सदस्य              | आचार्य 1 <sup>st</sup>   |
| 8       | छोयडोन          | सदस्य              | शास्त्री 2 <sup>nd</sup> |

#### 4. नाट्य-कला छात्र संगठन

संस्थान में नाट्य-कला छात्र संगठन की स्थापना सन् 2004 में की गई थी। इसके मुख्य उद्देश्यों का विवरण इस प्रकार है-

- (1) तिब्बतीय सांस्कृतिक और पारम्परिक गीत एवं नृत्य के संरक्षण के लिए नृत्य एवं गायन प्रतियोगिताओं का आयोजन करना।
- (2) हिमालयी क्षेत्रों के धर्म, संस्कृति एवं परम्परा के संरक्षण के लिए आयोजन करना।
- (3) छात्रों को प्रतिभा-प्रदर्शन का अवसर प्रदान करना।
- (4) विशिष्ट तिब्बती संस्कृति के विकास के लिए छात्रों को जागरूक करना।
- (5) विभिन्न पवित्र उत्सवों के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करना, जैसे नववर्ष एवं दलाई लामा का जन्म दिवस आदि।
- (6) नवीन पीढ़ी को तिब्बती संस्कृति का ज्ञान प्रदान करना।

#### गतिविधियाँ -

1. 2 सितम्बर, 2019 - तिब्बती लोकतन्त्र दिवस मनाने और तिब्बती संस्कृतियों को झलकाने के लिए नाट्य-कला छात्र संगठन द्वारा “अन्तर्विद्यालयीय सांस्कृतिक नृत्य” प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
2. 3 सितम्बर, 2019 - छात्रों के बीच बढ़ती प्रतिभाओं को देखने के लिए “ओपन टैलेन्ट शो” का आयोजन किया गया।

3. 17 सितम्बर, 2019 - नाट्यकला छात्र संगठन की देख-रेख में कुछ छात्रों ने युवा छात्रावास दिल्ली में आयोजित अन्तर्विद्यालयीय नृत्य प्रतियोगिता में भाग लिया। तिब्बत के सांस्कृतिक नृत्य के बारे में विभिन्न कालेजों के बीच प्रतिस्पर्धा को देखने के लिए प्रतियोगिता का आयोजन किया गया और हमारे संस्थान ने कई पुरस्कार प्राप्त किये।

### 5. समाजसेवा जनकल्याण स्वयंसेवक संघ

विश्वविद्यालय में छात्रों का एक स्वयंसेवक संघ है। इसका संगठन 1986 ई. में प्रो. समवेष्ट रिनपोछे पूर्व निदेशक से परामर्श कर प्रो. एल.एन. शास्त्री ने किया। यह संघ समाज की प्रगति एवं सर्वाङ्गीण उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है, तथा अतीत में मानव-समान की उत्कृष्ट एवं महत्वपूर्ण दृष्टि एवं आचार-संहिता पर आधारित है। साथ ही समाज में व्याप्त मानव-सृजित सम्प्रदायवाद, सिद्धान्तवाद, जातिवाद, लिङ्गभेद, पर्यावरण प्रदूषण आदि अनेक प्रकार की विषमतायें हैं, उनसे ऊपर उठकर मानवीय दायित्व का बोध कराना है। यह संघ समाज के उत्तरदायित्व और पर्यावरण संरक्षण आदि निम्नलिखित उद्देश्यों के लिए गठित है-

- सामाजिक उत्थान के लिए विचार और आचरण दोनों में मौलिक परिवर्तन लाना।
- समाज में साक्षात् हानि पहुँचाने वाले सभी कार्यों का प्रतिरोध एवं निषेध करना।
- नयी पीढ़ी के युवाओं को सही मार्गदर्शन देना और अनैतिक क्रिया-कलापों से दूर रखने का प्रयास करना।
- मद्य तथा उत्तेजक पदार्थों के सेवन तथा काममिथ्याचार का प्रतिरोध एवं निषेध करना।
- पर्यावरण प्रदूषण को रोकने के लिए विरोध एवं उनके संरक्षण के उपायों को कार्यान्वित करना।

इस समिति के परामर्शदाता एशोसिएट प्रो. लोबसङ्क दोर्जे रजलिङ्क, पुनरुद्धार विभाग हैं तथा चार सदस्य निम्नवत् हैं-

| नाम            | पद               | कक्षा      |
|----------------|------------------|------------|
| बिमा म्यलछेन   | अध्यक्ष          | शास्त्री 3 |
| पेमा यूडोन     | सचिव             | शास्त्री 3 |
| लोबसङ्क तेनचिन | कोषाध्यक्ष       | शास्त्री 3 |
| जम्पा टशी      | सहायक कोषाध्यक्ष | शास्त्री 2 |

### गतिविधियाँ -

1. संस्थान की देख-रेख में विभागाध्यक्षों एवं प्राध्यापकों के साथ समिति के सदस्यों ने ग्रामीण इलाकों में वृक्षारोपण किया।



2. 2 अक्टूबर, 2019 - गाँधी जयन्ती के अवसर पर हमने सामुदायिक के लिए धन इकट्ठा करने के उद्देश्य से अतिशय सभागार में हिमालयी संस्कृति पर कार्यक्रम का आयोजन किया। छात्रों को एक पेपर वितरित किया गया, जिसमें

महात्मा गाँधी और लालबहादुर शास्त्री के जीवन से सम्बन्धित कहानी, उद्धरण और उनके द्वारा किये गये कार्यों का विवरण उल्लिखित था।



3. 5 नवम्बर, 2019 - प्रो. समदोङ्ग रिनपोछे के जन्मदिवस के अवसर पर छात्र समिति ने तीन भाषाओं में "सोशल स्पेक्ट्रम" वार्षिक पत्रिका को सफलतापूर्वक जारी किया। पत्रिका में छात्रों के लेख और रचनाएँ शामिल हैं। कोविड महामारी के कारण उन रचनाओं को पुस्तक के रूप में प्रकाशित नहीं किया जा सका।
4. हर रविवार संस्थान परिसर एवं कक्षा-भवनों की स्वच्छता से सम्बन्धित कार्य किया।



## परिशिष्ट-1

संस्थान द्वारा आयोजित दीक्षान्त समारोह और उनमें मानद उपाधि से सम्मानित  
विशिष्ट विद्वानों की सूची

|                        |   |            |         |
|------------------------|---|------------|---------|
| विशेष दीक्षान्त समारोह | परम पावन दलाई लामा                                    | 14-01-1990 | वाक्पति |
| पहला                   | 1. श्री पी.वी. नरसिम्हा राव                           | 19-02-1990 | वाक्पति |
|                        | 2. भिक्षु लोबुगामा लंकनन्दा महाथेरो, श्रीलंका         | 19-02-1990 | वाक्पति |
|                        | 3. भिक्षु खेनपो लामा गादेन, मंगोलिया                  | 19-02-1990 | वाक्पति |
| दूसरा                  | 1. डॉ. राजा रमन्ना                                    | 15-07-1991 | वाक्पति |
|                        | 2. प्रो. जी.एम. बोनगार्ड लेविन, रूस                   | 15-07-1991 | वाक्पति |
| तीसरा                  | 1. डॉ. जी. राम रेड्डी, चेयरमैन, यू.जी.सी.             | 08-04-1993 | वाक्पति |
|                        | 2. आचार्य तुलसी महाराज                                | 08-04-1993 | वाक्पति |
| चौथा                   | 1. एच.एच. सक्या ट्रिजिन रिनपोछे                       | 16-04-1994 | वाक्पति |
| पाँचवाँ                | 1. डॉ. एस.डी. शर्मा, राष्ट्रपति, भारत सरकार           | 21-08-1996 | वाक्पति |
|                        | 2. प्रो.के. सच्चिदानन्द मूर्ति                        | 21-08-1996 | वाक्पति |
|                        | 3. प्रो. रल्फ बूल्टी जीन, श्रीलंका                    | 21-08-1996 | वाक्पति |
| छठाँ                   | 1. डॉ. ए.आर. किदवई, राज्यपाल, बिहार                   | 5-01-1998  | वाक्पति |
|                        | 2. प्रो. जी.सी. पाण्डेय                               | 5-01-1998  | वाक्पति |
| सातवाँ                 | 1. डॉ. कर्ण सिंह                                      | 27-12-1998 | वाक्पति |
|                        | 2. डॉ. (श्रीमती) कपिला वात्स्यायन                     | 27-12-1998 | वाक्पति |
| आठवाँ                  | 1. प्रो. रामशरण शर्मा                                 | 31-10-1999 | वाक्पति |
|                        | 2. प्रो. रवीन्द्र कुमार                               | 31-10-1999 | वाक्पति |
| नवाँ                   | 1. प्रो. डी.पी. चट्टोपाध्याय                          | 25-12-2000 | वाक्पति |
|                        | 2. आचार्य एस.एन. गोयनका                               | 25-12-2000 | वाक्पति |
| दसवाँ                  | 1. प्रो. विष्णुकान्त शास्त्री, राज्यपाल, उत्तर प्रदेश | 29-12-2001 | वाक्पति |
|                        | 2. प्रो. वी.आर. अनन्तमूर्ति                           | 29-12-2001 | वाक्पति |
|                        | 3. गादेन ट्रि रिनपोछे लोब्संग जीमा                    | 29-12-2001 | वाक्पति |
|                        | 4. डॉ. किरिट जोशी                                     | 29-12-2001 | वाक्पति |

|            |  |            |         |
|------------|--|------------|---------|
| ग्यारहवाँ  | 1. प्रो. मुरली मनोहर जोशी,<br>मानव संसाधन विकास मंत्री, भारत सरकार | 09-03-2003 | वाक्पति |
|            | 2. प्रो. डेविड सेफोर्ड रूइग, इंग्लैण्ड                             | 09-03-2003 | वाक्पति |
| बारहवाँ    | 1. श्री बलराम नन्दा  | 18-02-2005 | वाक्पति |
|            | 2. श्री जे.एस. वर्मा, न्यायाधीश                                    | 18-02-2005 | वाक्पति |
| तेरहवाँ    | 1. डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम<br>पूर्व राष्ट्रपति, भारत सरकार        | 06-03-2008 | वाक्पति |
|            | 2. प्रो. सुलक शिवरक्श  | 06-03-2008 | वाक्पति |
| चौदहवाँ    | 1. श्रीमती मीरा कुमार<br>अध्यक्ष, लोकसभा                           | 17-03-2012 | वाक्पति |
|            | 2. प्रो. रोबर्ट थरमन   | 17-03-2012 | वाक्पति |
|            | 3. प्रो. लोकेश चन्द्र  | 17-03-2012 | वाक्पति |
| पन्द्रहवाँ | 1. आचार्य भिक्षु तिक-न्यात-हन्ह, वियतनाम                           | 25.10.2018 | वाक्पति |
|            | 2. विद्याश्रीशतीर्थस्वामी महाराज (डी. प्रह्लादाचार्य)              | 25.10.2018 | वाक्पति |
|            | 3. श्रीमती जेचुन पेमा  | 25.10.2018 | वाक्पति |



## परिशिष्ट-2

सोसायटी के सदस्य (दिनांक 31-3-2020)

| क्र.सं. | नाम   | पद      |
|---------|---|---------|
| 1.      | सचिव<br>संस्कृति मन्त्रालय, भारत सरकार,<br>शास्त्री भवन, नई दिल्ली।                           | अध्यक्ष |
| 2.      | प्रो. गेशे एन. समतेन, कुलपति<br>केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान,<br>सारनाथ, वाराणसी।    | सदस्य   |
| 3.      | निदेशक (बी.टी.आई.)<br>भारत सरकार, संस्कृति मन्त्रालय,<br>शास्त्री भवन, नई दिल्ली।             | सदस्य   |
| 4.      | प्रो. के.टी.एस. सराव<br>ई-51, कमला नगर,<br>दिल्ली-110007                                      | सदस्य   |
| 5.      | प्रो. अमरजीव लोचन<br>95, विद्या विहार,<br>आउटर रिंग रोड, पीतमपुरा,<br>दिल्ली-110034           | सदस्य   |
| 6.      | प्रो. रामरक्षा त्रिपाठी<br>कपिलधारा (कोटवा),<br>पोस्ट-सराय मोहन,<br>वाराणसी-221007            | सदस्य   |
| 7.      | प्रो. रवीन्द्र पन्त<br>बी-801, नव संजीवन,<br>प्लॉट-1, द्वारका सेक्टर-12,<br>नयी दिल्ली-110075 | सदस्य   |
| 8.      | गेशे दोर्जे दमडुल<br>निदेशक, तिब्बत हाउस,<br>1, इंस्टीट्यूशनल एरिया, नयी दिल्ली।              | सदस्य   |

- |     |   |            |
|-----|---|------------|
| 9.  | श्री वी.के. सीलजो<br>निदेशक-आई.सी.सी. रूम नं.212-सी.<br>डिपार्टमेंट ऑफ हायर एडुकेशन,<br>मिनिस्ट्री ऑफ ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट,<br>शास्त्री भवन, नयी दिल्ली । | सदस्य      |
| 10. | गेशे ल्हकदर<br>निदेशक,<br>लाइब्रेरी ऑफ टिबेटन वर्क्स एण्ड आर्काइव्स,<br>धर्मशाला (हि.प्र.) ।  | सदस्य      |
| 11. | गेशे दोर्जे दमडुल<br>निदेशक, तिब्बत हाउस,<br>1, इंस्टीट्यूशनल एरिया,<br>लोदी रोड, नई दिल्ली-110003  | सदस्य      |
| 12. | संयुक्त सचिव (ई.ए.)<br>मिनिस्ट्री ऑफ एक्टर्नल अफेयर्स,<br>भारत सरकार, नई दिल्ली ।   | सदस्य      |
| 13. | प्रो. देवराज सिंह<br>प्रोफेसर (अर्थशास्त्र),<br>केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान,<br>सारनाथ, वाराणसी ।   | सदस्य      |
| 14. | श्री टशी छेरिंग<br>एसोसिएट प्रोफेसर, भोट ज्योतिष,<br>केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान,<br>सारनाथ, वाराणसी ।  | सदस्य      |
| 15. | भिक्षु दुदजोम नमज़ल<br>असिस्टेंट प्रोफेसर (त्रिडमा सम्प्रदाय),<br>केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान,<br>सारनाथ, वाराणसी ।                                 | सदस्य      |
| 16. | कुलसचिव<br>केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान,<br>सारनाथ, वाराणसी ।  | सदस्य-सचिव |

परिशिष्ट-3

प्रबन्ध परिषद् के सदस्य (दिनांक 31-3-2020)

| क्र.सं. | नाम  | पद      |
|---------|--|---------|
| 1.      | प्रो. गेशे एन. समतेन<br>कुलपति,<br>केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान,<br>सारनाथ, वाराणसी ।   | अध्यक्ष |
| 2.      | गेशे ल्हकदर<br>निदेशक,<br>लाइब्रेरी ऑफ टिबेटन वर्क्स एण्ड आर्काइव्स,<br>गंगछेन क्विश्शोंग, धर्मशाला-176214,<br>जिला-कांगड़ा, (हिमाचल प्रदेश) । | सदस्य   |
| 3.      | संयुक्त सचिव (बी.टी.आई.)<br>भारत सरकार, संस्कृति मन्त्रालय,<br>शास्त्री भवन, नई दिल्ली ।   | सदस्य   |
| 4.      | संयुक्त सचिव (पूर्वी एशिया)<br>मिनिस्ट्री ऑफ एक्सटर्नल अफेयर्स,<br>नई दिल्ली ।   | सदस्य   |
| 5.      | वित्तीय सलाहकार (प्रतिनिधि)<br>संस्कृति मन्त्रालय,<br>संस्कृति विभाग (आई.एफ.डी.),<br>रूम नं. 328-‘सी’ विंग,<br>शास्त्री भवन, नई दिल्ली-110001  | सदस्य   |
| 6.      | प्रो. रामरक्षा त्रिपाठी<br>कपिलधारा (कोटवा),<br>पोस्ट-सराय मोहन,<br>सारनाथ, वाराणसी-221007   | सदस्य   |
| 7.      | श्री के.टी.एस. राव<br>रूम नं. 317, एक्सटेंशन बिल्डिंग,<br>कला संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय,<br>दिल्ली-110007                                    | सदस्य   |

- |     |  |            |
|-----|--|------------|
| 8.  | डॉ. अमरजीव लोचन<br>एसोसिएट प्रोफेसर,<br>प्राचीन भारतीय इतिहास तथा संस्कृति,<br>(शिवाजी कॉलेज), दिल्ली विश्वविद्यालय,<br>दिल्ली-110007।   | सदस्य      |
| 9.  | प्रो. लोब्संग तेनज़िन<br>संकायाध्यक्ष, सोवा रिग्-पा एवं भोट-ज्योतिष विभाग,<br>केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान,<br>सारनाथ, वाराणसी। | सदस्य      |
| 10. | प्रो. देवराज सिंह<br>समाज शास्त्र विभाग,<br>केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान,<br>सारनाथ, वाराणसी।                                   | सदस्य      |
| 11. | कुलसचिव<br>केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान,<br>सारनाथ, वाराणसी।  | सदस्य-सचिव |

परिशिष्ट-4

विद्वत् परिषद् के सदस्य (दिनांक 31-03-2020)

| क्र.सं. | नाम  | पद      |
|---------|--|---------|
| 1.      | प्रो. गेशे एन. समतेन<br>कुलपति,<br>केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान,<br>सारनाथ, वाराणसी।  | अध्यक्ष |
| 2.      | प्रो. के.पी. पाण्डेय<br>निदेशक, एस.एच.ई.पी.ए.<br>(सोसाइटी ऑफ हायर एडुकेशन एण्ड<br>पोलिटिकल एप्लीकेशन)<br>मोहन सराय मुगलसराय वी.आर.एम. बाईपास रोड<br>निबा, बच्चाओं, वाराणसी-221011। | सदस्य   |
| 3.      | गेशे दोर्जे दमडुल<br>निदेशक, तिब्बत हाउस,<br>1, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, लोधी रोड,<br>नई दिल्ली-110003।   | सदस्य   |
| 4.      | प्रो. लल्लन मिश्रा<br>डिपार्टमेंट ऑफ कमेस्ट्री,<br>इन्स्टीट्यूट ऑफ साइंसेस,<br>बी.एच.यू., वाराणसी।   | सदस्य   |
| 5.      | प्रो. मुकुलराज मेहता<br>डिपार्टमेंट ऑफ फिलॉसफी एण्ड रिलीजन,<br>फैकल्टी ऑफ आर्ट्स,<br>बी.एच.यू., वाराणसी।   | सदस्य   |
| 6.      | प्रो. अजय प्रताप सिंह<br>अध्यक्ष, इतिहास,<br>फैकल्टी ऑफ सोशल साइंसेस,<br>बी.एच.यू., वाराणसी-221005।  | सदस्य   |

- |     |  |       |
|-----|--|-------|
| 7.  | प्रो. लोब्संग तेन्जिन<br>प्रोफेसर तथा संकाध्यक्ष, सोवा-रिग्पा विभाग,<br>केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान,<br>सारनाथ, वाराणसी ।                  | सदस्य |
| 8.  | प्रो. डी. आर. सिंह<br>प्रोफेसर, अर्थशास्त्र,<br>केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान,<br>सारनाथ, वाराणसी ।  | सदस्य |
| 9.  | प्रो. डब्ल्यू. डी. नेगी<br>प्रोफेसर, मूलशास्त्र,<br>केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान,<br>सारनाथ, वाराणसी ।                                      | सदस्य |
| 10. | प्रो. जम्पा समतेन<br>प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, तिब्बती इतिहास,<br>केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान,<br>सारनाथ, वाराणसी ।                            | सदस्य |
| 11. | प्रो. लोब्संग यारफेल<br>प्रोफेसर तथा अध्यक्ष, मूलशास्त्र,<br>केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान,<br>सारनाथ, वाराणसी ।                             | सदस्य |
| 12. | प्रो. टशी छेरिंग (एस)<br>प्रोफेसर व संकायाध्यक्ष, साक्य सम्प्रदाय,<br>केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान,<br>सारनाथ, वाराणसी ।                    | सदस्य |
| 13. | भिक्षु जी.एल.एल. वाङ्छुक<br>रीडर तथा अध्यक्ष, बोन सम्प्रदाय,<br>केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान,<br>सारनाथ, वाराणसी ।                          | सदस्य |
| 14. | प्रो. डी.डी. चतुर्वेदी<br>प्रोफेसर, संस्कृत विभाग,<br>संकायाध्यक्ष, शब्दविद्या संकाय,<br>केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान,<br>सारनाथ, वाराणसी । | सदस्य |

15. डॉ. दोर्जे दमडुल  
एसोसिएट प्रोफेसर व अध्यक्ष, सोवा-रिग्पा विभाग,  
केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान,  
सारनाथ, वाराणसी । सदस्य
16. भिक्षु ल्हक्पा छेरिंग  
असिस्टेंट प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, तिब्बती भाषा विभाग,  
केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान,  
सारनाथ, वाराणसी । सदस्य
17. डॉ. जम्पा छोफेल  
असिस्टेंट प्रोफेसर व अध्यक्ष, भोट ज्योतिष विभाग,  
केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान,  
सारनाथ, वाराणसी । सदस्य
18. श्री जिग्मे  
असिस्टेंट प्रोफेसर व अध्यक्ष,  
तिब्बती ट्रेडिशनल फाइन आर्ट्स,  
केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान,  
सारनाथ, वाराणसी । सदस्य
19. डॉ. टशी छेरिंग (जे)  
एसोसिएट प्रोफेसर, भोट ज्योतिष,  
केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान,  
सारनाथ, वाराणसी । सदस्य
20. प्रो. उमेश चन्द्र सिंह  
प्रोफेसर, प्राचीन इतिहास,  
केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान,  
सारनाथ, वाराणसी । सदस्य
21. डॉ. टशी छेरिंग (टी)  
एसोसिएट प्रोफेसर, तिब्बती भाषा विभाग,  
केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान,  
सारनाथ, वाराणसी । सदस्य
22. डॉ. टशी सम्फेल  
एसोसिएट प्रोफेसर, कर्ग्युद सम्प्रदाय,  
केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान,  
सारनाथ, वाराणसी । सदस्य

- |     |   |            |
|-----|---|------------|
| 23. | भिक्षु लोब्संग वंगड्रुक<br>असिस्टेंट प्रोफेसर, मूलशास्त्र विभाग,<br>केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान,<br>सारनाथ, वाराणसी । | सदस्य      |
| 24. | भिक्षु युंगडुंग गेलेक<br>असिस्टेंट प्रोफेसर, बोन सम्प्रदाय,<br>केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान,<br>सारनाथ, वाराणसी ।      | सदस्य      |
| 25. | डॉ. रणशील कुमार उपाध्याय<br>कुलसचिव,<br>केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान,<br>सारनाथ, वाराणसी ।                             | सदस्य-सचिव |



## परिशिष्ट-5

वित्त समिति के सदस्य (दिनांक 31-3-2020)

| क्र.सं. | नाम   | पद         |
|---------|---|------------|
| 1.      | प्रो. गेशे एन. समतेन<br>कुलपति,<br>केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान,<br>सारनाथ, वाराणसी ।  | अध्यक्ष    |
| 2.      | निदेशक/उपसचिव (वित्त)<br>संस्कृति विभाग (आई.एफ.डी.),<br>संस्कृति मन्त्रालय,<br>भारत सरकार,<br>शास्त्री भवन, नई दिल्ली ।   | सदस्य      |
| 3.      | निदेशक/उपसचिव (बी.टी.आई.)<br>बी.टी.आई. सेक्शन,<br>संस्कृति मन्त्रालय, भारत सरकार,<br>द्वितीय तल, डी-ब्लॉक,<br>पुरातत्त्व भवन, जी.पी.ओ. कम्पलेक्स,<br>आई.एन.ए., नई दिल्ली-23 । | सदस्य      |
| 4.      | डॉ. एस.पी. माथुर<br>कुलसचिव,<br>आई.आई.टी., बी.एच.यू.,<br>लंका, वाराणसी-221005 ।   | सदस्य      |
| 5.      | डॉ. रणशील कुमार उपाध्याय<br>कुलसचिव,<br>केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान,<br>सारनाथ, वाराणसी ।   | सदस्य-सचिव |

## परिशिष्ट-6

योजना एवं प्रबोधक परिषद् के सदस्य (दिनांक 31-3-2020)

| क्र.सं. | नाम   | पद   |
|---------|---|--|
| 1.      | कुलपति,<br>केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान,<br>सारनाथ, वाराणसी ।  | अध्यक्ष (पदेन)                             |
| 2.      | संयुक्त सचिव<br>भारत सरकार, संस्कृति मन्त्रालय,<br>पुरातत्त्व भवन, जी.पी.ओ. कम्पलेक्स,<br>नयी दिल्ली-110023 ।                       | सदस्य (पदेन)                               |
| 3.      | वित्तीय सलाहकार<br>संस्कृति मन्त्रालय,<br>शास्त्री भवन, नयी दिल्ली ।  | सदस्य (पदेन)                               |
| 4.      | प्रो. लोसंग तेनजिन<br>प्रोफेसर,<br>सोवा-रिगू-पा विभाग (तिब्बती दवा),<br>केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान,<br>सारनाथ, वाराणसी । | सदस्य                                      |
| 5.      | प्रो. वैद्यनाथ लाभ<br>कुलपति,<br>एन.एन.एम.,<br>नालन्दा ।  | सदस्य<br>(सोसायटी के अध्यक्ष द्वारा नामित) |
| 6.      | प्रो. भुवन चन्देल<br>सेन्टर ऑफ सिविलाइजेशन स्टडीज,<br>नई दिल्ली ।   | सदस्य ”                                    |

परिशिष्ट-7

प्रकाशन समिति के सदस्य (दिनांक 31-3-2020)

| क्र.सं. | नाम   | पद      |
|---------|---|---------|
| 1.      | प्रो. गेशे एन. समतेन<br>कुलपति,<br>केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान,<br>सारनाथ, वाराणसी ।            | अध्यक्ष |
| 2.      | कुलसचिव,<br>केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान,<br>सारनाथ, वाराणसी ।                                   | सदस्य   |
| 3.      | प्रो. लोसंग तेनज़िन<br>केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान,<br>सारनाथ, वाराणसी ।                        | सदस्य   |
| 4.      | प्रो. प्रद्युम्न दुबे<br>काशी हिन्दू विश्वविद्यालय,<br>वाराणसी ।  | सदस्य   |
| 5.      | प्रो. पी. पी. गोखले<br>केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान,<br>सारनाथ, वाराणसी ।                        | सदस्य   |
| 6.      | प्रो. आर. के. द्विवेदी<br>संस्कृत विश्वविद्यालय,<br>वाराणसी ।   | सदस्य   |
| 7.      | ग्रन्थालयाध्यक्ष<br>शान्तरक्षित ग्रन्थालय,<br>केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान,<br>सारनाथ, वाराणसी । | सदस्य   |
| 8.      | सम्पादक<br>पुनरुद्धार विभाग,<br>केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान,<br>सारनाथ, वाराणसी ।               | सदस्य   |

- |     |  |            |
|-----|--|------------|
| 9.  | सम्पादक<br>अनुवाद विभाग,<br>केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान,<br>सारनाथ, वाराणसी ।                                | सदस्य      |
| 10. | श्री सङ्ग्ये तेन्दर<br>अध्यक्ष, तिब्बती प्रकाशन,<br>लाइब्रेरी ऑफ टिबेटन वर्क्स एण्ड आर्काइव्स,<br>धर्मशाला (हि.प्र.) । | सदस्य      |
| 11. | प्रकाशन प्रभारी<br>केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान,<br>सारनाथ, वाराणसी ।   | सदस्य-सचिव |

# *Contents*

| <b><u>Chapters</u></b>                | Page Nos. |
|---------------------------------------|-----------|
| 1. A Brief Profile of the Institute   | 3         |
| 2. Faculties and Academic Departments | 10        |
| 3. Research Departments               | 59        |
| 4. Shantarakshita Library             | 83        |
| 5. Administration                     | 96        |
| 6. Activities                         | 107       |

## **Appendices**

|   |     |
|---|-----|
| 1. List of Convocations Held and Honoris Causa Degrees<br>Conferred on Eminent Persons by CIHTS | 142 |
| 2. List of Members of the CIHTS Society   | 144 |
| 3. List of Members of the Board of Governors  | 146 |
| 4. List of Members of the Academic Council  | 148 |
| 5. List of Members of the Finance Committee   | 151 |
| 6. List of Members of the Planning and Monitoring Board   | 152 |
| 7. List of Members of the Publication Committee   | 153 |

## **Editorial Committee**

### **Chairman:**

Prof. Dharma Dutt Chaturvedi  
Professor,  
Dean, Faculty of Shabdavidya,  
Head, Department of Sanskrit,  
Head, Department of Classical and  
Modern Languages

### **Members:**

Dr. Anirvan Das  
Associate Professor,  
Dept. of Sanskrit

Dr. Mahesh Sharma  
Assistant Professor, English,  
Dept. of Classical & Modern Languages

Dr. Anurag Tripathi  
Assistant Professor, Hindi,  
Dept. of Classical & Modern Languages

Dr. Jyoti Singh  
Assistant Professor, Hindi,  
Dept. of Classical & Modern Languages

Dr. Devi Prasad Singh  
Professional Assistant,  
Shantarakshita Library

Dr. Jasmeet Gill  
Guest Faculty, English,  
Dept. of Classical & Modern Languages

### **Member Secretary:**

Shri M.L. Singh  
Sr. Assistant,  
(Admn. Section-I)

## **1. A BRIEF PROFILE OF THE INSTITUTE**

The **Central Institute of Higher Tibetan Studies (CIHTS)** at Sarnath is one of its kind in the country. The Institute was established in 1967. The idea of the Institute was mooted in course of a dialogue between Pandit Jawaharlal Nehru, the first Prime Minister of India and His Holiness the Dalai Lama with a view to educating the young Tibetan in exile and those from the Himalayan regions of India, who have religion, culture and language in common with Tibet.

In the beginning, Central Institute of Higher Tibetan Studies (CIHTS) began functioning as a constituent wing of the Sampurnananda Sanskrit University, and eventually emerged as an autonomous body in 1977 under the Department of Culture of Ministry of Education, Government of India. The Institute's unique mode of functioning was duly recognized, and on the recommendation of the University Grants Commission, the Government of India bestowed upon it the status of a **'Deemed University', under Section 3 of the UGC Act 1956 on the 5<sup>th</sup> of April, 1988**. Ven. Prof. Samdhong Rinpoche was the first Director of the Institute, who continued his office till 2000. Presently, the Hon'ble Culture Minister, Government of India, Ministry of Culture, is the Chancellor of the Institute. Professor Geshe Ngawang Samten is the present Vice-Chancellor. Under his able leadership and with the support of the learned faculty-members, the Institute is on its march towards achieving further excellence in the fields of Tibetology, Buddhology and Himalayan Studies.

Besides the regular academic projects, the Institute is furthering various research programmes by in-house scholars, and visiting fellows from other academic institutions of India and abroad. CIHTS provides a large platform for interaction between the Buddhist and other philosophical schools of India, and also between the Buddhist and the Western philosophers and scientists. In recognition of this, the Institute has been collaborating with and conducting exchange programmes with many academic institutions as well as organizations around the world.

### **Projects Envisioned**

The Institute has envisaged projects jointly by eminent scholars under the guidance of His Holiness the Dalai Lama and the Government of India, to cover the following objectives for over four decades:

- To preserve Tibetan culture and tradition,
- To restore ancient Indian science and literature preserved in the Tibetan language, but lost in originals,

- To offer an alternative educational facility to students from the Tibetan diaspora and the Indian Himalayan border areas those who formerly used to avail themselves of the opportunity of receiving higher education in Tibet,
- To impart education in traditional subjects within the framework of a modern Institute system with provision for award of degrees in Tibetan studies and
- To impart education on modern disciplines along with Buddhism and Tibetan studies for the inculcation of moral values with a view to developing an integrated personality.

The academic and research projects of the Institute are carried out through the following Faculties and Departments:

**(1) ACADEMICS**

**A. Faculty of Hetu and Adhyatma Vidya**

- I. Department of Moolshastra
- II. Department of Sampradaya Shastra
- III. Department of Bon Sampradaya Shastra

**B. Faculty of Shabda Vidya**

- I. Department of Sanskrit
- II. Department of Tibetan Language and Literature
- III. Department of Classical and Modern Languages
- IV. Department of Education

**C. Faculty of Adhunika Vidya**

- I. Department of Social Sciences

**D. Faculty of Shilpa Vidya**

- I. Department of Tibetan Traditional Painting
- II. Department of Tibetan Traditional Woodcraft

**E. Faculty of Sowa Rigpa and Bhot Jyotish Vidya**

- I. Department of Sowa Rigpa
- II. Department of Bhot Jyotish Vidya

**(2) RESEARCH DEPARTMENTS**

- A. Restoration Department
- B. Translation Department
- C. Rare Buddhist Texts Research Department
- D. Dictionary Department
- E. Centre for Tibetan Literature



**(3) SHANTARAKSHITA LIBRARY**

- A. Acquisition and Technical Section
- B. Periodical and Reference Section
- C. Tibetan Section
- D. Circulation
- E. Stack Section
- F. Multimedia Section
- G. Computer Section

**(4) ADMINISTRATION**

- A. Administration Section I
- B. Administration Section II
- C. Examination Wing
- D. Maintenance Wing
- E. Accounts Wing
- F. Publication Wing



**Teaching : Enrolment and Examination 2019-20**

The Institute enrolls students for various courses of studies and holds examinations. The results of various courses for the year 2019-20 are shown in the following table.

**Ist Semester (July 2019 to December 2019)**

| <b>Class</b>      | <b>No. of Exam Forms Received</b> | <b>No. of Absent Students</b> | <b>No. of Enrolled Students</b> | <b>No. of Failed Students</b> | <b>No. of Passed Students</b> | <b>Remarks</b> |
|-------------------|-----------------------------------|-------------------------------|---------------------------------|-------------------------------|-------------------------------|----------------|
| P.M. I            | 48                                | ----                          | 48                              | 01                            | 47                            |                |
| P.M. II           | 55                                | 02                            | 53                              | ---                           | 53                            |                |
| U.M. I            | 40                                | ----                          | 40                              | 02                            | 38                            |                |
| U.M. II           | 31                                | ----                          | 31                              | ---                           | 31                            |                |
| SHASTRI I         | 28                                | ----                          | 28                              | ---                           | 28                            |                |
| SHASTRI II        | 23                                | 01                            | 22                              | ---                           | 22                            |                |
| SHASTRI III       | 27                                | 01                            | 26                              | ---                           | 26                            |                |
| ACHARYA I (B.P.)  | 14                                | ----                          | 14                              | 01                            | 13                            |                |
| ACHARYA I (T.L.)  | 11                                | ----                          | 11                              | ---                           | 11                            |                |
| ACHARYA I (T.H.)  | 01                                | ----                          | 01                              | ---                           | 01                            |                |
| ACHARYA II (B.P.) | 12                                | 01                            | 11                              | ----                          | 11                            |                |
| ACHARYA II (T.L.) | 10                                | ----                          | 10                              | ---                           | 10                            |                |
| ACHARYA II (T.H.) | 03                                | ----                          | 03                              | ---                           | 03                            |                |
| Ayurved U.M. I    | 20                                | ----                          | 20                              | 04                            | 16                            |                |
| Ayurved U.M. II   | 15                                | 04                            | 11                              | ---                           | 11                            |                |
| FINE ARTS U.M.I   | 03                                | ----                          | 03                              | ---                           | 03                            |                |
| FINE ARTS U.M.II  | 09                                | 01                            | 08                              | ---                           | 08                            |                |
| B.FINE ARTS. I    | 06                                | ----                          | 06                              | 05                            | 01                            |                |
| B.FINE ARTS. II   | 03                                | ----                          | 03                              | ---                           | 03                            |                |
| B. FINE ARTS III  | 02                                | ----                          | 02                              | ---                           | 02                            |                |
| BSRMS. II         | 12                                | 01                            | 11                              | 03                            | 08                            |                |
| BSRMS. III        | 15                                | 01                            | 14                              | 02                            | 12                            |                |
| BSRMS. IV         | 11                                | ----                          | 11                              | 01                            | 10                            |                |
| BSRMS. V          | 03                                | ----                          | 03                              | 01                            | 02                            |                |

**ANNUAL REPORT 2019-2020**

|                       |            |           |            |           |            |  |
|-----------------------|------------|-----------|------------|-----------|------------|--|
| B.Ed.                 | 24         | 04        | 20         | ---       | 20         |  |
| B.A. B.Ed. I          | 06         | ----      | 06         | ---       | 06         |  |
| B.A. B.Ed. II         | 20         | ----      | 20         | ---       | 20         |  |
| <b>Total Strength</b> | <b>452</b> | <b>16</b> | <b>436</b> | <b>20</b> | <b>416</b> |  |

**IInd Semester (December 2019 to May 2020)**

| <b>Class</b>          | <b>No. of Exam Forms Received</b> | <b>No. of Absent Students</b> | <b>No. of Enrolled Students</b> | <b>No. of Failed Students</b> | <b>No. of Passed Students</b> | <b>Remarks</b> |
|-----------------------|-----------------------------------|-------------------------------|---------------------------------|-------------------------------|-------------------------------|----------------|
| P.M. I                | 52                                | --                            | 52                              | 01                            | 51                            |                |
| P.M. II               | 45                                | 01                            | 44                              | 01                            | 43                            |                |
| U.M. I                | 33                                | 03                            | 30                              | --                            | 30                            |                |
| U.M. II               | 33                                | 01                            | 32                              | --                            | 32                            |                |
| SHASTRI I             | 24                                | --                            | 24                              | --                            | 24                            |                |
| SHASTRI II            | 27                                | --                            | 27                              | --                            | 27                            |                |
| SHASTRI III           | 43                                | --                            | 43                              | --                            | 43                            |                |
| ACHARYA I (B.P.)      | 12                                | --                            | 12                              | --                            | 12                            |                |
| ACHARYA I (T.L.)      | 10                                | --                            | 10                              | --                            | 10                            |                |
| ACHARYA I (T.H.)      | 03                                | --                            | 03                              | --                            | 03                            |                |
| ACHARYA II (B.P.)     | 14                                | 01                            | 13                              | --                            | 13                            |                |
| ACHARYA II (T.L.)     | 11                                | --                            | 11                              | --                            | 11                            |                |
| ACHARYA II (T.H.)     | 04                                | --                            | 04                              | --                            | 04                            |                |
| SOWA RIGPA<br>U.M. I  | 16                                | --                            | 16                              | 01                            | 15                            |                |
| SOWA RIGPA<br>U.M. II | 05                                | --                            | 05                              | 01                            | 04                            |                |
| FINE ARTS I           | 09                                | --                            | 09                              | --                            | 09                            |                |
| FINE ARTS II          | 04                                | --                            | 04                              | --                            | 04                            |                |
| B. FINE ARTS I        | 03                                | --                            | 03                              | --                            | 03                            |                |
| B. FINE ARTS II       | 04                                | 01                            | 03                              | 01                            | 02                            |                |
| M.F.A. II             | 01                                | --                            | 01                              | --                            | 01                            |                |
| BSRMS I               | 12                                | --                            | 12                              | --                            | 12                            |                |
| BSRMS II              | 15                                | --                            | 15                              | --                            | 15                            |                |

**A BRIEF PROFILE OF THE INSTITUTE**

|                       |            |           |            |           |            |  |
|-----------------------|------------|-----------|------------|-----------|------------|--|
| BSRMS III             | 09         | --        | 09         | --        | 09         |  |
| BSRMS IV              | 04         | --        | 04         | 01        | 03         |  |
| BSRMS V               | 03         | --        | 03         | --        | 03         |  |
| B.Ed.                 | 13         | --        | 13         | --        | 13         |  |
| B.A. B.Ed I           | 20         | --        | 20         | --        | 20         |  |
| B.A. B.Ed IV          | 16         | --        | 16         | --        | 16         |  |
| <b>Total Strength</b> | <b>445</b> | <b>07</b> | <b>438</b> | <b>06</b> | <b>432</b> |  |

□

## **2. FACULTIES**

The academic function of the Institute is mainly concerned with teaching and research. The Institute was granted the status of 'Deemed to be University' by the Government of India in 1988 and since then it has been awarding its own Certificates, Diplomas and Degrees for the courses of studies conducted by it.

The Institute offers Shastri (B.A.), Acharya (M.A.), M.Phil., Ph.D. and BSRMS degrees in Buddhist Studies, Tibetan Medicine, Astrology, Tibetan Painting and Woodcarving. Students are enrolled for the courses at the Secondary School Level (equivalent to Grade 9). They are required to complete four year's Pre-University education, before entering rigorous traditional training combined with modern pedagogy at the University level.

Through an integrated course of nine years of Buddhist Studies programme from Secondary School to Acharya, students study Tibetan, Sanskrit, Hindi, English, Indian Buddhist texts, Tibetan commentaries and other treatises. The indigenous Tibetan Bon tradition is also taught parallelly with Buddhist studies. Besides, students are taught such subjects as Pali, Asian History, Economics and Political Science.

Students of the Sowa-Rigpa study the theory and practice of traditional Tibetan medicine as well as modern Western pathology, anatomy and physiology, and receive complete clinical training so as to qualify them to practise Tibetan medicine.

Students of Tibetan fine arts learn Thanka painting and Tibetan woodcarving along with subjects like Buddhist philosophy, Tibetan Language and Literature, English Language and History of Arts and Aesthetics.

### **Methodology and Approach in Teaching**

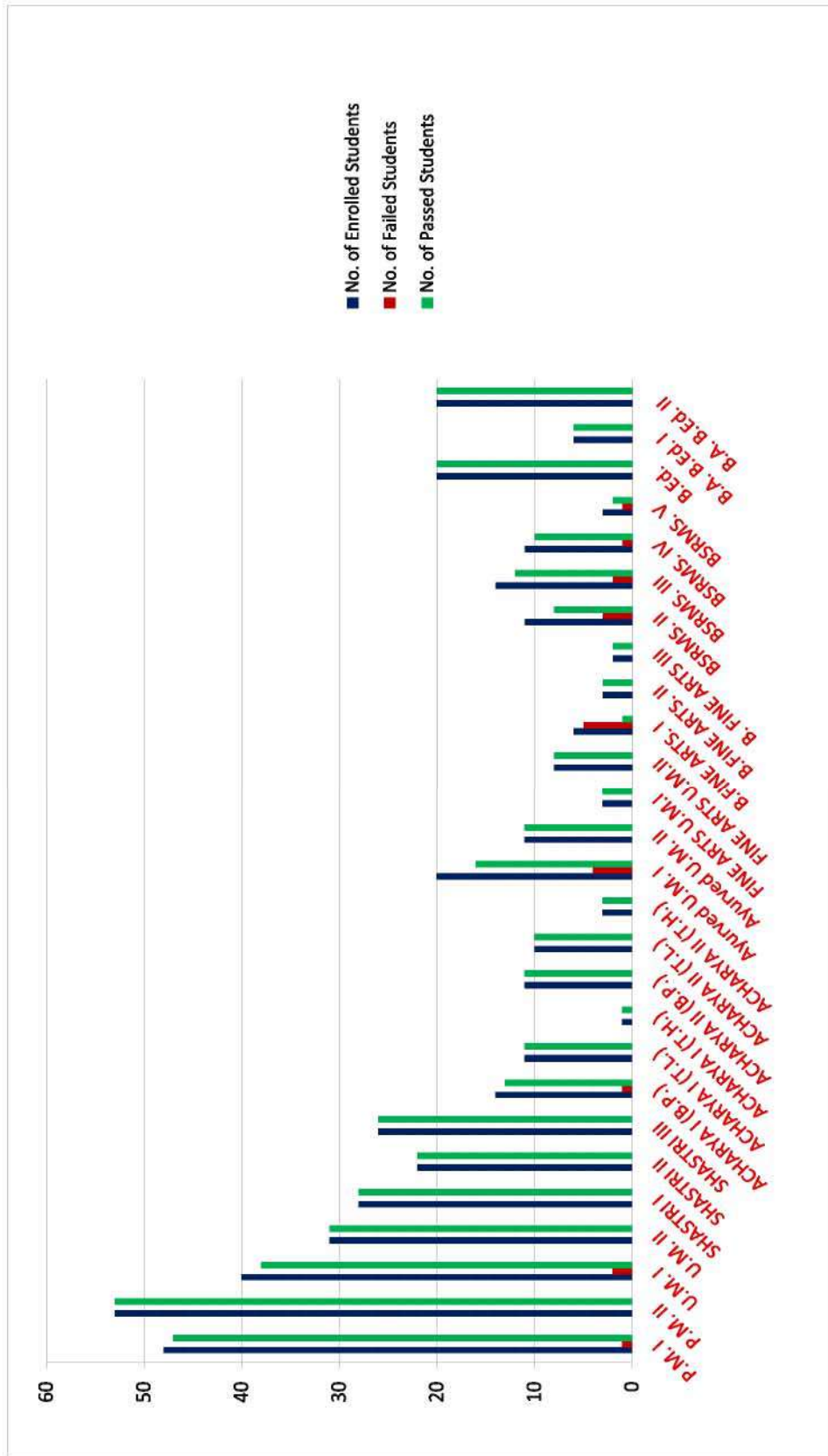
The various courses of studies are designed keeping in view the educational needs emanating from the objectives laid down for the Institute. Course designing is carried out on the suggestions of the Faculties, approval of the Board of Studies, which consists of subject experts, and final approval by the Academic Council and the Board of Governors.

### **Examination and Evaluation**

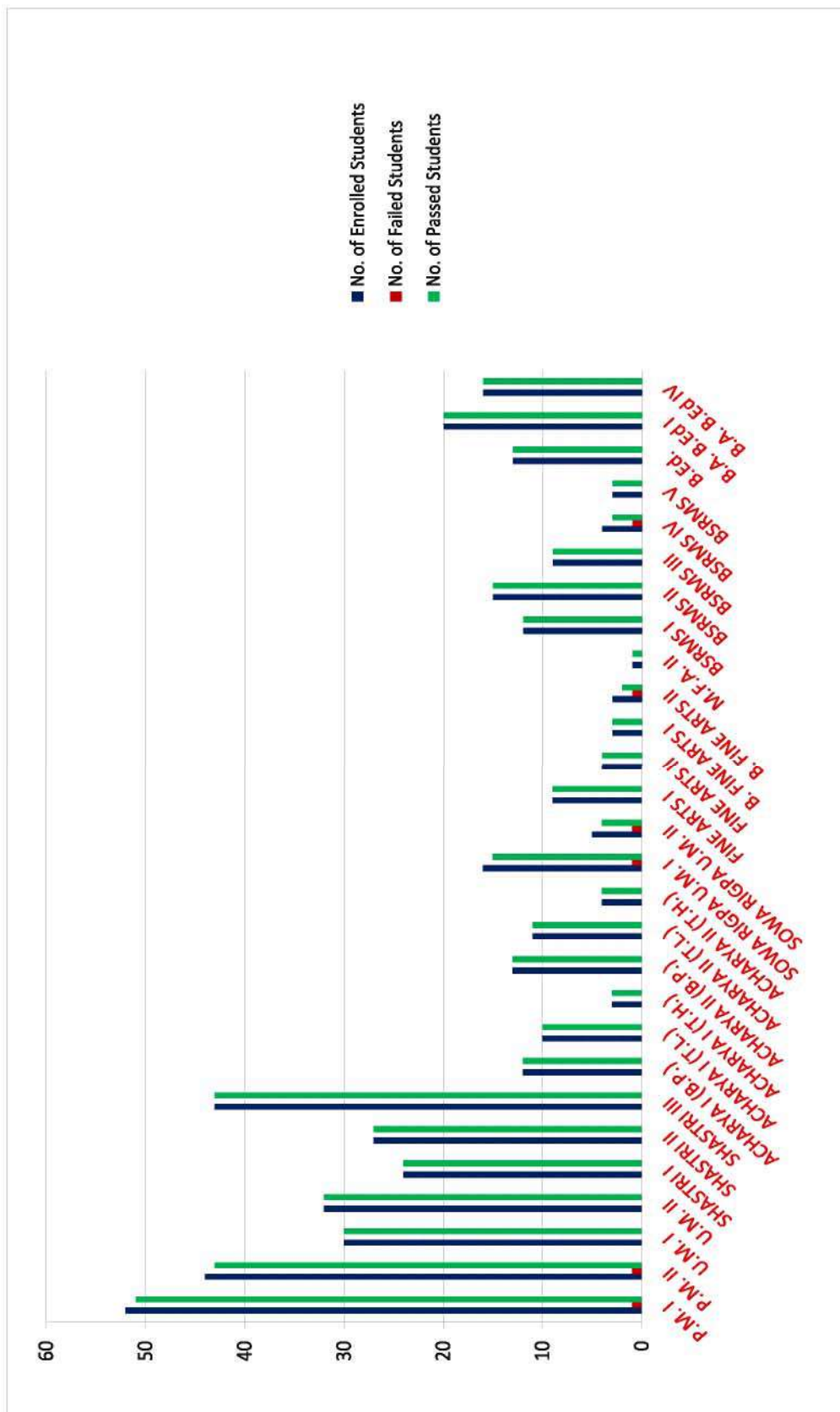
Students enrolled in any of the courses of studies conducted by the Institute are required to have at least 85% attendance to be eligible to appear for the examinations. The examinations are conducted Semester-wise.

The statistics of entrance examination results of students enrolled in various courses for the year is shown through the following chart:

**RESULT OF FIRST SEMESTER EXAMINATION OF ACADEMIC SESSION 2019-20**



RESULT OF SECOND SEMESTER EXAMINATION OF ACADEMIC SESSION 2019-20





**DETAILS OF FACULTY RESOURCES AND ACTIVITIES**

**A. FACULTY OF HETU EVAM ADHYATMA VIDYA**

Prof. Wangchuk Dorjee Negi - Dean

**I. Department of Mool Shastra**

The objective of this Department is to preserve and promote Buddhist philosophy and its culture and enable oneself to understand the profound philosophy and the true meaning and purpose of life and to help other fellow-beings to make this world a better place to live in not only for the humans, but also for all sentient beings. The emphasis is not only on the betterment of one's own living but also on inculcating the essence of compassion and peace in oneself and to promote it in the world.

This Department, in addition to imparting teaching of Buddhist Philosophy, Epistemology, Nyaya and Psychology, carries out research on the works of Indian Buddhist seers of yore like Nagarjuna, his disciples and the Mahasiddhas.

**Faculty Members:**

- |     |                            |   |                          |
|-----|----------------------------|---|--------------------------|
| (1) | Prof. Lobsang Yarphel      | - | Professor & Head         |
| (2) | Ven. Yeshe Thabkhey        | - | Professor (Re-appointed) |
| (3) | Prof. Wangchuk Dorjee Negi | - | Professor                |
| (4) | Geshe Lobsang Wangdrak     | - | Assistant Professor      |
| (5) | Geshe Tenzin Norbu         | - | Assistant Professor      |
| (6) | Geshe Lobsang Tharkhey     | - | Guest Lecturer           |
| (7) | Ven. Tsultrim Gyurmed      | - | Guest Lecturer           |

**Academic Activities:**

**Prof. Wangchuk Dorjee Negi**

**Publications:**

1. *Prajnaparamita-hrdaya-sutra-sputartha-bhashya* (Commentary on Heart Sutra), Published by Kunphel Ling, Taiwan, (pp. 248) 2019.
2. *Detailed Foreword in Hindi on 'Introduction of Ratnavali'* by Acharya Nagarjuna; Translated into Hindi by Dr. Norbu Gyaltsen Negi, Visva Bharati University, pp. XV- LVIII, Published by A.K Publications, Delhi, 2019.
3. *Distinct Characteristics of Tibetan Buddhism in View of the Three Lineages of Buddhism: Tibetan, Southern and Chinese Buddhism*, in the Forum Manual of International Forum on Tri-Traditions of Buddhism, pp. 176 -188 Published by IFTB, Taiwan, 2019.
4. *Prof. Samdhong Rinpoche: A Visionary Educationist*, in Felicitation Volume in Honour of Prof. Samdhong Rinpoche's 80<sup>th</sup> Birthday, Published by Foundation for Non-Violent Alternatives (FNVA), 2019, pp. 71-72.

5. *Buddhist Studies: My Perspectives*, in 'In Search of Truth' Part II, pp. 267-292, Published by Alumni Association of CIHTS, Varanasi, 2019.

**Lectures/Participation/Paper Presentations/Dharma Teachings**

1. 20 April 2019 : Participated as Main Speaker on Buddhist Pramana on the occasion of Indian Philosophy Day, organized by Philosophy Dept., Kashi Vidyapeeth, Varanasi.
2. 25 May - 30 June 2019 : Delivered Teachings on Mahamudra for One Month at Karma KagyuLing, Tainan, Taiwan during my summer vacation.
3. 26-28 July 2019 : Resource person for a 3 Day Buddhist Philosophical Teaching at the Summer Youth Camp at Ladakh, organized by Tser Karmo Monastery, Ladakh.
4. July 2019 : Delivered Opening Remarks at the Inaugural function of the historic revival of the 3 Month Vassa at Shravasti participated by International Theravada Bhikkhu Sangha participating in 3 month Rainy Season Retreat at Shravasti, organized by Great Shravasti Assembly, Shravasti, U.P.
5. 18 September 2019 : Delivered a Special Talk on Buddha as the Messenger of Peace, Organized by Krishnamurti Foundation, Rajghat.
6. 28 September 2019 : Delivered a Lecture on 'Difference Between Theravada and Mahayana: View, Path and Result' to the International Theravada Bhikkhu Sangha participating in 3 month Rainy Season Retreat at Shravasti, organized by Great Shravasti Assembly, Shravasti, U.P.
7. 27 September 2019 : Delivered a Lecture on Heart Sutra to the International Theravada Bhikkhu Sangha participating in 3 month Rainy Season Retreat at Shravasti, organized by Great Shravasti Assembly, Shravasti, U.P.
8. 4-8 October 2019 : Presented a paper on 'Distinction of Tibetan Buddhism' at an International Conference on Tri-Tradition Buddhism, organized by The Buddhist Association of New Taipei City, Taiwan.
9. 25 October 2019 : Participated as the main speaker at the Symposium on Lord Buddha and Fujji Guruji on the occasion of celebrating 50<sup>th</sup> Anniversary of Vishwa Shanti Stupa, Rajgir, Organized by the Directorate of Tourism, Govt. of Bihar.
10. 3-5 November 2019 : Chaired a Session on History of Geluk Monasteries, National Seminar on History of Geluk Tradition and Its Institutions Commemorating 600 Mahaparinirvna of Je-Tsonkhapa, organized by Dept. of Geluk Sampradaya, CIHTS, Sarnath, Varanasi.
11. 9 November 2019 : Chaired a Session on Buddhist Philosophy, International conference of CIHTS Alumni on Tibetan and Himalayan Studies, organized by Alumni Association of CIHTS, Sarnath, Varanasi.

12. 13-28 November 2019 : Resource person for a 15 Day Mahamudra Teaching Retreat cum Workshop at Ladakh, organized by Ladakh Chos Mdzad Ma and Kyang Phyang Tsogpas.
13. December 2019 : Delivered a lecture on Buddhist Ethics to the school children of Alice Project, Sarnath, Varanasi.
14. 16 December 2019 : Participated as a MoC nominated member in the Expert Advisory Committee Meeting on the Scheme of Financial Assistance for the Development of Buddhist/Tibetan Culture and Art, at BTI, MoC, Govt. of India, New Delhi.
15. 31 December 2019 - 16 January 2020 : Delivered 12 Lectures on *Bodhicharyavatara* by Shantideva to the academic exchange students from Five Colleges, USA.
16. 27-30 January 2020 : Resource person for a 5 Day Workshop on Dharma Teachings at Uttarkashi, at the request of Himalayan Baudh Sanskriti Sanrakshan Evam Vikas Samiti, Dunda, Uttarkashi, UK.
17. 1 February 2020 : Delivered a Public Talk on 'Importance of Ancient Wisdom in Modern India' in Dehradun, organized by Doon Buddhist Committee, Dehradun.
18. 3-4 March 2020 : Presented a paper on Indian Philosophical Elements as Reflected in Buddhist Arts in the Monasteries of Himalayan Region, at the national seminar on 'Syncretism in Indian History and Culture Through the Ages' organized by Shivaji College, Dehi University, New Delhi.
19. 4 March 2020 : Delivered a Lecture on Bodhicharyavatara at Delhi University, organized by Dept. of Buddhist Studies, Delhi University, New Delhi.
20. 13 March 2020 : Delivered a Lecture and did a Q&A Session on Buddhist Ethics, for Leadership for Academician Program, organized by MHRD, Govt. of India, BHU, Varanasi and University of Chicago, USA.

**Geshe Lobsang Wangdrak**

**The title of the articles are mentioned below:**

- 1) དབུ་མའི་དཀའ་གནད་བརྒྱད་ཀྱི་སྐོར། རྒྱལ་ལྗོངས་རིས་མེད་བརྗོད་བཤེན་གྱི་སྐབས་ལོ་འདྲེན། ༡༩༩༩  
An analysis on eight points reasoning in Prasangika-Madhyamika Philosophy School.
- 2) དབལ་ལྷན་རྒྱུན་སྲུང་གི་བྱུང་བ་བཞོན་པ། ལྷ་ཆ་རྒྱལ་ལྗོངས་ཚོགས་ཆེན། ལྷ་ཆ། ༢༠༠༩  
A brief introduction on historical development of Gyutoe monastery.

**Ven. Tsultrim Gyurmed**

**(a) Full Papers in Conference proceedings:**

1. 'Ngagyur Nyingma's view, meditation and practice' (43 pages), Page No. 462 to 505 - Academic Council of Gaden Shartse and Jangtse P.O. Tibetan Colony-581411, Mundgod N.K. Karnatake, South India, ISBN 9788189165604.

2. Refutation of proponents Existence of fruition by different division and analysis on the school of Samkhya (24 pages), Page No. 68 to 93 - Academic Council of Tashi Lhunpo Monastery in Mysore (K.S) India.

**(b) Papers presented in Conferences, Seminars, Workshops, Symposia:**

1. 10-13 July 2019 : Paper presented “Ngagyur Nyingma’s view, meditation and practice”, National Conference on Philosophical Views and Meditational Perspectives of Buddhist and Other Ancient Indian Philosophical Schools, Organized by Gaden Monastery in South India.
2. 9-10 November 2019 : Paper presented “An analysis on the school of Samkhya”, Symposium on Santaraksita’s Tattvasamgraha, organized by Academic Council of Tashi Lhunpo Monastery in Mysore (K.S) India.

**Geshe Tenzin Norbu**

1. 25-27 August 2019 : Delivered Lectures to the Monks from Theravada tradition on ‘Varsayasa in Mahayana’, at the Great Shravasti.
2. 26 October 2019 : Delivered Lectures to a meeting of Theravada Monks on the topic ‘Summer Retreat in Tibetan Buddhism’.
3. 3-5 November 2019 : Presented paper on ‘History of Geluk Monastery National Seminar on History of Geluk Tradition and Institutions’ Commemorating 600 Mahaparinivna of Je Tsonkhapa, organized by Dept. of Geluk Sampradaya CIHTS.
4. 19-21 December 2019 : Attended an International Seminar on ‘Je Tsongkhapa's Drag Bai Don Dang Nges Pai Don’ organized by Kirti Japa Monastery in Buddh Gaya.
5. 4-5 January 2020 : Participated in Kagyur Research meeting programme organized by Dardeng center Sarnath, Varanasi.

**Administrative Works**

1. Nominated for the meeting of the Academic Council of the University for 2019-2020.

**Geshe Lobsang Tharkhey**

1. Presented a paper entitled ‘History of Monasteries in Khan, in the National conference ‘History of Gelug Tradition and its institutions’ organized by Gelug Sampradaya CIHTS, Sarnath.
2. Presented a paper entitled ‘The material and subtler aspects of selflessness’ at the senior summer campaign of CIHTS, organized by Students Welfare Committee of CIHTS.

**II. Department of Sampradaya Shastra**

One of the key ideas behind establishing the Institute was to teach the young-generation of the followers of the Tibetan Buddhist tradition, both ordained and lay

students, all the four Tibetan Buddhist traditions at one time. Though monks can study Buddhist Philosophy in various monasteries, there is no place in the country where the facility for studying all the four Tibetan traditions is provided. Moreover, there is no opportunity for lay students to learn Buddhist religion and philosophy in a thorough manner. The Department conducts courses on Buddhist texts and the commentaries by Tibetan scholars. The Department conducts teaching and research in the following four traditions:

**a. Kargyud School**

- |                              |  |
|------------------------------|--|
| (1) Dr. Tashi Samphel        | - Associate Professor                                  |
| (2) Ven. Ramesh Chandra Negi | - Associate Professor<br>(In-charge, Dictionary Dept.) |
| (3) Ven. Mehar Singh Negi    | - Guest Lecturer                                       |

**b. Sakya School**

- |                           |   |
|---------------------------|---|
| (1) Dr. Tashi Tsering (S) | - Professor & Head<br>(Sampradya Shastra) |
| (2) Ven. Dakpa Sengey     | - Associate Professor                     |
| (3) Ven. Ngawang Zodpa    | - Guest Lecturer                          |
| (4) Shri Tsering Samdup   | - Guest Lecturer                          |
| (5) Lopon Ngawang Thokmey | - Guest Lecturer                          |

**Academic Activities:****Prof. Tashi Tsering (S)**

1. 3-5 November 2019 : Chaired and participated in the National seminar on the occasion of 600 years in order to commemorate Je Tsongkhapa, the Founder of Gelugpa Tradition in Tibet, organized by GSWC, Varanasi.
2. 9 November 2019 : Presented Paper and participated in the International seminar on Buddhism organized by the Alumni Association of the Institute at CIHTS.
3. 11-13 November 2019 : Chaired and participated in the National seminar on Buddhist Logic System organized by the Sakya College for Nun, Manduwala, Dehradun.
4. 27-28 December 2019 : Presented Paper and participated in a seminar organized by Tibet House, New Delhi.
5. Given lectures for Academic Exchange students from Five Colleges, Mass., USA in January 2020.
6. 13-14 January 2020 : Chaired the seminar on Rahul Sankritayan organized by CIHTS.
7. 28 February - 1 March 2020 : Presented Paper, Chaired and participated in a seminar at Amrita Vidyapitham, Bangalore.

8. Chairman of the Book Selection Committee.
9. Library Incharge.
10. Chief Coordinator for Academic Exchange Program between CIHTS with Five Colleges, Mass., USA, and Tasmania University and Deakin University, Australia.
11. Chief Coordinator for Academic Program between CIHTS and SIT Study Abroad from various University of USA.
12. Chairman for the committee of Pade Banaras Bade Banaras.
13. Head of the Sampradaya Department.
14. Chief Vigilance Officer, CIHTS.

**Ven. Dakpa Sengey**

1. 13-14 April 2019 : Chaired and Presented a Paper in Non-Sectarian Scholar's Debate of the Grand Spring Rigter Dharma Activity held on topic 'Prajnaparamita' organized by the Great Sakya Monlam Foundation at Dzongsar Institute, Bir, Himachal Pradesh.
2. 10-13 July 2019 : Presented paper at the National Conference on Philosophical Views and Meditational Perspective of Buddhist and Other Ancient Indian Philosophical Schools held at Gaden Monastery.
3. 23-24 September 2019 : Participated in National Workshop on Massive Open Online Courses (MOOCs) organized by School of Education, CTE, CIHTS, Sarnath under PMMMNMTT scheme of MHRD, Govt. of India held at C.I.H.T.S. Sarnath, Varanasi.
4. 29 October 2019 : Delivered a talk on 'The Four Immeasurable' as ordered by the Director office for a group of Sthavira Buddhist monks at C.I.H.T.S. Sarnath, Varanasi.
5. 3-5 November 2019 : Participated as Chairperson at National Seminar on History of Gelug Tradition and Its Institutions (Commemorating 600 Mahaparinirvana of Je-Tsongkhapa) organised by Gelug Sampradaya held at C.I.H.T.S. Sarnath, Varanasi.
6. 13-15 November 2019 : Participated as Chairperson at National Seminar on 'Pramanavartikka' organised by Sakya College for Nuns during their 1<sup>st</sup> Convocation Ceremony, hosted at Sakya College for Nuns, Manduwala Dehradun.
7. 26 November 2019 : Attended Lecture Series on Constitution of India: Ethos and Imperatives held at C.I.H.T.S. Sarnath, Varanasi.
8. Participated in the Annual Convention on The Kagyur Karchag Encyclopaedia Project as envisioned by H.E. Darthang Rinpoche to focus on writing abstracts on every chapter of the Buddha's Canon. The convention was organized by

and hosted at Sarnath International Nyingma Institute for Global Initiative to Support the Study and Preservation of the Words of the Buddha.

**Lopon Ngawang Thokmey**

1. August 2019 : Delivered a lecture on 'History of Sakya Sampradaya' to PM 1st students organized by Students Welfare Association.
2. 23-24 September 2019 : Attended National Workshop on 'Massive open online Course (MOOCs)' under the soE Scheme of PMMMNMTT, MHRD Govt. of India New Delhi centre or Teacher Education Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath, Varanasi.
3. 13-15 November 2019 : Attended a National seminar of Nuns on Pramanvartika organized by nuns of Sakya college in Dehradun.
4. 3 February 2020 : Delivered a lecture on 'Five Hedus of Madhyamak' to Senior Students Winter Camp inaugural session organized by Students Welfare Association.

**c. Nyingma School**

- |                         |   |                     |
|-------------------------|---|---------------------|
| (1) Ven. Dudjom Namgyal | - | Associate Professor |
| (2) Khenpo Sanga Tenzin | - | Assistant Professor |
| (3) Khenpo Kharpo       | - | Assistant Professor |
| (4) Ven. Sonam Dorjee   | - | Guest Lecturer      |

**Academic Activities:**

**Khenpo Kharpo**

**The main projects/Researches:**

1. I have been doing research on topic of the different viewpoint of middle way between Nyingma tradition and Gelug tradition and it is under process.
2. I also have been doing research on topic of the differences between the action word and derive case of thirty verses of Tibetan grammar and it is under process.
3. I have been composing many poetry on various topics including some praises to the great masters and scholars of Tibetan and Indian and so on and it is almost done.
4. I have been doing research on topic of differences between three vows (Pratimoksa, Bodhisattva vows and the mantra vows) base on different viewpoints of four major Buddhist tradition of Tibetan.

**Other Academic Activities:**

1. 20 February 2019 - 20 February 2020 : Presided over as warden for the Maya Devi Girls' Hostel.
2. 23-24 September 2019 : Attended the National Workshop on Massive Open Online Course (MOOCs) under the SoE Scheme of PMMMNMTT, MHRD Govt.

of India, New Delhi at Centre for Teacher Education Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath, Varanasi.

3. 11-20 October 2019 : I took the internal teaching exchange program of the four Sampradaya Shastras of Buddhist Philosophy for P.M. 2nd, Shastri 1st and Acharya 1st for 9 days.
4. 26-30 November 2019 : Attended the National Workshop on 'Pedagogical Practices and Professional Development of Teacher (PPPDT)' organised by School of Education, Centre for Teacher Education, Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath, Varanasi, India.

**d. Gelug School**

- |                           |  |
|---------------------------|--|
| (1) Ven. Lobsang Gyaltsen | - Associate Professor & Head,<br>Dept. of Sampradaya Shastra |
| (2) Ven. Lobsang Tsultrim | - Assistant Professor  |
| (3) Ven. Ngawang Tenphel  | - Assistant Professor  |

**Academic Activities:**

**Geshe Lobsang Gyaltsen**

1. 13-14 April 2019 : Delivered a lecture on 'Importance of Emptiness of Phenomena to Hearer and Pratyakbuddha' in National Seminar on Pragyapramita Shastra organized by Sakya Monlam Association, and also participated in the three days seminar and one section chairmanship at Sakya Nunnery, Dehradun.
2. July 2019 : Delivered a lecture on 'History of Gelugpa Tradition' to PM I Fresher Camp organized by SWA, CIHTS.
3. 10-13 July 2019 : Delivered a lecture on 'History of Madyamika Philosophy and Nagarjuna and Aryadeva view' in National Seminar on View and Meditations of Buddhist and Non Buddhist during International year of Tsongkhapa organized by Academic Council of Gaden Shartse and Jangtse and participated in the three days seminar and one section chairmanship too at Gaden Mahayana University, Mundgod, KS. South India.
4. 19-23 October 2019 : Give a Lecture on 'Method of logical mind' at a Five-day workshop of teachers from national institutions organized by CTE, CIHTS, Sarnath.
5. 23-25 October 2019 : Delivered a lecture on 'Significance of Enlightenment' in National Seminar on History of Uttartantra organized by Mool Shastra of CIHCS, also participated in the three days seminar and one section chairmanship too at CIHCS, DAHUNG, ARUNACHAL PRADESH.
6. 3-5 November 2019 : Delivered a lecture on 'History of Gelug Traditions and its Institutions' in a National Seminar on History of Gelugpa Traditional and Its Institutions during International year of Tsongkhapa organized by Gelug Sampradaya, CIHTS, Sarnath and also participated the three days seminar and one section chairmanship too at CIHTS, Sarnath.



7. 13-15 November 2019 : Attended all three days workshop and Chairmanship to various activities on Significant of Pramanvartik from different perspectives at Sakya Nunnery, Lingsang Tibetan Settlement, Choandara.

**Minor project:**

1. History of Gelugpa Tradition Published by National Seminar on History of Gelug Tradition and its Institution, CIHTS, 2019.
2. History of Madhyamika and Nagarjuna's Thought Published by Academic Council of Gaden Shartse and Jangtse, 2019.

**Ph. D. Supervisor/Guidance**

1. Supervisor of Yeshe Wangdu Ph.D. thesis.
2. Supervisor of Dechen Dolma Ph.D. thesis.

**Ven. Lobsang Tsultrim**

- (1) 23-24 in September 2019 : Attended a National Workshop on 'Massive Open Online Courses (MOOCs)' organized by CTE, CIHTS.
- (2) 26 September - 05 October 2019 : Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath, Varanasi (U.P) Teaching of Science Subject through Dialectics.
- (3) 3-5 November 2019 : Attended and delivered talk on "Sila of Gelug Sampradaya" National Seminar on History of Gelug Tradition and its Institutions.
- (4) 3-4 February 2020 : Delivered lectures to the Senior Students' Winter Camp on "MADHIAMAKA" (The Tibetan Buddhist philosophy).
- (5) 15-17 February 2020 : Attended the Scholar Conference on the Kagyur Karchag Project and delivered a speech on the summarization of "The Descent into Lagka Sutra".

**My Academic Writings**

- 1) From the past few years, I had worked on the two volumes books on the Abhidharmakoshe. Its my great pleasure to complete both volumes in the last year. The Corporate Body of the Buddha Educational Foundation, Tepei, Taiwan had happily accepted to publish my work. I am expecting that it would be publish within few months.

**Geshe Ngawang Tenphel**

**Lectures Delivered, attend seminar and conference:**

1. 3-5 November 2019 : Delivered a lecture on "History of Sera Mahayana University" in National Seminar on History of Gelug Tradition and its Institutions organized by Gelug Sampradaya.
2. Delivered a lecture on "Harmony and Relation between Religious and its Significant" in International Seminar on CIHTS Alumni International Conference on Tibetan and Himalayan Studies jointly organized by CIHTS and AAC of CIHTS Sarnath.

### **Minor Project**

1. “Harmony and Relation between Religious and its Significant In Search of Truth” part II. A collection of articles authored by CIHTS Alumni in honour of Prof. Samdhong Rinpoche Published by Alumni Association of CIHTS, ISBN: 978-81-936254-7-7.
2. Edited “History of The Most Holy Land of Nyanang Dechenteng”, published by Dhih Publication 2019, ISBN: 978-1-948203-07-4.
3. “History of Sera Mahayana University”, published by National Seminar on History of Gelug Tradition and its Institutions CIHTS, Sarnath 2019.
4. Proof reading for first volume of "Tatva Sangrah" by Kamalashila Edited by Thrinley Wangchuk Published by Tashi Lhunpo Publications 2019.

### **III. Department of Bon Sampradaya Shastra**

Bon is an indigenous Tibetan religion with a history of several thousand years of uninterrupted tradition of philosophy and spiritual practice. It has a huge corpus of literature on philosophy, epistemology, metaphysics and logic. The Institute has been conducting Degree Courses in Bon Sampradaya Shastras by categorizing the courses into two sections on the basis of the development of its literature. Firstly, the texts comprising teachings of Bonton Shenrap (the founder of the Bon tradition) and its commentaries authored by earlier masters. Secondly, the texts and commentaries authored by the later masters from around 8<sup>th</sup> century onwards.

- |                                       |  |
|---------------------------------------|--|
| (1) Ven. G.T. Chogden                 | - Associate Professor & Head           |
| (2) Ven. Gorig Lungrig Loden Wangchuk | - Associate Professor & Students' Dean |
| (3) Ven. C.G.S. Phuntsok Nyima        | - Assistant Professor                  |
| (4) Ven. Yundrung Gelek               | - Assistant Professor                  |
| (5) Ven. M.T. Namdak Tsukphud         | - Guest Lecturer                       |

### **Academic Activities:**

#### **Geshe G.L.L. Wangchug**

1. Delivered a lecture on “The Methods of Attempting Examination”.

#### **Ven. C.G.S. Phuntsok Nyima**

1. 2 August 2019 : Delivered an introductory lecture on Yungdrung Bon to the students of PM Ist year during the camping organized by SWA, CIHTS.
2. 23-24 September 2019 : Participated in National Workshop on ‘Massive Open Online Courses’ (MOOCs), organized by School of Education, CTE, CIHTS, Sarnath under PMMMNMTT Scheme of MHRD, Govt. of India.
3. 28-30 September 2019 : Delivered a lecture during the Riglab Workshop organized by Riglab Committee, CIHTS.

4. 3-5 November 2019 : Moderator in 'National Seminar on History of Gelug Tradition and its Institutions' organized by Gelug Sampradaya, CIHTS held in Sarnath.
5. Worked as member of editorial board member of Tise Himalayan School's text book of class IV, V, VI, VII, and VIII functioning under the Sherig Phuntsok Ling Bon Society.
6. Editor of book titled "བོན་སོ་གསལ་བྱེད།" (Bongo Salje) authored by Treton Gyaltsen Pal.
7. Editor of "རྒྱལ་རབས་ བོན་གྱི་འབྲུང་གནས།" 'Gyalrab Bon Gyi Jung Nas' written by Khyungpo Lodoe Gyaltsen (1400 CE) published by Sarat Chandra Das (1849-1917) in 1915.
8. Editor of "འཇིག་རྒྱུ་བཟོ་བའི་བྱུང་ཁུངས་" 'Lingzhi tenp'i Jungkhung' written by Khyungpo Lodoe Gyaltsen (1400 CE).

### **Geshe Namdak Tsukphud**

1. 23-24 September 2019 : Attended the National Workshop on Massive Open Online Course (MOOCs) under the SoE Scheme of PMMMNMTT, MHRD Govt. of India, New Delhi at Centre for Teacher Education Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath, Varanasi.

### **B. FACULTY OF SHABDA VIDYA**

Prof. Dharma Dutta Chaturvedi - Dean

#### **I. Department of Sanskrit**

- |                                   |   |                           |
|-----------------------------------|---|---------------------------|
| (1) Prof. Dharam Dutta Chaturvedi | - | Professor & Head of Dept. |
| (2) Dr. Anirvan Dash              | - | Associate Professor       |
| (3) Dr. Ritesh Kumar Chaturvedi   | - | Guest Lecturer            |
| (4) Dr. Umashankar Sharma         | - | Guest Lecturer            |

#### **Academic Activities:**

1. 22-29 August 2020 : One week workshop on "Brahmi script and Buddhist Manuscripts" was organized.
2. Sanskrit teaching by the Faculties of other Departments:
3. Prof. Pema Tenzin, Translation Unit, (Teaching Sanskrit for UM 1<sup>st</sup>)
4. Dr. Ramji Singh, Assistant Professor, Translation Unit (Teaching Sanskrit for PM1st -UM 2nd Khavarga)
5. Dr. Vishwa Prakash Tripathy, R.A, Dictionary Unit, (Teaching Sanskrit for Shastri First Kha-varga)
6. Ven. Dr. Dawa Sherpa (Guest faculty) Teaching Sanskrit for PM. 1<sup>st</sup>
7. Dr. V.P. Tripathi, Research Assistant, Teaching Shastri I and Shastri III Khavarg Classes.
8. Dr. Umashankar Sharma : Shastri II (Cumpulsory), U.M. II (Cumpulsory) and Shastri I Khavarga Classs.

**Prof. Dharam Dutt Chaturvedi**

- 1) 15 April - 19 May 2019 : participated in couple of training programmes in Handicraft Complex Center, Varanasi for conducting the voting of Loka-Sabha Election 2019 as a presiding officer.
- 2) 2 October 2019 : Worked as the Director of a street play, which was performed by the Institute students at the main entrance of the institute under program of making India plastic free and water conservation on the celebration of the Gandhi Jayanti.
- 5) 16 October 2019 : Under the program of Gandhi Sankalp Padayātrā, the city Northern MLA Tata Registration Minister Shri Ravindra Jaiswal and the Honorable Vice Chancellor of the institute Prof. In the main hospitality of N. Samatenji, Nukkad Natak staged a plastic-free India campaign through students at Ashapura Varanasi intersection.
- 6) 17 October 2019 : Given a special course on Sanskrit poetics for M. Phil Students, Department of Tibetan Language.
- 7) 24 October 2019 : A special Sanskrit lecture of Prof. Gajendra Panda was organized by the Department.
- 8) 27 November 2019 : Taught Katantra grammar to a Korean Nun Dhammapālā.
- 9) 7 December 2019 : Given an interview for documentary of Padmashree Prof. Abhiraj Rajendra Mishra in Malaviya Bhavan BHU, Varanasi.
- 10) 3 March 2020 : Given an interview to Dr. Sutpa Sen Associate Professor Calcutta University, West Bengal on the current status and utility of Sanskrit poetry.
- 11) 15 March 2020 : Interviewed SRF research scholars, in the Department of Grammar, under the faculty of Sanskrit vidyā dharma vijñāna, BHU, Varanasi.

**Publication of research articles and poems:**

- 1) Viśvavyāpisaṃskṛtabaudhavāñmaya, is published in the research journal “pariśīlanam”, Sanskrit Sansthan, Lucknow, 2019.
- 2) Sanskrit poem “Parijansukhmālyam” is published in Amarvani magazine Meerut, July 2019.
- 3) Sanskrit poetry “Sāmayikandolitavasantatilakeyam” is published in Amarvani Sanskrit magazine, Meerut (U.P.), December 2019.
- 4) Buddhist philosophy in Sanskrit - Review on the work and Punyanumodana published as book chapter in Shri research journal, K. B. Publishers and distributors, January 2020.
- 5) Dvikarmakadhatvartvimarsha, published in su-samskritam, 2020.
- 6) Shripurushottamasmritprabha Patrika, Sugriva Kiladhish Math from Ayodhya in the morning memorial, January 2020.

**Presentation of papers in seminars**

- 1) 10-12 January 2020 : Presented paper under Classical Sanskrit section in 50th All India Oriental Conference organized by Kavikulguru Kalidas Sanskrit University, Nagpur, Maharashtra.
- 2) 22 February 2020 : Presented research paper on Kāṣītīrtha reflected in Karmapurāṇa in International Purana Seminar, organized by Sampurnanada Sanskrit University, Varanasi.

**Text - Publication -**

- 1) Sanskrit Poetry entitled Paridhavyabdakavyamritam ISBN 978-81-941-224-3-2
- 2) Siddharmachintāmanimokṣaratnalankar, under publication, CIHTS, Sarnath.

**Lecture and Poetry Presentation:**

- 1) 26 May 2019 : Worked as convener and readout self-composed poem in Sanskrit Kavi Sammelana organized by the Indira Gandhi National Center for the Arts, Varanasi branch on the occasion of the death anniversary of Pandit Vasudev Dwivedi Shastri.
- 2) 7 June 2019 : Recited Sanskrit poetry in the Sanskrit Kavi Sammelan held at the Chancellor's residence, Sampurnananda Sanskrit University, Varanasi, under the occasion of the death anniversary of Padmashree V. Venkatachalam.
- 3) 16 August 2019 : Delivered a special online talk on “viśvasaṃskṛtakuṭumbakam” under the Facebook.
- 4) 22 August 2019 : Delivered presidential address in the inaugural session of the Ancient script training workshop organized by Sanskrit Department CIHTS, Sarnath.
- 5) 4 September 2019 : Delivered presidential address in the lecture series of Prof. Arunkamal, organized Department of Oriental and modern languages, CIHTS, Sarnath.
- 6) 20 September 2019 : Given the special address in the lecture series of the Tibetan revolutionary poet Mr. Tenzin Chondu organized by the Department of English, CIHTS, Sarnath.
- 7) 30 September 2019 : Delivered lectures in a debate competition organized at the institute under the Swachh Bharat Mission.
- 8) 15 October 2019 : Worked as convener of the traditional debate organized by Swaminarayan Temple Machhodari Varanasi and readout self-composed (letter of praise) of five eminent Sanskrit scholars.
- 9) 7 December 2019 : As the chief guest delivered a lecture in the program of Yoga-training supplementary session at Malaviya Bhavan BHU.
- 10) 2 March 2020 : Delivered a special lecture in the workshop organized by the Department of Classical and Modern Languages, CIHTS, Sarnath.

**Academic and research work performed in institution and other committees:**

- 1) 8 April 2019 : Taken the oral examination of 2<sup>nd</sup> year ācārya students in Saraswati Gurukul College, Munari, Varanasi.
- 2) Academic year 2019-20 : Participated in multiple meetings in editing the book on “Bauddha-viñjāna-darśana evaṃ sūtra-samuccaya” and its Hindi translation along with Honorable Vice-Chancellor of the Institute.
- 3) Worked as the Chairman for the M.Phil. entrance examination conducted by Department of Tibetan Language, CHITS, Sarnath.
- 4) 21 September 2019 : Participated as a member in the meeting of Board of Governors Committee, CIHTS, Sarnath.
- 5) 1 October 2019 : Worked as director and play writer of the street play performed by the Institute students under the Swachha Bharat Mission.
- 6) 22 January 2020 : Presented the outline of Buddhist classical writings in the meeting of theological historiography held at Rameswaramath Varanasi, Organized by the Sanskrit Sansthan, Lucknow.
- 7) 2 February 2020 : Participated as an examiner of Sanskrit Drama entitled Mṛcchakaṭikam, performed by Nagari Drama Troupe at Kabir-chaura organized by Jñānapravāha, Samaneghat Varanasi.
- 8) 26 February 2020 : Carried out the responsibility as a subject expert in the Selection Committee, Department of Grammar, Sampurnananda Sanskrit University, Varanasi.

**Research :**

- 1) Worked as guide of Mr. Passang Tenzin for his researcher topic entitled Restoration and Review of Bodhisattvatakarvatavivrittipañjikā.
- 2) Worked as guide of Mr. Konchok Samudup for his research topic entitled Restoration of Pañcasandhaprakaraṇa of Candrakīrti.
- 3) Worked as co-guide of Mr. Nawang Gyelchen Negi for his research.
- 4) Worked as co-guide of Mr. Lobsang Chodak for his research topic entitled Sarasvatī Kaṇṭhābharāṇam.

**Dr. Anirban Dash**

1. 1 April 2019 - 31 March 2020 : Worked as an Academic consultant for Muktabodha Indological Research Institute, P.O. Box 8947, Emeryville, CA 94662-0947, USA.
2. 8-12 January 2020 : Presented paper on “Paleographic aspects of Simhali Script”. All India Oriental Conference, Nagpur, Kalidas University.
3. Transcribed and edited the Sanskrit Buddhist Manuscript entitled Karmadhikar, project of National Archive, Nepal.

**II. Department of Tibetan Language and Literature**

- (1) Ven. Lhakpa Tsering - Assistant Professor & Head

- (2) Dr. Tashi Tsering (T) - Associate Professor  
(3) Mr. Lobsang Dhonden - Guest Lecturer

**Academic activities:**

**Ven. Lhakpa Tsering**

1. 23-24 April 2019 : Invited as a member of Education Counsellor of CTA, Attended annual two-day meeting of Education Counsellors in Dharamshala organised by Education Department of CTA in Kasha Hall.
2. 23-24 September 2019 : Participated in a two-day workshop of MOOC organized by CTE of The Institute in Library Hall of Institute.
3. 29-30 October 2019 : Invited as a subject expert MA syllabus review of Dalai Lama College Bengaluru.
4. 10 November 2019 : Delivered a lecture on “How to save Tibetan language” organized by Tibetan College Student Conference Committee.
5. 11 November 2019 : Delivered lecture on “Analysis on Direct and indirect Indication of Particals in “Root Grammar in Thirty Verses” : A Necklace for Novices on International Conference on Tibetan and Himalayan Studies organized by CIHTS and Alumni Association of CIHTS, Sarnath.
6. 31 November 2019 : Lecture delivered to students and teachers and other interested staffs of Dalai Lama College organised by Tibetan Language Service Committee of the institute.
7. 30-31 November 2019 : Two lectures delivered to BA Tibetan language students of Dalai lama college, Bengaluru organised by the concerned department.

**Dr. Tashi Tsering (T)**

1. 23-24 September 2019 : Participated in two-day workshop of MOOC organized by CTE of The Institute in Library Hall of Institute.
2. November 2019 : The article entitled “Analysis on the Evolution of Multitude of Noun in Tibetan Grammar” was published CIHTS ALUMNI in honour of Prof. Samdhong Rinpoche in Part-I ‘In Search of Truth’.
3. 11 November 2019 : Delivered a talk as a chairperson in a session of International Conference on Tibetan and Himalayan Studies organized by CIHTS and Alumni Association of CIHTS, Sarnath.
4. January 2020 : Delivered lectures for Academic Exchange students from Five Colleges, Mass., USA.

**III. Department of Classical and Modern Languages**

- (1) Prof. Dharma Dutta Chaturvedi - Head  
(2) Prof. Babu Ram Tripathi - Visiting Prof. (Hindi, Re-appointed)  
(3) Dr. Anurag Tripathi - Assistant Professor (Hindi)  
(4) Dr. Jyoti Singh - Assistant Professor (Hindi)

- |                             |                                 |
|-----------------------------|---------------------------------|
| (5) Dr. Animesh Prakash     | - Assistant Professor (Pali)    |
| (6) Dr. Mahesh Sharma       | - Assistant Professor (English) |
| (7) Dr. Ram Sudhar Singh    | - Guest Lecturer (Hindi)        |
| (8) Dr. Vivekanand Tiwari   | - Guest Lecturer (Hindi)        |
| (9) Dr. Ravi Ranjan Dwivedi | - Guest Lecturer (Pali)         |
| (10) Dr. Jasmeet Gill       | - Guest Lecturer (English)      |

**Departmental Activities:**

1. 31 August 2019 : The play 'Tathagata', based on the novel written by Prof. Baburam Tripathi, was enacted by Setu Sanskritik Kendra, Varanasi in Atisha Hall, CIHTS.
2. 3 September, 2019 : Organized a special invited guest lecture on 'How to Read a Poem' by Professor Arun Kamal on behalf of Department of Classical and Modern Languages, CIHTS, Varanasi.
3. 4 September 2019 : One-day national workshop was organized on 'Adunik Hindi Kavita'.
4. 17 September 2019 : A special lecture was organized by the students of Acharya on 'Theory of Rasa' by Dr. Uday Pratap Singh, Prayagraj.
5. 20 September 2019 : Organized a Workshop on Creative Writing entitled 'The Intrinsic Processes of Writing' by Tenzin Tsundue on behalf of Department of Classical and Modern Languages, CIHTS, Varanasi.
6. 26 September 2019 : A special lecture was delivered for the students of P.M. and U. M. on 'Munshi Premchand' and His story 'Namak ka Daroga' by Prof. Bandhana Jha.
7. 12 February 2020 : A special lecture for UM, PM and Shastri classes was delivered by Dr. Bhagwan Sharma on 'The Revolutionary Poet, Nirala'.
8. 13 March 2020 : A special lecture for the students of Acharya was delivered by Dr. Jitendra Nath Mishra, Varanasi on 'Vakroti Sidhanta'.

**Prof. Baburam Tripathi**

1. 16-20 August 2019 : Participated in a Syllabus Update Committee of Dakshina Bharat Hindi Prachar Sabha Uchh Siksha Evam Shodha Sansthan, Madras.
2. 16-30 September 2019 : Delivered a two-week Special Lecture Series on 'Hindi Grammar'.
3. 8 January 2020 : Delivered a lecture on 'Hariodh ke Kavya Priyaprasav ki Bhasha ka Veshishtha' in a National Conference jointly organized by Hindustani Academy, Prayagraj and Janta PG College, Mau.

**Dr. Anurag Tripathi**

1. 22-29 August 2019 : Participated in a seven-day workshop on 'Prachaya Lipi' organized by CIHTS.



2. 4 September 2019 : Delivered a lecture on 'Modern Hindi Poetry' during a one-day national conference organized by CIHTS.
3. 23-24 September 2019 : Participated in 'National Workshop on MOOCs' organized by CIHTS.
4. 30 September 2019 : Organized a debate competition on 'The Possibility of Plastic Free India' during Swachta Pakhwara, CIHTS.
5. 28-29 December 2019 : Presented a research paper on 'Cultural Consciousness in Tulsi Das's Ramcharitra Manas' organized jointly by Sampurnananda Sanskrit University and Central Hindi Institute, Agra.
6. Published a book chapter entitled 'Adhunik Parivesh Mein Ramrajya ki Parikalpana', in *Ramkatha Veshvik Paridrashya*, edited by Dr. Brijbala Singh, Univ. Publication, Daryaganj, New Delhi.

**Dr. Jyoti Singh**

1. 28 July 2019 : Paper presented topic - "Premchand ka Sojevatan" and chaired session in National Seminar 'Premchand Aur Sojevatan' celebration of 140<sup>th</sup> Birth Anniversary of Premchand organized by District Library, Varanasi and Premchand Margdarshan Kendra, Lamahi, Varanasi.
2. 30 July 2019 : Participated and chaired session Munshi Premchand Lamahi Mahotsava organized by Kshatriya Sanskritik Kendra, Sanskritik Vibhag, U.P.
3. 1-2 September 2019 : Paper presented topic "Samkalin Kavita Aur Kedarnath Singh" in National Seminar on "Kedarnath Singh : Smriti, Sangarsh aur Saundarya" and Chaired Third Session organized by Hindi Department, B.H.U.
4. 23-24 September 2019 : Participated in a National Workshop on "Massive Open Online Courses" organized by School of Education, CTE, CIHTS, Sarnath, Varanasi under PMMMNTT Scheme.
5. 16-17 December 2019 : Paper presented topic "Premchand ke Stree Patra" in International Seminar "Sau Sal Baad Sevasadan Stree Mukti ka Bhartiya Path" organized by Hindi Department Gorakhpur University and Sakhi.
6. 28-30 January 2020 : Participated in National Symposium "Ramkrishna-Vivekanand-Bhavadhara" organized by Vivekanand Vidyapith, Rajpur.
7. 7 March 2020 : In CIHTS on the occasion of "International Women's Day" organized a special lecture and conducted the session very well.

**Publications:**

1. "Rabindranath ki Kahani Patni ka Patra : Stree ki Sacchi Pahchan" in edited book "Stree Duniya Samsamyik Sarokar", edited by Rekha Rani and Priyadarshini, Published by Swaraj Prakashan, New Delhi, Year 2019, ISBN No. : 978-93-88891-55-4.
2. "Premchand ka Priyapatra Hamid" International Journal Singapur, Sangam, January 2020, ISSN No. : 25917773.

**Invited as a Judge:**

1. 9 November 2019 : Invited as a member of the jury to assess the competitions organized under the Cultural Association of Women's College, B.H.U.
2. 30 November 2019 : Invited as a member of the jury for assessment of Hindi activities under "Bhasha-Utsav" in International Hindu School.

**Committee member :** Sexual Harassment Cell.

**Dr. Animesh Prakash**

**Invited Lecture**

1. 25 June 2019 : Delivered lectures in the special lecture series on "Tools for Writing a Research Paper/Dissertation in Pali and Buddhist Studies" at the department of Pali, Mumbai University, Mumbai.
2. 26-27 June 2019 : Delivered 2-day workshop on "Linguistics in Pali and Tibetan Language" at the department of Pali, Mumbai University, Mumbai.
3. 28-29 June 2019 : Delivered a Special lecture on "Dissemination of Tibetan Buddhism in the land of snow; Pali texts and their parallel in the Tibetan Canon" at the department of Pali, Mumbai University, Mumbai.

**Language Training Program**

2-7 March 2020 : Conducted a workshop on the "Pali Language and Burmese Script" held at Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath.

**Paper Presentation in Conference/Seminar**

1. 10-11 November 2019 : **Theme of the Conference and date:** International conference on "Role of Pāli in Promoting Cultural Heritage"; **Organiser:** Maha Bodhi Society of India, Sarnath. **Title of Paper:** A Comparative Study of the *Āṭānāṭiya-sutta* in the Pāli and the Tibetan Canon.
2. 28-29 December 2019 : **Theme of the Conference and date:** National Conference on Satipaṭṭhāna Sutta: Theory and Practice in Theravāda and Mahāyāna. **Title of Paper:** Placement of Mindfulness of Mind and Phenomena in Theravāda Buddhism. **Organiser:** Tibet House, New Delhi.

**Research Project**

1. May 2019 - April 2021 : Working on "Exploring more *Cetasika*-s in Pāli texts", a 2-year project jointly undertaken by CIHTS, Varanasi and Gaden Phodrang Institute, Dharmasala.

**Dr. Mahesh Sharma**

1. 4 June - 3 July 2019 : One-month long Faculty Induction Programme under PMMMNMTT scheme, organized by Centre for Curriculum Research, Policy and Educational Development, School of Education, Central University of Bhatinda, Punjab.
2. 18 September 2019 : Delivered a special lecture on 'Understanding Cosmopolitanism' for the PG students at Intersection Meet, BHU, Varanasi.

3. 23-24 September 2019 : Participated in a National Workshop on “Massive Open Online Courses” organized by School of Education, CTE, CIHTS, Sarnath, Varanasi under PMMMMNMTT Scheme.
4. 25 September 2019 : Delivered a special lecture on ‘An(Other) Cosmopolitanism : Interrogating the Ethical, Political and Cultural Bind’ for the PG students at Intersection Meet, BHU, Varanasi.
5. 4 October 2019 : Delivered a special lecture on ‘Cosmopolitanism: From Kant to Dalai Lama’ for the Riglab Annual Meet, CIHTS.
6. 4 November 2019 : Delivered a special lecture on ‘Semiotics and Semantics’ for students of CIHTS organized by SWA, CIHTS.
7. 11 November 2019 : Delivered a special lecture on ‘Morphology’ for students of CIHTS organized by SWA, CIHTS.
8. 18 November 2019 : Delivered a special lecture on ‘Applied Linguistics’ for students of CIHTS organized by SWA, CIHTS.
9. 25 November 2019 : Delivered a special lecture on ‘Sociolinguistics’ for students of CIHTS organized by SWA, CIHTS.
10. 29-31 January 2020 : Presented a research paper entitled “Revisiting the Urban Slums of Australasia: A Cosmopolitan Reading of Merlinda Bobis’ The Solemn Lantern Maker” at the International Conference on India, Asia and Australia: Oceanic Encounters and Exchanges, BHU, Varanasi.
11. 3-7 February 2020 : One week long Faculty Development Programme on Research Writing, Publishing and Presentation organized by Teaching Learning Centre, IIT, BHU, Varanasi under PMMMMNMTT scheme.
12. 26 February 2020 : Delivered a special lecture on ‘Postmodern Truth and Nietzsche’ for the PG students at Intersection Meet, BHU, Varanasi.
13. **Committees** : (1) E-Bulletin of CIHTS (2) Website Committee (3) English Language of Documentary Club (4) Annual Report.

**Dr. Jasmeet Gill**

1. Published a research paper, “Amrita Sher-Gil’s Heteroglossic Art in the Context of Indian Diaspora and World Culture : A Philosophical Perspective” in LAPIS LAZULI - An International Literary Journal (ISSN 2249-4529), Spring 2019.
2. Published a research paper, “Conceptual Contours of the ‘Disguise’ Motif in José Saramago’s ‘The Double’” in Indian Journal of Comparative Literature and Translation Studies (IJCLTS) (ISSN: 2321-8274), Vol. 5, No. 1, June 2019.
3. 23-24 September 2019 : Attended a national workshop on “Massive Open Online Courses” (MOOCs) at Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath.
4. Published a research paper, “The Palimpsest of Adolescence in Rabindranath Tagore’s ‘The Postmaster’” in GNOSIS Journal (ISSN 2394-0131), Vol. 6, No. 1, October 2019.

5. Published a research paper, “Reclaiming Immanent Singularities : An Ecosophical Reading of A. K. Ramanujan’s ‘The Striders’” in Think India Journal (ISSN: 0971-1260), Vol. 22, No. 14, December 2019.
6. 29-31 January 2020 : Participated in an International Conference on ‘India, Asia and Australia : Oceanic Encounters and Exchanges’ at Banaras Hindu Univ. and presented a paper entitled, ‘Delineating World Literature from the Indo-Australian Perspective : Transcultural Interstices and Literary Contacts’.
7. January-April, 2020 : Successfully completed a 12 week MOOC (NPTEL) on “Introduction to World Literature”.
8. 4 February 2020 : Delivered a lecture, ‘Issues of Articulation’ in Seminar Hall, Sambhot Bhavan, for the ‘Senior Students’ Winter Campaign’ organized by Students Welfare Association.
9. 10-20 February 2020 : Conducted a one-week ‘Essay Writing Workshop’ for the students of Shastri and Acharya classes.

**Co-coordinator:**

**Committees:** (1) Annual Report, (2) English Learning and Documentary Club, CIHTS, Sarnath.

**IV. Department of Education**

Education stands as the prominent element in the development of any community. The emergent need of holistic education and competent teachers in educational institutions is felt by the Central Institute of Higher Tibetan Studies (CIHTS) and therefore it has initiated the four year integrated B.A.B.Ed./B.Sc.B.Ed. innovative course (Shastri cum Shikshashastri) since 2014-15 academic session with the basic financial support from the Department of Education (DoE), Central Tibetan Administration (CTA) in Dharamsala. National Council for Teacher Education (NCTE) has approved the four year integrated course enthusiastically and uploaded the curriculum on its website as sample.

CIHTS has the approval to conduct B.Ed. course (Shikshashastri) on demand basis since 1999-2000 academic year. The recognition of NCTE for two-year Innovative M.Ed. course is underway.

CIHTS has designed its own curriculum for the above mentioned programs which have been approved by NCTE and are running under the Education Department of CIHTS as Centre for Teacher Education (CTE).

**Uniqueness of Course:**

A strong foundation in pedagogic content with correlation to the rich contents of respective discipline of studies right from the beginning of the course will enable students to develop into well trained, qualified and competent teachers after the completion of their courses. Trained and competent teachers are desperately required in schools and other educational domains to achieve the holistic development of society.

The uniqueness of the courses is that besides regular discipline of studies, Tibetan Language & Literature is a compulsory subject, and the essential components of

Buddhist philosophy (Nalanda tradition), science of mind, epistemology, logic, psychology, metaphysics and, concept of modern neuroscience and cognitive science are also taken into account to enrich the curriculum and to materialize the objectives of the programme.

**Courses Offered:**

1. B.Ed. Course (Two year)
2. Four Year Integrated B.A. B.Ed. Innovative Course

**Faculty Members**

- |                               |  |
|-------------------------------|--|
| 1. Dr. Jampa Thupten          | - Assistant Professor, Geography                     |
| 2. Dr. Jay Prakash            | - Assistant Professor, Education                     |
| 3. Dr. Huma Qayoom            | - Assistant Professor, Education                     |
| 4. Ven Tashi Dhondup          | - Assistant Professor, Tibetan Language & Literature |
| 5. Ven Lobsang Gyatso         | - Assistant Professor, Buddhist Philosophy/Logic     |
| 6. Dr. Krishna Pandey         | - Assistant Professor, Political Science             |
| 7. Dr. Susheel Kumar Singh    | - Assistant Professor, Hindi                         |
| 8. Mr. Brijesh Kumar Yadav    | - Assistant Professor, Economics                     |
| 9. Ms. P. Shushmita Vatsyayan | - Assistant Professor, English                       |
| 10 Mr. Thinlay Wanhchuk       | - Assistant Professor, History                       |
| 11 Mr. Tenzin Namgang         | - Assistant Professor, Tibetan History               |

**Administration Staff**

- |                        |                    |
|------------------------|--------------------|
| 1. Dr. Himanshu Pandey | - Director         |
| 2. Mr. Tenzin Tsetan   | - Office Assistant |
| 3. Mrs. Reena Pandey   | - Office Assistant |
| 4. Mr. Vishal Patel    | - Office Assistant |
| 5. Mr. Tenzin Yeshe    | - MTS/Cook         |
| 6. Mr. Rajoo Bharadwaj | - MTS              |
| 7. Ms. Yangchen Sangmo | - Librarian        |

**Departmental Activities:**

April 2019 - 31 March 2020 : The School of Education (CTE) and Centre for Professional Development of Teacher Educators has conducted following academic activities for the Pre-service Teachers, In-service Teachers and Teacher Educators:

1. 18–20 July 2019 : Entrance examination for the admission in two years B. Ed and four years integrated B.A. B.Ed. was conducted.
2. 12 February 2020 : A Board of Studies Meeting (BoS) was organized in CTE for Curriculum revision of Innovative 4-year integrated B.A.B.Ed/B.Sc.B.Ed. course.
3. 6 March 2020 : An essay competition was organized by CTE on the occasion of Women's Day on the topic "Women Empowerment : Opportunities and Challenges" for the students of CTE.

## **II. Lectures/Talks**

1. 30 August 2019 : Resource Lecture - “Re-visualising the field of Education” delivered by Honourable V.C., CHITS, Prof. Geshe Ngawang Samten.
2. 25 October 2019 : CTE conducted a Resource talk on A Journey of Intelligence Quotient to Emotional Quotient, Teacher-trainee at Centre for Teacher Education, Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath, Varanasi.
3. 28 January 2020 : Centre for Teacher Education CTE/SoE had conducted a resource talk on “Educational Testing and Measurement” and workshop on “Designing Assessment Tools” for B.Ed. student-teachers and Faculty of CTE, under Pandit Madan Mohan Malviya National Mission on Teacher and Teaching (PMMMNTT) scheme of MHRD, Govt. of India.
4. 30 January 2020 : Centre for Teacher Education CTE/SoE had conducted a resource talk on “Teacher as a Reflective Practitioner” for B.Ed. Student-Teachers and Faculty of CTE, under Pandit Madan Mohan Malviya National Mission on Teacher and Teaching (PMMMNTT) scheme of MHRD, Govt. of India.

## **III. Workshops**

1. 3-4 September 2019 : ‘Early Identification and Basic Intervention for Special Educational Needs in the Regular School’. SoE/CTE has organized the workshop for 2 days. The workshop was organised by Mr. Vishnu Sharan, Dr. Jampa Thupten (CTE), and the resource persons were:
  - (i) Dr. Ravikesh Tripathi - RCI programs Institute of Behavioural Science Gujarat Forensic Sciences University-Gandhinagar.
  - (ii) Dr. Vikram Singh Rawat, Associate Professor, Department of Psychiatry AIIMS- Rishikesh.
2. 23-24 September 2019 : Two-days National Workshop on ‘Massive Open Online Courses (MOOCs)’ for teacher Educators and University Teachers was organised by Dr. Jay Prakash Singh and Dr. Jampa Thupten (CTE). The resource persons were:
  - (i) Dr. Pankaj Tiwari, Director, EMRC, Dr. Harisingh Gaur University, Sagar, M.P.
  - (ii) Prof. B.K. Punia, Haryana School of Business, Guru Jambheshwar University of Science & Technology, Hissar, Former V.C., M D University, Rohtak.
  - (iii) Prof. Vandana Punia, HRDC, G.J. University of Science & Technology, Hissar.
3. 26 September - 5 October 2019 : National Workshop on “Teaching of Science subject through Dialectics”. CTE/SoE has conducted 10 days workshop for science school teachers. The workshop was organised by Lobsang Gyatso (CTE). The resource persons were:
  - (i) Lobsang Gyaltsen, HOD Gelug Sampradaya, CIHTS, Sarnath.

- (ii) Lobsang Tsultrim, Professor, CIHTS, Sarnath.
  - (iii) Lobsang Gyatso, Asst. Professor CTE, CIHTS, Sarnath.
4. 25 October, 2019 : A one-day workshop on “A Journey of Intelligence Quotient to Emotional Quotient” for Student teachers of CTE. It was conducted. The workshop was organized by Dr. Huma Kayoom and the resource person was Dr. Sunita Singh, Faculty of Education, BHU, Varanasi.
  5. 26-30 November, 2019 : CTE/SoE has conducted five-day National workshop on “Pedagogical Practice and Professional Development of Teachers” (PPPDT) for Secondary School teachers, principals, teacher-educators and University teachers. It was conducted. The workshop was organized by Dr. Jay Prakash Singh and the resource persons were:
    - (i) Professor K.P. Pandey, Director SHEPA, Former Vice-Chancellor, M.G. Kashi Vidyapeeth, Varanasi.
    - (ii) Dr. Shandindu, Ex-Chairperson, NCERT, New Delhi.
    - (iii) Dr. Rama Devi, Association of Indian Universities (AIU), New Delhi.
    - (iv) Prof. Seema Singh, Faculty of Education, BHU, Varanasi.
  6. 30 January 2020 : CTE organized a one-day workshop on “Teacher as Reflective Practitioner” under PMMMNMTT scheme of MHRD, Govt. of India, at CTE, CIHTS, Sarnath.
  7. 6-7 February 2019 : The Department of Education, CIHTS, initiated a Workshop cum Lecture on the theme “Mind and the Mental factor” and on SEE Learning. The workshop/lecture was given by Ven. Geshe Lhakdor, Director of Library of Tibetan Work and Archive, Dharamsala. The sole purpose of the workshop/lecture was to foster within student of the department a general awareness of Mind and Mental factor in Education and introduce to students the new development in the field especially the SEE learning. It was attended by both faculties and the students. The workshop/lecture was organised by Ven. Tashi Dhondup, CTE, Assistant Professor of Tibetan language and Literature.

### **Internship Programme and Educational Excursion**

1. 22-31 January 2020 : 10-day school based internship for B.Ed. students at J.J.H.S. school under PMMMNMTT scheme of MHRD, Govt. of India, at CTE, CIHTS, Sarnath.
2. 12-15 March 2020 : Centre for Teacher Education, under Pandit Madan Mohan Malviya National Mission on Teacher and Teaching (PMMMNMTT) scheme of MHRD, Govt. of India organised a four-day educational excursion for the student-teachers of CTE from 12 March to 15 March 2020. Faculty members Dr. Jay Prakash Singh, Mr. Thinley Wangchuk, Dr. Huma Kayoom, Dr. Krishna Pandey, Ms. P. Shushmita Vatsyayan and Mr. Brijesh Yadav accompanied the students.

CTE planned a visit to Faculty of Education at Babasaheb Bhimrao Ambedkar University, Lucknow followed by a visit to its library and other places of

importance. Dean, School of Education, Prof. Arbind Kumar Jha very warmly received and welcomed all the students and faculties and interacted with the students. He spoke at length especially about the Buddhist philosophy and logic and his experiences with His Holiness Dalai lama and the Vice-Chancellor Prof Geshe Nagwang Samten of CIHTS.

**Activities:**

**Dr. Jay Prakash Singh**

**a. Publications**

“FACETS OF KNOWLEDGE SOCIETY AND HIGHER EDUCATION”  
International journal of Multidisciplinary Educational Research, Vol-8, issue 8(3), August 2019, ISSN: 2277-7881.

**b. Other Activities – as Organizer & Coordinator**

1. 23-24 September, 2019 : Organized a 2 days national workshop on MOOC’s under PMMMNMTT scheme of MHRD, Govt. of India, at CTE, CIHTS, Sarnath.
2. 26-30 November, 2019 : Organized & coordinated 5 Days workshop on Pedagogical Practices and Professional Development of Teachers(PPPDT) under PMMMNMTT scheme of MHRD, Govt. of India, at CTE,CIHTS, Sarnath.
3. 22-31 January 2020 : Organized & coordinated 10-day School based internship for B.Ed. students at JJHS school under PMMMNMTT scheme of MHRD, Govt. of India, at CTE, CIHTS, Sarnath.
4. 28 January, 2020 : Organized & coordinated a resource talk on Educational Testing and Measurement and one-day workshop on Designing Assessment Tools under PMMMNMTT scheme of MHRD, Govt. of India, at CTE, CIHTS, Sarnath.
5. 30 January, 2020 : Organized & coordinated one-day workshop on Teacher as Reflective Practitioner under PMMMNMTT scheme of MHRD, Govt. of India, at CTE, CIHTS, Sarnath.
6. 12-15 March 2020 : Organized & coordinated 4 days Educational Excursion Programme for Student Teachers of CTE under PMMMNMTT scheme of MHRD, Govt. of India, at CTE, CIHTS, Sarnath.

**Mr. Brijesh Kumar Yadav**

**Publications**

1. Composition and Trends in States’ Non-Tax Revenue : A Case Study of Uttar Pradesh, Journal of Current Science, Vol. 20, no 03, May 2019.

**Dr. Huma Qayoom**

**Activities-as Organizer and Coordinator:-**

1. 25 October 2019 : Organized a Resource talk on “A Journey of Intelligence Quotient to Emotional Quotient Teacher-trainee” at Centre for Teacher Education, Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath, Varanasi.



2. 6 March 2020 : Organized an Essay Competition on the topic “Women Empowerment: Opportunities and Challenges” for the students of CTE.

### **Dr. Susheel Kumar Singh**

#### **Participation in Workshop and Seminar:-**

1. 1 September 2019 : National Seminar Kedarnath Singh : Smriti, Sangharsh aur Saundraya Department of Hindi, BHU, Varanasi.
5. 16-17 December 2019 : International Seminar Sau Sal Bad Seva Sadan : Stri Mukti Ka Bhartiya Path DDU Gorakhpur.

### **Ms. P. Shushmita Vatsyayan**

#### **Publication**

1. Devalued Black Womanhood: Capitalist Patriarchy and Sexism in August Wilson’s *Ma Rainey’s Black Bottom*, Prjna, Banaras Hindu University, Vol. 65, part 1, year 2019-2020. ISSN: 0554-9884.

All the faculty members participated in all the activities organized by both CTE and CIHTS.

## **C. FACULTY OF ADHUNIKA VIDYA**

Prof. Deo Raj Singh - Professor and Dean (Coordinator IQAC Cell)

### **I. Department of Social Sciences**

- |                               |   |
|-------------------------------|---|
| (1) Prof. Jampa Samten        | - Professor (Tibetan History) & Head                        |
| (2) Prof. Umesh Chandra Singh | - Professor (Asian History)                                 |
| (3) Prof. M.P.S. Chandel      | - Professor (Political Science)                             |
| (4) Dr. Kaushlesh Singh       | - Associate Professor (Asian History)                       |
| (5) Dr. Amit Mishra           | - Assistant Professor (Political Science)                   |
| (6) Dr. Urgyen                | - Assistant Professor (Tibetan History)                     |
| (7) Dr. Prashant Kumar Maurya | - Assistant Professor (Economics)<br>(Joined on 15.09.2018) |
| (8) Dr. J.B. Singh            | - Guest Lecturer (Economics)                                |
| (9) Dr. Birendra Singh        | - Guest Lecturer (Economics)                                |

#### **Academic Activities:**

Acharya (Master Degree) course in Tibetan History & Culture is the most recent subject added to the curriculum of the Social Science Department Since from July, 2017. This course is the first of its kind in the Tibetan diaspora, and since there was no textbook or existing model to base it on, the faculty had to design it from the ground up. This comprehensive course covers both cultural and political history of Tibet and its neighbouring Asian countries. This course also incorporates introductory lessons on archaeology, anthropology, historiography and numismatics which is essential part of historical studies. The first batch of the students completed the said course in 2019. Out of the 4 students, two of them are

admitted in the Ph.D. Course and one in the M.Phil. Course. One of them opted the Master in Education course conducted by centre for Teacher Education, CIHTS.

**I. Research Papers presented and published in the conference proceedings**

- (1) བོད་བཙན་པོས་ཚོས་སྐད་གཏམ་ལ་དབབ་བ་དང་བསྐྱར་ཐབས་ཀྱི་བཀའ་བཙུན་ཇི་གནང་བཤད་བའི་ཡིག་ཆ་ <བྱེ་བྲག་རྩོད་ཀྱི་ཕྱོད་ཀྱི་ཆེ་འཕྲིད་གཉིས་ཀྱི་གལ་ལག་ལྷན་སྐྱོང་བྱེད་པ། by Prof. Jampa Samten, published in “*In Search of Truth: Part II, A Collection of Articles authored by CIHTS Alumni in Honour of Prof. Samdhong Rinpoche*”, Published by Alumni Association of CIHTS, 2019. ISBN 978-81-936254-8-4
- (2) གནའ་བོའི་བྱང་རབས་རྟོགས་ཞིབ་བྱེད་བར་གནའ་མཇུག་རྟོགས་ཞིབ་རིག་བའི་ལས་ཐབས་གལ་གནད་ཆེ་ཚུལ་གྱི་དཔེ་མཚན་ལག་ལེན་བྱེད་པ། by Dr. Urgyen, published in “*In Search of Truth: Part II, A Collection of Articles authored by CIHTS Alumni in Honour of Prof. Samdhong Rinpoche*”, Published by Alumni Association of CIHTS, 2019. ISBN 978-81-936254-8-4

**II. Seminars/Conference attended by faculty members**

- (1) 7-13 July, 2019 : Prof Jampa Samten attended the 15<sup>th</sup> Seminar of International Association of Tibetan Studies held in Paris, France and organize the Panel entitle: དེང་རབས་འབྲུལ་གསར་གྱི་ཁྱད་ཚོས་ལྡན་བའི་“བོད་ཀྱི་དཀར་ཆག་རིག་པ” བསྐྱར་རྒྱུ་རྩོམ་གཤམ་མཐུན་སྒྲོམ་གྱི་ལས་གཞིའི་དགོས་དམིགས་རྩོད་སྒྲུབ། (Steps towards Transforming “Library Cataloguing System” for Tibetan Classical Literatures and Automation of Tibetan Libraries).

**III. International Conference of CIHTS Alumni:**

9-11 November, 2019 : The first Congregation of CIHTS Alumni & International Conference of CIHTS Alumni on “**Tibetan & Himalayan Studies**” organized jointly by CIHTS and AACIHTS. Prof. Jampa Samten and other faculty members of department, particularly alumni faculty members made significant contributions to make the gathering and Conference successful. The proceedings of the said conference entitled “*In Search of Truth: Part II, A Collection of Articles authored by CIHTS Alumni in Honour of Professor Samdhong Rinpoche on the occasion of his 80<sup>th</sup> Birthday*” in 2 volumes, containing 1335 pages was edited by Prof. Jampa Samten, Published by Alumni Association of CIHTS, 2019. ISBN 978-81-936254-8-4.

**IV. The project in progress:**

M.Phil and Ph.D. scholars working under the supervision of Prof. Jampa Samten are engaged on a Project entitled: *The Critical Study of the Four Versions of “sBa bzhed” : The earliest Record of Buddhism in Tibet with Annotations.* (བོད་ཀྱི་ཚོས་འབྲུང་ཡིག་ཆ་སྐོར་གྱི་སྐོར་བཞེད” ཀྱི་དཔེ་རྒྱན་མི་གཅིག་པ་བཞི་གཤམ་བསྐྱར་དང་མཚན་འགོད། A seat money of Rs. 25,000/- (twenty-five thousand have been sanctioned by CIHTS for the said project.

**V. Educational Tour**

6-12 October, 2019 : The department of Social Science Conducted Educational Tour for the Senior students of Tibetan History and Culture to all the Buddhist

places in Bihar & U.P. About 33 students participated in the said educational tour guided by two faculty members.

**Dr. Amit Mishra****Articles in Journals:**

1. Published a research paper entitled, Terrorism in Syria and Global Response for an edited book on Terrorism : ISIS and beyond by Prof. Deepika Gupta and Dr. Virendra Chawre published in December 2019 by Writer's Choice publications, Delhi.
2. Published an article entitled" Role of cross border terrorism in fomenting tensions between India and Pakistan" in Indian Foreign Policy and Contemporary Global Issues which is an edited book ed. by Dr. Chakali Brahmayya; Senior Faculty member, Deptt. of Pol. Science, Indira Gandhi National Tribal University, Amarkantak, Madhya Pradesh, India, by Writers Choice Publications, New Delhi in January 2020.
3. A research article entitled " India's Interests in the South China Sea: Opportunities and Concerns in Prof. G. Jaychandra Reddy ed. India and External Players in South China Sea under process of printing by Pentagon Publishers, New Delhi; 2020; online copy released.

**Paper presentation in Conferences and seminars:**

1. 2-3 January, 2020 : Invited to participate and present a paper on "Sustaining multiculturalism in India in the age of globalization" in an international conference on 'Common Values of Humanity and Cross Cultural Exchanges' organised by the Council for Research in Values and Philosophy at China West Normal University, Nanchong, China. (Could not attend due to COVID pandemic outbreak)
2. 22 February 2020 : Presented a paper entitled, "Economic Development of Tibetan Migrants in Goa during a State level Conference organised by Ravi Naik College, Goa.
3. July 2019 : Proposal on "Water Scarcity in India: Emerging Challenges" was also accepted in an international conference at Hanoi, Vietnam on 'Social Solidarity and Social Development' organised by the Vietnamese Academy of Social Sciences and Council for Research in Values and Philosophy.

**List of Refresher Courses Attended:**

1. 14 February - 2 March 2020 : Participated in the 4<sup>th</sup> Refresher course in Social Science (Interdisciplinary) at HRDC, Goa University, Goa, coordinated by the Dept. of Political Science, Goa University under UGC regulations.

**Dr. Prashant Kumar Maurya**

1. Member Secretary, IQAC, Central Institute of Higher Tibetan Studies.

**Seminars/Conferences/Workshop Attended:**

1. 23-24 September, 2019 : Participated in National Workshop on “Massive Open Online Courses (MOOCs)” organised by School of Education, Central Institute of Higher Tibetan Studies.
2. 12-13 October, 2019 : Participated and presented a paper entitled, “Agricultural Changes : Cost of Achieving Sustainable Development” in the National Seminar on Agricultural Transformation and Rural Development in India : Issues, Challenges and Possibilities held at Department of Economics Hemvati Nandan Bahuguna Garhwal University (A Central University) Srinagar Garhwal, Uttarakhand.
3. 16-17 December, 2019 : Participated in Workshop on “Assessment and Accreditation for Sanskrit Universities” held organised by National Assessment and Accreditation Council (NAAC), Bengaluru.

**Research Papers Presented in Seminars and Conferences:**

1. Paper Presented entitled “Agricultural Transformation: A Key to Attain Sustainable Development Goals” in the National seminar on “Agricultural Transformation and Rural Development in India: Issues, Challenges and Possibilities” Department of Economics, Hemvati Nandan Bahuguna Garhwal University, Srinagar Garhwal, Uttarakhand.

**Research Papers Published:**

1. Paper published “Women Empowerment: Illusion Vs. Reality” in the UPUEA Economic Journal, Vol. 15, November 2019 (ISSN No. 09752382).

**Invited Lectures**

1. Lecture delivered on Financial Literacy: A Key to Financial Inclusion Financial Inclusion for Equitable Rural Development in a National Workshop organised by Maa Ramsumeri Devi Smriti Poorvanchal Vikas Samiti, Gazipur, Uttar Pradesh.

**D. FACULTY OF SHILPA VIDYA**

Prof. Lobsang Tenzin - Dean

- (1) Shri Jigme - Assistant Professor (Painting)
- (2) Dr. Shuchita Sharma - Assistant Professor (Joined 15.9.2018)  
(History of Art and Aesthetics)
- (3) Shri Bhuchung - Guest Lecturer (Woodcraft)
- (4) Shri Dechen Dorjee - Guest Lecturer
- (5) Shri Kunga Nyingpo - Guest Lecturer (Painting)
- (6) Shri Lobsang Sherab - Guest Lecturer (Painting)
- (7) Shri Tenzin Jornden - Guest Lecturer (Woodcraft)

**I. Department of Tibetan Traditional Painting**

Fine Art is a self-motivated and multi-dimensional subject. CIHTS is the very first University in India to offer Traditional Tibetan Fine Arts at degree level. The Shilp

Vidya faculty was established in 2008 with the initial purpose of preserving, promoting and transmitting the cultural heritage of traditional Tibetan arts and crafts. The Department provides a unique education about traditional Tibetan art of Thangka paintings and woodcraft to students in the University. The students are taught Tibetan Thangka, woodcraft and handicrafts with its philosophy implications and historical aspects. Now, the institute about to introduce the various Tibetan art forms to the advanced academic level. The Department runs 2 years of degree course in university programme, including 3 year graduate and 2 year postgraduate course. M. Phil. Course introduced since 2017; first batch of this course have been successfully passed with excellent ranking.

The faculty is currently running two departments i.e. Traditional Tibetan painting and Traditional Tibetan woodcraft.

**Department Activities**

1. 4-14 October 2019 : Educational tour : Ajanta, Ellora, Kanheri caves, Elephanta.
2. 9 October 2019 : One day Photography workshop at Girigaon Beach, Bombay.
3. 12 November 2019 : One day photography workshop, CIHTS, Sarnath.
4. 19 January 2020 : Group participation in Sand Image, Ramchhatpar Nyas, Varanasi.

**Activities****Dr. Shuchita Sharma**

1. 17-18 August 2019 : Paper presentation on "Tattoo Art of Chhattisgarh", ICHR New Delhi and Rashtrya Mahila Itihaskar Sangoshti, Hyderabad, (National).
2. 22-29 August 2019 : Attended a One week Workshop on 'Palaeography of Brahmi script', CIHTS, Sarnath, Varanasi.
3. 23 September - 24 September 2019 : National workshop on "Massive open Online Courses" (MOOCs) Under PMMMNMTT scheme of MHRD, Govt. of India, organised by School of Education, CIHTS, Sarnath.
4. Deputation as a resource person in MCPHM department of History, BHU, for the academic year 2019-20.
5. December 2019 : Tulsidas ke Sahitya me Stri Roopankan Dept. of Linguistics and modern languages, SS Viswavidyalaya, Varanasi Tulsidas ka Samajik Chintan, (International).
6. 8-10 December 2019 : Painting Exhibition Prof. B. P. Kamboj Memorial All India Art Exhibition, Nature and Environment Himprasth and Sanskar Bharti (National).
7. 21 December 2019 : Invited Lecture on aesthetic perception of Renaissance artists, Institute of Fine Arts, Varanasi.

8. 26 December 2019 : Invited Lecture on Greek Aesthetics, Institute of Fine Arts, Varanasi.
9. 24-28 February 2020 : Attended Workshop for Hindi translation (Textbooks for Classes XI and XII), Department of Education in Arts & Aesthetics, NCERT, New Delhi.



One day photography workshop with Mr. Chandan Kumar, Professional photographer (Mumbai), 12th November, CIITS, Sarnath

## **II. Department of Tibetan Traditional Woodcraft**

The aims and objectives of founding Fine arts, wood craft section, is to provide an opportunity to those students who have keen interest to learn Tibetan traditional woodcraft, along with learning Buddhist Philosophy. The students are taught Tibetan traditional wood crafting skills with its philosophy, history, tradition and its values. Besides, Indian and western art history, as well as aesthetics and languages are also taught to enhance the students.

In the academic year (2019-20), besides teaching, the Department of Tibetan Traditional wood craft held numerous external and internal activities such as yearly educational tour in different historical places and cultural sites. Moreover, the department of Traditional Tibetan wood craft organized several workshops on Tibetan wood craft for the exchange program students from different Universities and institutes.

## **E. FACULTY OF SOWA RIGPA AND BHOT JYOTISH**

Prof. Lobsang Tenzin - Dean

### **I. Department of Sowa Rigpa**

- |   |                       |                              |
|---|-----------------------|------------------------------|
| 1 | Prof. Ram Hareh Singh | Adjunct Professor            |
| 2 | Prof. Lobsang Tenzin  | Professor, Dean              |
| 3 | Dr. Dorjee Damdul     | Associate Professor, Medical |

|    |                           |                                       |
|----|---------------------------|---------------------------------------|
| 4  | Dr. Tashi Dawa            | Superintendent,                       |
| 5  | Dr. R. P. Pandey          | Assistant Professor, HoD              |
| 6  | Dr. A. K. Rai             | Visiting Professor                    |
| 7  | Dr. P. P. Shrivastava     | Guest Faculty cum Researcher          |
| 8  | Dr. Chime Dolkar          | Guest Faculty cum Medical Officer     |
| 9  | Dr. Dawa Tsering          | Guest Faculty cum Hospital Incharge   |
| 10 | Dr. Lodoe Munsel          | Guest Faculty cum Pharmacy Incharge   |
| 11 | Dr. Tenzin Delek          | Guest Faculty cum Therapy Incharge    |
| 12 | Dr. Penpa Tsering         | Guest Faculty cum Consultant Doctor   |
| 13 | Dr. Karma Tharchin        | Guest Faculty cum VB Library Incharge |
| 14 | Dr. Tsering Chokey        | Pharmacy Assistant                    |
| 15 | Dr. Sangye Khando         | Therapist                             |
| 16 | Dr. Tsewang Sangmo        | Therapy Assistant                     |
| 17 | Dr. Wangyal Dorjee        | R&D Assistant                         |
| 18 | Dr. Dawa Dolma            | Pharmacopeia Assistant                |
| 19 | Mr. V.K.Patil             | Jong Assistant                        |
| 20 | Mrs.Kalsang Wangmo        | Lab technician                        |
| 21 | Mrs. Pema Sangmo          | TA. cum PA                            |
| 22 | Mrs.Ngawang Lotso         | Dispenser                             |
| 23 | Mrs.Tenzin Nordon         | Dispenser                             |
| 24 | Mrs.Tenzin Choezom        | Staff Nurse                           |
| 25 | Mrs. Passang Dolma        | Staff Nurse                           |
| 26 | Mr. Nyima Choegyial       | Compounder                            |
| 27 | Mr.Rhimo                  | EDMG Project Associate                |
| 28 | Mr.Sangay Wangchuk        | EDMG Project MTS                      |
| 29 | Mr. Sonam Phuntsok        | EDMG Project Supervisor               |
| 30 | Mrs. Manju Chetry         | EDMG Project Watch man                |
| 31 | Sri Kashinath Prajapati   | EDMG Project MTS                      |
| 32 | Sri Lav Kumar             | Hospital Watch man                    |
| 33 | Sri Brij Mohan Bhardawaj  | Office peon                           |
| 34 | Sri Subash                | Pharmacy MTS                          |
| 35 | Sri Shiv Shankar Yadav    | "                                     |
| 36 | Mr. Anil Kumar            | "                                     |
| 37 | Mr. Ashok Kumar           | "                                     |
| 38 | Mr. Rajesh Kumar          | "                                     |
| 39 | Mr. Sanjay Kumar Bhardwaj | "                                     |
| 40 | Mr. Sudha Devi            | "                                     |
| 41 | Mr. Rohit Kumar Rajbhar   | "                                     |
| 42 | Mr. Sunil Kumar Rajbharr  | "                                     |
| 43 | Mr. Brij Kumar Kannaujiya | R&D peon                              |
| 44 | Mr. Sandip Kumar          | Hospital MTS                          |
| 45 | Mr. Vasim                 | "                                     |
| 46 | Mrs. Dhanvantari Devi     | IPD/OPD peon                          |
| 47 | Mrs. Mala Devi            | Hospital MTS                          |

|    |                        |   |
|----|------------------------|---|
| 48 | Mrs. Swati Kumari Gond | " |
| 49 | Mr. Jitendra Bahadur   | " |

### **The Academic Background of the Department:**

As per the first of the four objectives of the Institute to preserve the Tibetan cultural heritage including the Language, Literature, Religion, Philosophy and Arts of Tibet, the Sowa Rigpa Department under the Faculty of Sowa Rigpa and Bhot Jyotish was established in the year 1993. The core objectives of the department are:

- A) To preserve the Tibetan art of healing and promote/contribute to the betterment of the healthcare services in the society.
- B) To teach and provide the opportunity of exploring the vast knowledge available in Tibetan medicine to the younger generations of the exiled Tibetan community, the trans-Himalayan people, foreign scholars and students who are interested in the Tibetan art of healing.

### **Academic Activities**

1. Organized teaching of Menche-Dawae-Gyalpo by Prof. Lobsang Tenzin to all the Medical students and faculty members on every official holiday, Saturday afternoon and Sunday.
2. The primary objective of Sowa-Rigpa Department is to provide opportunity of studying the vast available knowledge of Tibetan medicine and related traditional & modern science of healing. Hence, the Department of Sowa-Rigpa invites Dr. R.P. Pandey, as a visiting professor to teach the medical students about **Indian Ayurveda; medical treatment and practices**. He teaches Rogh Nidhan on every Wednesday after lunch to all the BSRMS students.
3. 8 April 2019 : Organized one day "**Observation of World Health Day**" on the theme of Promotion of Health and Wellness through Sowa-Rigpa.
4. 16 April 2019 : Dr. Tashi Dawa has attended the "**1<sup>st</sup> Meeting of the committee constituted by the EC of CCIM**" for the matters of Sowa-Rigpa-Reg at the office of the CCIM, New Delhi.
5. 29-30 April, 2019 : CIHTS The Department of Sowa-Rigpa has organized "**Sowa-Rigpa Research Symposium**".
6. 29 April, 2019 : Dr. Tashi Dawa gave lecture on "**Antiviral Potential of Tibetan Medicine**" CIHTS.
7. 29 April, 2019 : Prof. Lobsang Tenzin Presented Paper on the topic "**Teaching Methods of Sowa-Rigpa**" CIHTS.
8. Organized "**11 Days Yoga Training Course**" held from 18/6/19-30/6/2019 By Sowa-Rigpa Department.
9. 4 June 2019 : The two hours duration of mass recitation of Buddha's BHUM Text from 6 to 8 p.m. every day during Saga-Dawa started which was organized by Sorig-Department.



10. 18 June - 30 June 2019 : 11 days Yoga Training course was held as per guidance given by AYUSH which was organized by Sorig-Department at A.P. Guest house from 6:00 a.m. to 7:00 a.m.
11. 21 June 2019 : International Yoga Day celebrated for promotion of global health, harmony and peace as mandated by United Nations.
12. 30 August - 17 September 2019 : Conducted the "**Annual medical Excursion to the Sikkim**" escorted by Prof Lobsang Tenzin.
13. 11-12 September 2019 : Departmental Guest faculty and staff participated in "**Sowa-Rigpa Day**" at Tibet House, Lodhi Road, New Delhi.
14. 25 September 2019 : BSRMS students shared their experiences regarding medical excursion from 2:30 p.m. to 6:00 p.m. in A.P. guest house.
15. 17 October 2019 : The counselling and proper Scrutiny of Menpa Kachupa (BSRMS Professional-I) students held at 2:00 p.m. with Dean, HoD and Dr. Dorjee Damdul in the office of Sorig Department.
16. 22 November 2019 : Mr. Ramkripal Pandey, Operation Director of TES from Singapore accepted to give an informal discussion on "Impact of Environment on Health & Health cost" which was held at 3:30 p.m. in Seminar Hall II of Sambhot Bhawan.
17. 23 November 2019 : A round table discussion was held at 3:30 p.m. for the betterment of a patient named Utkars Pal, 11 years old boy who is suffering from Hearing, Speaking problem etc. The discussion was taken by all the doctors of Sorig Department.
18. 2 December 2019 : Mon-Meet was held at 4:00 p.m. by all Sowa-Rigpa faculties & staffs for compliance report and for discussing following points:-
  - 1) Bio-Metric attendance
  - 2) Office & personal requirement
  - 3) Complaints
19. 2 December 2019 : Oral Memorization Unit test of BSRMS professional-I students was held at 3:15 p.m.
20. 6 December 2019 : The following members gathered in the office of Dean, Faculty of Sowa-Rigpa & Bhot Jyotish for a discussion on refraining and revision of syllabus for supplementary coursed; Clinical Psychology, Human Anatomy and Physiology.

|                     |                                 |
|---------------------|---------------------------------|
| Dr. Himanshu Pandey | Deputy Registrar, CIHTS         |
| Dr. Dorjee Damdul   | Associate Professor, SRD        |
| Dr. Tashi Dawa      | Asst. Professor, SRD            |
| Dr. A.K. Rai        | Guest Faculty, SRD              |
| Dr. P.P. Srivastava | Part time Doctor cum G.F, CIHTS |
21. 14-15 December 2019 : Dr. Tashi Dawa executed as a "**Moderator for Panel Discussion on Translating Scientific terms in Tibetan**" on **International conference on Celebrating a Historic Journey**, Emory- Tibet Science Initiative, Co-sponsored by the Dalai Lama Trust an Emory University in

collaboration with Drepung Monastic University and the Library of Tibetan Works and Archives,

22. 16-29 December 2019 : Dr. Tashi Dawa participated in "**11<sup>th</sup> International Conference on Standardizing of Scientific Terms in Tibetan**", organized by Emory Tibet Science Initiative.
23. 19-20 December 2019 : Dr. Dorjee Damdul Associate Prof. Attended **the "Meeting of the Committee Constituted to Decide the Scope of work for Establishment of National Institute of Sowa-Rigpa"** at Ayush Bhawan, Ministry of Ayush, B-Block INA, Delhi.
24. 19-22 December 2019 : The Department of Sowa-Rigpa participated on 2<sup>nd</sup> International Exhibition & Conference of AROGYA 2019 at Banaras Hindu University, Varanasi.
25. 23 December 2019 : Dr. Dorjee Damdul Associate Prof. attended "**Review Meeting of Establishment of National Institute of Sowa-Rigpa**" Leh, Ladakh.
26. Walk in Interview was held at the Sowa-Rigpa Department for the new recruitment employers.
27. 14 January 2020 : Organized a talk on "**Sorig Dophen-Ling constructed by H.H the Fifth Dalai Lama** " by Geshe Jigme Rabten from Depung, Karnataka.
28. 18 January 2020 : Meeting of the "**Board of Studies**" was held in view of Post Graduate course and revision on BSRMS Syllabus.
29. 28 January 2020 : A meeting regarding the "**Construction of Sowa-Rigpa Bhawan**".
30. 8-9 February 2020 : Dr. Dorjee Damdul attended "**CCTM Special Meeting**" held at Samyeling New Delhi.
31. 6 & 11 February 2020 : Lecture on "**Pestilential Disease on Sowa-Rigpa**" was organized by the Department of Sowa-Rigpa to all the Guest Faculty, BSRMS, UM students. Prof. Lobsang Tenzin & Dr. Tashi Dawa have given lecture.
32. 12-14 February 2020 : Conducted **Annual TB Screening for the general student of CIHTS**, a team consisting Dr. Wangdak and Nurse Tashi Dolma from Department of Health, Central Tibetan Administration, Dehradun.
33. 26 February 2020 : Organized "**Workshop on Massage and Bone setting therapy**" at PGRH by Dr. Zhao Fang and Prof. Lobsang Tenzin gave lecture on the title "**Preservation and Promotion of Sowa-Rigpa at Global Level**" at Regional Ayurvedic Research Institute, Gangtok Sikkim, February 2020.
34. 28 February 2020 : Dr. Tashi Dawa gave talk on "**Specialties of Tibetan Medicine**" to SIT Study Abroad Program from Various Universities of USA, Co-organized by Department of Sowa-Rigpa & CIHTS and SIT Study Abroad Program.
35. 28-29 February 2020 : Prof. Lobsang Tenzin and Dr. Dorjee Damdul Participated in the "**International Workshop on Preservation and**

**Promotion of Sowa-Rigpa in Asia"** at Gangtok Sikkim by the Central Council for Research in Ayurvedic Sciences, Ministry of Ayush.

36. 1 March 2020 : Prof. Lobsang Tenzin gave lecture "**History and Concept of Sowa-Rigpa**" to the staffs and students of the faculty of Sowa-Rigpa NIT, Gangtok, Sikkim.

### **Vagbhatta Library**

1. The department library purchased 130 Vol. of Tibetan Medicine Manuscript Rare Texts (*Gang Jong Mentsee Rig Zod Chenmo*) recent printed inside Tibet, written by formal great scholars of Tibet in the form of scanned and published traditional books.
2. This year we registered more than 173 new books in VBL books maintenance register. We received more than 17 books from various book donators, purchased 130 Vol. of Tibetan Medicine Manuscript which published from Tibet and 25 vol. of Herbal and Aromatic Plants published from Discovery Publishing House PVT. LTD, New Delhi.
3. Every Saturday afternoon and Sunday morning VBLibrary continues to recording the great teaching of ancient Tibetan Medical Text Book *sMen Chey Dawei rGyalpo* by Prof. Lobsang Tenzin since 2016 till date.
4. The great teaching of Prof. Lobsang Tenzin's Third Tantra (*Man Nag Gyud*) of Sowa Rigpa's one of main text book the rGyud bZi, which recorded by VBLibrary. The *Man Nag Gyud* transcription work is ongoing; in the next year may be the scholars, researchers and Tibetan Medicine students hope to get the chance to enjoy the fruit.
5. During the year VBLibrary In-charge involved all the programs which organized by the Faculty of Sowa Rigpa & Bhot Jyotish, CIHTS, and Department of Sowa Rigpa.

### **Pharmacopoeia Unit**

Since the awareness of Sowa-Rigpa is increasing globally, the number of patients all over world and particularly in India has been growing promptly with the demand of Sowa-Rigpa products/medicine. But since the general scientific acceptability of these products/medicines very much depends upon the compliance with the quality standards and quality control of the medicine and its manufacturing process. It is been indispensably required to have scientific standards for the identity, purity, efficacy etc. of the traditional medicine of Sowa-Rigpa as well.

Therefore, keeping in view for publishing Pharmacopoeial standards of Sowa-Rigpa system, Pharmacopoeia Unit of Sowa-Rigpa Department has established to undertake pharmacopoeial work. Subsequently, conserving and preserving rare text book, restoring the disseminated and disperse longstanding edition are to be upgraded and complementing the Tibetan Medical Text to the practitioners of Sowa-Rigpa has been kept in view as well.

### **Aim and Objective of the project is:**

1. To provide QC & QA of Sowa-Rigpa product.
2. To introduce an authentic pharmacopoeia book.

3. To provide information about the ingredients and methods of preparation of Sowa-Rigpa medicine.

### **Work Completed**

#### **Project Work:**

1. List of the single drugs and compound preparation of the Nagarjuna Pharmacy has been completed.
2. Classified all the medicines of Sowa-Rigpa into eight different categories.
3. Specified the classification of the drugs found in rgyushid text and other authentic texts.
4. Prepared coarse introduction to more than thirty reference books.
5. Collected fifteen more different reference text books and added to the previous Pharmacopoeial work done by Dr. Thutop.
6. First, Second Proof Reading has been done.
7. The final proof reading is being done by Dr. Dorjee Damdul.
8. The first volume of Pharmacopoeia Book is set to Publish.

### **Pharmaceutical Unit**

#### **Annual Stock Detail**

1. Raw medicine purchased from Himalayan Region (357.262)
2. Raw medicine from local Market (3806.910 kg)
3. Raw medicine collected or Donated (138.459 kg)
4. Raw medicine received from EDMG Tawang Project (24.510 kg)
5. Collected from Herbal garden, CIHTS (328.075 kg)

#### **Annual Product**

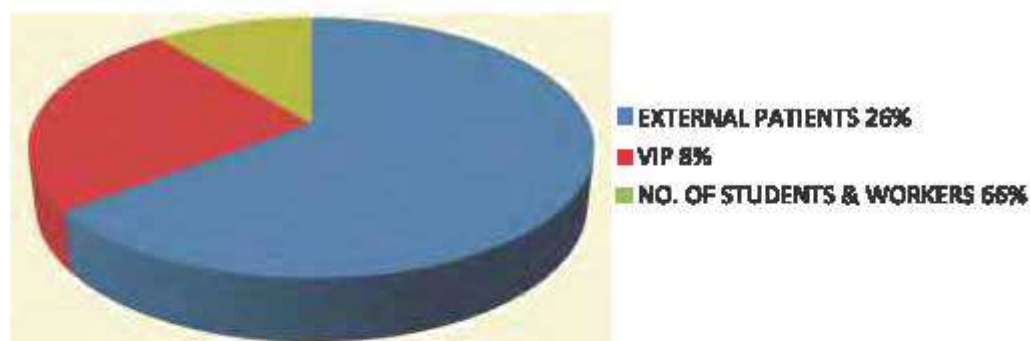
|                              |                 |
|------------------------------|-----------------|
| 1. Pills                     | 1386.796kg      |
| 2. Liquid                    | 892.385kg       |
| 3. Powder                    | 244.325kg       |
| 4. Health Tonic              | 286.220kg       |
| 5. Ointment                  | 925.783kg       |
| 6. Capsule                   | 18.711kg        |
| 7. Precious Pills            | 37.663kg        |
| 8. Practical and Research    | 136.402kg       |
| 9. Shodhan/Detox             | 343.754kg       |
| 10. <u>Sample/Exhibition</u> | <u>13.800kg</u> |
| <b>Total</b>                 | <b>4285.839</b> |

### **The Pathology Unit**

Department of Sowa-Rigpa is catering clinical diagnosing to patients on different diseases with referral from Department's Sowa-Rigpa Practitioners. This facility has been established keeping in view of giving exposure to modern diagnostic methods and techniques for the Ka-chupa undergraduate students. Weekly, students who have their parallel pathology classes are introduced to these basic hematology, urine, sputum and stool test. Sowa-Rigpa way of analyzing urine and other diagnostic tools are also employed under the supervision of the respective Sowa-

Rigpa faculty. The outcome of this exposure is to train and equip basic pathological skills for life long skill enhancement. More advanced radiological, biochemical and histological tests will be incorporated with engagement of eligible and skilled professionals in future for better and sound understanding diseases and their pathogenesis. Thus, numerically, the total number of patients diagnosed in April 2019 to December 2020 is about 922 including outdoor and indoor patients and VIP person etc.

**FIGURE SHOWING NO. OF OUTDOOR, VIP AND STUDENTS & WORKERS PATIENTS IN % AGE**



**Total Number of Patients in 1 Year-922**

### **Research Unit**

#### **Research works which have been completed:**

1. Wrote a research article in Hindi - Behavior modification in Buddhism.
2. Translated an article in Hindi - History of Tibetan Medicine.
3. Pilot study has been completed. Topic-"Lockdown and its management through Pranayam".
4. Pilot study has been completed on effect of EFT and Body Pain.
5. Pilot study has been completed. Topic- "Yognidra as psychotherapy".
6. Prepared a PPT for online class (Introduction of Psychotherapy)

#### **Other works:**

1. Treated patients with Psychotherapy techniques.
2. Treated patients with Yoga techniques.
3. Took (BSRMS 1<sup>st</sup>, 2<sup>nd</sup> and 4<sup>th</sup> year) classes on Psychology, Behavior Disorder and Psychotherapy.
4. Help and guidance of internship students of BSRMS.
5. Prepared Syllabus of Clinical Psychology for BSRMS students.
6. Prepared Syllabus Research methodology & Medical statistics for Sowa-Rigpa students.
7. Co-ordinated International Yoga Day
8. Co-ordinated Arogya Fair 2020 at B.H.U Varanasi

**Future Research works:**

1. Preparation of PPT for online Classes.
2. Management of Depression. (Comparative study)
3. Effect of Sowa-Rigpa Medicine in Disease and Disorder.
4. Write a book on Chit-Vigyan in Hindi with the help of Prof. L. Tenzin (Tibetan-Psychology or Psychotherapy).

**R&D Herbarium Unit**

**1) Aims and Objectives:-**

1. Proper identification, study and usage of Sowa-Rigpa based medicinal herbs.
2. Students' knowledge and exposure to herbs and minerals used in Sowa-Rigpa medical system.
3. Preservation of extinct or endangered herbs.
4. To improve quality standard of each herb.

**2) Herbarium works:-**

1. Total no. of herbs collected from Manali, Garsha, Spiti etc. of Himachal Pradesh and Tawang region of Arunachal Pradesh is 621.
2. Total no. of herbs collected from Kalchakra garden of Sowa-Rigpa (CIHTS) is 51 which have been attached separately on herbarium sheet.
3. Total no. of Voucher specimens for herbs collected from Himalayan region is 169 out of which fill-up of 23 herbs have been completed in both Tibetan and English language.

**3) Future Projects:-**

1. Continuation of Voucher specimen fill-up work.
2. More collection and research on herbs from Kalachakra garden (CIHTS).
3. Herb based Summer Project to students who will be in campus.

**SOWA-RIGPA THERAPY WING**

As per the CCIM guidelines, this Sowa-Rigpa Therapy Wing has been attached to a 10-bed Yuthok Sowa-Rigpa Hospital since July 2019. The primary aim of this Therapy wing is not only to cater healthcare services for the Patients but also to support teaching learning process for the Kachupa student (BSRMS program) to witness real-time therapeutic effects and procedure under Senior therapist and assistant therapist. It is also a centre where some clinical trials are conducted for chronic diseases where patients are either not responding to any medicines from other system of medications. Despite having more than hundred therapies in the Sowa-Rigpa literatures, only few of them are employed here along with providing individualized therapies for respective diseases. Since its establishment as a separate wing in 2017, it has seen surge in the number of patients/individuals receiving therapies for various ailments. The therapies are administered based on the referral from the Sowa-Rigpa Menpas from its 4 different OPDs.

**New features:**

1. **Record keeping:** Earlier the records were maintained as per the therapies administered, however, from the fiscal year 2019-2020, the records were maintained as per the requirements of CCIM as it relates to teaching therapies for the Kachupa (UG) Students and more hands on for internees.
2. **Student exposure & activities:** After completion of 10-day workshop on traditional massage and bone setting, student took up hands-on training on actual patients with chronic issues related to bone dislocation.
3. **IPD services:** Patients admitted in the IPD of YSR Hospitals were given in-house therapy sessions as required specially those having problem in mobility and walking.

As compared to preceding years, the number of patient visit has significantly increased which indicates that the efficacy is quite vivid and beneficial for those who have received the Sowa-Rigpa therapies.

Clinical Trial Patients are those who received treatment especially under the students' activities and were exempted from paying bills for their treatment. Though they must pay bill for their medications. Therapies administered for these patients include cupping, moxibustion, light massage, Hot vapor compression therapy, Venesection. This category has those chronic patients who had prolong medications ranging from year to few years and also had adverse health issues from other medical therapies.

| <b>Total Therapy 2019-20</b> |             |
|------------------------------|-------------|
| Clinical Therapy             | 3587        |
| Clinical Trial               | 278         |
| <b>Total</b>                 | <b>3865</b> |

### **Annual Report on Establishment and Development of Medicinal Garden/Bhot Chikitsa Vidhya Project Tawang, Arunachal Pradesh-2019-2020**

#### **1. Current Circumstances of the Tawang project:**

As Tawang Medical Garden project is initiated and maintained by **Sowa Rigpa Department of Central Institute of Higher Tibetan Studies**, Sarnath, and Varanasi in 2008. Now Tawang project is in position to continue and take the project to next level of development height. Especially Tawang region of Arunachal Pradesh is highly altitude area and it is bestowed with beauty of natural surroundings. The place is blessed and supplemented with varieties of natural growing rare herbs, beautiful flowers and wild animals, which are particularly found in Tibetan plateau. The place is exceptionally unique as local residents are deeply religious and traditional that is aged long inheritance form Tibetan plateau. Presently we are looking forward to take our project to large scale productive unit and develop it for more sustainable and qualitative project in near future.

**2. Main Project site Menmagyala:**

Our main project site Menmagyalam (5.47 acres) around 20km far away from Tawang hedged with iron-wiring fencing only permitted can enter into the site. As it is located in sloppy Rocky Mountains we have constructed counter terrace in some parts of the project site as per needs for plantation of herbs (As shown in below pictures 1&2). In this particular field we have various kinds of natural and planted high altitude herbs. To our excitement this year we have found more species of natural growing herbs and plants in the project site around 40 species of herbs in it after the process of continue manuring works in last 2-3 years.



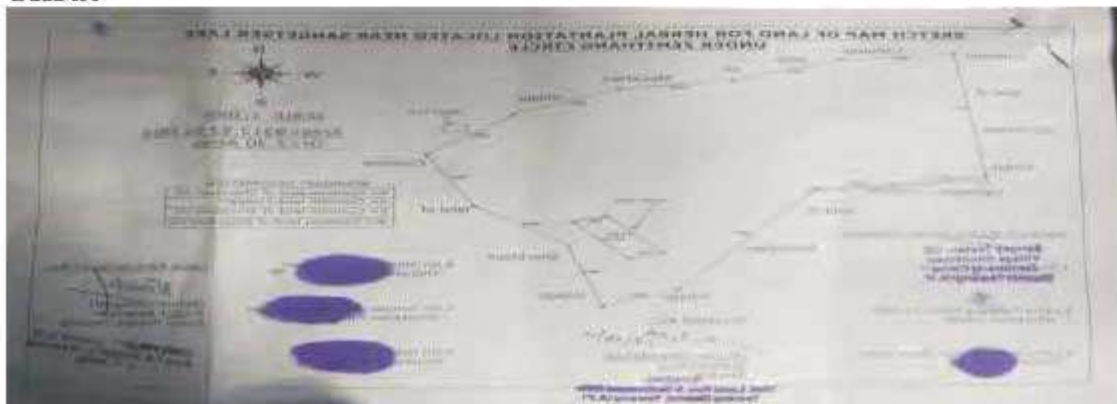
picture-1



picture-2

**3. Plantation lands under process for lease base procurement:**

3.1 Taktsang trail plantation land under proposed for lease base procurement (picture-3&4) is located at Taktsang Village, which is around 40km away from Tawang. It is extents in 2.30 acraa approximate and it is still under process for lease agreement. This project site is very isolative and productive for quantity and qualitative cultivation of rare medicinal herbs. This site is indiapensable for research studies and project enhancement. We have around hundred different rare herbs under growing at the moment. Recently we have done plantation land survey jointly with members of Shogtsang village and officials of LR Branch DC office Tawang. As sketched map drawn by LR shown below:





**3.2** The **Gorsam** medicinal garden is also under process for lease agreement and located in the array of Nyamjangchu River in Zimithang village. It ranges above 1acre and this place is essential for plantation of medicinal plants and herbs growing in the moderate temperature. This is also very useful and needy for complete supply of research studies and large sized development of the project. Currently we are in working to make this available land to kind of herbarium of different plants and herbs such as Tarbu, Manu, Shuda nakpo etc growing in the areas.

**3.3 Khinmey plantation land:**

As shown in picture below, we have kind words from His Eminence Thegtse Rinpoche of Khinmey Monastery Tawang, has kindly consented to provide us land of around 4-5 acres of grassland for herbal plantation only. Also told me that if the scheme is govt. related then he would like to have land lease amount for the sake of Monastery and if it is privately operated then no charge will be taken for plantation. Thus we are looking it as a golden opportunity and much beneficial to our project which could prove milestone of our project in future.



Picture showing the grassland of Khinmey Monastery land offered to us for herbal plantation.

**4. Visitors to our project Site:**

As per the verbal records from both Mr. Sanye Wangchu and Mr. Sonam Phuntsok we have nearly hundreds visitors from both local and faraway places in last year. In this very FY2019 till the Month of June we have five different groups of visitors visited to our trail plantation land at Taktsang for surveying and seeing of rare herbs and medicinal plants. We have received very appreciating and welcoming gestures from all visitors for our works on preservation and awareness of herbs and medicinal plants.

We have very quality growing of different herbs at both project sites. We have around 40 types of herbs and medicinal plants growing in Menmagyalam project site such as Ganga chung, honglen, utpal serpo, utpal ngonpo, wolmoshe, bongkar, bongnag, khenpa strong, khurmang and many more. In Taktsang project sites we have nearly 100 different herbs and medicinal growing beautifully such as ruta, manu, bongnag, wolmoshe, honglen, kerpa, yugushing, tyahing, ranyi, bongkar, bongmarpo, pangyen, tserngon, solomarpo and many more.

**Brief Report of Herbal plants exhibition on 73<sup>rd</sup> Independence day (15<sup>th</sup> Aug. 2019)**

As our main objective to promote safeguard and identification of natural high altitude medicinal plants to local people, we have successfully exhibited around 40 different species of herbs and medicine plants along with Tawang forest department during celebration of 73<sup>rd</sup> Independence Day on 15<sup>th</sup> August, 2019 at Parade ground Tawang-district Tawang. As per the conversation with Dean & principal investigator, EDMG project has kindly guided me to work together with forest department, Tawang to exhibit herbal medicinal plants as per their request.

Thus we have exhibited around 40 variances of herbal species along with Sowaigpa Tibetan names, Botanical names, occurrence and use of its' parts written on name plate attached with.

**As shown in the picture below:**



As expected huge number of visitors has visited the exhibition stall with much interest and keen in knowing the characteristics of the exhibited herbs. Visitors appreciated our works and expressing sincere interest towards the preservation of rare herbs located in their areas.

The stall inaugurated by Chief Guest Hon'ble Local MLA Shri Tsering Tashi ji along with Deputy Commissioner Tawang Shri Sang Phuntsok (IAS), Superintendent of police Tawang Shri Sagar Singh Khalsi (IPS) and many local dignitaries has visited our stall and express their support and visions on preservation of herbs in Tawang areas.

Thus, this exhibition has been very successful and beneficial one to all visitors and we are being positively gestured by all dignitaries and visitors to conduct such exhibition in future also.

Henceforth we are looking forward to conduct such and much more widespread exhibition cum identification of high altitude medicinal herbs in coming years for the wider purposes.

1. Exhibition collaborated with Department of Forest, Tawang.
2. Exhibition stall inaugurated by local MLA Taering Tashi ji
3. Around 40 varieties of herbal species exhibited
4. Mr. Sange Wangchu (Multipurpose staff) has conducted explaining and identifying of herbs to the visitors.
5. Stall maintained by Department of Forest in charge by range officer Shri Nawang Gyaltzen.
6. Around hundreds of visitors visited to the exhibition stall.

In the month of September, we have conducted land survey of Taktsang area plantation land jointly with members of Shogtsang village (owner of taktsang under trail plantation land) and officials of Land Record and Management Branch (LRM), DC Office Tawang. Regarding which I have already sent copies of sketched map and details to our office for necessary actions. The land survey has been successfully done on 10 September 2019.

In the month of October, as requested by department of Social Forestry Tawang and kind acceptance from Dean of the Department, I have jointly worked with forest department during four day's celebration of Tawang festival from 28-31 October 2019, exhibiting our medicinal herbs and plants with Forest department, Tawang. We have displayed around 20 different types of herbs and medicinal plants. The stall was inaugurated by His Excellency Ambassador of US to India, Hon'ble Minister of Youth affairs Govt. of India Shri Kiren Rijju, Hon'ble CM, local MLAs and many dignitaries. During whole four days we have visited by around 500 visitors from both local and broad.



And in the month of November as accordingly to the verbal communication and approval from Dean of the Department, I have also worked with department of social forestry, Tawang during three days celebration of Maitri Divas from 14-16 November 2019. In which we have exhibited around 15 types of herbs and medicinal plants. This exhibition was jointly arranged by Arunachal Govt. and Indian Army to celebrate the bonhomie of civil and military in Tawang areas. The stall was inaugurated by His Excellency Home Minister, Govt. of India Shri Rajnath Singh, Shri Pema Khandu, Chief Minister of Arunachal Pradesh and many high dignitaries. I have participated all three days in making identification and explanation of high altitude local herbs to visitors. It was very successful and fruitful exhibition on the account of visitor's satisfaction and reactions. We have won great appreciable gestures from all kind of visitors to exhibition stall.



Currently we are looking forward to accelerate our project to more successful and development heights on the account of both qualitative and quantitative products. As our project has already passed the milestone of 10 years from its period of initiated as EDMG project in Tawang and now we are expecting to enhance its range of cultivation and plantation areas as well as regularization of our project under Department of Sowa Rigpa, CIHTS is very necessary and urgent to give it more wings of both sustainability and productivity in near futures.

**Future plans of the Department:**

1. To research on medicinal herbs and products & formulation.
2. To render and improve the health of local people through Sowa-Rigpa.
3. To explain and promote effectiveness of Sowa-Rigpa medicines on Gynecological disease through mother-child healthcare in remote area.
4. To do clinical research on chronic and infectious diseases through collaboration with other system of medicine.
5. To research on drug standardization in collaboration with other universities (National and International).
6. To translate ancient text of Indian medicine into Tibetan.
7. Herbal garden was established in Tawang, Arunachal Pradesh to cultivate endangered and rare species of high altitude plants.
8. Increment of student intake for the undergraduate program.
9. Recruitment of new post docs. And junior scientists for the Sowa-Rigpa R&D Unit to further develop a full-fledged Research wing.
10. Starting 2<sup>nd</sup> batch of Sowa-Rigpa PG program
11. To train and initiate more programs and specialty in PG and Ph.D. courses.
12. To promote Sowa-Rigpa internationally and serve more patients globally.
13. To establish & develop full-fledged Sowa-Rigpa center of Excellence with the construction of New Academic and Hospital building separately.
14. To recruit more manpower in the academic and hospital management to sustain and establish the set target.

**Future plan of the Department - To establish & develop a full-fledged Sowa-Rigpa Centre of Excellence with the construction of New Academic and Hospital building separately**



3D VIEW - SOWA RIGPA HOSPITAL (SMT, SARAKOL, MARIKANG) (0 01 00 00 00 00 00)



3D VIEW - SOWA RIGPA HOSPITAL (SMT, SARAKOL, MARIKANG) (0 01 00 00 00 00 00)



3D VIEW - SOWA RIGPA HOSPITAL LAMU, LAMTER, GARBARU (0 01-28-89-96-28 670) PHOTON TOUR



3D VIEW - SOWA RIGPA HOSPITAL LAMU, LAMTER, GARBARU (0 01-28-89-96-28 670) PHOTON TOUR

### **Present status:**



## **II. Department of Bhot Jyotish**

- (1) Dr. Tashi Tsering (J) - Associate Professor
- (2) Dr. Jampa Chopel - Assistant Professor & Head

### **Academic Activities:**

1. Shri Tashi Tsering has completed research on Ancient Chinese astrological text that was translated in Tibet during the 7<sup>th</sup> CE. Shri Tashi Tsering has further composed a root text and consequently written a commentary for the same along with many examples. It is to inform you that there is no complete commentary of such astrological text and this would be extremely helpful for the readers and specially in the field of Astrology.
2. 8-13 July 2019 : Dr. Jampa Chopel participated in the International Conference, organized by the International Association of Tibetan Studies held at INALCO, Paris, France. He had presented the research paper on the Heliocentric and Geocentric model of the Kalachakra tradition.
3. 3-6 October 2019 : Dr. Jampa Chopel participated in the Special General Assembly of Tibetan Exile Govt. as representative of the Institute at Dharamsala, headquarter of the CTA.
4. Dr. Jampa has given a lecture on Tibetan Astroscience under the exchange program of 5 college.
5. Dr. Jampa has completed his research work on "Monthly recognition of Tibetan Astro science" and has further submitted a research book to the Tibet

House, Delhi for final publication which is left in printing press since global pandemic.

6. Dr. Jampa has been taking extra charge of Nodal officer of the Institute for National Academic Depository, Association of Indian University and All India Survey of Higher Education. He is also a chairman of Swatch Bharat
7. The department has initiated the Whatsapp group called “Tibetan Astro-Science Forum” with around 57 members till today, including faculty members, Astroscience practitioners and researchers all over the world. The members used to share their Astroscience interpretation daily regarding their research conclusion and its related issue, new article, comment, the timely occultation of the heavenly object, replying to the query and unsolvable calculation etc. This is extremely benefited and all the members are actively participating with full enthusiasm. This platform shares once ideas to all the members and hopefully, it will impact a huge development in near future specially in the field of Tibetan Astroscience.

## **3. RESEARCH DEPARTMENTS**

Research relating to restoration of Tibetan into Sanskrit and translation of Tibetan texts into Hindi, Sanskrit and English and critical editing of rare manuscripts of Buddhist texts and publication thereof are the major activities of the Research Departments of the Institute. The research activities pursued at the Institute are in the forms of restoration, translation, critical editions and publication through the following Departments:

- 1. Restoration Department**
- 2. Translation Department**
- 3. Rare Buddhist Texts Research Department**
- 4. Dictionary Department**
- 5. Centre for Tibetan Literature**

### **1. Restoration Department**

#### **Vision**

The restoration Department was established as an independent Department within the Research Department to restore ancient Indian science and literature preserved in Tibetan language, into original Sanskrit. It is not only aimed to restore the texts for research purpose, but to revive a lost Indian culture into its original form. This is the only university in the world, where such work is being carried out. The top priority is given to important works of Acharya Nagarjuna, Aryadeva, Shantarakshita, Kamalashila and Atisha and so on.

To restore the text into Sanskrit, the scholar of this Department works in collaboration with Indian Sanskrit scholars. This is a well-known tradition coming from the 9<sup>th</sup> century in Tibet. When these texts of Indian cultural heritage were first translated into Tibetan from Sanskrit, it was compulsory for a Tibetan translator to work with an Indian Pandit as a subject expert. Abiding by that tradition, this Department is also working with Indian scholars who are well versed both in Sanskrit and in Buddhist Philosophy. It is a matter of great honour that late Prof. Ram Shankar Tripathi, a President Award winner as well as a Padmashri Award winner, had been working with this Department.

So far many important titles have been published from this University in the forms of restoration, translation and critical editions done by the scholars of this Department. Among the above texts, a few of the works have received that U.P. Sanskrit Academy Award.

#### **Staff Members and their Designations:**

- |                       |  |
|-----------------------|--|
| 1. Dr. Losang Dorjee  | - Associate Professor (HOD)  |
| 2. Prof. Penpa Dorjee | - Professor (In-charge- Shantarakshita<br>Lib. Additional Charge) from February 2020 |

3. Ven. Gyaltzen Namdol - Associate Professor (Head, Till January 2020)
4. Ven. Ngawang Gyaltzen Negi - Research Assistant

**Main Project Works:**

**Nature of Work:** This Unit is mainly engaged with restoration of ancient Indian literature, translating them into English and Hindi languages. The scholars of this department work on critical editing of the text and prepare CRC for publication. The Department has also conducting workshop and conferences. They teach classes in the option of professors when they left for long holiday. Currently following project works are carried out:

**A. Research Team Work:**

1. All the scholars of the Department worked on critical edition of the Sanskrit manuscript of Second Chapter of Acharya Candrakirti's '**Madhyamakavata-  
rabhasya**' with Prof. P.P. Gokhale, which was published in the Dhih Journal, 60<sup>th</sup> Vol.
2. All the scholars of the Departments worked on critical edition of the seventh chapter of the **Acharya Buddhapalita's Moolmadhyamikavritti** a commentary on '**Moolmadhyamika**' with Prof. P.P. Gokhale. It is now ready for publication.
3. The scholars of Restoration and translation department worked on the critical edition of Tibetan version and Sanskrit manuscript of **Vimalakirtinirdeśa Sutra** with Prof. P.P. Gokhale. Prof. Gokhale has written the introduction of text. Dr. Geshe Lobsang Dorjee and Acharya Ngawang Gyaltzen Negi have worked on final CRC of the text including data entry, proof reading, re-setting and submitted for the publication. An advance copy of the text was inaugurated by His Holiness the XIV Dalai Lama during his visit on 50<sup>th</sup> Golden Jubilee celebration of the university.
4. All the scholars of the department are engaged in translation of '**Compendium of Buddhist Science and Philosophy**' into Hindi, a translation project for the private office of the His Holiness the Dalai Lama. The first draft translation of the text has completed. Final checking of the translation is in progress.

**B. Research Project/Works:**

1. **Madhyamaka Ratnapradipa of Acharya Bhava Viveka** : Critical edition of Tibetan version and Hindi translation is completed. Presently preparing introduction of both Hindi and Tibetan version which is nearly complete.
2. Ven. Gyaltzen Namdol restored the **Acharya Nagarjuna's Bodhicitta-  
vivarana** with Prof. Gokhale during his one month visit to the university as visiting professor. This is a revised edition of the text.
3. **Bodhipathapradipapañjika of Acharya Dipankarasrijñāna** : Restoration into Sanskrit and Hindi translation of the text with Prof. Ram Shankar



Tripathi was completed. However, meter of few restored long verses in Sanskrit are yet to be finalized, which will be done in the near future with Prof. P.P. Gokhale. Research and writing of introduction and preparation of appendix of the text is under progress.

4. ***Aryasarva-buddha-vishayāvatāra-jñanāloka-alamkāranāma-mahayāna-sūtra***: Completed the critical edition of the Sanskrit manuscript collating with Tibetan version. The work was being done with Prof. P.P. Gokhale and going to publish soon. Doing research for its introduction. It shall be published soon.
5. ***Mahavyutpatti*** : A comprehensive Sanskrit-Tibetan dictionary compiled in the 9th century by Indian masters with the Tibetan translators. Collating work with two other Tibetan editions has been completed. Working on introduction.
6. ***Yuktishastika of Acharya Nagarjuna and its commentary by Acharya Chandrakirti*** : Revision of restoration is under progress. The introduction in Tibetan version is also under progress.
7. ***Dharmadhatustava by Acharya Nagarjuna*** : Restoration and translation into Hindi and English is almost completed. Recently, a diplomatic edition was published from Austria. At present collating the text with newly published edition and other manuscripts.
8. ***Prahanapurakaśhatavandānamahāyānasūtra, Karandvyuhamahāyānasūtra, Pratiyasamutapadasūtra and Dashakushalasūtra*** : Restoration, Translation into Hindi and critical editing work is under progress.
9. ***Mahayanapathakrama of Acharya Subhagavajra*** : Critical edition of Tibetan version is completed. Rechecking of the Restoration and Hindi translation of the text is completed with Prof. P. P. Gokhale. Introduction is under progress.
10. ***Vinaya Paribhasik Shabda Kosha*** : Working on the compilation of a dictionary on technical terms in Vinaya. This is a bilingual dictionary in Tibetan and Sanskrit. The work is being done in collaboration with the Dictionary Department of the CIHTS.
11. ***Samkshiptananadrivibhajya by Acharya Umesh Singh*** : Restoration of the text with Prof. P.P. Gokhale is completed.
12. ***Abodhabodhakanama Prakaranam by Acharya Nagarjuna*** : Restoration of the text with Prof. P.P. Gokhale is completed.
13. ***Triskhandhasutra*** : a manuscript of the text was found in Nepali Mantra collection. Editing of the same is completed and Hindi translation is under progress with the help of Prof. P.P. Gokhale.



**Team of Research Scholars working on critical edition of Buddhapañita: commentary on Mulamadhyamakakārikā with Prof. P. P. Gokhale**

### **C. Conference/Seminar/Workshop**

1. Acharya Ngawang Gyaltzen Negi was nominated to assist the Dictionary Department for six months i.e. January to June 2019 for the collection of 16 Volume Tibetan Sanskrit Dictionary data collection for digitization.
2. 16-17 May 2019 : On the invitation of Secretary, Bodhagaya Temple Management Committee, Ven. Gyaltsen Namdol and Ven. Ngawang Gyaltzen Negi attended a two day National Seminar on '**Buddhism: Harbinger of Inter-religious Harmony**' to commemorate Buddha Jayanti. Ven. Gyaltsen Namdol chaired one session and presented a paper on **Karma and Result according to the Buddhism**.
3. 3-5 November 2019 : All the scholars of the department attended '**National Seminar on History of Gelug Tradition and its Institutions**' organized by Department of Gelug Samparadaya, CIHTS. Ven. Gyaltzen Namdol presented a paper on '**The Contribution of Acharya Tsongkhapa in Buddhist Teaching**' and chaired one session. Dr. Geshe Lobsang Dorjee presented his paper on '**Spread of Gelugpa tradition in India, Nepal Bhutan and other parts of World**'. Prof. Dr. Penpa Dorjee chaired one session.  
Dr. Lobsang Dorjee served as a member of organizing committee for the seminar. He actively worked for the success of the seminar. Ven. Ngawang Gyaltzen Negi worked as assistant to the organizing committee. The seminar was organized successfully.
4. 9 November 2019 : Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath and Alumni Association of CIHTS jointly organized '**International Conference of CIHTS Alumni on Tibetan & Himalayan Studies**' at CIHTS, Sarnath, Varanasi. During that occasion all the Department scholars has actively participated the conference. Prof. Dr. Penpa Dorjee presented a paper on '**An analytical research on History of Tibetan language and its**

**Development.** Acharya Gyaltzen Namdol presented his paper on **'The Buddhist teaching of Sutra in general and Vajrayana in Particular for Specific Person'** and Dr. Geshe Lobsang Dorjee presented his paper on **'History of CIHTS and report of restored text from Kagyur & Tangyur'** These papers were published by Alumni association of CIHTS in their two volumes proceeding called **'In Search of Truth: Part II.** Ven. Ngawang Gyaltzen Negi was also engaged with this conference in many capacities, such as preparation of proceedings and arrangement of the conference.

5. 16-17 December 2019 : Dr. Geshe Lobsang Dorjee was invited by Drepung Gomang Monastery for the inaugural function of their newly built debate hall and two days International conference. Thus he attended both inaugural ceremony and **'International Scholars' conference on the History of the Spread of Buddha Dharma in General and Gelug Tradition in the Regions of Russian and Mongolian in Particular,** Dr. Lobsang Dorjee presented a research paper on **'Spread and Contribution of Gelugpa Tradition in Mongolia and Russia'.**
6. 13-14 January 2020 : A two day **'National workshop on 'Translation of Kagyur, Tengyur and Sungbum into Hindi from the collection of Mahapandit Rahulsamkritayayan brought from Tibet'** was organized jointly by CIHTS, Sarnath and Art, Culture and Youth Department, Government of Bihar. Prof. Dr. Penpa Dorjee delivered a lecture on **'Critical editing of Tibetan texts'** and Dr. Geshe Lobsang Dorjee presented his talk on **'Method of Searching References and How to Apply Footnotes'** and Acharya Gyaltzen Namdol has chaired one session.
7. Prof. Penpa Dorjee, Acharya Gyaltzen Namdol and Acharya Ngawang Gyaltzen Negi took the responsibility for organizing the two days **National workshop on 'Translation of Kagyur, Tengyur and Sungbum into Hindi from the collection of Mahapandit Rahulsamkritayayan brought from Tibet.**

Apart from the organizing works, Acharya Ngawang Gyaltzen Negi was given special charge for the preparation of workshop Kits, Banners, certificate and look after the out station delegates. Ven. Negi was also entrusted the responsibility to convene the sessions during the workshop, which he did successfully.

#### **D. Lecture Attended:**

1. 29 September 2019 : Jain Sadhvi Shashvatpurna delivered a talk on **'Personality Development via Brahmi Lipi'** at A.P. Guest House. All the scholars of the department attended his talk.
2. To commemorate 150<sup>th</sup> birth anniversary of Mahatma Gandhi, the Institute organized a special lecture in which Dr. Keshav Mishra delivered a lecture on **'The Relevance of Mahatma Gandhi Ideology in Contemporary Asia.'** All the scholars of the department attended the lecture.
3. 8-10 November 2019 : On the request of Alumni Association of CIHTS, most venerable Prof. Samdhong Rinpoche, former Director of the institute has very kindly visited the Institute. During his sojourn he was the chief guest of the **'International Conference of CIHTS Alumni on Tibetan & Himalayan**

**Studies'** held on 9 November 2019. On 10 November he gave teaching on **'Seven point of Mind training'** composed by Geshe Chekawa which was followed by long life prayer.

4. 19-22 December 2019 : Dr. Geshe Lobsang Dorjee attended the **International conference on 600<sup>th</sup> anniversary of rJeTsongkhapa's Nirvana** (1419-2019) at Gaden Monastery, Mundgod, Karnataka. The conference was inaugurated by H.H. the XIV Dalai Lama and scholars from all over the world participated to the conference.
5. 24-31 December 2019 : Acharya Gyaltzen Namdol, Prof. Penpa Dorjee and Dr. Geshe Lobsang Dorjee attended 8 day teaching by HH the XIV Dalai Lama at Bodhgaya. They received teaching on **'Practice of 37 verses, Pramanavartika and Manjushri Empowerment.'**

#### **E. Manuscript Survey and Related Academic Works**

1. Acharya Ngawang Gyaltzen Negi is working as the member Secretary to look after translation work of 'Kagyur, Tengyur and Sungbum manuscript brought from Tibet by Mahapandit Rahulsamkridayan'.
2. 5-13 May and 23-28 September 2019 : For six days Dr. Geshe Lobsang Dorjee was deputed to Dharamsala, H.P. to attend 22<sup>nd</sup> and 23<sup>rd</sup> High level Committee meeting for the Standardization of Terminology Project organized by Department of Education, CTA, Dharamshala.
3. 21 May to 19 June 2019 : On the request of Director of Library of Work and Archive, Dharamsala the Vice-Chancellor of CIHTS was deputed Dr. Geshe Lobsang Dorjee, to LTWA to edit the great Tibetan Scholar Gedun Choephel's book on **'Grains of Gold'**.

#### **F. Other Academic Activities:**

1. Prof. Penpa Dorjee and Yael Bentor, University of Jerusalem, Isreal, translated a text on Guhyasamajatantra **'The Essence of the Ocean of Attainments'** by Panchen Lobsang Chokyi Gyaltzen. It was published by Wisdom Publication, 2019.
2. Prof. Penpa Dorjee and Prof. Jose Cabazon, University of Santa Barbara, composed a comprehensive history of Sera Monastery titled **'Sera Monastery'**. It was published by Wisdom Publication, 2019.
3. Acharya Ngawang Gyaltzen Negi worked on data input, footnotes and translation of **'Seven point of Mind training'** into Hindi. He also assists Prof. Jampa Samten to check and prepare the CRC of golden **Astahasrika-prajnanaparamita Sutra** in pothi form for Alumni Association of CIHTS. Both the texts were published and released during the felicitation of 80<sup>th</sup> Birthday celebration of Prof. Samdhong Rinpoche, former director of CIHTS.
4. Acharya Ngawang Gyaltzen Negi worked on data input of the seventh chapter of **Acharya Buddhapalita's** commentary on **'Moolmadhayamika Buddhapalita'**. He prepared the draft of the text for the critical edition.
5. 16-23 November 2019 : On the request of the organizing committee of International Conference on Glorious fifty years of the active life of venerable

Dr. Anoja Guruma held at Kathmandu, Nepal, Dr. Geshe Lobsang Dorjee submitted a paper on '***Eightfold Noble Path Exposition According to the Mahāyana and Theravāda tradition***'.

6. Ven. Ngawang Gyaltzen Negi and Dr. Lobsang Dorjee added references and notes to the edited version of the second chapter of Acharya Chandrakirti's Madhayamavatarabhashya. It was published in the 'Dhiih' 60<sup>th</sup> vol. Journal of RBTR Dept.

#### **G. Other Administrative Assignments:**

1. 12.5.2019 - 30.06.2019 : Acharya Gyaltzen Namdol was given charge of the Dictionary Department in place of Dr. Ramesh Chandra Negi, during the summer vacation.

All the members of the department participated in various lectures and other educational programmes organized by the Institute.

#### **Award and Recognition**

1. 7 July 2019 : Samyak Prakashan, Delhi honored Dr. Geshe Lobsang Dorjee for his outstanding contribution on translation, restoration and editing of Buddhist texts in general and preservation and encouragement of Buddhist teaching among the common people in particular. He was awarded '***Samyak Sahityaratna Samman & Kumarjiva Samyak Sahityaratna Samman***' at Shah Auditorium, Delhi.

#### **Member of the Committee:**

Prof. Penpa Dorjee

Member : Publication Committee

Member : Quotation Opening Committee

Member : Web-site Development Committee

Member : Library Committee

Dr. Lobsang Dorjee

Member: Price Verification Committee of Shantarakshita Library

Member: HAC Committee

Member : Annual Report Committee

General Secretary, Alumni Association of CIHTS

Ven. Ngawang Gyaltzen Negi

Member : ST & SC

## **2. Translation Department**

#### **Vision:**

The Translation Unit of the Research Faculty is one of the important constituents of the Research Department established in year 1987 with an aim to translate the canonical texts of both the ancient Indian and Tibetan scholars of par excellence. Besides translating into Hindi, English, Tibetan and Sanskrit, the lost Sanskrit texts are being restored mainly from the Tibetan texts.

In the continuation, department has edited and restored into Sanskrit more than nine books and translated more than a dozen books into Sanskrit, Hindi, English and Tibetan. During this current year Department continued successfully some major projects like Hindi translation of Mahayanasutralankara, Sanskrit restoration of Samdhinirmocana Sutra, editing Sanskrit and Tibetan versions with Hindi translation of first chapter i.e. "Pratyaya-Pariksha with Commentary of Madhyamakashastra, restoration and Hindi translation of Bodhipatha-pradipa & Panjika along with Hindi translation of Jatakamala of Haribhatta.

Till now, the department has produced a number of translation and restoration works implementing traditional and modern research methodologies which are well-received by the experts of this field. Thus, quite a number of books have earned their position among the Buddhist texts.

**Staff Members and their Designations:**

1. Prof. Pema Tenzin - Professor and HOD
2. Associate Professor - Vacant
3. Dr. Ramji Singh - Assistant Professor
4. Research Assistant - Vacant
5. Research Assistant - Vacant

**1. Main Department Work**

**A. Work Published**

1. Arya Prajnaparamita-Vajracchedika-Tika (second edition) : Sanskrit restoration with Hindi introduction. ISBN: 978-81-940337-2-1 HB, 978-81-950337-3-8 PB.
2. Madhyamakavatara evam bhashya (1st chapter) : A joint group work to edit and restore the fragmented manuscript of 1st chapter of this text published in DHI-59 journal of CIHTS. ISSN: 2395-1524.

**B. Assisted in following published books**

1. Ashokabhyudaya Kavyam : Edited and translated into Hindi by Prof. Setal Sanghsen published from CIHTS. ISBN: 978-93-80282-93-0 HB, 978-93-8-282-94-7 PB.
2. Tibbat : Ek Rajnitik Itihas : Translated into Hindi by Dr. Harihar Prasad Caturvedi, ISBN: 978-93-87023-66-6.

**C. Main work (In progress)**

1. **Pratyaya-Pariksha evam Prasannapada-Vritti** (first chapter) : Editing of Sanskrit version of Mithila Vidyapith with two other manuscripts and Tibetan version, translating into Hindi along with a critical Introduction, references, glossary and bibliography.
2. **Mahayanasutralankara (Asanga)** : Hindi translation with language correction of the 14-16 chapters are completed together with computer input work.

3. **Sandhinirmocana Sutra:** Restored and finalized the 9th chapter from Tibetan into Sanskrit language with Prof. Gokhale.
4. **Jatakamala** (Haribhatta): Completed the Hindi translation of this text and presently working on Alamkaras and Chandas used in the text.

#### **D. Research Team Work**

1. **Madhayamakavatarabhasya:** (2<sup>nd</sup> chapter) Department members worked on critical edition of the fragment Sanskrit text of Acharya Candrakirti's said text with Prof. P.P. Gokhale, which is completed and will be published in coming up Dhih journal.
2. **Bauddhavijnana evam Siddhantasamuccaya:** (Completed Hindi translation of 250 pages) during this academic session repeatedly language correction has been completed. Besides, work on references, footnotes, bibliography and notes on technical terms also carried out.
3. **Bodhipathpradipa Panjika:** (Restoration and translation) Re-edited and finalized the prior restored Sanskrit Verses with Prof Gokhale.

While working on above mentioned texts includes many factors such as: study of text, discussion, doubt clearance and advice from scholars, editing of Tibetan version or Sanskrit text, reading commentary and other related texts, references, footnotes, bibliography, word glossary, introduction, computer composing in three languages, proof-reading, language correction, final editing or correction and finally a camera ready copy or soft and hard copies for printing. Indeed, a fully research oriented text is prepared with research information.

#### **2. Teaching (Academic) work**

1. Prof. Pema Tenzin is engaged in teaching one regular Sanskrit class for the students of Uttar Madhyama Ist year together with all other assignments such as: reading, writing, exercises, home works, presentation etc.
2. Dr. Ramji Singh is engaged to teach four optional Sanskrit classes a day.

#### **3. Seminar and Workshop**

1. 6 July, 2019 : Prof. Pema Tenzin attended a one day seminar on "Holistic Education" to celebrate the birthday of His Holiness the 14<sup>th</sup> Dalai Lama and took the responsibility of convenor.
2. 9 November, 2019 : Prof. Pema Tenzin attended a one day international seminar on "Relation between Tibet and Himalayan Culture" organized by Alumni Association, CIHTS, and presented an article on "Tibbat me Bauddha Sahitya ka Vikas evam Sanskrit Bhasha ka Prabhava"
3. 9-11 November, 2019 : Prof. Pema Tenzin attended 6<sup>th</sup> International seminar on Pali and Buddhism organized by Mahabodhi Society of India and presented a paper on "Bodhipakshika Dharma evam Smrityupsthana : Ek Avalokana" in Hindi.

4. 3-5 November 2019 : Prof. Pema Tenzin attended a three-day national seminar on “History of Gelug Tradition and its Institution” at CIHTS and also presided one session.
5. 13-14 February, 2020 : Prof. Pema Tenzin worked as a Chairman of organising committee of a national workshop on “Kagyur, Tangyur evam Sungbum ka Hindi Anuvad” and presented two research papers.

#### **4. Articles and Lectures**

Prof. Pema Tenzin has written following articles-

1. “Ksemendra ka Muktalata : Ek Avlokana” published, Dharmadoot-85, ISSN: 2347-3428
2. “Bodhipaksika Dharma Evam Smrityupsthana : Ek Avlokana”.
3. “Tibbat me Bauddha Sahitya ka Vikas Evam Sanskrit Bhasha ke Prabhava” published, In Search of Truth, Volume-2, 2019, ISBN: 978-81-936254-7-7
4. “Anuvada ke Niyama Evam Pranali”.
5. “Issues in Translating Buddhist Texts” In-print.
6. 20 September, 2019 : Delivered a talk on “Buddha and His Teaching” to the group of B.ED. & M.E.D. students of Basanta Mahila College, Rajghat, Varanasi.
7. 17 October 2019 : Delivered a talk on “Lord Buddha and his doctrine” to a Father’s training group from Maitri Bhavan, Assi, Varanasi.
8. 13-14 January 2020 : Delivered two talks in Translation Workshop:
  - i. Anuvada ke Niyama evam Pranali.
  - ii. Sampadana evam grantha ka prarupa evam stile sheet.

#### **5. Extra-curricular activities**

1. Prof. Pema Tenzin has done language correction of 120 pages from the Hindi translation of ‘Bauddha Vijnan evam Siddhant Samucchay’ other than his own part.
2. All the members of department attended special talks, guest lectures and occasional address of visiting scholars, meditators and Government Officials organized by CIHTS.

#### **6. Other Administrative Responsibility**

##### **(a) Publication In-Charge**

Prof. Pema Tenzin is also assigned the duties of Publication Unit to look after the official and printing works of Publication as In-charge. Under his editorship Pub. Unit publishes eight or nine books in multiple languages yearly.

##### **(b) Rajbhasha Samiti**

Prof. Pema Tenzin and Dr. Ramji Singh both have been assigned as a Chairman and secretary of Rajbhasha Implement committee respectively in



order to organize lectures, workshops and various other related activities around the year. As members of Rajbhasha committee they organized quarterly lecture delivered by Rajbhasha experts and a week-long programme as per given schedule.

1. 9 July, 2019 : Rajbhasha Implement Committee organized a workshop on “Rajbhasha Sambandhit Samvidhik Pravdhan” and Rajbhasha officer Shri Jagdish Pande has delivered a lecture on the given topic.
2. 28 August - 5 September 2019 : Rajbhasha Implement Committee organized a week long Workshop that include lectures and various other activities.
3. 11 January, 2020 : The first sub-committee of Sansadiya Rajbhasha Samiti, inspecting Central Government Offices has visited CIHTS and held a meeting. To make it a grand success Rajbhasha Implement Committee along with Registrar, Astd. Registrar and other members prepared a detail report from 1-10 January 2020.

### **7. Member of Committees**

1. Prof. Pema Tenzin is a member of Price-fixing Committee of Tibetan Books of Shantaraksita Library Committee, Screening Committee for various posts of Institute, House allocation committee, Member of DPC/MACP, Member of clean initiative of CIHTS, Member of Rigorous Training Course, CIHTS, Member of disabled information committee, CIHTS.

## **3. Rare Buddhist Texts Research Department (RBTRD)**

### **1. Academic Background of the Department**

#### **(A) Vision**

Much of the ancient Buddhist Sanskrit literature from India was often extinct as a result of historical irony. Parts of this ancient intellectual property of India have been available as manuscripts in the neighboring countries of India, especially Nepal and Tibet. In later times many manuscripts from these countries reached many libraries of the world. This department has been set up with the vision of revival, editing, publication and research of that extinct literature, especially Buddhist Tantric literature.

#### **(B) Establishment**

This very important and ambitious scheme of research and publication of Rare Buddhist Texts started in November 1985 at Sarnath, Varanasi, at the Central Institute of Higher Tibetan Studies, in collaboration with the Ministry of Human Resource Development, Government of India. Initially a five-month pilot project was conducted to determine its scope of work and dimensions of study and research. Thereafter, keeping in view its achievements, importance and generality of the subject, it was operated from April 1, 1986 by giving it the form of a five-year plan, which was later approved as a permanent section of the institute and currently the research faculty of the institute is working as a

permanent department. The first director and exhibitor of this research department was Prof. Jagannath Upadhyaya.

**Staff Members and their Designations:**

1. Prof. K.N. Mishra - Head of Dept. (Re-engaged)
2. Dr. Thakursain Negi - Professor (In-charge)
3. Dr. Banarsi Lal - Professor
4. Shri T. R. Shashni - Associate Professor
5. Dr. Tsering Dolkar - Research Assistant
6. Dr. R. K. Sharma - Research Assistant
7. Dr. V. R. Vajracharya - Research Assistant
8. Dr. Ravi Gupt Maurya - Research Assistant

**2. Publication, Editing and Research Work**

**A. Publication of research journal *Dhiih***

(1) The department publishes the annual research journal called *Dhiih*, to bring new research work related to Buddhist Tantra and its findings and new information about the research being done by the scholars and researchers. Since the inception of the department, this magazine is being published regularly. It is being widely appreciated by scholars engaged in the study of Buddhist studies, especially Buddhist Tantric studies. It is being exchanged with many national and international research journals published in India and other countries. Almost all the columns of this magazine are presented by the departmental members. Till this reporting year, 59 issues have been published.

**(2) Publication of the 59<sup>th</sup> issue of the research journal *Dhiih***

The 59<sup>th</sup> issue of the research journal *Dhiih* was published on its certain date 18 May 2019, on the occasion of the Buddha Jayanti celebrations. This issue consists of 7 minor texts, partial portions of two large texts, three new hymns and 8 research articles.

**(3) Compilation of Forthcoming 60<sup>th</sup> issue**

In this review year, compilation of material, writing of research articles, editing etc. were done for the forthcoming 60<sup>th</sup> issue of the research journal *Dhiih*.

**B. Publication Work of texts**

**(1) Minor Texts Published in *Dhiih***

1. Aryatathagataachintyaguhyanirdeshasutra (6-7<sup>th</sup> chapters), 2. Madhyamakavatara-Svopagyabhashyasahita (1<sup>st</sup> chapter), 3. Samkshiptaabhisheka-vidhih, 4. Apratishthanaprakash, 5. Tattvaparakash, 6. Mahasukhaparakash, 7. Yuganaddhaparakash, 8. Mayanirukti, 9. Svapnanirukti, 10. Soma-Avadhana.

**(2) Hymn (Stotra) Published in *Dhiih***

1. Tarashtakam, 2. Tarastutih, 3. Pratisarastotra.

(3) **Texts**

**Gurupanchashika Vyakhya** (Hindi translation) - This text has been prepared with Tibetan root text, Hindi translation, Introduction and various indexes and has been submitted to the Publication Department for publication.

**C. Editing Works of Texts and Proof Readings etc.**

(1) **Srichatushpeethamahayoginitantraaja Mool (Sanskrit version) & Mool (Bhot edition)**

Up to the third and fourth chapters of the *Parapeeth Prakarana* of this text, a total of two *Patalas* readings are compiled with *Shrichatushpithatantrarajasya Smritinibandh-anam tika* by acharya Bhavabhadra, and available five Sanskrit & Bhot manuscripts. The Sanskrit version of the above original text was finalized after compiling the text and revising the required text accordingly.

(2) **Srichatushpithatanatrajasya Smritinibandhanamatika (Sanskrit & Bhot version)**

The finalization of readings was completed with five Sanskrit manuscripts and Tibetan translation up to the third and fourth *patala* of *parpeeth prakarana*.

(3) **Shishya-Asha Paripurni Gurupanchashika Vyakhya**

The editing of the Hindi translation of this book and the editing of the Tibetan text were also completed. Introduction and appendices were prepared and submitted to the Publications Department for publication.

(4) **The Granth Pancakam composed by Acharya Advayavajra**

Under the 25 *Amanasikara* texts of Advyavajra, the work of editing and revising the final readings and Hindi translation of the five minor texts *tattvadasaka*, *Tattvavimshika*, *Madhyamashataka*, *Mahayanavimshika* and *Sahajashatak* was completed.

(5) **Abhishekavidhi**

The work of verse index of this text is in progress.

(6) **Sarvabuddhasamayogadakinijalasamvaratantra**

The work of verse index of this text is in progress.

(7) **Hevajrasadhanavajrapradipanam-Tippani**

The work of verse index of this text is in progress.

(8) **Yamarimandalopayika-**

The work of proof revision of this text is in progress.

(9) **Samkshiptabhishekavidhih -**

Proof revision of this text is done and published in 59<sup>th</sup> issue.

(10) **Hevajrapanjikaratnavali**

The work of proof revision of this text is in progress.

**3. Transliteration in Devanagari and in-put of manuscripts embedded in ancient scripts**

(1) Panchakramatippani (from ancient Maithili), (2) Aadikarmavatara (2 to 5 Folios, from Bhujimol script), (3) Buddhaadipujavidhi (2-4 Folios), (4) Herukastuti, (5) Amritaprabhasadhanopayika, (6) Nairatmyastuti, (7) Gyana-pradipabhidhana Hevajrasadhan (47 to 52 Folios, till 21 March), (8) Hevajra-tattvavikas (22-B to 26-A Folios), (9) Hevjachakravimshikastotra, (10) Nairatmyasadhana, (11) Tattvapradipanama Sadhanopayika, (12) Tarpanavidhi, (13) Hevajrakhye Panchakrama - Due to the non-available version of this text in Tangyur, a diplomatic edition was prepared on the basis of a single Sanskrit manuscript for publication in the 60<sup>th</sup> issue of *Dhiih* research journal. (14) Nairatmyaprakash, (15) Hevajravishudhinidhisadhanam, (16) Yogasiddhantabaudhasiddhitrantra, (17) Mahachintamanirnama Karmavarana-santaticchhedakmantra-shatakam.

**4. Compilation of Readings from Various Manuscripts and from Tibetan Translations.**

- (1) Srichatushpeethatantrarajasmritinibandha Tika- From the third *Patala* of *Parapeeth Prakaran* to the third *Patala* of the *Yogapeeth Prakaran* of this commentary, Compilation of readings from five Sanskrit manuscripts [ka, kha, ga, gha, na] was completed.
- (2) The work of compilation of readings from the Tibetan text was completed from 4<sup>th</sup> to 5<sup>th</sup> *Patala* of *Dakinivajrapanjara Tattvavishada Panjika*.
- (3) Yamarimandalopayika - This text was collated with Tibetan translation and translated.
- (4) Mahapratyagiratantra - From 1-B to 6-B folios of readings of the work of re-compilation was completed.
- (5) Padmashrikrita Mandalopayika - The work of compilation of this text was started.
- (6) Yogasiddhantbaudhasiddhitrantra - The collation work of the third *patala* of this text was completed.
- (7) Aryatathagatachintyaguhyaniirdeshasutra - The work of collation with Tibetan version and editing the 8-11<sup>th</sup> chapters of this text was done.

**5. Data Input and Proof Correction in Computer**

- (1) Samputatantratika (sankshipta) - Input work of this text is being done in computer.
- (2) Samputodbhavantra - The work of input and proof correction of all the four *Prakaran*s from the first *Patala* to the seventh *Patala* of this text was completed.
- (3) *Dhiih*- The input of materials of the 60<sup>th</sup> issue of *Dhiih* was done.

**6. Departmental Library**

- (1) Separate departmental library has been established in the Rare Buddhist Research Department since its inception, in which important research literature related to Buddhist, Shaiva, Shakta and other schools of Tantra is collected keeping in view the research work of the department. A total no. of 06 books have been entered in the year under review.
- (2) **Selection and Purchase of New Books in the Year 2019-2020.**

No books were purchased for the departmental library in the year 2019-2020. 06 books were received from the publication department of the institute. Their value is ₹ 2370.00. It has 03 one-lingual, and 03 multilingual texts. Texts received from the Publication Department have registered in the accession register. It is numbered from 02374 to 02379.

**7. Organizing and Participating Seminars, Workshops**

- (1) **Organization of Buddha Jayanti function and symposium-**

The Buddha Jayanti function was organized by the department on 18-05-2019 in the auditorium of the Anathpindaka Guest House of the institute. On this occasion, the 59<sup>th</sup> issue of the research journal Dhih, published by the department was also released. At the same time, on this occasion, an academic discussion session was organized by the department on the topic of "Age of Buddhism", in which scholars expressed their views. The seminar and ceremony was chaired by Prof. Geshe N. Samten, Vice Chancellor of the institute.

- (2) **Organization of Smriti-Samgoshthi -**



20-02-2020 : On the occasion of the first death anniversary of Late Prof. Ram Shankar Tripathi, one day commemorative seminar was organized on the

theme of "Padmashri Ramshankar Tripathi's contribution in the field of Buddhism". The seminar was chaired by Prof. Vice Chancellor of the institute Geshe N. Samten. Prof Ravi Prakash Pandey, Former Prof. Sociology Department, Kashi Vidyapeeth was as a special guest in the seminar and former head Prof. Phoolchand Jain Premi of Jain Philosophy Department, Sanskrit University as the Chief Guest also joined. In this, scholars from three universities of Varanasi participated and expressed their views. Dr. Banarsi Lal coordinated the event.

- (3) 13-14 January 2020 : The research departments of the institute took part in organizing a workshop on Hindi translation of Kagyur, Tangyur and Sumbum brought from Tibet by the great Pandit Rahul Sankrityayan by the Institute and Culture and Youth Department, Government of Bihar.

**8. Participation of Departmental Members in National and International Workshops, Seminars and Paper Presentation.**

- (1) 1-2 February, 2020 : Prof. Banarsi Lal participated and presented a paper on the topic "Contribution of Indian Acharyas in the promotion of Buddhist Sanskrit literature" in the National Seminar on "Sanskritavangamayasya Vikase Jainbauddacharyanamavadanam" organized by the Rashtriya Sanskrit Samsthan, Lucknow campus.
- (2) 14 April, 2019 : Dr. Banarsi Lal joined as a special guest and gave his talk on the occasion of Ambedkar Jayanti at Buddhankur Bhima Jyoti Samiti, Gohana, Muhammadabad, Mau.
- (3) 01 June - 09 June, 2019 : Prof. Banarsi Lal Participated in the workshop on "Relevance of Buddhism and Himalayan Culture" held in Kinnaur, organized by Central Institute of Higher Tibetan Studies and Himachal Buddhist Students Association, Sarnath and gave his talks on various topics.
- (4) 13-16 June, 2019 : Prof. Banarsi Lal, attended a national seminar organized by Lokjyoti Buddha Vihar, Lahoul, Himachal Pradesh and presented his paper on the subject of "Buddhist Tantric Peethas".
- (5) 13-17 September, 2019 : Prof. Banarsi Lal participated in the workshop "Vajrayana - Darshan and Sadhana" organized by Shakyamuni Tapas Foundation, Aurangabad and presented an article on "The Importance of Manjushrinamasangiti in Manjushri Sadhana".
- (6) 09 November, 2019 : Dr. Tsering Dolkar, member of the department, presented a research article on the topic "Women in Buddhism".
- (7) 18 November, 2019 : Dr. Ravi gupta Maurya joined as a special guest at the Emperor Ashoka Inscription Festival held at Ahraura, Mirzapur and delivered his lecture on the theme of "The Relevance of Emperor Ashoka's Inscriptions in Unity of the Nation, Integrity and Mutual Harmony".
- (8) 10-11 November, 2019 : Prof. Banarsi Lal participated in the Sixth International Conference on Pali and Buddhist Studies organized by the Mahabodhi Society and the International Pali Institute at Sarnath and

presented his research paper on "Language Conceptualization of Buddha's Sermons in the Three Yanas".

- (9) 13-14 January, 2020 : Prof. Banarsi Lal presented his paper on the subject of "Importance of Sanskrit texts in Hindi translation process and editing from Tibetan".

All the members of the Department participated in Various Lectures and other Educational Programs Organized in the Institute.

**9. Articles and Dissertations Published by Departmental Members During the Period Under Review**

- (1) "Manjushrinamsangiti and Vishnusahasranam - Comparative Materials" - Banarsi Lal, Dhih-59, p. 5-24, 2019, ISSN 2395-1524.
- (2) "Sarvabuddhasamayogadakinijalasavaratantra- Brief Introduction" -Thakur Sain Negi, Dhih-59, p. 25-36, 2019, ISSN 2395-1524.
- (3) "Dagpo Chaturdharma - Mool-Tripurush-Margottam Ratnamala and Tripurush Margkram" - Tsering Dolkar, Dhih-59, p. 37-52, 2019, ISSN 2395-1524.
- (4) "Mahapanditacharya Advayavajrapad Virachita Ratnavali" - Thinlay Ram Shashani, Dhih-59, p. 69-78, 2019, ISSN 2395-1524.
- (5) "Pratityasamutpada gatha ka swaroop evam mahatmya" - Vijaya Raj Vajracharya, Dhih-59, p. 79-88, 2019, ISSN 2395-1524.
- (6) "Kalachakratantra aur usaki tika men uddhrita aurvigyan ki samiksha - 1" - Ravi Gupta Maurya, Dhih-59, p. 89-100, 2019, ISSN 2395-1524.
- (7) "Tibet ke Bauddh Sampradaya (Nikaya)" - Banarsi Lal, Dharmadoot 2019, Part 85, p. 126-134, ISSN 2347-3428, Mahabodhi Society, Sarnath.
- (8) "Prarambhik bauddh dharm men striyon ka sthan" - Banarsi Lal, Anoja Guru Maa Pravarajit Jeevan Suvarnotsav Souvenir, November, 2019, p. 83-86, Kathmandu, Nepal.
- (9) "Bhiksuni Anoja ka bahu aayami vyaktitva" - Thinlay Ram Shashani, Anoja Guru Maa Pravarajit Jeevan Suvarnotsav Souvenir, November, 2019, p. 81-82, Kathmandu, Nepal
- (10) "Bhagwan Buddha ka dharmachakra pravartan aur loka kalyana" - Banarsi Lal, in Tao of Vajrayana, Shakyamuni Tapas Foundation, Aurangabad, September, 2019.
- (11) "A Collection of brief life stories of the Great Indian Buddhist Women described in Buddhist Texts" - Tsering Dolkar, in Prof. S. Rinpoche Felicitation, Vol.2, Nov. 2019.
- (12) "Rohtang Surang - Sapno ka sakar hona" - Banarsi Lal, Atal-Smriti Ank, Kuloot Vikas Manch, Kullu, H.P. August 2019.
- (13) "Adhunik samaj ke sandarbh men Baudha Sanskriti ka Mahatwa" - Banarsi Lal, in "Pragya" A Journal of Bodh Gaya Temple Management Committee, Part-21, 2019, p., ISSN 2250-1983.

- (14) "Pashchimottar himalayi sanskriti ki samasyaen" - Banarsi Lal, in "Zangtsai" Kinnaur, Lahul Spith Bauddh Seva Sangh, Shimla, p. 34-41, April, 2019.

#### **10. Other Academic Work and Activities**

- (1) Associate Prof. Shri Thinlay Ram Shashni Surveyed and presented the report of 39 manuscripts of the personal collection of Sri Pankaj Naram ji, a renowned physician of Ayurvedic and Siddhaved based in Bombay, as per the orders of the Ministry of Culture, Government of India and the Vice Chancellor of the Institute.
- (2) Shri Thinlay Ram Shashani helped in the proof reading and editing work of Ashtasahasrikapragyaparamita published by the alumni students of the university.

#### **11. Members in Various Committees**

- (1) Sri Thinlay Ram Shashani is the member of Raj Bhasha Sub-Committee.
- (2) Prof. Banarsi Lal is the member of the Book Selection Committee of the Shantarakskhita library.
- (3) Prof. Banarsi Lal is the member of Kagyur Tanyur and Sumbum Translation Workshop Organizing Committee.
- (4) Prof. Banarsi Lal was in selection committees and screening committees of various posts in the institute as a ST, SC Observer Member.
- (5) Associate Prof. Shri Thinlay Ram Shashni is the member of the Reservation Roster Committee of the Institute.
- (6) Associate Prof. Shri Thinlay Ram Shashni is the member of Purchase Committee for Pharmaceutical Ingredients of Sowa Rigpa Department of the Institute.

#### **4. Dictionary Department**

##### **Vision:**

Till a few decades ago, when interest in the Mahayana Buddhism began to rise world-wide, literature related to it was limited to classical languages like Tibetan and Chinese. As a result of the efforts of scholars like Mahapandita Rahul Sankrityayana, some Sanskrit texts did come to the attention of readers, but they were often inaccurate and incomplete. Seeing this situation, some contemporary scholars prepared an ambitious program, the chief object of which was to prepare authoritative editions of the available Sanskrit texts, to restore fragmentary texts with the help of their Tibetan translations, to encourage high-level research based on the material available in these languages, and to easy availability of the Buddhist literature in the classical languages like Tibetan, Sanskrit, etc. in modern languages like Hindi and English. To accomplish this ambitious program, the need for various kinds of lexicons was felt. Accordingly, the Central Institute of Higher Tibetan Studies undertook a grand Dictionary Project, in which there was a provision for the creation of two kinds of lexicons – general and specialized Tibetan - Sanskrit Dictionary.



As a part of the effort to prepare general lexicons, a Tibetan-Sanskrit Dictionary running into 16 volumes was started in the year 1981 and completed in the year 2005.

**Staff Members and their Designations:**

1. Dr. Ramesh Chandra Negi - Officiating Chief Editor
2. Dr. Tashi Tsering - Research Assistant
3. Shri Tenzin Sidon - Research Assistant (engaged in V.C. office)
4. Dr. Karma Sonam Palmo - Research Assistant
5. Dr. Lobsang Choedon - R. A. (On contractual)
6. Dr. Vishwa Prakash Tripathi - R. A. (On contractual)
7. Mr. Ramesh Chandra - Junior Clerk (Contractual)

**Ongoing Projects:**

**1. Ayurvijñana Kosha:**

The Tibetan-Sanskrit Ayurvijñana Kosha is currently in its penultimate state. In this Kosha, all the important information and details related to Ayurvijñana available in Tibetan and Sanskrit have been included. Until other Thematic Ayurvijñana Koshas are not ready to reach the readers, they can fulfill the immediate requirements of a Thematic Ayurvijñana Kosha in Tibetan through the present dictionary. **Men-ched Yanglag Gyedpa** – the Tibetan translation of Ashtangahridaya - and its commentaries have been used as reference materials and other texts have also been used when required for subject analysis. The present Tibetan-Sanskrit Ayurvijñana Kosha is mainly a thematic dictionary, in which almost all topics related to Vagbhat's Ayurvijñana tradition are analyzed. For subject analysis, primarily, three methods are used: comments, quotes and explanations from commentarial texts. While analyzing the subject, along with root texts of Ashtangahridaya etc. and their commentaries, all ancient as well as modern dictionaries available in Sanskrit and Tibetan are consulted. The present dictionary's entry words are in Tibetan; Tibetan translations of the comments, quotes etc. and all the Sanskrit texts that have been used for analyzing the subject of this dictionary are also given in it. During the above period, the entire Tibetan and Sanskrit word index have been collected, arranged into alphabetical sequences and numbers of the pages on which index are mentioned are included. We have been doing one more proof reading and setting correction in both soft and hard copy.

**2. Jyotish Kosha:**

This dictionary is based on Tibetan and Sanskrit Astronomical texts and it shall contain all the lexical contents of these texts. Contextualized citations will be used to explain the technical terms. The task of compiling this dictionary began with Astronomical texts available in both Tibetan and Sanskrit. Later on some new Sanskrit word were added which are not available in any text with the supervision of higher scholars. One more proof

correction is in progress with our chief editor Dr. Ramesh Chandra Negi and Dr. Vishwa Prakash Tripathi.

**3. Students Tibetan-Sanskrit Dictionary (Chatra-Upayogi Kosha)**

This Students Tibetan-Sanskrit Dictionary contains Tibetan words with their Sanskrit equivalents. The Tibetan terms will be followed by their pronunciation, notes, examples and modern Tibetan words will be provided wherever necessary in order to explain the meaning of Tibetan terms. During the above period, the entire Sanskrit part is proof-checked and edited in the Computer. Till date we have completed the first part of Ka to Na verga upto the entry words in Tibetan version with Sanskrit synonym along with their usage. As the first step of the second part of upto Pa and Pha letter of Tibetan entries word of English Transliteration and pronunciation along with Sanskrit synonym has been completed. Now final correction is to be ready.

**4. Concordance of five Tibetan Buddhist Canons (Bhot-Sanskarno ka Sandarbha Kosha)**

This concordance is a compilation of five editions (Derge, Narthang, Peking, Cone and Lhasa) of the Tibetan Buddhist Canon (bka' gyur and bstan gyur). Data collections of comparative pages of the 18 texts of Dege edition and Narthang edition of the Kagyur & Tengyur have been completed till date.

**5. A Tibetan-Sanskrit Lexicon of the Abhidharma:**

This Tibetan-Sanskrit bilingual lexicon will attempt to compile all the essential lexical entries of both lower and higher Abhidharma as classified in the Mahāyāna tradition. The primary text for the lower Abhidharma will be Vasubandhu's Abhidharma-kośa-kārikā and Abhidharma-kośa-bhāṣyam and their Tibetan translations chos mngon pa mdzod kyi tshig le'ur byas pa and chos mngon pa mdzod kyi bshad pa. The primary text for the higher Abhidharma will be Asariga's Abhidharma-samuccaya and its Tibetan translation chos mngon pa kun las btus pa. Currently, adding citations to the entry words collected from Abhidharma-samuccaya as well as indexing technical words in the Abhidharma-samuccaya is in process.

**6. Vinaya Kosh:**

Consult the report of Restoration Unit.

**Future Projects:**

1. Sanskrit Tibetan Glossary (on hold)
2. Dictionary of Ancient Geographical Place Names in the context of Indian Buddhism (Tibetan)
3. Baudhd-Nyaya Kosha
4. Baudhd-Tantra Kosha
5. Tibetan-Hindi Kosha
6. Granth-Kosha
7. Kriya Kosha.

**Teaching Engagements:**

1. Dr. Ven. R.C. Negi is teaching the Kargyud Sampradaya classes.
2. December 2019 - January 2020 : Dr. Ven. R.C. Negi is teaching “**Vipassana Meditation Practice**” to the foreign students every year who visit under the Academic Exchange program from Smith College, USA, and Tasmania, etc. at our Institute.
3. 9-11 August 2019 : Dr. Ven. R.C. Negi has taught at a three-day special training camp for new students.
4. 9-18 March 2020 : Dr. Ven. R.C. Negi taught “**Vipassana Meditation**” at Sakya Bhikshuni Vihar Dehradun, Uttarakhand.
5. Dr. Karma Sonam Palmo took English class of P.M. Second-year students.
6. 22 July 2019 : Dr. Karma Sonam Palmo is on deputation to the post of Assistant Professor at Namgye Institute of Tibetology at Gangtok Sikkim.
7. Dr. Vishwa Prakash Tripathi took Sanskrit class for Shastri 1<sup>st</sup> and 3<sup>rd</sup> year.

**Participation in National/International Seminars, Workshop and Lectures delivered:**

**Dr. Ramesh Chandra Negi**

1. 10 April 2019 : Presided over a special meeting of the “**Executive Society of the Pali Society**” of India.
2. 16 July 2019 : Speaker on the occasion of Dharmachakra Pravartan Divas and gave a lecture on the subject of “**Buddha's original sermon**” at Dhammachak Vihara, Mavaiya.
3. 13-17 September 2019 : Attended the five-day workshop on “**Vajrayana philosophy**” organized by the Buddha Tapas Foundation in Aurangabad, Maharashtra as an expert and gave a lecture on “Four Nobel Truth”.
4. 25 September 2019 : Delivered a lecture on “**Vipassana Sadhana**” to senior members under the Leadership for Academicians Program at B.H.U.
5. 9 October 2019 : Participated in a special honor ceremony during meritorious Udan Utsav in Jangi, Kinnaur (HP), and received the honor called “**Shiromani Meritorious Jangi Gaurav**”.
6. 24 October 2019 : Attended a National Seminar in **CHICS** Dahung, Arunachal Pradesh, presented a paper on the subject of “**Mahamudra and Tathagata-gotra**” and also chaired a session.
7. 30-31 October 2019 : Participated as a chief guest and speaker of sessions of special workshop called “**Dhyan and Parahita**” organized by Balram College Meja, Prayagraj.
8. 3-14 December 2019 : Participated in the “**Ten day Vipassana camp**” at Dhammachak Khargipur, Sarnath.
9. Delivered a lecture on the **source of the dictionary** for translation of Buddhist texts from Tibetan to Hindi.

10. 17 January 2020 : Delivered a special lecture on the topic of **“Essence of Buddhist Practice”** (Abstract of Buddhist Education) to foreign students under the exchange program.
11. 22 January 2020 : Delivered a special lecture on the subject of **“Buddhist practice”** to the students of Ladakh, CIBS.
12. 25 January 2020 : Delivered a special lecture to the Japanese group on the subject of the **“Buddhist pilgrimage site”** and Dharmachakra Pravartan near Dhammekh Stupa.
13. 31 January 2020 : Attended and addressed the National One Day Workshop on the **“Right to Disability”** organized by DAV, College Varanasi.
14. 3 February 2020 : Gave a special lecture to the travelers from Kinnaur on **“Buddhist pilgrimage”** at Sarnath.
15. 4 February 2020 : Gave a special lecture to the travelers from Kinnaur on **“Buddhism and Himalayan culture”**.
16. 16-24 February 2020 : Participated in the seven days **“Satipattan Camp”** at Dhammachak Vipassana Center Khargipur, Sarnath.
17. 28 February 2020 : Delivered lectures to foreign American students on the subject of **“Buddhist Meditation”**.
18. All the members of the department participated in the training given on **“InDesign”** by Monlam Ji in the research department organized by the Institute.

**Research guidance/paper and translation work:**

1. 13-14 April 2019 : Dr. R.C. Negi gave a paper presentation on the subject **“Draya Vikalp evam Pudgale Pragpti Vikalpa”** for a two-day special seminar organized by Sakya Monlam Sanstha, Beed, Himachal Pradesh.
2. Dr. R.C. Negi translated work from Tibetan to Hindi by Dr. Lalit Kumar on four brief topics related to the benefits of **Tara, Chakrasambar, Shitho, and Shitho-Vidhi lessons**, etc.
3. Dr. R.C. Negi prepared two special articles related to **1. Meditation and 2. Issues of Buddhist Teaching** for foreign students coming under the exchange program in January 2020.
4. Dr. Tashi Tsering did the translation work into Tibetan on Sanskrit text **“Sopanam”**.
5. Dr. Tashi Tsering and Dr. Vishwa Prakash Tripathi revised the original and Hindi translation work for the Tibetan translation of the **(Targasangra) “logic Collection”**.
6. Dr. Tashi Tsering and Dr. Vishwa Prakash Tripathi finished modification work of translation of **“Bodhicharyavatar-Panjika”**.
7. Dr. Tashi Tsering and Dr. Vishwa Prakash Tripathi worked on translation of **“Sangkhya Karika”** into Hindi and Tibetan along with its commentary.

**Participation in other Academic Activities:**

1. 06 May 2019 : Dr. R.C. Negi attended the “**Board of Studies**” of Dahung, Arunachal Pradesh, which was held in the Buddhist Hall of Sampurnanand Sanskrit University.
2. 25 May 2019 : Dr. R.C. Negi attended the special meeting of the “**Pali Society**” of India, Sarnath as Vice President.
3. 23 September 2019 : Dr. R.C. Negi attended the meeting of “**Heads of Research Departments**” for work related to MOU of Govt.
4. 23 September 2019 : Dr. R.C. Negi attended a special meeting of research heads on the subject related to “**Manuscript Transliteration**”, took place under the chairmanship of Vice-Chancellor.
5. 26 January 2020 : Dr. R.C. Negi attended the “**Republic Day**” celebrations organized by Dharma Chakra Vihar Inter College Nawapura, Sarnath, Varanasi, and presented his views on the relevant subject as a special guest.
6. Dr. Tashi Tsering has done work of converting Tibetan and Sanskrit texts into Unicode font.
7. Dr. Tashi Tsering has done data preparation work for Mac and Windows compatible thesaurus.
8. Dr. Tashi Tsering has revised and edited a book called “History of Buddhism in India” composed by Lama Taranath.
9. Dr. Tashi Tsering has revised history of Buddhism in Tibet.

**Team Work:**

1. Dr. R. C. Negi, Dr. Vishwa Prakash Tripathi, and Dr. Lobsang Choedon proof-read the entire Jyotish Kosh and half of Ayurved Kosh.
2. Dr. Tashi Tsering, Dr. Vishwa Prakash Tripathi, and Dr. Lobsang Choedon worked on 16 Volume entries in the Monlam tools.

All the members actively participate in Seminars, workshops, and lectures organized by the Institute and fulfilled all the order duty of the Institute.

**5. Centre for Tibetan Literature**

Taking into account the importance and richness of Tibetan Literature, it was felt that its comprehensive history is yet to be written consequently, the Centre for Tibetan Literature was established. The comprehensive history of Tibetan literature will reflect its developmental process and influence of Indian literature on Tibetan. The corpus in Tibetan language is available in two forms: (i) Translated from Indian Language primarily Sanskrit-comprises more than five thousand texts, and (ii) Works of Tibetan Scholars in various disciplines running into more than lakhs. Observing that so far no comprehensive history of Tibetan Literature is available despite the fact that the Tibetan Literature is immensely rich, the Institute decided to prepare a comprehensive history of Tibetan Literature. In order to materialize it, the Institute created a unit of Research Department namely “Centre for Tibetan

Literature” which can produce comprehensive history of Tibetan Literature as well as translating other literary works and conduct research, workshops and conferences etc. Taking all these facts in view, the Institute made plan to engage senior reputed scholars in this project.

Accordingly, a Sr. researcher was engaged as the primary person in the Centre for Tibetan Literature, who has been working in the project since the last 8 years and has extensively worked on this project and written a comprehensive history of Tibetan literature in draft forms running into 4 volumes, which is under process of completion. Along with this project, the Centre has produced other literature in the form of commentaries and translations. It has conducted symposium on “The History of Literature of Sanskrit and Hindi”. A workshop was also organized to discuss some of the draft chapters.

## **4. SHANTARAKSHITA LIBRARY**

The Central Library of the Institute, named as Shantarakshita Library, is a unique treasure of valuable Xylographs, books, periodicals and multimedia documents. The library has a vast collection of Indian Buddhist Sanskrit texts in Tibetan translations. The collection of the library is based on the objectives of the Institute and it has been recognized as the collection of National Importance by the Government of India.

The Library is named after one of the renowned Indian Buddhist scholar Acharya Shantarakshita of Nalanda Mahavihara, who visited Tibet in the 8th century C.E. for the noble cause of Dharma. The collection of documents on Buddhism, Tibetan and Himalayan studies and allied subjects of the library is point of attraction for the Indian and foreign scholars.

The library is well equipped with latest ICT infrastructure, providing services based on the multilingual bibliographical database of the library collections.

Library has full text online access to the resources of TBRC (Buddhist Digital Resource Centre) <https://www.tbrc.org>, World Public Library resources <http://community.worldLib.in> and South Asia Archive (SAA) <http://www.southasiaarchive.com>

In addition to the printed and online documents, the library manages a rich collection of Microfiches, Microfilms and Audio & Video documents. Library is also linked with The Dalai Lama Foundation, Dharamshala, for the development of Tibetan literature and culture.

Library is having IP authenticated full text online access to the resources of Economics and Political Weekly ([www.epw.in](http://www.epw.in)), and databases of ISID ([www.isid.org.in](http://www.isid.org.in)), under UGC-INFONET program of the INFLIBNET ([www.inflibnet.ac.in](http://www.inflibnet.ac.in)).

Multilingual catalogue (Web-OPAC) of the library is linked with the website ([www.cihts.ac.in](http://www.cihts.ac.in)) of the Institute and functioning smoothly.

1. Prof. Tashi Tsering (s), Library In-Charge
2. Mr. Sudhriti Biswas, Office Assistant (On Contract)

### **Shantarakshita Library has the following Sections:**

- (1) Acquisition, Technical and INFLIBNET Section
- (2) Periodical and Reference Section
- (3) Tibetan Section
- (4) Circulation Section
- (5) Stack Section
- (6) Multimedia Section
- (7) Computer Section

**1. Acquisition, Technical and INFLIBNET Section**

**1.1 Acquisition Section**

(A) During the financial year 2019-2020 (1<sup>st</sup> April 2019 to 31<sup>st</sup> March 2020) total number of 3755 documents of ₹ 3510060.00 were procured and entered in the Accession register from accession number 118841 to 122595.

Out of 3755 documents, 2642 titles valued ₹ 3006617.19 were purchased and 452 documents worth ₹ 145463.00 were received as donation while 655 documents were accessioned as bound volumes of journals.

Language wise distribution of procured documents is as follows:

(B) During the year 2018-19 number of Bonpo documents were accessioned which includes backlog collection from Tibetan Bonpo Monastic Centre in long book (Pothi) form.

**Details of Books Purchase during 1st April 2019 to 31st March 2020**

|              |             |                           |             |                       |                |
|--------------|-------------|---------------------------|-------------|-----------------------|----------------|
| Tibetan      | 1447        | Purchase                  | 2642        | Purchase Value        | 3006617.00     |
| Sanskrit     | 41          | Donation                  | 452         | Non-Purchase Value    | 145463.00      |
| Hindi        | 579         | Ins/Exchange              | 6           |                       |                |
| English      | 1322        | Bound Volumes of Journals | 655         |                       |                |
| Multilingual | 353         |                           |             |                       |                |
| others       | 13          |                           |             |                       |                |
| <b>Total</b> | <b>3755</b> | <b>Total</b>              | <b>3755</b> | <b>Grant Total in</b> | <b>3152080</b> |





## **1.2 Technical Section**

1. During the period from 1<sup>st</sup> April 2019 to 31<sup>st</sup> March 2020 total no. of 3176 documents (including 1396 Tibetan books and 462 bound volumes of journals) had been catalogued, classified and transferred to the General Stacks. This includes the general purchase of the Library.
2. In addition to the classification cataloguing, the section also performed the works like Correction of Duplicate Accession Numbers, Duplicate Checking and accessioning of books in the SLIM Database.
3. Services like On-demand compilation of subject bibliographies, Instant Reader Service and Urgent cataloguing are also provided to the general readers and scholars.

## **1.3 Participation in Conference/Seminars and other assignments of Shri R. K. Mishra (Documentation Officer)**

1. Worked as Officer-In-Charge (Recruitment) of the Institute till 21<sup>st</sup> September 2019.
2. 27.09.2019 : Delivered a lecture and chaired a session of National Seminar organized by Nehru Gram Bharti Deemed University, Allahabad.
3. 26 September 2019 : Organised a special lecture on ' Personality Development via Brahmi Lipi ' by Jain Sadhvi "Saswatpurna ji".
4. 31 January & 14 February 2020 : Organised "Pade Banaras Bade Banaras" program.
5. Working as Nodal Officer for NVLI of the Ministry of Culture, New Delhi, Nodal Officer for Suo-Motu Disclosure under RTI-Act.
6. Worked/working as member of e-bulletin committee, website committee, recruitment rules committee, reservation roster committee, land purchase committee, medical reimbursement committee, screening committee for MACP & DPC, screening and recruitment committees, member of the committee constituted for preparation for the inspection of Rajbhasha Sansdiya Samiti, press and media committees constituted to cover various events of the Institute and also worked as member/chairman of various other ad-hock committees of the University.

Members of this section participate in the events of the Institute as and when they are needed. Some members of this section worked in the recruitment cell of the institute during the FY 2019-2020.

## **1.4 List of Employees working in the Acquisition & Technical Section**

1. Shri Rajesh Kumar Mishra, Documentation Officer (Senior Scale)
2. Shri S. N. Singh Yadav, Professional Assistant (Re-engaged)
3. Shri Lobsang Wangdu, Professional Assistant
4. Smt. Tenzin Rigsang, Professional Assistant
5. Shri Ravi Kant Pal, Semi Professional Assistant
6. Shri Tenzin Chungdak, Semi Professional Assistant On-Contract

7. Ms. Pema Payang, Semi Professional Assistant On-Contract
8. Shri Shiva Bachan Sharma, MTS

## **2. Periodical and Reference Section**

### **2.1 Subscriptions:**

During the year 2019-20 the Section spent ₹ **382464.00** to subscribe/acquire journals, Magazines & Newspapers and one News Clippings service. In addition to subscribed journals, 6 Journal titles were received as gratis and 3 were received against exchange of the Institute publications. The details are as here under:

| <b>Sl. no.</b> | <b>Items</b>                 | <b>Mode of Subscription</b> | <b>No. of Titles</b> | <b>No. of Volumes</b> | <b>No. of Loose Issues</b> | <b>Amounts (₹)</b> |
|----------------|------------------------------|-----------------------------|----------------------|-----------------------|----------------------------|--------------------|
| 1.             | Foreign Journals             | Subscription                | 10                   | 32                    | 34                         | 301958.00          |
| 2.             | Inland Journals              | Subscription                | 17                   | 17                    | 44                         | 19790.00           |
| 3.             | Complimentary/ Gratis        | Gratis                      | 6                    | 6                     | 11                         | 00.00              |
| 4.             | Exchange JL                  | Exchange                    | 6                    | 6                     | 8                          | 00.00              |
| 5.             | Newspapers and Magazine (22) | Local                       | 24                   | 24                    | 339                        | 32396.00           |
| 6.             | Newspaper (Tibetan)          |                             | 2                    | 2                     | 0                          | 00.00              |
| 7.             | Press clippings              |                             | 1                    | 0                     | 0                          | 28320.00           |
|                | <b>Total</b>                 |                             | <b>65</b>            | <b>64</b>             | <b>434</b>                 | <b>382464.00</b>   |

### **2.2 Services:**

1. 400 bound volumes of academic journals are arranged for accessioning.
2. During the year 2019-20 total 500 Journal articles of academic journals have been indexed in the SLIM database.
3. 50 newspaper clippings of current year were scanned during the year.
4. Provided user services based on periodical, reference and newspaper clippings collections.

### **2.3 List of Employees working in the Periodical & Reference Section**

1. Mr. Vijay Bahadur Singh, Professional Assistant
2. Mr. K. N. Singh, Semi Professional Assistant
3. Mr. Rajendra Ojha, MTS

## **3. Tibetan Section**

The Tibetan section has been endowed with the rich collection of Buddhist literature categorically known as “Kagyur” the translated sayings of the Buddha in Tibetan and “Tengyur” the translated treatises of the Indian

Buddhist master explaining and elaborating the sayings of the Buddha in Tibetan. Over the period of thousand years, with the collaboration of Indian masters and Tibetan scholars had consistently translated the original Sanskrit texts into Tibetan. The prominent Tibetan scholar known as Chomden Rigpai Raldri (*bcom-ldan-rig-pa'i-ral-gri* 1227-1305) and his team had finally listed up all the translated works and categorized them into two giant sections namely Kagyur and Tengyur. Gradually, in 1608, the first Lithang Kagyur in xylographic format was introduced in Tibet and from there on the several editions of the work had come into existence. The Tibetan section presently have the following editions of canonical texts:

1. Dege Tengyur and Lhasa Kagyur (xylograph form)
2. Dege Tselpa Kagyur & Tengyur (print in pothi form)
3. Narthang Kagyur and Tengyur (print in pothi form)
4. Ladhak Tog Kagyur (Print in pothi form)
5. Golden MSS. Kagyur (Print in pothi as well as in book form)
6. Urga Kagyur (edited by Lokesh Chandra in book format)
7. Narthng Kagyur (edited by Lokesh Chandra in book format)
8. Dege Tengyur (Print in book form from Japan)
9. Dege Kagyur and Tengyur (print in book form by Tarthang Tulku, USA)
10. Comparative editions of Kagyur and Tengyur (Print in book form from Tibet)

The section has enormous collected works (*gsung-'bum*) of Tibetan scholars of four major schools of Buddhism, in traditional Pothi as well as in book format. The Chinese and the Burmese *Tripitaka* and Bonpo *Kagyur Tengyur* (Tibet indigenous religion) further elaborate the collection. The Tibetan medicine (*gso-ba-rig-pa*), Tibetan Astro-Science and Arts (Thankpa paintings) are also indispensable part of the collection. As on end of financial year 2019 - 2020, the section treasures around 38997 individual titles as a present holdings in Tibetan language.

**a. Technical Work:**

1. In the FY 2019 - 2020 the section has received 1396 (One thousand three hundred ninety six) new books transferred from Acquisition Section. These newly arrived books were catalogued, classified and entered into SLIM database.
2. The transcribing, pasting of book pocket, preparing book slip of newly arrived books were completed and properly arranged on shelf for reader services.
3. Analytical entries of about 246 titles of the collected works of Tibetan scholars (*gsung-'bum*) were entered in SLIM database.
4. As per requirement, analytical entries for journals and books containing around 1160 titles were added in SLIM database.
5. Around 1838 old Tibetan entries of SLIM database were corrected and edited.

6. Around 159 books left out for technical treatment were properly catalogued in SLIM.
7. Re-checked and verified the number of analytical entries of old pothi form collected works.

### **3.2 Tibetan Classification:**

The implementation of Tibetan classification system in section were on full swing, such as providing Call number and maintaining subject names in database. With the guidance and direction under Shri Lobsang Wangdu (P.A., Technical Section) the newly arrived books and part of collected works of Tibetan scholars (*gsung-'bum*) in book format were classified during the year.

### **3.3 Maintenance and Preservation:**

1. Cleaning of bookshelves and re-shelving process were done on time to time.
2. The precautionary measures were taken into account from time to time to check the fungi and insects damage to xylography.
3. During the summer holiday, re-shelving and cleaning of bookshelf in Tibetan tripitakas room and stack room were carried out.
4. Nonetheless, re-shelving, cleanliness and maintenance were the regular routine of section.

### **3.4 Co-ordination work:**

1. Acquisition section: Tibetan Section constantly supports acquisition process by checking the duplicate titles of Tibetan books for new purchase. All 1396 newly purchased books were thoroughly checked in order to avoid the duplicate purchase.
2. Multi-Media Section: As part of the digitization program, we provide them with the requisite documents (*gsung-'bum*) for scanning and related purposes.
3. Circulation desk: Section Staff Miss Tsewang Dolkar has been engaged at circulation desk from time to time during the leave of concerned staff.

### **3.5 Pothi flag:**

1. Eighty-two Pothi flags of the Bon's collected works has been computerized and printed.
2. 1-116 Volume Pothi flags of Darchen Choegel (*grags-chen-bco-brgyad*) has been computerized and printed.
3. 1-48 Volume pothis of Pan-Chen (*paN-chen*) Collected work.

### **3.6 Readers Services:**

1. Reprographic service. About 64145 pages of various Tibetan books were used for reprographic services.
2. The section has provided reader services to International Research scholars. Fifty-eight scholars from inside and outside of India had visited library and consulted Tibetan section.
3. During the FY, 20835 total transactions were made.

**3.7 List of Employees working the Tibetan Section**

1. Lobsang Wandu (I/C Tibetan Section) w.e.f. Sept.17<sup>th</sup>, 2020
2. Tenzin Ghegay, On Contract (On leave)
3. Choenga Tsering, On Contract
4. Tsewang Dolkar, On Contract
5. Tashi Lhamo, On Contract
6. Anil Kumar Yadav, On Contract

**4. Circulation Section**

Circulation Section of the library, enrol and renew the library membership and manages the Issue, Return, Reservation and other related processes, the section also maintains usage statistics of the library.

**Details of Registered Users in the Library as on 31<sup>st</sup> March 2020**

|                          |            |
|--------------------------|------------|
| Students                 | <b>377</b> |
| Staff                    | <b>80</b>  |
| Casual & Request Members | <b>29</b>  |
| Temporary Members        | <b>33</b>  |
| Departmental Members     | <b>8</b>   |
| <b>Total</b>             | <b>527</b> |

- 4.1 During the year total 109 new members, including 88 Students, 11 Staff, 10 Non-Regular members were enrolled in the library and 82 No-Dues certificates have been issued.
- 4.2 Total 12812 circulation transactions have been done during the financial year which includes Issue, Return and Reservation etc.
- 4.3 Total 5053 documents had been issued and 5076 documents returned by the library users during the year.
- 4.4 Total 18731 users visited the library during the year 2019-20.
- 4.5 Apart from her regular duties, Ms. Dicky Dolma provided reference service to users.

**4.6 List of Employees working Circulation Section**

1. Ms. Dicky Dolma, Semi Professional Assistant, On Contract
2. Mr. Munna Lal, Re-engaged MTS

**5. Stack Section**

General Stack section provides user services based on documents of other than Tibetan languages and special collections. The section is spread in two floors and the documents are arranged subject-wise based on Colon Classification Scheme 6<sup>th</sup> ed. Details of Services and maintenance works done by the Stack Section of the library during the year are as under–

**5.1 Services**

|    |  |       |
|----|--|-------|
| 1. | Number of users visited<br>(Based on number of requisition slips)                | 1851  |
| 2. | Number of Documents taken from shelves<br>(Based on number of requisition slips) | 3553  |
| 3. | Number of Reading Room services (General stack)                                  | 29052 |
| 4. | Number of User Services based on Special Collection                              | 156   |

**5.2 Additions and Maintenance**

|    |   |                             |
|----|---|-----------------------------|
| 1. | New additions   | 1103                        |
| 2. | Documents sorted out & sent for technical rectification | 94                          |
| 3. | Documents received after technical rectification        | 94                          |
| 4. | Shelf rectification                                     | R, Y2, X, W,<br>V, Δ, O, Lk |
| 5. | Number of documents transcribed/re-transcribed          | 2433                        |

**5.3 List of Employees working the Stack Section**

1. Mr. D. P. Singh, Professional Assistant
2. Mr. Ramesh Chandra Singh, Professional Assistant
3. Mr. Jagarnath Singh, Semi Professional Assistant
4. Mr. Vijay Kumar Patel, Library Attendant
5. Muhammad Mumtaj, Library Attendant

**6. Multimedia Section**

The Multimedia Section is well equipped with the latest ICT infrastructure and the software to create and edit various digital documents. Since inception the multimedia section has been engaged in the work of Audio and Visual recordings of important teaching and lecture within and outside of Institute as well as digitization of rare Buddhist text and manuscripts to newer formats to ensure their preservation. The section procures, manages and provides services based on microfiches, microfilms, Audio Cassettes, CD, MP3, DVD and digital documents. Currently the resources of the multimedia section include various editions of digital manuscripts, rare text and tens of thousands of hours of lecture and teachings by many scholars. The recordings that were originally done in audio cassettes and video cassettes are now being digitized, edited and made available to the users. The Section also provides the reprographic services such as photocopying, Scanning and printing services to the scholars and user of the library.

**6.1 Documentation of Still Images, Audio and Video**

During the year 2019-2020, the section recorded following academic events of the University, which were video graphed, edited and added in the library collection and made available for readers/users.

1. 29-30 April 2019 : Sowa-Rigpa Research Symposium.
2. 3-4 September 2019 : Workshop on “Early Identification and Basic Intervention for Special Needs in the Regular School”.
3. 23-24 September 2019 : Two days National Workshop on "Massive Open Online Courses" (MOOCs).
4. 25 September 2019 : Leadership in Academic Programmes (LEAP).
5. 26 September 2019 : Special lecture on 'Personality Development via Brahmi Lipi' by Jain Sadhvi "Saswatpurna ji".
6. 16 October 2019 : Street play on “Water conservation and Plastic”.
7. 25 October 2019 : A resource talks on “Intelligence Quotient to Emotional Quotient” by Dr. Sunita Singh.
8. 25 October 2019 : A Student Symposium on ‘Analysing “The Universe in a Single Atom” by H.H. the Dalai Lama.
9. 3-5 November 2019 : National Seminar on History of Gelug Tradition and its Institutions.
10. 9 November 2019 : International Conference on Tibetan & Himalayan Studies of CIHTS Alumni.
11. 10 November 2019 : Teaching on “Seven Points of Mind Training” by Ven. Samdhong Rinpoche.
12. 11 November 2019 : Felicitation of Prof. Samdhong Rinpoche on the Occasion of His 80<sup>th</sup> Birthday.
13. 11 November 2019 : An Address to CIHTS alumni by Prof. Samdhong Rinpoche.
14. The technical staffs of multimedia were actively engaged with the editing of a film on the Central Institute of Higher Tibetan Studies, a project jointly carried by Ten Directions Productions and Multimedia section.
15. 11 January 2020 : Visit of Committee of Parliament on Official Language (CPOL) wherein five honorable MPs including secretaries visited to inspect the use of Rajbhasha Hindi in the Institute.
16. 13-14 January 2020 : Workshop on “Hindi translation of Kagyur, Tengyur and Sungbum” brought by great Pandita Rahul Samkriyayana from Tibet with the collaboration of Bihar government.
17. 24 January 2020 : Talk on “Education” by Shri Ashok Thakurji, IAS (Retd.).
18. 28 January 2020 : Resource talks by Prof. Anjali Bajpai on Education testing and measurement during the workshop on Designing assessment tools.
19. 28 January 2020 : Resource talks by Prof. K. P. Pandey on Teacher as a reflective practitioner during the workshop on Designing assessment tools.
20. 28-31 January 2020 : Lecture series on Contemporary Tibetan History by Prof. Jampa Samten.
21. 31 January 2020 : “Pade Banaras Bade Banaras” program.

- 22.3-5 February 2020 : Three days senior students' academic winter camp.
- 23.6-7 February 2020 : Two days' Workshop on Social emotional and ethical learning conducted by Geshe Lhakdor la.
- 24.7 February, 2020 : On the request of the Institute, Dr. Jasbir Singh Chawla, delivered talk on "Management in Jataka Tales".
- 25.14 February 2020 : "Pade Banaras Bade Banaras" program.
- 26.20 February 2020 : The occasion of Padmashri Prof. Ramshankar Tripathi's first death anniversary, entitled "The Contribution of Late Prof. Ramshankar Tripathi in Buddhist Philosophy and Arts".
- 27.22 February 2020 : Short visit of hon'ble Minister Shri Prahlad Singh Patel, Ministry of culture, Government of India at Institute.

In addition to the above events, many lectures and talks delivered by distinguished scholars on various topics in the Institute during the year have also photographed, recorded, processed and added to the library collections. The section is also documenting the Still Images of every event and happening in the Institute for reference and record.

## **6.2 Digitization of Audio cassette Tapes and VHS Tapes**

1. During the year, 280 Audio cassettes, bearing 70 Titles, 271 hours have been digitised and saved in MP3 format.
2. 20 VHS Tapes, bearing 6 Titles, 70 hours have been captured, edit, export and saved in MP4 format.

## **6.3 Digitisation Work of Rare Manuscript & Other Document**

1. Completed the editing of all 212 Volumes of Dege Tengyur scanned at BHU Central Library and saved in Raw, Jpeg and PDF. 50 Volumes of Dege Tengyur with bookmarks were edited and saved.
2. Completed the editing of 75 Volumes out of 103 Volumes of Dege Kangyur Scanned at Matho Monastery, Ladakh.
3. Edited 4 Volumes of Narthang Kagyur scanned at Phugthar Monastery, Zangskar, Ladakh.
4. Scanned 13 Volumes, 2392 Pages of collective works of Mipham chogleg rnamgyal were, Edited and saved.
5. 9 Volumes, 1724 Pages of collective works of Mipham chogleg rnamgyal were Edited and saved.
6. Scanned from Microfiche 21 boxes, 20635 folios of reports on Buddhist sector by Archaeological survey of India.
7. Edited 20 Volumes, 1304 folios of Buddhist Sanskrit manuscript scanned from Microfiche & Microfilm

## **6.4 Live-webcast on CIHTS social media**

The multimedia section successfully made a live webcast of below major event on CIHTS social media platform:



- 1 25 October 2019 : A Student Symposium on ‘Analysing “The Universe in a Single Atom” by H. H. The Dalai Lama.
- 2 9 November 2019 : International Conference on Tibetan & Himalayan Studies of CIHTS Alumni.
- 3 10 November 2019 : Teaching on “Seven Points of Mind Training” by Ven. Samdhong Rinpoche.
- 4 10 November 2019 : Cultural Program performance.
- 5 11 November 2019 : Felicitation of Prof. Samdhong Rinpoche on the Occasion of His 80<sup>th</sup> Birthday.
- 6 11 November 2019 : An Address to CIHTS alumni by Prof. Samdhong Rinpoche.

### **6.5 Online access to the Audio & Video Collection:**

1. 88 video files video-graphed and edited by the section were uploaded on the social media online platform YouTube during 2019-2020 and available for user to watch online at institute YouTube channel [www.youtube.com/centraluniversityoftibetanstudies](http://www.youtube.com/centraluniversityoftibetanstudies).
2. Uploaded 26 photo album of various activities of the university during 2019-2020 were publicised by uploading on social media online platform Facebook [www.facebook.com/CIHTS](http://www.facebook.com/CIHTS).

### **6.6 Readers Services**

During the year 2019-2020, following reader services were provided to the members of the university and visitors.

1. Total 84509 pages were photocopied/printed and 76223 pages scanned for academic and official purpose.
2. 201 sets of spiral binding were done on official purpose.
3. 4812 pages were scanned on official purpose.
4. The section also deals with reprographic services of both physical (hard copy) and digital (soft copy) to the users/readers on minimal payment. Total amount of ₹113755.00 were collected during the year from the reprographic services such as scanning, printing, photocopies and duplication of audio-visual documents available in Shantarakshita Library’s collection.
5. Provided current awareness services, Consultation, Reference, and reader services.
6. Maintenance of collection and ICT equipment.

### **6.7 Workshop and Training:**

1. Training on basic digitization and editing was provided to Mr. Padma Yangjor and Mr. Tashi Dhondup newly joined employee in the section.
2. Mrs. Tenzin Kalden, Mr. Padma Yangjor and Mr. Tashi Dhondup participated in one month “Documentary Film making course”.

3. Mr. Tenzin Dhonyoe was engaged as coordinator, and Mr. Kalden Gurung and Mr. Dorjee Boom was engaged as Assistant Supervisor for the one month “Documentary Film making course” organized by Shantarakshita Library.

### **6.8 Other Activities**

- 1) A documentary film on “Central Institute of Higher Tibetan Studies” is under process directed by Ten directions Production and producing with the help of Multimedia section, CIHTS since 17<sup>th</sup> November 2019.

### **6.9 List of Employees in the Multimedia Section**

- 1) Mr. Tenzin Dhonyoe, Incharge
- 2) Mr. Palden Tsering
- 3) Mr. Dorjee Boom
- 4) Mr. Kalden Gurung
- 5) Ms. Tenzin Tsomo
- 6) Mrs. Tenzin Kalden
- 7) Mr. Padma Yangjor
- 8) Mr. Tashi Dhondup
- 9) Mr. Rakesh Gupta

### **7. Computer Section**

The Section is responsible for procurement, maintenance and management of all IT devices and services including Internet connectivity, Library database. The section also provides services like, text and presentation composing and printing to the faculty members, staff, students, casual staff and guest members of the Institute. In addition to above CCA and DCA courses are also being conducted by the section.

The Institute has Optical Fibre based GBPS Internet connectivity provided by BSNL under NKN (National Knowledge Network), NME-ICT (National Mission of Education through Information and Communication Technology) of MHRD, Govt. of India, New Delhi. The computer section manages the smooth functioning of connectivity, networks, servers and more than 200 computers, 50 printers, 8 scanners and 5 laptops, projectors, Digital Podiums and other IT equipment & Services of the Institute.

During period from 1<sup>st</sup> Jan 2018 to 31<sup>st</sup> March 2019, major achievements of the section are as follows:

- 7.1 Successfully conducted CCA/DCA Courses, 18 theory and practical classes per week and related works for the academic session.
- 7.2 Managed campus wide Network for Internet and allied services.
- 7.3 Provided computing facility to the students & members of the Institute.
- 7.4 Undertaken the job of Word Indexing, Library database back-up, client installation etc. related to Library Management Software (SLIM). Coordinated the AMC visit of the SLIM service engineer.

7.5 Carried out the tasks related to maintenance & purchase of H/W & S/W including renewal of AMC.

7.6 Rendered IT services required in conference /workshop etc.

7.7 Handled the data management over LIMBS portal and also provided support over the PFMS, URKUND, GLIS, PROBITY and SAP portals.

**7.8 List of Employees working in the Computer Section**

1. Dr. Jitendra Kumar Singh, T. O./Computer programmer Gr-I (On-Lien)
2. Mr. Nirankar Pandey, Hardware Maintenance Personnel, On-Contract
3. Mr. Ojas Shandilya, On-Contract
4. Mr. Anvesh Jain, On-Contract
5. Mr. Nand Lal, MTS

**Other Assignments of Library Officials**

1. Documentation Officer **Mr. Rajesh Kumar Mishra** worked as officer in-charge (Recruitment) of the Institute, Nodal Officer for Suo-Motu disclosure w.r.t. to RTI (Since October 2014), Nodal Officer for Media Cell of the Ministry of Culture, Govt. of India, Nodal Officer for NVLI (National Virtual Library of India) Ministry of Culture, Nodal Officer for On-Line RTI portal, DOPT, Govt. of India and also worked as member of, Purchase & Procurement Committee-II, Press & Media Committee and other ad-hock committees of the Institute.
2. **Mr. Ravikant Pal**, S.P.A. worked as Member Secretary of the Purchase and Procurement Cell of the Institute, managed GeM portal and Library Store.
3. **Mr. Sudhriti Biswas**, Office Assistant, On Contract worked as Office Assistant of the R.T.I. Section of the Institute.

## 5. ADMINISTRATION

The Administration of the Institute consists of General Administration, Personnel Administration, Academic Administration, Financial Administration and Publication Unit. The major activities of the administration of the Institute are organized as per the following chart:

| <b>VICE-CHANCELLOR</b>  |   |   |  |   |   |
|---|---|---|--|---|---|
| <b>REGISTRAR</b>  |   |   |  |   |   |
| <b>Administration Section I</b>   | <b>Administration Section II</b>  | <b>Examination Wing</b>   | <b>Maintenance Wing</b>  | <b>Accounts Wing</b>  | <b>Publication Wing</b>   |
| <ul style="list-style-type: none"> <li>• Handling &amp; record keeping of all service matters related to all teaching and research staff.</li> <li>• Conferences, Workshops &amp; Seminars</li> <li>• Supervision of Purchase and Procurement service through P&amp;P wing</li> <li>• Correspondence with the UGC</li> <li>• Academic &amp; Research Projects/Proposal Schemes</li> <li>• Correspondence with other Academic Bodies/Regulators</li> <li>• Secretarial support for matters relating to Academics and Research</li> <li>• Other administrative functions</li> </ul> | <ul style="list-style-type: none"> <li>• Handling &amp; record keeping of all service matters related to all non-teaching staff</li> <li>• Personnel policies</li> <li>• Casual labourers</li> <li>• Temporary/ Adhoc engagement for all categories</li> <li>• Service contracts</li> <li>• Legal matters</li> <li>• Correspondence with MOC</li> <li>• Staff canteen</li> <li>• Staff welfare</li> <li>• Security</li> <li>• Transport</li> <li>• Standard forms of ad printing thereof</li> <li>• Miscellaneous administrative matters</li> </ul> | <ul style="list-style-type: none"> <li>• Documentation for conduct of exam</li> <li>• Appointment of Examiners/ moderators</li> <li>• Tabulation</li> <li>• Question papers</li> <li>• Result</li> <li>• Issue of certificates and mark sheets</li> <li>• Any other matter related to Examination Wing</li> </ul> | <ul style="list-style-type: none"> <li>• Maintenance and sanitation of campus</li> <li>• Electricity and water</li> <li>• Guest House allotment</li> <li>• Civil and electricity maintenance</li> <li>• Horticulture</li> <li>• Central stores and inventory</li> <li>• Annual Maintenance contracts</li> <li>• Other matters relating general maintenance of Institute</li> </ul> | <ul style="list-style-type: none"> <li>• Budgeting</li> <li>• Auditing</li> <li>• Payment of salaries &amp; wages</li> <li>• Payments of bill and all other financial matters.</li> </ul> | <ul style="list-style-type: none"> <li>• Publication of Research work on Tibetan Buddhism in accordance with the objectives of the Institute</li> <li>• Proof reading of proposed Publication</li> <li>• Sale of Publication</li> </ul> |

### List of Non-Teaching Employees:

| <b>S.No.</b> | <b>Name</b>                 |   | <b>Designation</b> |
|--------------|-----------------------------|---|--------------------|
| 1.           | Prof. Ngawang Samten        | - | Vice Chancellor    |
| 2.           | Dr. Ransheel Kumar Upadhyay | - | Registrar          |

|     |                             |   |                   |
|-----|-----------------------------|---|-------------------|
| 3.  | Sri Sunil Kumar             | - | P.S. to V.C.      |
| 4.  | Sri S. Bhattacharya         | - | Section Officer   |
| 5.  | Sri S.K. Chaudhary          | - | -do- (31.01.2019) |
| 6.  | Sri Kailash Nath Shukla     | - | -do-              |
| 7.  | Sri Jai Prakash Vishwakarma | - | Senior Assistant  |
| 8.  | Sri Kunsang Namgyal         | - | Senior Clerk      |
| 9.  | Sri M.L. Singh              | - | -do-              |
| 10. | Sri Anand Kumar Singh       | - | -do-              |
| 11. | Sri Rajeev Ranjan Singh     | - | -do-              |
| 12. | Sri Deepankar               | - | Steno Typist      |
| 13. | Sri Vinay Maurya            | - | Junior Clerk      |
| 14. | Sri Dorjee Boom             | - | -do-              |
| 15. | Sri Pradeep Kumar           | - | -do-              |
| 16. | Sri Phulchand Yadav         | - | Electrician       |
| 17. | Sri Keshav Prasad           | - | MTS               |
| 18. | Sri Laxman Prasad           | - | MTS               |
| 19. | Sri Lalman Sharma           | - | MTS               |
| 20. | Sri Gopal Prasad            | - | MTS               |
| 21. | Sri Rajendra Ojha           | - | MTS               |
| 22. | Sri Daya Ram Yadav          | - | MTS               |
| 23. | Sri Ramesh Kumar Maurya     | - | MTS               |
| 24. | Sri Prem Shankar Yadav      | - | MTS               |
| 25. | Sri Ram Kishun              | - | MTS               |
| 26. | Sri Uma Shankar Maurya      | - | MTS               |
| 27. | Sri Nirmal Kumar            | - | MTS               |
| 28. | Sri Sumit Balmiki           | - | MTS               |
| 29. | Sri Mahendra Prasad Yadav   | - | MTS               |
| 30. | Sri Sanjai Maurya           | - | MTS               |
| 31. | Sri Munna Lal Patel         | - | MTS               |
| 32. | Sri Surendra Kumar Verma    | - | MTS               |
| 33. | Sri Bhaiya Lal              | - | MTS               |
| 34. | Sri Shyam Narayan           | - | MTS               |
| 35. | Sri Haushila Prasad         | - | MTS               |
| 36. | Sri Rajendra Prasad         | - | MTS               |
| 37. | Sri Subash Chandra Gautam   | - | MTS               |
| 38. | Sri Prakash                 | - | MTS               |

|     |                         |   |                         |
|-----|-------------------------|---|-------------------------|
| 39. | Sri Virendra Kumar Gaur | - | MTS                     |
| 40. | Sri Shyamji Pal         | - | MTS                     |
| 41. | Sri Ganesh Prasad       | - | MTS                     |
| 42. | Sri Om Prakash          | - | MTS                     |
| 43. | Sri Nand Lal            | - | MTS (Library)           |
| 44. | Smt. Meena              | - | Library Attendant       |
| 45. | Sri Sagar Ram           | - | MTS                     |
| 46. | Md. Mumtaj              | - | MTS                     |
| 47. | Sri Vijay Kumar Patel   | - | MTS                     |
| 48. | Sri Phoolchand Balmiki  | - | Cook                    |
| 49. | Sri Mishri Lal          | - | -do                     |
| 50. | Sri Raja Ram            | - | Plumber                 |
| 51. | Sri Munna Lal           | - | Watchman (MTS)          |
| 52. | Sri Vijay Kumar         | - | Mali (MTS)              |
| 53. | Sri Munna Lal           | - | -do (death on 8.2.19)   |
| 54. | Sri Heera               | - | Safaiwala               |
| 55. | Sri Iliyash             | - | -do- (death on 13.2.19) |
| 56. | Sri Asharaf             | - | -do                     |
| 57. | Sri Habeeb              | - | -do                     |
| 58. | Sri Pradeep Kumar       | - | -do                     |
| 59. | Sri Israil              | - | -do                     |
| 60. | Sri Lalaram             | - | -do                     |
| 61. | Sri Ram Ratan           | - | -do                     |
| 62. | Sri Ramkishan           | - | MTS (Sweeper)           |
| 63. | Sri Nand Lal            | - | -do                     |

**List of Non-Teaching and Teaching (Contract, Temporary) Employees:**

| <b>S.No.</b> | <b>Name</b>         |   | <b>Designation</b>                  |
|--------------|---------------------|---|-------------------------------------|
| 1.           | Sri S.P. Tripathi   | - | Visiting Computer Typing Instructor |
| 2.           | Sri V.K. Patil      | - | Lab Pathological (Sowa Rigpa)       |
| 3.           | Sri Tenzin Norbu    | - | R.A.                                |
| 4.           | Smt. Lobsang Choden | - | -do-                                |
| 5.           | Sri Saras Sonkar    | - | Consultant                          |
| 6.           | Sri Palden Tsering  | - | Causal/Project Worker (Library)     |
| 7.           | Sri Tenzin Yeshi    | - | -do-                                |

|     |                           |   |  |
|-----|---------------------------|---|--|
| 8.  | Dr. Penpa Tsering         | - | To look after Department & take UM/BSMS classes (Sowa Rigpa) |
| 9.  | Sri Tenzin Ghegye         | - | Causual/Project Worker (Library)                             |
| 10. | Dr. Dawa Tsering          | - | Pharmacy work & take BSMS classes (Sowa Rigpa)               |
| 11. | Dr. Tenzin Thutop         | - | Editing In-charge  |
| 12. | Dr. Chimi Dolkar          | - | Clinical Workder & Gust Faculty (Sowa Rigpa)                 |
| 13. | Miss Passang Dolma        | - | Nurse  |
| 14. | Sri S.N. Singh Yadav      | - | P.A. (Retd.)   |
| 15. | Ms. Tsering               | - | Casual Worker  |
| 16. | Miss Dickey Dolma         | - | S.P.A.   |
| 17. | Sri Tenzin Chundak        | - | S.P.A.   |
| 18. | Kalsang Wangmo            | - | T.A. Cum P.A. (Sowa Rigpa)                                   |
| 19. | Sri Yeshe Dorji           | - | Assistant  |
| 20. | Dr. Tashi Dawa            | - | Teaching to BSMS Student & continue to Emory Project         |
| 21. | Dr. Karma Tharchin Gurung | - | Pharmacy Assistant   |
| 22. | Dr. Tsering Choekyi       | - | Sorig Therapist  |
| 23. | Dr. Ngawang Tsering       | - | Pharmacopeia Project Assistant                               |
| 24. | Mr. Anvesh Jain           | - | Casual Worker  |
| 25. | Ms. Tsewang Dolkar        | - | Tibetan Section (Lib.)                                       |
| 26. | Sri Choenga Tsering       | - | Tibetan Section (Lib.)                                       |
| 27. | Sri. Munna Lal            | - | Poen (Retd.)   |
| 28. | Sri Tsering Aklo          | - | Sr. Clerk  |
| 29. | Sri Dorjee Kyab           | - | R.A.   |
| 30. | Sri Vijay Kumar Yadav     | - | Peon (Retd.)   |
| 31. | Ms. Tenzin Lhakey         | - | Casual Worker  |
| 32. | Sri Inayat Ali            | - | Safaiwala  |
| 33. | Sri Nand Lal              | - | Garden   |
| 34. | Sri Subhash               | - | Gardener in Kalchkara H.G.                                   |
| 35. | Sri Kasi Nath Prajapati   | - | Sowa Rigpa (Pharmacy)  |
| 36. | Sri Lav Kumar             | - | Sowa Rigpa (Pharmacy)  |
| 37. | Sri Vinod Kumar           | - | M/W (Pump Work)  |
| 38. | Sri Brij Mohan Bhardwaj   | - | Sowa Rigpa (Pharmacy)  |
| 39. | Sri Chandrika             | - | Gardener (Roster Basis)                                      |

|     |                             |   |                            |
|-----|-----------------------------|---|----------------------------|
| 40. | Sri Parash                  | - | -do-                       |
| 41. | Sri Dinesh Kumar Yadav      | - | M/W (Peon)                 |
| 42. | Sri Mahesh                  | - | M/W (Garden)               |
| 43. | Sri Shiv Shankar Yadav      | - | Sowa Rigpa (Pharmacy)      |
| 44. | Sri Sahid Aahmad            | - | Safaiwala                  |
| 45. | Mo. Aslam                   | - | -do-                       |
| 46. | Sri Ashok Kumar             | - | Carpenter                  |
| 47. | Kalden Gurung               | - | Casual Worker              |
| 48. | Sri Tenzin Tsomo            | - | -do-                       |
| 49. | Sri D.P. Tiwari             | - | Sr. Asstt.                 |
| 50. | Sri Kashmir                 | - | Safaikarmi                 |
| 51. | Sri Kuwar Ravi Shankar      | - | Office Assistant           |
| 52. | Smt. Tenzin Norden          | - | Therapy Assistant          |
| 53. | Ms. Tenzin Kalden           | - | Cashier                    |
| 54. | Smt. Pema Sangmo            | - | OPD Dispenser              |
| 55. | Ms. Pema Dolkar             | - | R.A.                       |
| 56. | Sri Tenzin Thaye            | - | To assist the project work |
| 57. | Sri Tenzin Chogyal          | - | -do-                       |
| 58. | Dr. Tsewang Sangmo          | - | R & D Assistant            |
| 59. | Sri Nyima Tsering           | - | R.A.                       |
| 60. | Sri Shravan Kumar           | - | Safaiwala                  |
| 61. | Miss Manju                  | - | Multipurpose               |
| 62. | Miss Rimo                   | - | -do-                       |
| 63. | Sri Sonam Phuntsok          | - | Watch Man                  |
| 64. | Sri Senge Wangchuk          | - | Multipurpose               |
| 65. | Sri Nima Chogyal            | - | Project Associate          |
| 66. | Sri Tenzin Dhonyo           | - | S.P.A.                     |
| 67. | Sri Sarwajit Singh          | - | Jr. Clerk                  |
| 68. | Sri Gopesh Chandra Rai      | - | Jr. Clerk                  |
| 69. | Sri Nirankar Pandey         | - | Computer Maintenance       |
| 70. | Sri Chandar Pal             | - | Office Attendant           |
| 71. | Sri N.K. Singh              | - | Asstt. Registrar (Retd.)   |
| 72. | Sri Sudhrity Biswash        | - | Work of P.R.O.             |
| 73. | Dr. Vishwa Prakash Tripathi | - | Research Assistant         |
| 74. | Miss Pema Payang            | - | S.P.A.                     |
| 75. | Sri Tenzin Tashi            | - | Jr. Research Scientist     |



|     |                             |   |                          |
|-----|-----------------------------|---|--------------------------|
| 76. | Dr. Prem Prakash Srivastava | - | Doctor-cum-Guest Faculty |
| 77. | Sri Yashin                  | - | MTS                      |
| 78. | Sri Mohan Yadav             | - | -do-                     |
| 79. | Sri Lalman                  | - | -do-                     |

The Institute is a Deemed University registered under the Society Registration Act and it receives Grants-in-Aid from the Ministry of Culture, Government of India.

There are a Society, Board of Governors, Academic Council, Planning and Monitoring Board and Finance Committee. Vice Chancellor is the Principal Executive Officer who is assisted by the Registrar.

### **Important Bodies of the Institute:**

#### **CIHTS Society**

It is the apex body of the Institute headed by the Chairman. The Secretary, Ministry of Culture, Govt. of India, is the ex-officio Chairman of the Society. The list is given in Appendix-II.

#### **Board of Governors (BOG)**

The BOG of the Institute is comprised of the Vice Chancellor as the ex-officio Chairman with the nominees of the Ministry of Culture, Government of India, and His Holiness the Dalai Lama. The list is given in Appendix-III.

#### **Academic Council**

The Academic Council of the Institute is the apex authority of the Institute on academic matters. It is headed by the Vice Chancellor. The list of members of the Academic Council is given in Appendix IV.

#### **Finance Committee**

For scrutinizing accounts and budget estimates and to make recommendations on financial matters, the Institute has a Finance Committee headed by the Vice Chancellor with nominees from the Ministry of Culture, Government of India. The list of members of the Finance Committee is given in Appendix V.

#### **Planning and Monitoring Board**

The list of members of the Planning and Monitoring Board is given in Appendix-VI.

#### **Grants made to the Institute**

The administrative and support services at the Institute consists of sections and wings dealing with General and Personnel Administration, Academic Administration, Examination, Maintenance and Accounts and Financial matters. The Institute received the following Grants-in-Aid from the Ministry of Culture, Government of India, during 2019-20 of which the entire grant in the same financial year has been spent in the following manner:

| Sl.N. | Particular                            | Receipt Grant | Spent         | Balance      |
|-------|---------------------------------------|---------------|---------------|--------------|
| 1.    | General-Head-31                       | ₹ 560.00 lac  | ₹ 560.00 lac  | ₹ 0.00 lac   |
| 2.    | General-Head-96-31                    | ₹ 1.00 lac    | ₹ 1.00 lac    | ₹ 0.00 lac   |
| 3.    | Capital Asset Head-35                 | ₹ 300.00 lac  | ₹ 300.00 lac  | ₹ 0.00 lac   |
| 4.    | Sowa-Rigpa Building                   | ₹ 300.07 lac  | ₹ 296.42 lac  | ₹ 3.65 lac   |
| 5.    | Salary-Head-36                        | ₹ 2992.98 lac | ₹ 2833.76 lac | ₹ 159.22 lac |
| 6.    | For Rajbhasha<br>(Balance of 2014-15) |               |               | ₹ 0.04 lac   |

## Publication Unit

Publication Unit of CIHTS publishes research works on Buddhology and Tibetology in accordance with the objectives of the Institute, as one of the principal means for propagating and promoting Buddhism in general and Tibetan studies in particular. Initially, CIHTS had commenced its publishing works with two booklets of seminar papers in 1972 but regular publication work came to commence in 1983 after its establishment as an separate Unit.

The main source of materials for CIHTS publication is the research work of restoration, translation, editing and independent writings related to Projects undertaken and duly completed. In addition, it also accepts to publish research works by eminent scholars that meet the standards set by the Institute. Most of the books published so far are of high standard and research value for advanced studies in the field of Tibetan and Buddhist studies.

At present, Publication Unit of CIHTS is publishing books under nine general series, and in addition, a Rare Buddhist Texts Research Journal, that was launched in 1986, and dictionaries along with reference books under the Kosha Series are being published. In year 2012 a new series called "Neyartha-Nitarth Series has been started. In short, presently Publication Unit is publishing books in total under twelve series.

### Staff Members and their Designations:

1. Prof. Pema Tenzin                      Publication In-charge
2. Shri Pema Choeden                    Assistant Editor
3. Smt. Chime Tsomo                    Publication Assistant
4. Shri S.P. Singh                        Publication Assistant
5. Dr. Lalit Kumar Negi                Publication Assistant
6. (2 Vacant Posts)                      (1 Editor and 1 Publication Assistant)

The titles of the series are as under:

### 1. Bibliotheca Indo-Tibetica Series

Works of ancient Indian scholars such as Nagarjuna, Chandrakirti, Asanga, Vasubandhu, Shantarakshita, Kamalashila, Dipankar Shrijnana etc. are brought out under this series.

**2. The Dalai Lama Tibeto-Indological Series**

Works of ancient renowned Tibetan scholars of the four Tibetan Buddhist tradition including Bon tradition are brought out under this series.

**3. Samyak Vak Series**

A collection of seminar papers is brought out under this series.

**4. Samyak Vak Special Series**

Important works of late Prof. A. K. Saran have been brought out under this series.

**5. Lecture Series**

Eminent scholars are invited by the Institute to deliver talks on specific topics and later subsequently published under this series.

**6. The Rare Buddhist Texts Series**

The Institute has a Department under its Research Faculty called Rare Buddhist Texts Research Department. The Department has a team of scholars working on rare Buddhist manuscripts which mainly relate to Tantra texts. The works of the team are published under this series.

**7. Avalokiteshvara Series**

A number of teachings of His Holiness the 14th Dalai Lama were translated into Hindi from Tibetan or English, published under this series.

**8. Miscellaneous Series**

Works, mostly original writings, by modern scholars are published at the recommendation of subject experts and the Publication Committee of the Institute, and are brought out under this series.

**9. *Dhiih*: A Rare Buddhist Texts Research Journal**

*Dhiih* is an annual research journal of Rare Buddhist Texts Research Department. This journal includes papers, articles and small edited texts related to tantra. It was started in 1986 and since then it has been regularly without any interruption publishing under this series.

**10. Kosha Series**

The *Tibetan-Sanskrit Dictionary* with sixteen volumes under the first and one volume of *Dharmasamgrah-Kosha* as the second and one volume of *Concordance of Tibetan and Sanskrit Texts* as the third of this series were also brought out.

**11. Tibeto-Mongolian Series**

A catalogue of the Collection of Tibetan Manuscripts and Xylographs "Chos Grwa" compiled by Andrew Bazarov are brought out under this series.

**12. Neyartha-Nitartha Series**

A new series has been introduced from the year 2012. It is an editing project on Tsongkhapa's "Neyartha - Nitartha Subhashitsar" in Tibetan under which other

commentaries by Tibetan scholars of other tradition and related texts will be edited and published.

### **Nature of Works of CIHTS Publications**

The nature of CIHTS publications is mainly like what is given in the following, apart from any special publication:

- (a) Critically edited scholarly works.
- (b) Sanskrit restoration of lost Buddhist Sanskrit texts.
- (c) Translations of Buddhist Sanskrit texts and original or commentaries of Tibetan scholars into Hindi/Tibetan/Sanskrit vice-verso.
- (d) Edited seminar papers related to Buddhism and Tibetan studies.
- (e) Original scholarly works in the field of Buddhism, Tibetan studies and related subjects.

### **Language of CIHTS Publications**

CIHTS publications are generally brought out in following languages, apart from any special circumstances in which a publication may be made in any other language that is not mentioned below:

- (a) Sanskrit language
- (b) Hindi language
- (c) Tibetan language
- (d) Pali language
- (e) English language
- (f) Multi-language (two or more languages mentioned above)

However, the publications brought out so far are mostly of a multi-lingual nature.

At the end of March 2020, CIHTS has published about 237 standard titles under 10 general series.

*Dhīh*, Journal of Rare Buddhist Texts Research Department, has reached to its 59 volume.

The Tibetan-Sanskrit Dictionary has 16 volumes under the first of Kosha Series; and Dharmasamgraha-Koshah in one thick volume as the second series of the Kosha Series. Under the third series, "Concordance of Tibetan and Sanskrit Text" has been brought out.

Many old publications have gone out of print and some of them were repeatedly reprinted. The Institute is also trying to bring out some revised editions of few titles to meet the demands of scholars, students and general readers interested in advanced studies in Buddhism.

### **New Publications of the Year**

The following new publications were brought out during current academic year:

1. DHIH: Volume 59
2. Neyartha-Nitartha Vol.7 (in Tibetan) by Prof. Yeshe Thabkhe

3. Neyartha-Nitartha Vol.8 (in Tibetan) by Prof. Yeshe Thabkhe
4. Brief Analysis on the Songs of Potala Delight (in Tibetan) by Geshe Beri Jigmed Wangyal

Besides, a good number of manuscripts are under progress for publication during the next year.

### **Revenue from the Sales of Publications**

By the end of the financial year 2019-2020 the Publication Unit has earned a total revenue of ₹ 5,56,746.00 (₹ Five lakhs fifty six thousand seven hundred forty six only) from the sale of publications during the year.

### **Exchange of Publications**

The published texts of the Institute are being exchanged with national and foreign publications. Under the 'Publication Exchange Programme', we have received several useful publications at the national and the international level. These publications are preserved in Shantarakshita Library from where a number of research scholars are being benefited. Thus, CIHTS publications have reached the international level and have acquired a wide reputation.

The following institutions are currently exchanging our publications:

1. Der Universitat Wien, Austria
2. International Institute for Buddhist Studies, Tokyo, Japan
3. Indica et Tibetica, Verlag, Germany
4. Hamburg Universitat, Hamburg, Germany
5. Drepung Loselling Library Society, Mundgod, Karnataka
6. Gaden Shartse Library, Mundgod, Karnataka
7. Adyar Library and Research Centre, Adyar, Chennai
8. Tibet House, New Delhi
9. I.G.N.A.C., New Delhi
10. Central Institute of Buddhist Studies, Choglamsar, Leh Ladakh. It has been started from the year 2012.
11. Songtsen Library, Centre for Tibetan and Himalayan Studies, Drikung Kagyu Institute, Kulhan, Sasasthara Road, Dehradun (UK). It has been started from the year 2014.
12. Sera jey Library & Computer Project, Sera Monastic University, Bylakuppe-571104, Dist. Mysore, Karnataka South India. It has been started from the year 2017.

Besides the exchange of general publications, we also have exchange of a number of international and national journals.

The following are the titles of the journals that are received on basis of exchange:

1. East & West, (Rome, Italy)
2. Harvard Journal of Asiatic Studies (Cambridge, U.S.A.)

3. Dharma World (Tokyo, Japan)
4. Dreloma (Mundgod)
5. Bulletin of Deccan College (Pune)
6. Indian Philosophical Quarterly (University of Pune) Bulletin of Deccan College (Pune)
7. Journal of Oriental Institute (Oriental Institute, Baroda) Indian Philosophical Quarterly (University of Pune)
8. Prachi Jyoti (Kurukshetra University, Haryana) Journal of Oriental Institute (Oriental Institute, Baroda)
9. Sikkim) "Bulletin of Tibetology", (Sikkim Research Institute of Tibetology, Gangtok, Sikkim)
10. "Anviksha", (Jadavpur University, Calcutta)
11. "Shodh Prabha", (Sri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit Vidyapeeth, New Delhi)
12. "Annals of the Bandarkar Oriental Research Institute", (Bandarkar Oriental Research Institute, Pune)
13. "Bulletin d' Etudes Indiennes", (Association Francaise, Paris)

### **Publication Committee**

The Institute has constituted a standard Publication Committee including a few expert members from outside to consider and recommend the publication of manuscripts submitted by scholars for publication. The Committee also considers and looks after various problems regarding the publications. The Vice Chancellor serves as the Chairperson of the Committee.

### **Additional Jobs**

As usual, the Publication Unit also has undertaken certain extra works such as printing Annual Reports etc. of the Institute, and many other miscellaneous printing works of the various Departments of the Institute.

### **Special Events and Activities**

1. Publication In-charge had several short and long meetings with honorable VC to meet the problems of Pub. Unit such as, Publisher note, printing works etc. Besides, In-charge represents in many committees as a member and also attends all the related workshop, lecture, seminar and International seminar etc.
2. Shri Pema Choeden, Assistant Editor, besides his regular work has been assigned to meet in various other important works of Institute from time to time by competent authorities of Institute.

## 6. ACTIVITIES

### Academic Events and Programmes in the Campus during 2019-20

The Institute has carried out the following academic activities in the academic session 2019-20 :

#### (I) SEMINAR/WORKSHOP/CONFERENCE & OTHERS

##### 1. 16 April 2019 : One-day Workshop on Jallianwala Massacre

On the Centenary Year of Jallianwala Massacre, CIHTS offered homage to all the Indian martyrs by organizing a one-day workshop on 'Jallianwala Massacre – Causes, Prospects and Future Implications' in Atisha Hall under the aegis of the Ministry of Culture, Govt. of India.



The workshop was presided over by the Honorable Vice Chancellor of the Institute who remembered the martyrs. He also emphasized upon the importance of compassion and non-violence. As the chief guest, Prof. Anil Kumar Dubey, BHU, traced the historical trajectory and remembered the noble sacrifice of the then political leaders. Prof. Rakesh Pandey, BHU, the guest of honor, propounded the causes of the massacre and pointed out the future implications of the tragic event. Prof. Umesh Chandra Singh moderated the event and Prof. Devraj Singh delivered the vote of thanks. The Registrar and other senior faculties were also present during the event.

##### 2. 29-30 April 2019 : A Two-Day Sowa-Rigpa Research Symposium

To mark the successful and glorious 25 years of its establishment, the Department of Sowa-Rigpa, Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath, Varanasi organized a two-day Sowa-Rigpa Research Symposium from 29-30th April, 2019. The institute was privileged to receive Mrs. Anita Das, Former Secretary, Ministry of Ayush as Guest of Honor and Professor Virendra Chauhan, President, NAAC as the Chief Guest for the opening ceremony.



The Honorable Vice-Chancellor Professor Gezhe Ngawang Samten felicitated the guests with traditional scarves and presented the majestic traditional paintings as mementos and souvenir of Golden Jubilee Celebrations. All the dignitaries, guests, participants, faculty members and students were welcomed by Dr. Tashi Dawa; Convener and Head of Department, Sowa Rigpa. The keynote address was delivered by Professor Lobsang Tenzin, Faculty Dean, Sowa Rigpa.



A brief teleconferencing by Dr. Jim Nettle, a renowned molecular pharmacologist, Emory University, Atlanta also took place. The teleconferencing was followed by the address of the Guest of Honor, Mrs. Anita Das, Former Secretary, Ministry of Ayush. The inaugural address was delivered by Guest of Honor Professor Virendra Chauhan, President, NAAC. Following which, the Presidential address was delivered by Professor Gezhe Ngawang Samten. Dr. R. K. Upadhyay, Registrar, delivered the Vote of Thanks.





The two-day workshop provided thought provoking sessions in which various scholars and dignitaries presented their views. By the end of the event, all the presenters and the guests were felicitated by the Dept. of Sowa Rigpa.

### **3. 21 June 2019 : International Yoga Day Celebration**

Understanding the importance of the health of the members of the Institute, carrying the legacy forward, CIHTS celebrated a two-week long Yoga camp from 18<sup>th</sup>–30<sup>th</sup> June, 2019. More than fifty participants, including the faculty members, staffs, and students attended the camp conducted by Yoga experts. The fifth International Yoga Day was attended enthusiastically by the Institute's Registrar, and many senior faculty members.



### **4. 6 July 2019 : One-Day Symposium on "Holistic Education"**

Taking the inspiration from the great living legend and cosmopolitan soul, CIHTS celebrated the 84<sup>th</sup> birthday of His Holiness the 14<sup>th</sup> Dalai Lama on 6<sup>th</sup> July, 2019. The festivities commenced in the morning with a tree-plantation

ceremony on the campus by the Honorable Vice Chancellor and other senior faculty members.



The Symposium was held in Atisha Hall on the topic of The Holistic Education, in which Prof. Trilok Nath Singh, Vice-Chancellor, Mahatma Gandhi Kashi Vidyapeeth, Varanasi joined as the chief guest, whereas Prof. Rajaram Shukla, Vice Chancellor, Sampurnanand Sanskrit Vishwavidyalaya enlightened the gathering as guest of honor. Prof. K. P. Pandey, former VC of M. G. Kashi Vidyapeeth, shared his views on the growth of higher education and the contribution of His Holiness' educational philosophy across the globe. The honorable Vice Chancellor, Prof. Ngawang Samten, talked extensively about the utility of His Holiness' views on pedagogy which integrates intellect, moral and spiritual values.

**5. 2-11 August 2019 : Workshop on Brahmi Script and Buddhist Manuscript**

Workshop on Brahmi Script and Buddhist Manuscripts was organised by the Department of Sanskrit, CIHTS, Sarnath from 2<sup>nd</sup> to 11<sup>th</sup> August 2019. This programme was inaugurated by the auspicious hand of Prof. Banarasi Lal, Chief Editor of RBTU, CIHTS. He also delivered the Keynote address in this programme. Prof. Dharmadutt Chaturved, Head of the Department of Sanskrit gave the welcome speech. Total 42 participants joined and learnt the ancient script and deciphered the inscriptions. The valedictory programme was

chaired by our wonderful Vice-Chancellor Padmashree Geshe Prof. Ngawang Samten. All the participants benefited from this workshop.



**6. 3-4 September 2019 : Two-day Workshop on 'Early Identification and Basic Intervention for Special Educational Needs in the Regular School'**

CTE organized a two-day workshop on 'Early Identification and Basic Intervention for Special Educational Needs in the Regular School'. The workshop was organised by Mr. Vishnu Sharan, Dr. Jampa Thupten (CTE), and the resource persons were Dr. Ravikesh Tripathi - RCI programs Institute of Behavioural Science Gujarat Forensic Sciences University-Gandhinagar and Dr. Vikram Singh Rawat, Associate Professor, Department of Psychiatry AIIMS- Rishikesh, who emphasized on the special education needs in the regular school syllabi and curriculum. Prof. Deo Raj Singh chaired the inaugural session and the Director, CTE was present during the course of the event.



**7. 20 September 2019 : One Day Creative Writing Workshop on 'The Intrinsic Process of Writing'**

The department of Classical and Modern Languages organized a one-day creative writing workshop, 'The Intrinsic Process of Writing' by the renowned

Tibetan writer, Tenzin Tsundue on 20<sup>th</sup> September, 2019 in A. P. Guest House Seminar Hall for all the students of CIHTS.



On this occasion, Prof. Dharamdutt Chaturvedi, Dean of Classical and Modern Languages, felicitated the speaker on behalf of the Institute. In a very interesting way, Tenzin Tsunde involved all the students in the activities specifically developed for creative writing process in which he emphasized on the intrinsic method of writing. The students also learnt about the constitution of various genres of literature from this workshop and showed their interest by asking a lot of questions about writing. The workshop was moderated by Dr. Mahesh Sharma and Dr. Jasmeet Gill.

**8. 23-24 September 2019 : Two-day National Workshop on ‘Massive Open Online Courses (MOOCs)’**

A two-day National Workshop on ‘Massive Open Online Courses (MOOCs)’ for teacher Educators and University Teachers was organised by Dr. Jay Prakash Singh and Dr. Jampa Thupten (CTE). The resource persons, Dr. Pankaj Tiwari, Director, EMRC, Dr. Harisingh Gaur University, Sagar, M.P., Prof. B.K. Punia, Haryana School of Business, Guru Jambheshwar University of Science & Technology, Hissar, Former V.C., M D University, Rohtak, and Prof. Vandana Punia, HRDC, G.J. University of Science & Technology, Hissar, gave extensive hand-on experience and training sessions to all the faculty members about OER and the usage of online teaching tools. The participants were given certificates by the Registrar of the Institute.



**9. 26 September - 5 October 2019 : National Workshop on "Teaching of Science subject through Dialectics"**

CTE, CIHTS conducted a 10-days workshop for science school teachers on the topic, "Teaching of Science subject through Dialectics". On this occasion, Lobsang Gyaltzen, HOD Gehug Sampradaya, Prof. Lobsang Taultrim, and Dr. Lobsang Gyatso, CTE, CIHTS, Sarnath were the resource persons who trained the teachers to teach science via Dialectics. The workshop was organised by Lobsang Gyatso (CTE).



One day was dedicated for local excursions. The participants visited Dharmic Stupa, Sarnath museum under Archaeological Survey of India and Ramnagar Fort museum under the guidance of Prof. Jampa Samten of history department, CIHTS.

**10. 2 October, 2019 : Nukkad Natak on Plastic Free India**

On 150<sup>th</sup> birth anniversary of Mahatma Gandhi, the students of CIHTS, Sarnath, enacted an informative 'Nukkad Natak' based on the theme of Plastic Free India and water conservation at the main entrance of the Institute.

The Institute also promoted the theme of 'Swatchta Pakhwada' during the play. The play was written by Prof. Dharamdutt Chaturvedi, Dean, Faculty of Shabda Vidya. It attracted the local audience who gathered near the gate till

the completion of the play and appreciated it a lot. Various senior faculty members were also present to boost the morale of the performing students during the event. The Registrar distributed the certificates to all the participants.



**11. 16 October, 2019 : Nukkad Natak on Gandhi Sankalp Yatra**

On 'Gandhi Sankalp Yatra', the students of CIHTS enacted a Nukkad Natak entitled, 'Plastic Free India and The Importance of Water Conservation' on 16<sup>th</sup> October 2019 at 4.00 pm at Ashapur Chauraha. The Honorable Vice Chancellor Prof. Ngawang Samten was present as the Guest of Honor whereas Padmashree Dr. Rajnikantji attended the event as Special Guest. Various dignitaries were present along with the MLA of Banaras, Shri Ravindra Jaiswal.





The play which was written by Prof. Dharamdutt Chaturvedi, delivered the message meaningfully among the audience and was applauded.

**12. 3-5 November 2019 : National Seminar on "History of Gelug Tradition and its Institutions"**

Exploring the age-old values of the great Gelug tradition in Buddhism, CIHTS organized a three-day National Seminar on 'History of Gelug Tradition and its Institutions' organized by Department of Geluk Samparadaya, CIHTS. The event was presided over by the Honorable Vice Chancellor who explored the trajectory of the great Gelug tradition. Along with various senior faculty members, Dr. Penpa Dorjee and Dr. Geshe Lobsang Dorjee chaired the sessions. Ven. Ngawang Gyaltzen Negi moderated the event.



**13. 26-30 November, 2019 : Five-day National workshop on "Pedagogical Practices and Professional Development of Teachers"**

CIHTS, CTE conducted a five-day National workshop on "Pedagogical Practice and Professional Development of Teachers" (PPPD) for Secondary School teachers, principals, teacher-educators and University teachers. The workshop was organized by Dr. Jay Prakash Singh and the resource persons were Professor K.P. Pandey, Director SHEPA, Former Vice-Chancellor, M.G. Kashi Vidyapeeth, Varanasi, Dr. Shandindu, Ex-Chairperson, NCERT, New Delhi, Dr. Rama Devi, Association of Indian Universities (AIU), New Delhi and Prof. Seema Singh, Faculty of Education, BHU, Varanasi, who talked extensively about the new developments in pedagogical practices under the aegis of New Educational Policy adopted by the govt. of India. The Honorable Vice

Chancellor chaired the inaugural session whereas the Director delivered the vote of thanks.



**14. 13-14 January, 2020 : Two-Day National Workshop on 'The Hindi Translation of Kangyur-Tengyur and Sangbum Texts'**

A two-day National Workshop on 'The Hindi Translation of Kangyur-Tengyur and Sangbum Texts brought by Mahapandit Rahul Sankrityayan from Tibet' was organized by CIHTS in collaboration with Art youth and Culture Department, Patna, Bihar. The Honorable Vice Chancellor of the Institute presided over the event. In the inaugural session, the chief guest was Prof. K. P. Pandey, former Vice Chancellor, MGKV, Varanasi. The guest of honour was the former director, Prof. Tashi Paljor, CIBS, Ladakh who pointed out on the importance of the due training before commencing such a massive and important work of translation. The Honorable VC also emphasized on the magnitude of Tibet and convinced the gathering with the enough resources provided by CIHTS.



Prof. Wangchuk Dorjee Negi, Prof. Gyaltsen Namdol, Prof. Tashi Tsering (S) and various dignitaries from Shantiniketan and Ladakh also presented their views for the project. The event was moderated by Bhikshu Ngawang Gyaltsen Negi and the Registrar R. K. Upadhyaya delivered the vote of thanks.

**15. 29 December 2019 - 21 January 2020 : International Exchange Program**

The students for the Academic Exchange programme from the Five Colleges of the United States of America arrived at CIHTS on 29<sup>th</sup> December 2019 and



stayed till 21<sup>st</sup> of January 2020. They were given special classes on Entry into the Middle (*Madhyamakavatara*) of Acharya Candrakirti, Bodhisattvas's Way of Life (*Bodhisattvacaryavatara*) of Acharya Santideva, Gender and Buddhism comparing through the bestowing of Eshikshuni Ordination and so forth. They also learnt about Tibetan Medicine, Tibetan Astrology, Tibetan History, Tibetan Thangka Painting and Wood Craft.



Institute arranged buddy for each Exchange student so that they might exchange their views on culture, tradition, religion etc. They were taken on an excursion to the holy places of Bodhgaya, Rajgir and Nalanda so that they may not only learn philosophy and religion in the texts but also can see the way of practice through direct perception.

**16. 28 January 2020 : Resource Talk on "Educational Testing and Measurement"**

CTE has conducted a resource talk on "Educational Testing and Measurement" and one-day workshop on Designing Assessment Tools under PMMNMTT scheme of MHRD, Govt. of India, at CTE, CIITS, Sarnath. The expert was invited from BHU who explained various testing and measurement strategies to the students. The Registrar and the Director, CTE, were present during the talk.



**17. 30 January 2020 : One-day workshop on "Teacher as Reflective Practitioner"**

CTE organized a one-day workshop on "Teacher as Reflective Practitioner" under PMMMNMTT scheme of MHRD, Govt. of India, at CTE, CIHTS, Sarnath. Prof. K. P. Pandey, Director SHEPA, Former Vice-Chancellor, M.G. Kashi Vidyapeeth, Varanasi, shared his views about teacher being a reflective and influential persona in a classroom. The Director of CTE delivered the vote of thanks.



**18. 6-7 February 2020 : Workshop Cum Lecture on 'Mind and Mental Factor'**

The Department of Education, CIHTS, initiated a Workshop cum Lecture on the theme "Mind and the Mental factor" and on SEE Learning. The lecture was given by Ven. Geshe Lhakdor, Director of Library of Tibetan Work and Archive, Dharamsala. The sole purpose of the workshop was to foster within students of the department a general awareness of Mind and Mental factor in Education and introduce the students to the new development in the field especially the SEE learning. It was attended by both faculties and the students. The event was organised by Ven. Tashi Dhondup, CTE, Assistant Professor of Tibetan language and Literature.

**19. 2-7 March 2020 : Week long Workshop on Pali Language and Burmese Script**

The Pali unit under the Department of Classical and Modern Languages, CIHTS organized a Workshop on Pali language and Burmese Script from 2-7 March 2020. Various sessions on Burmese script were held where different participants deliberated about the importance of Pali language and Burmese script in the modern world. The sessions were moderated by Dr. Animesh Prakash, Assistant Professor in Pali, CIHTS. The chief guest of the inaugural

session was Venerable Richard Seevali, whereas Dr. Himanshu Pandey, Deputy Registrar, was the Chief Guest for the valedictory. The workshop benefited 52 participants from various institutions of India.



**20. 6 March 2020 : Visit of Secretary, Ayush Ministry**

Shri Vaidya Rajesh Kotecha ji, Secretary, Ayush, Ministry, visited CIHTS, Sarnath to explore various collaborative efforts made by Sowa Rigpa. He was received by the Honorable Vice Chancellor and the Registrar of the Institute. He was taken on a tour of the campus, where he was astounded to see the rich legacy of the Shatarakshita Library, as well as an exhibition of Sowa Rigpa products. He appreciated the seminal efforts undertaken by the Sowa Rigpa dept. in Research and innovation.



**21. 7 March 2020 : Special Lecture on 'Women Empowerment and Gender Equality'**

On the eve of International Women's day, Central Institute of Higher Tibetan Studies, Varanasi, organised a lecture programme on the topic "Women Empowerment and Gender Equality: Special Reference to Women's

Health, Education and Safety\* from 2.30 p.m. onwards in Anath Pindad Guest House Auditorium. The guest speakers for this special lecture were Professor Chandrakala Padia, former Vice-Chancellor, Maharaja Ganga Singh University, Bikaner and Professor Shubha Rao, from Political Science department, Banaras Hindu University.



The programme was chaired by Honourable Vice-Chancellor of the University, Professor Geshe Ngwang Samten. The respected speakers analysed the public-private dichotomy of our gendered life and articulated that this binary in world keep women at bay and finally proposed certain solutions for empowering women. The programme was hosted by Dr. Jyoti Singh, Assistant Professor, Dept. of Classical and Modern Languages. The formal vote of thanks was proposed by Dr. Huma Kayoom, Assistant Professor (Pedagogy), Centre for Teacher Education, CIHTS.

### **Alumni Association of CIHTS 2019-2020**

In the meeting of second congregation of CIHTS Alumni held on 2<sup>nd</sup> January, 2018, the following members were elected as executive member of the AACIHTS for the period of two years.

- |  |                   |
|--|-------------------|
| 1. Acharya Thupten Lungrig               | President         |
| 2. Dr. Geshe Lobsang Dorjee              | General Secretary |
| 3. Prof. Jampa Samten                    | Treasurer         |
| 4. Acharya Ngawang Tenzin                | Member            |
| 5. Dr. Tashi Topgyal (Canada)            | Member            |
| 6. Acharya Kalsang Phuntsok (U.S.A.)     | Member            |
| 7. Acharya Tenzin Choegyal (Switzerland) | Member            |
| 8. Dr. Ngawang Tenphel                   | Member            |
| 9. Acharya Tenzin Sidon                  | Member            |
| 10. Acharya Chime Tsomo                  | Member            |
| 11. Dr. Dawa Tsering                     | Member            |

In the first meeting of the executive member held on 14<sup>th</sup> January, 2018, it was decided to carry out following tasks in the two years term.

- A. Organised third Congregation of CIHTS Alumni & International Conference of CIHTS Alumni on Tibetan & Himalayan Studies from 9<sup>th</sup> to 11<sup>th</sup>**

November, 2019. About 200 Alumni attended the congregation and conference from various parts of the world.



**Details of three-day program:**

1. International Conference of CIHTS Alumni was organised with the financial assistance from CIHTS. On the first day 35 research papers on *"Tibetan and Himalayan studies"* authored by CIHTS Alumni were read and thoroughly discussed simultaneously in three different panels. Out of the 12 papers read and discussed in the *"Philosophy & Women in Buddhism"* panel, 8 papers were in Tibetan and 3 each in English and Hindi. Out of the 10 papers read and discussed in the *"Tibetan Language and Literature and Allied Topics"* panel, 6 papers were in Tibetan and 2 each in English and Hindi. Out of the 12 papers read and discussed in the *"History and Allied Topics"* panel, 10 papers were in Tibetan and 1 each in English and Hindi.



2. The proceedings of the conference in 2 volumes containing 1335 pages was published under the title **"In Search of Truth: Part II."** As the publication cost of the proceeding Volumes was subsidised by CIHTS, proceeding volumes were distributed to the Alumni attending the congregation, Schools and monastic Institutions.
3. On the 2<sup>nd</sup> Day, Teachings by Professor Samdhong Rinpoche on the "Seven-Point Mind Training Text" by Acharya Atiśa Dīpāmkārasrījñāna was organised for the students and alumni attending the congregation.
4. On the 3<sup>rd</sup> Day, the most respected Professor Samdhong Rinpoche, the former Director of the CIHTS was felicitated on the occasion of his 80<sup>th</sup> Birthday. As a token symbol of Gratitude, Buddhist motif **"Ridag Choskhor (Dharmacakra with deer on either side)"** made of silver was offered. The *Aṣṭasāhasrikā Prañāpāramitāsūtra* in Sanskrit with golden letter was published as commemorative volume in traditional Pothi format.



5. On this occasion, the following Alumni were awarded Silver Plate & Certificate of Appreciation for their outstanding contributions in the field of Education.
6. Khenpo Pema Wangdak and Ven. Guru Gyaltsen in appreciation and recognition of their outstanding service rendered in establishment & advancement of *Pema Ts'al School*, which immensely contributed in the advancement of educational opportunities for Tibetan students at Tibetan Colony, Mundgod, Karnataka State, India.
7. Acharya Gelong Thupten Gonpo in appreciation and recognition of his outstanding service rendered in advancement of *Tawang Buddhist Cultural School*, which immensely contributed in the advancement of educational opportunities for students at Tawang, Arunachal Pradesh, India.
8. Acharya Gelong Ngawang Tenzin Gyatso and Acharya Gelong Chodub in appreciation and recognition of their outstanding service rendered in

establishment & advancement of *Drukpa Kargyud School*, which immensely contributed in the advancement of educational opportunities for students at Darjeeling, West Bengal, India.

9. Khanzur Kachen Lobsang Tseten in appreciation and recognition of his outstanding service rendered in establishment & advancement of *Sidhartha High School*, Stok, Leh, Ladakh, which immensely contributed in the advancement of educational opportunities for students at Stok, Leh, Ladakh, India.
  10. Dr. Ngawang Yeshe in appreciation and recognition of his outstanding service rendered in establishment & advancement of *Ngari Institute of Buddhist Dialectics* at Saboo, Leh, Ladakh, which immensely contributed in the advancement of educational opportunities for students at Saboo, Leh, Ladakh, India.
  11. Khanpo Sanggye Lodoe in appreciation and recognition of his outstanding service rendered in establishment & advancement of *Dr. B. R. Ambedkar Memorial Mahayana Buddhist Educational Institute* at Jaigaon, West Bengal, which immensely contributed in the advancement of educational opportunities for students at Jaigaon, West Bengal, India.
  12. Acharya Jampa Phuntsok in appreciation and recognition of his outstanding service rendered in establishment & advancement of *Srongtsen Bhrikuti Boarding High School*, which immensely contributed in the advancement of educational opportunities for students at Kathamandu, Nepal.
- B.** Compiled comprehensive list of Teachings and Discourses of Prof. Samdhong Rinpoche preserved in the collection of Shantarakshita Library and appended in the **“In Search of Truth: Part II.”** Digital copy of these Teachings and Discourses in MP3 & MP4 formats was also prepared and distributed freely to the students and alumni.
- C.** As resolved in the first meeting, compiled comprehensive list of books authored and edited by CIHTS Alumni serving in various academic Institutions throughout the world and appended in the **“In Search of Truth: Part II.”**
- D.** As resolved in the first meeting, compiled comprehensive list of Research papers and book chapters authored by CIHTS Alumni serving in various academic Institutions throughout the world appended in the **“In Search of Truth: Part II.”**
- E.** Compiled profile of all the registered members of AACIHTS and upload the on its webpage “[alumni-cihts.org](http://alumni-cihts.org).”
- F.** In the business meeting of the Alumni which was held on 11<sup>th</sup> November, 2019 elected the new executive members of the Alumni Association of CIHTS for the next two years.

**(II) ACTIVITIES OF RAJBHASHA KARYANVAYAN SAMITI**

**Celebration of Rajbhasha Hindi Week**

1. 28.08.2019 : Dr. Sanjay Singh, Rajbhash officer, DLW, Varanasi, delivered a talk on 'The Contribution of Rajbhasha in the Administrative Work'.



2. 30.08.2019 : A Hindi Kavi Goeshthi was organized in which Shri Bhushan Tyagi, Shri Ishwar Chandra Tyagi, Shri Badshah Premi, Shrimati Ranjana Rai, Shri Jagdish Narayan Tiwari, Shri Om Prakash Chaubey, Shrimati Poonam Shrivastava, Shri Prakash Uday, Shri Himanshu Upadhyay as well as the students of CIHTS recited their compositions. The event was presided by the Honorable Vice Chancellor.



3. 29.08.2019 : Dr. Prakash Uday, Baldev PG College, Bara Gaon, Varanasi, delivered a talk on 'The Importance of the Rajbhasha Workshop'.
4. 2.09.2019 : Shri Sudama Singh Yadav, Retd. Manager, Union Bank of India, Varanasi, presented his views on 'Importance of Rajbhasha in Official Work'.



5. 3.09.2019 : Prof. Prabhakar Singh, BHU, delivered a lecture on 'The Utility of Rajbhasha for National Growth'.
6. 4.09.2019 : Prof. Niranjan Sahayay, MGKV, Varnasi, delivered a lecture on 'The Problems During the Implication of Ranjbhasha'.



7. 5.09.2019 : A debate competition was organized in which Dr. Richa Singh, Harishchandra Mahavidyalaya, was invited as the judge. Various staff members of the Institute participated in the event, while the winners were awarded with cash prizes for the debate competition. The programmes were presided over by the Registrar, Dr. R. K. Upadhyaya and moderated by Dr. Ramji Singh, Secretary, Rajbhasha Karyanvayan Samiti. Prof. Pema Tenzin delivered the vote of thanks.



### **Sansadiya Rajbhasha Samiti**

The proposed visit of Sansadiya Rajbhasha Samiti took place on 11.01.2020.

**Meeting of Rajbhasa Karyanvayan Samiti**

1. 20.03.2020 : A meeting of Rajbhasa Karyanvan Samiti was held under the chairmanship of the honourable Vice-Chancellor. Dr. Anurag Tripathi emphasized on the use of Rajbhasa while presenting the assessment report.
2. The meeting also explored the effective ways to improve the use of Rajbhasa more on campus.
3. To promote and accentuate the use of Rajbhasa, recruitment of a translator was proposed.
4. The proposal to felicitate the administrative and staff members to promote the use of Rajbhasa was also mentioned.
5. The proposal to use simple Hindi in every day communication and official use was motivated.

**(III) SWACCHATA ABHIYAN PAKHWADA**

Following programs were accomplished under the Swacchata Abhiyan Pakhwada in 2019-20:

1. 16.9.2019 : Under the direction of the Registrar, The staff-members of Adm.I, Adm. II, Estate Unit, Examination Unit, Finance Department and Registrar Office contributed in cleaning the foreyard and backyard of Khrisong Administrative Building from 4 PM to 5 PM.
2. 17.9.2019 : The various other staff members of Generator Room contributed in cleaning the surrounding of Generator from 3 PM to 5 PM.
3. 18.9.2019 : All staff members contributed in cleaning their own offices and the teachers along with students contributed in cleaning the inside and the outside of the class-rooms from 3 PM to 5 PM.
4. 19.09.2019 : The students of the Institute conducted a cleaning drive in Navapura Gaon on 'Stopping the Use of Plastic' under the guidance of Dean, Students Welfare Association.



5. 20.09.2019 : Students contributed in cleaning the residential premises and the area connecting the main road as well as participated in a tree plantation drive from 3 PM to 5 PM.
6. 21.09.19 : All the students of the Institute conducted a Cleanliness Drive on 'Water Conservation' in Navapura Gaon under the guidance of Dean, SWA from 2 to 5 PM.
7. 23.9.2019 : Gardeners and the other staff-members contributed in cleaning the surrounding of the Nehru Guest House and the main-gate of the University whereas the research students contributed in cleaning Research Hostel from 4 PM to 5 PM.
8. 24.9.2019 : On the occasion of World Tourism day, the students of the Institute conducted an Awareness Drive in Sarnath to promote the tourism and cleanliness under Dean, SWA from 2 to 5 PM.
9. 25.9.2019 : The staff-members of the V.C office, Research Unit, and Publication Unit contributed in cleaning the Kamalashila building and the Sambhota building from 4 PM to 5 PM.
10. 26.9.2019 : The staff-members of the Shantarakshita Library contributed in cleaning the surrounding of the Hbrary and students contributed in cleaning their respective hostels and surrounding from 4 PM to 5 PM
11. 27.9.2019 : The University students contributed in cleaning the surrounding Kalchakra-mandap and the Anathpindad Guest-House from 4-5 PM.
12. 28.9.2019 : The students of the Institute conducted an awareness drive to clean the historical places like Sarnath, along with the message of Plastic Free India, under the guidance of Dean, SWA.



13. 30.9.2019 : A Debate competition was held by Department of Classical and Modern Languages on the topic of 'Plastic Free Swachta Abhiyan' by Dr.

Anurag Tripathi. The debate was presided over by the Honorable Vice Chancellor, CIHTS. The cash prizes of Rs. 1000, 800 and 500/- along with books were given to the winners and runner ups respectively competing from both sides.



14. 2.10.2019 : On the occasion of 150<sup>th</sup> birth anniversary of Mahatma Gandhi, the students of the university staged a street drama on cleanliness "Plastic Free India" written and directed by Dr. D.D. Chaturvedi at Main gate of the Institute from 10-11.00 AM. The Registrar distributed certificates to all the participants.

### **Academic Visits and Assignments of the Vice Chancellor, Prof. Geshe Ngawang Samten**

1. 23.04.2019 : On the request of the National Assessment And Accreditation Council (NAAC), the Hon'ble Vice-Chancellor participated in the Sanskrit University Institutional Accreditation expert meet held at NAAC Headquarter, Bengaluru.  
Meeting with the former Secretary, Ministry of Culture, Govt. of India at Indira Nagar, Bengaluru
2. 01.05.2019 : Hon'ble Vice-Chancellor participated in the two meetings held under the Chairmanship of Hon'ble Secretary (Culture), Govt. of India at Shaastri Bhavan - "Review meeting on the progress of activities being undertaken by Ministry of Culture as part of 150<sup>th</sup> birth anniversary of Mahatma Gandhi" and "Overview of the Institutions under the Ministry of Culture including schemes/programmes/initiatives". The meetings were attended by all the Heads of Institutions under Ministry of Culture.
3. 02.05.2019 : Hon'ble Vice-Chancellor had meeting with the officials of Ministry of Human Resource Department, and thereafter with the officials of University Grants Commission.

Meeting with the officials of Indira Gandhi National Centre for Arts, Ministry of Culture, and thereafter with the officials of Indian Buddhist Confederation

4. 03.05.2019 : Hon'ble Vice-Chancellor had meeting with the officials of Ministry of AYUSH, Govt. of India and Department of Science & Technology, Govt. of India

Meeting with the officials of National Medicinal Plants Board, Ministry of AYUSH, and thereafter with the officials of Namgyal Institute of Tibetology at Sikkim House, New Delhi.

5. 14.05.2019 : Hon'ble Vice-Chancellor alongwith the officials of Government of Bihar visited the Buddha Smriti Park, the proposed place where Bihar Government is planning to start Buddhist Study Course in near future.

Meeting with the General Manager of Bihar Urban Infrastructure Development Corporation Ltd at Khadya Bhavan, Patna.

On the request of Govt. of Bihar, the Hon'ble Vice-Chancellor attended a meeting held under the Chairmanship of Development Commissioner, Govt. of Bihar at Old Secretariat, Patna. The meeting was attended by Principal Secretary, Urban Development and Housing Department, Vice-Chancellor of the Aryabhata University, and officials of Govt. of Bihar & BUIDCO in which the Vice-Chancellor briefed the tradition of ancient Nalanda Mahavihara which is preserved in Tibetan tradition and gave wider picture of Buddhist Studies of Theravada in Pali language. He also clarified many of the questions asked by the officers. The meeting was basically called to start course of Buddhism initially at the certificate level.

6. 15.05.2019 : Hon'ble Vice-Chancellor had meeting with the Principal Secretary, Art, Culture & Youth Department, Government of Bihar regarding signing of Memorandum of Understanding between Govt. of Bihar and CIHTS, Sarnath, Varanasi.

Meeting with the State Information Commissioner, Bihar at Souchana Bhavan, Patna.

Hon'ble Vice-Chancellor visited Patna Museum and attended the meeting with the officials of Museum regarding unpublished works of Sanskrit Manuscripts.

7. 21.05.2019 : Hon'ble Vice-Chancellor attended a meeting with the officials of International Buddhist Confederation (IBC) at Vigyan Bhawan, New Delhi.

8. 22.05.2019 : Meeting with the officials of Finance Division, Ministry of Culture at Shastri Bhavan.

Hon'ble Vice-Chancellor attended meetings with the officials of International Buddhist Confederation (IBC) at Vigyan Bhawan, and thereafter with the officials of Men-Tse-Khang (The Tibetan Medical and Astrological Institute) at New Delhi.

9. 23.05.2019 : Meeting with the Hon'ble Secretary, Ministry of Culture, Govt. of India at Shastri Bhavan, New Delhi.

Hon'ble Vice-Chancellor had meetings with the Joint Secretary, Ministry of Culture at Puratava Bhavan, and thereafter with the officials of Central Council of Indian Medicine at Janakpuri, New Delhi.

10. 26.06.2019 : Hon'ble Vice-Chancellor had meeting with the Joint Secretary, Ministry of Culture, Government of India at Puratatva Bhavan.

Meeting with the officials of Ministry of External Affairs, Govt. of India at South Block Secretariat, New Delhi.

Hon'ble Vice-Chancellor had meetings with the officials of International Buddhist Confederation (IBC) at Vigyan Bhawan, New Delhi.

11. 28.06.2019 : Meeting with the Hon'ble Minister of Ministry of Human Resource Development (MHRD), Govt. of India

Hon'ble Vice Chancellor had meeting with the officials of Ministry of AYUSH, Govt. of India

12. 10-11.07.2019 : On the request of the Seminar Organizing Committee , Academic Councils of Gaden Shartse and Jangtse, the Hon'ble Vice Chancellor of the Institute participated, as Guest of Honour, in the Seminar "Scholars' Seminar on Buddhist and Non-Buddhist views and meditations" , and delivered the inaugural speech & presided over the two sessions of Non-Buddhist Scholars.

13. 13.07.2019 : Hon'ble Vice Chancellor addressed the teachers and students of Pune University and thereafter to the researchers & students of the Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune.

14. 14.07.2019 : Teachings at Mahakassap Mahavihara, Pune.

15. 20-21.07.2019 : On the request of the Director General of International Buddhist Confederation (IBC), the Hon'ble Vice-Chancellor participated in the "International Symposium on Scholarship for Studying Buddhism in India" convened by the IBC Standing Committee on Academic Research and Education at Delhi.

16. 22.07.2019 : Meeting with the Hon'ble Minister of Culture, Government of India.

17. 30.07.2019 : On the request of the Namgyal Institute of Tibetology(NIT), Sikkim, the Hon'ble Vice-Chancellor addressed to all the staff & students of NIT in the forenoon and thereafter addressed the students and teachers of all the departments in the afternoon.

18. 31.07.2019 : On the XII Foundation Day of Sikkim University, the Hon'ble Vice Chancellor addressed all the staff & students of the University, invited guests & officials from the State Government, and delivered a lecture on the topic "***Buddhism and 21<sup>st</sup> Century***".

On the request of the SRM University, Sikkim, the Hon'ble Vice Chancellor addressed all the faculty members of the University and delivered a lecture on "Emotional Intelligence".

19. 01.08.2019 : Meeting with the faculty members of Sikkim University Meeting with the faculty members of SRM University, Sikkim.
20. 09.09.2019 : Hon'ble Vice Chancellor had meeting with the Secretary, Ministry of AYUSH, Government of India.  
On the request of the Director General of Indian Buddhist Association (IBC), the Hon'ble Vice Chancellor had meeting with the officials and scholars of IBC.
21. 17-19.09.2019 : On the invitation of the Executive Director, Geluk International Foundation, Mundgod, Karnataka, the Hon'ble Vice-Chancellor participated in the workshop on **"Carrying The Nalanda Tradition Forward"**, and presentations in the session on **"Indian University System-Sharing Experience"** & others sessions. The workshop was attended by academicians, former Secretaries of Higher Education – MHRD, Vice-Chancellors and scholars from Monastic Institutions.
22. 04.10.2019 : Hon'ble Vice-Chancellor had meetings with the Joint Secretary, Ministry of Culture, Government of India at Puratatva Bhavan, and thereafter with the Additional Secretary, Ministry of Culture, Government of India at Shastri Bhavan, New Delhi.
23. 25.10.2019 : Hon'ble Vice-Chancellor had meeting with the Hon'ble Secretary, Ministry of Culture, Government of India at Shastri Bhavan, and thereafter meeting with the Joint Secretary, Ministry of Culture, Government of India at Puratatva Bhavan, New Delhi.
24. 26.10.2019 : On the invitation of the Vice Chairman, NITI Ayog, Government of India, the Hon'ble Vice-Chancellor attended the **"Fifth Edition of NITI Lectures: Transforming India on Role of Financial Sector in Development"** at Vigyan Bhavan, New Delhi.
25. 29.10.19 to 01.11.19 : On the invitation of the Mind & Life Institute, Hon'ble Vice-Chancellor attended and participated in the Mind & Life conversation with His Holiness the Dalai Lama, which was attended by eminent scientists, biologist, psychologist and social scientists at Dharamsala.
26. 16.11.2019 : On the request of the Lucknow Management Association(LMA) and Global Lucknow, the Hon'ble Vice-Chancellor participated in the International Covention on "Promoting Happiness through Public Policy" and chaired a session on "Happiness Oriented Education and Employment" at Lucknow.
27. 22.11.2019 : Hon'ble Vice-Chancellor, being representative of His Holiness The Dalai Lama for the Bodhgaya Temple Advisory Board (BTAB), attended the meeting of the BTAB, held in the Library Hall of the Bodhgaya Temple Management Committee, Bodhgaya, Bihar.
28. 23.11.2019 : Hon'ble Vice Chancellor had a meeting with the Principal Secretary, Department of Art, Youth & Culture and officials of Government of Bihar at the Bihar Museum, Patna.

29. 27.11.2019 : Hon'ble Vice-Chancellor delivered Inaugural Address of the International Conference on **"Global Impact of Buddhism and Neo Buddhism"**, organized by the Department of Philosophy, the Centre for Buddhist Studies, University of Mumbai.
30. 16-17.12.2019 : Hon'ble Vice-Chancellor participated in the two days Workshop of Vice-Chancellors to discuss about Assessment and Accreditation of Sanskrit Universities, organized by National Assessment and Accreditation Council (NAAC), Bengaluru.
31. 19-23.12.2019 : On the invitation of the Executive Director, Geluk International Foundation, Mundgod, Karnataka, Hon'ble Vice Chancellor attended pre-conference meeting and thereafter participated in the International Conference on "Je Tsongkhapa: His Life, Thought, and Legacy" and presented a paper on "Hermeneutics and textual exegesis".
32. 21.01.2020 : On the invitation of the Jai Prakash University, Chapra, Bihar, the Hon'ble Vice-Chancellor, as a Special Guest and Chief Speaker, attended the Vth Convocation of the University.
33. 28.01.2020 : On the request of the Chairperson, FICCI, Lucknow Chapter, the Hon'ble Vice-Chancellor delivered a talk on the topic "Secular Ethics", which was attended by members of Woman Wing of Federation of Indian Chambers of Commerce and Industry.
34. 03.03.2020 : Meeting with the Hon'ble Secretary, Ministry of Culture, Government of India at Transport Bhavan, Parliament Street, Delhi, and thereafter meeting with officials of Special Secretary & Financial Adviser, Ministry of Culture, Govt. of India at Shastri Bhavan, Delhi.  
Hon'ble Vice-Chancellor had meeting with officials of Ministry of Human Resource Department, Govt. of India.
35. 12.03.2020 : Hon'ble Vice-Chancellor, being a member of His Holiness the Dalai Lama's Charitable Trust, attended the 115<sup>th</sup> Board of Trustee Meeting held at Dharamsala.
36. 13.03.2020 : Being a member, the Hon'ble Vice-Chancellor attended the meeting of the Society of National Museum Institute held under the Chairmanship of Shri Prahlad Singh Patel, Hon'ble Chancellor – NMIHACM and Minister of State (Independent Charge) for Culture, Government of India.  
Meeting with Special Secretary & Financial Adviser of Government of India, Ministry of Culture, and thereafter meeting with the other officials of Ministry of Culture at Shastri Bhavan, New Delhi.

### **Academic Activities of the Registrar, Dr. R. K. Upadhyay**

1. 28 August, 2019 : Delivered a special lecture session in the presidential statement organized by the Rajbhasha Karyanvayan Samiti.



2. 5 September, 2019 : Gave a speech and presided over the prize distribution program of the debate competition organized by the Rajbhasha Karyanvayan Samiti.
3. 19 December, 2019 : Dr. R. K. Upadhyay, Delivered a lecture in front of School authorities, its alumni, parents, staff and students of SOS Hermann Gmeiner School, Chaubepur, Varanasi as Guest of Honor during Silver Jubilee Celebration of the School.



## Students' Activities

### 1. Students' Welfare Association (SWA)

The Students' Welfare Association was established in 1972. Since then, SWA has predominantly constituted a new horizon to bring better environment regarding the development of students' education and health. The active members of SWA are being elected democratically by the students of the Institute for one-year tenure. The present office bearers of 48<sup>th</sup> SWA are as under:

| S.No. | Name               | Position                             | Class                   |
|-------|--------------------|--------------------------------------|-------------------------|
| 1     | NgawangJangchup    | President                            | Acharya 1 <sup>st</sup> |
| 2     | Ngawang Losel Lama | Vice-President                       | Acharya 1 <sup>st</sup> |
| 3     | Dechen Wangpo      | Secretary                            | Acharya 1 <sup>st</sup> |
| 4     | Choeying Lhundup   | Treasurer                            | Acharya 1 <sup>st</sup> |
| 5     | Tenzin Jamyang     | Assistant Treasurer                  | Acharya 1 <sup>st</sup> |
| 6     | PenpaTsering       | Educational Secretary                | BSRMS 2 <sup>nd</sup>   |
| 7     | Lobaang Jinpa      | Sport In-charge                      | BSRMS 3 <sup>rd</sup>   |
| 8     | Bittu              | Medical In-charge                    | Shastri 3 <sup>rd</sup> |
| 9     | Tenzin Tsokyi      | Cultural Secretary                   | Acharya 1 <sup>st</sup> |
| 10    | Rinchen Chodak     | Public Relational In-charge (P.R.I.) | B.Ed 1 <sup>st</sup>    |

The main objectives of the SWA are as follow:

- To equip resources material and accessories for students to gain intellectual wisdom.

- To provide an educational platform by organizing extra classes, debates, campaigns etc.
- To invite reputed scholars and thinkers from India and abroad, and organise talks and teachings.
- To organise prerequisite medical preventive and precautionary talks, and care-and-campaign services for the students.
- To provide required assistance and competent care for treatment of TB and other serious diseases of the students.
- To disseminate awareness among the students on the uses of the internet, education, health, technology etc.
- To gather suggestions and thoughts from the students with regard to the improvement of the educational and environmental levels of the University.
- To organise sports tournaments such as football, basketball etc. and facilitate necessary amenities in both outdoor and indoor games.

**Activities:**

**Following activities have been carried out by SWA during the academic session 2019-2020.**

**Academic-**

1. 9-11 September 2019 : About 50 new students were given three days Summer Campaign on four sects of Tibetan Buddhism along with Yungdrung Bon and rules and regulations of C.I.H.T.S.
2. 10 September 2019 : A scholar of Tibetology Chung Tsering was invited to give a lecture on The Introduction of Tibetan fictional and non-fictional stories and the Method of writing.
3. 13 September 2019 : Again the same scholar was requested to give a lecture on The Method of Translation.
4. 13-15 September 2019 : Students were taken to Delhi and had participated in the competition of Cultural Dance, Basketball, Debate, Presentation, Film Making and Essay Writing in (All INDIA TIBETAN STUDENTS' ASSOCIATION MEET 2019).
5. In the month of September and October 2019, Dr. Mahesh Sharma and Dr. Jasmeet Gill were requested to give a workshop on Basics of Linguistics.
6. 28 September - 9 October 2019 : 54 students of Acharya went to educational tour to Ladakh and Manali for 10 days. (Earlier there were only 40 seats and now 14 seats have been recently added.)



7. 25 October 2019 : Inter class seminar or symposium was held on the book of H.H. The 14<sup>th</sup> Dalai Lama's 'Universe in a Single Atom'. During the seminar students had presented their papers and later questions and answers were followed.



8. To increase the writing and reading skills of the students, 47<sup>th</sup> S.W.A. arranged new boards in Atisha Hall on which students could paste their poems and prose in Tibetan, Hindi and English language.
9. A week long workshop started from 11<sup>th</sup> December 2019, 30 students were given a workshop on InDesign—the book making.
10. In 2019, in the month of July 40 students attended workshop on Microsoft Word.

## **ANNUAL REPORT 2019-2020**

11. 16-27 December 2019 : All the new students and B.Ed. students (total 60 students) were given a workshop on 'The Methods of Writing' for two weeks.
12. In 2019, for one week starting from 24<sup>th</sup> of December Ven. Dr. Lhakpa Tsering conducted a workshop on Tibetan Grammar to the students.
13. In 2019, in the month of September the seniors students of CIBS from Ladakh and CIHTS had short educational exchange during the educational tour.
14. 14 January 2019 : Musician/Singer Mr. Loten Namling was requested to introduce Traditional songs of Tibetan and sing some of them for the students.
15. Pasted around 15 elegant sayings board in the campus.
16. 27-31 January 2019 : History Professor Jampa Samten was requested to give a lecture on Contemporary History of Tibetan from 2 p.m. to 3 p.m.
17. 4 February 2019 : Geshe Lhakdor was requested to give a lecture on How to Make a Peaceful Mind by Practising Buddhism to all the students in Atisha Hall.
18. 3-5 February 2019 : The Winter Campaign for senior students was organised. Two outside scholars Geshe Lhakdor and Lupon Sonam Gyaltsen were invited.
19. 18-19 February 2019 : Research Paper Presentation by students was organised.
20. In February 2019 : We organised an Essay Competition to escalate the writing skills of students.

### **Health and Sports-**

1. 1-15 August 2019 : We organised inter class L.M. Joshi Football Tournament.



*Note : The L.M. Joshi Football Tournament is held every year in the same month.*

2. 19 September 2019 : Gen Tenzin Nyima taught Yoga for all the students.
3. In 2019, six Sanitary pad burning machine were installed in Maya Devi Girls' Hostel.
4. We assisted the Doctor and Nurses from Delek Hospital, Dharamsala during the screening of T.B.
5. 2 November 2019 : Athletics day was organised for the students.
6. 10 December 2019 : A football tournament was organised for the celebration of Awarding of Nobel Peace Prize to H.H. The 14<sup>th</sup> Dalai Lama in 1989.
7. 26 January 2019 : The annual basketball tournament was organised for the ten days.

**Beneficial activities/works for students-**

1. Two double speed breakers were made on the road by the main entrance gate of the Institute after frequent visit to Public Work Department, Varanasi.
2. New Wi-Fi connection was made in the two Acharya boys' Hostel and speed rate of Wi-Fi was increased in Padmasambhava boys' Hostel.
3. 18 December 2019 : Around 10 students were awarded for the great achievements and were elected by the students themselves.
4. The new girls' hostel and two Acharya boys' hostels got new water supply pipeline which is cool in summer and warm in winter.
5. Basketball courts were repaired and painted with the help of Fine Arts Students and the plywood of benches were changed for the spectators.
6. New R.O. Plant was arranged which resolved the drinking water problem in the boys' hostel.

**2. Mess Management Committee of Student Body**

Management of the mess for the entire campus is carried out by the Mess Management Committee having 10 members representing various sections of the student community. The current committee is the 38<sup>th</sup>. The committee manages the mess, attempting to provide nutritious food collecting feedback from the student. The current members of MMC are:

|     |                     |             |                 |
|-----|---------------------|-------------|-----------------|
| 1.  | Khentse Gyatso      | Shastri 3   | Treasurer       |
| 2.  | Thupten Ngawang     | Acharya 1   | Asst. Treasurer |
| 3.  | Tenzin Yeshi        | Acharya 1   | Secretary       |
| 4.  | Lobsang Palden      | Acharya 1   | Asst. Secretary |
| 5.  | Tsering Dolkar      | BSRMS 3     | Member          |
| 6.  | Tsering Wangmo      | B.A.B.ed. 2 | Member          |
| 7.  | Nyima Samdup        | BSRMS 4     | Member          |
| 8.  | Lhakpa Norbu Sherpa | BSRMS 4     | Member          |
| 9.  | Jigme Stanzin       | Acharya 1   | Member          |
| 10. | Yonten Gyatso       | Shastri 2   | Member          |

**3. Publication of Riglab, a Students' Journal and the Organization of a Workshop**

Varnai-Riglab is an independent students' Editorial Board which is aimed for the development of the students' academic skills and the preservation of the Tibetan culture and Language. Every year, we organize the workshop, essay competition and publish a yearly journal.

**Activities:**

- 2 August, 2019 : Published the *Drungda-fifth -Volume, entitled as Chetsom Chokdrik* (The collection of Articles).
- 26 September, 2019 : Held a program at Atisha Hall on the Memory of late Professor Lobsang Norbu Shastri who had been one of the greatest Professors of the Institute. At the program, few senior students had presented their researched articles in front of all the students. Their essays had been published in the paper.
- 28 January, 2020 : Held essay competition on the topic, 'Himalayan culture' like Monpa, Lhadaki, Pemako, Spiti, Kinnaur and out of India and some Himalayan region of Nepal and Bhutan etc.

The active members of Varnai-Riglab are being elected by senior members of (V.R) into two years. Following are the present members of Varnai-Riglab.

| S.No | Name            | Position            | Class                   |
|------|-----------------|---------------------|-------------------------|
| 1    | Norbu           | President           | Shastri 3 <sup>rd</sup> |
| 2    | Choegyal Yonten | Vice-President      | Shastri 3 <sup>rd</sup> |
| 3    | Dechen Wangpo   | Secretary           | Shastri 3 <sup>rd</sup> |
| 4    | Penpa Chungtak  | Assistant Secretary | Shastri 3 <sup>rd</sup> |

|   |                 |                    |                         |
|---|-----------------|--------------------|-------------------------|
| 5 | Ngawang Dechen  | Treasure           | Shastri 1 <sup>st</sup> |
| 6 | Tsedup Dorjee   | Assistant Treasure | Shastri 1 <sup>st</sup> |
| 7 | Tenzin Jangchup | Member             | Acharya 1 <sup>st</sup> |
| 8 | Choedon         | Member             | Shastri 2 <sup>nd</sup> |

#### 4. Students' Association of Performing Arts (SAPA)

SAPA or Student's Association of Performing Arts, is a small committee that got its foundation by the students. The main reason of establishing it was to preserve the costumes and culture of our country Tibet by providing opportunities and chance on practicing and learning. We have been presenting lots of shows especially the culture shows on lots of main events. We not only entertain the audience by showcasing our talent but we also induce them to learn about the culture of our paternal and maternal period. Not only that, we have been representing our institute in many cultural competitions hosted in different parts and have been awarded with satisfying awards.

##### Activities:

1. 2 September, 2019 : To celebrate Tibetan democracy day and to witness the Tibetan cultures, SAPA hosted inter-class cultural dance competition.
2. 3 September, 2019 : Open Talent Show was hosted to witness the rising talents among the students.
3. 14-17 September, 2019 : Under the supervision of SAPA, some of the students took part in inter-college dance competition conducted in Youth Hostel, Delhi. The competition was hosted to witness the competition between the different colleges regarding cultural dance of Tibet and our institute bagged several accolades.

#### 5. Activities of the Voluntary Community for Social Service (VCSS)

Voluntary Community Social Service (VCSS) was founded by Prof. Lobsang Norbu Shastri under the guidance and support of the former Vice Chancellor, Prof. Samdhong Rinpoche in 1986. It is a special programme meant for serving the social milieu at a larger level beyond the petty materialistic leaning.

The community consists of one advisor, Associate Professor, Lobsang Dorjee Rabling and four members as following:

| Name           | Designation         | Class                   |
|----------------|---------------------|-------------------------|
| Nyima Gyaltzen | President           | Shastri 3 <sup>rd</sup> |
| Pema Youdon    | Secretary           | Shastri 3 <sup>rd</sup> |
| Lobsang Tenzin | Treasurer           | Shastri 3 <sup>rd</sup> |
| Jampa Tashi    | Assistant Treasurer | Shastri 2 <sup>nd</sup> |

The main objective of the programme is to bring an awareness of social responsibility and ethical and morality to the societies throughout diverse

activities being organized time to time. Regardless of caste, creed and gender we accept students to participate in several social related activities every year by introducing them about the community and its objectives.

- To adopt practical method and promote social responsibility and awareness
- To discourage and make precautionary measures for potential social damage
- To guide youngsters going astray morally and ethically
- To discourage the use of drugs, alcohol and other stimulants and dismiss promiscuity
- To combat environmental pollution and preserve it.

**Activities:**

1. Some of our members along with faculties and Head of Departments went for plantation in villages' area which is under our institutional care.



2. 2 October, 2019 : On the occasion of Gandhi Jayanti, we organized Himalayan Cultural Show in Atisha Hall in order to raise fund for the community. We also distributed a paper in which the life story, quotes and work of Mahatma Gandhi Ji, and Lal Bahadur Shastri was printed among students.





3. **5 November 2019 : On the occasion of Birthday of Prof. Samdhong Rinpoche, our community successfully released the 'Social Spectrum' yearly magazine in a trilingual issue. The magazine contains an article and compositions by the students. However, we couldn't publish the book in large numbers due to the COVID pandemic.**
4. **The Community cleans the environment of the campus as well as outside the campus every Sunday around the year.**



**APPENDIX-I**

**LIST OF CONVOCATIONS HELD AND HONORIS CAUSA DEGREES  
CONFERRED ON EMINENT PERSONS BY CENTRAL INSTITUTE  
OF HIGHER TIBETAN STUDIES, SARNATH, VARANASI**

| <b>Convocations</b> | <b>Eminent Personalities on whom <i>Honoris Causa</i> Degrees were Conferred</b> | <b>Dates of Convocations &amp; Degrees Awarded</b> |            |
|---------------------|--|--|------------|
| Special             | H.H. the Dalai Lama  | 14.01.1990   | Vachaspati |
| 1 <sup>st</sup>     | 1. Shri P.V. Narasimha Rao   | 19.02.1990   | Vakpati    |
|                     | 2. Ven. Labugama Lankananda Mahathera, Srilanka                                  | "  | Vakpati    |
|                     | 3. Ven. Khenpo Lama Gaden, Mongolia  | "  | Vakpati    |
| 2 <sup>nd</sup>     | 1. Dr. Raja Ramanna  | 15.07.1991   | Vakpati    |
|                     | 2. Prof. G.M. Bongard Levin, Russia  | "  | Vakpati    |
| 3 <sup>rd</sup>     | 1. Dr. G. Ram Reddy, Chairman, UGC   | 08.04.1993   | Vakpati    |
|                     | 2. Acharya Tulsi Maharaja  | "  | Vakpati    |
| 4 <sup>th</sup>     | 1. H.H. Sakya Trizin Rinpoche  | 16.04.1994   | Vakpati    |
| 5 <sup>th</sup>     | 1. Dr. S.D. Sharma, President of India   | 21.08.1996   | Vakpati    |
|                     | 2. Prof. K. Satchidananda Murty  | "  | Vakpati    |
|                     | 3. Prof. Ralph Buultjeen, Sri Lanka  | "  | Vakpati    |
| 6 <sup>th</sup>     | 1. Dr. A.R. Kidwai, Governor of Bihar  | 15.01.1998   | Vakpati    |
|                     | 2. Prof. G.C. Pande  | "  | Vakpati    |
| 7 <sup>th</sup>     | 1. Dr. Karan Singh   | 27.12.1998   | Vakpati    |
|                     | 2. Dr. (Mrs.) Kapila Vatsyayan   | "  | Vakpati    |
| 8 <sup>th</sup>     | 1. Prof. Ramsharan Sharma  | 31.10.1999   | Vakpati    |
|                     | 2. Prof. Ravindra Kumar  | "  | Vakpati    |
| 9 <sup>th</sup>     | 1. Prof. D.P. Chattopadhyay  | 25.12.2000   | Vakpati    |
|                     | 2. Acharya S.N. Goenka   | "  | Vakpati    |
| 10 <sup>th</sup>    | 1. Prof. Vishnukant Shastri, Governor of Uttar Pradesh                           | 29.12.2001   | Vakpati    |
|                     | 2. Prof. U.R. Anantha Murthy   | "  | Vakpati    |
|                     | 3. Gaden Tri Rinpoche Losang Nima  | "  | Vakpati    |
|                     | 4. Dr. Kereet Joshi  | "  | Vakpati    |
| 11 <sup>th</sup>    | 1. Prof. M.M. Joshi, Union HRD Minister  | 09.03.2003   | Vakpati    |
|                     | 2. Prof. David Seyfard Ruegg, England  | "  | Vakpati    |
| 12 <sup>th</sup>    | 1. Mr. B.R. Nanda  | 18.02.2005   | Vakpati    |
|                     | 2. Justice J.S. Verma  | "  | Vakpati    |

|                  |  |            |         |
|------------------|--|------------|---------|
| 13 <sup>th</sup> | 1. Dr. A.P.J. Abdul Kalam, Ex. President,<br>Government of India | 06.03.2008 | Vakpati |
|                  | 2. Prof. Suluk Sivaraksa   | "          | Vakpati |
| 14 <sup>th</sup> | 1. Ms. Meira Kumar, Speaker, Lok Sabha                           | 17.03.2012 | Vakpati |
|                  | 2. Prof. Robert Thurman  | "          | Vakpati |
|                  | 3. Prof. Lokesh Chandra  | "          | Vakpati |
| 15 <sup>th</sup> | 1. Ven. Thick Nhat Hanh, Vietnam                                 | 25.10.2018 | Vakpati |
|                  | 2. Vidyashrisha tirtha Swami Maharaj<br>(D. Prahladacharya)      | "          | Vakpati |
|                  | 3. Smt. Jetsun Pema  | "          | Vakpati |

**APPENDIX-II**

**LIST OF MEMBERS OF THE CIHTS SOCIETY AS ON 31.03.2020**

| <b>Sl. No.</b> | <b>Name &amp; Address</b>  | <b>Capacity</b> |
|----------------|--|-----------------|
| 1.             | Secretary<br>Minister of Culture<br>Government of India,<br>Shastri Bhavan,<br>New Delhi.      | Chairman        |
| 2.             | Prof. Geshe N. Samten<br>Vice Chancellor,<br>CIHTS, Sarnath,<br>Varanasi.                      | Member          |
| 3.             | Director (BTI)<br>Government of India,<br>Ministry of Culture,<br>Shastri Bhavan, New Delhi.   | Member          |
| 4.             | Prof. K.T.S. Sarao<br>E-51, Kamla Nagar<br>Delhi-110007.                                       | Member          |
| 5.             | Prof. Amarjiva Lochan<br>95, Vidya Vihar,<br>Outer Ring Road,<br>Pitampura, Delhi-110034.      | Member          |
| 6.             | Prof. Ram Raksha Tripathi<br>Kapildhara (Kotwa),<br>Post-Sarai Mohan,<br>Varanasi-221007.      | Member          |
| 7.             | Prof. Ravindra Panth<br>B-801, Nav Sanjivan,<br>Plot-1, Dwarka Sector-12,<br>New Delhi-110075. | Member          |
| 8.             | Geshe Dorjee Damdul<br>Director,<br>Tibet House,<br>1, Institutional Area,<br>New Delhi.       | Member          |

- |     |  |                      |
|-----|--|----------------------|
| 9.  | Shri V.K. Siljo<br>Director-ICC Room No. 212-C.<br>Department of Higher Education,<br>Ministry of Human Resource Development,<br>Shastri Bhawan,<br>New Delhi. | Member               |
| 10. | Geshe Lhakdor<br>Director,<br>Library of Tibetan Works and Achieves,<br>Dharamasala (H.P.)   | Member               |
| 11. | Geshe Dorjee Damdul<br>Director,<br>Tibet House,<br>1, Institutional Area,<br>Lodi Road,<br>New Delhi-110003.  | Member               |
| 12. | Jt. Secretary<br>(East Asia)<br>Ministry of External Affairs,<br>Govt. of India,<br>New Delhi.   | Member               |
| 13. | Prof. Deo Raj Singh<br>Professor (Economics),<br>CIHTS, Sarnath, Varanasi.   | Member               |
| 14. | Mr. Tashi Tsering<br>Associate Professor (Bhot Jyotish),<br>CIHTS, Sarnath, Varanasi.  | Member               |
| 15. | Ven. Dudjom Namgyal<br>Assistant Professor,<br>Nyigma Sampradaya,<br>CIHTS, Sarnath, Varanasi.   | Member               |
| 16. | Registrar<br>CIHTS, Sarnath, Varanasi.   | Non-Member-Secretary |

**APPENDIX-III**

**LIST OF MEMBERS OF THE BOARD OF GOVERNORS AS ON 31.03.2020**

| <b>Sl. No.</b> | <b>Name &amp; Address</b>  | <b>Capacity</b> |
|----------------|--|-----------------|
| 1.             | Prof. Geshe N. Samten<br>Vice Chancellor,<br>CIHTS, Sarnath, Varanasi.   | Chairman        |
| 2.             | Geshe Lhakdor<br>Director,<br>Library of Tibetan Works and Achieves,<br>Gangchen Kyishong, Dharamsala-176214,<br>Distt. Kangra (H.P.).                             | Member          |
| 3.             | Jt. Secretary (BTI) (Ex-Officio)<br>Government of India,<br>Ministry of Culture,<br>Shastri Bhavan,<br>New Delhi.  | Member          |
| 4.             | Jt. Secretary (East Asia)<br>Ministry of External Affairs,<br>New Delhi.   | Member          |
| 5.             | Financial Advisor/or His representative<br>Ministry of Culture,<br>Department of Culture (IFD)<br>Room No. 328 - 'C' Wing,<br>Shastri Bhavan,<br>New Delhi-110001. | Member          |
| 6.             | Prof. Ram Raksha Tripathi<br>Kapildhara (Kotwa),<br>Post-Sarai Mohan,<br>Sarnath, Varanasi-221007  | Member          |
| 7.             | Shri K.T.S. Sarao<br>Room No. 317, Extension Building,<br>Faculty of Arts,<br>University of Delhi,<br>Delhi-110007.  | Member          |
| 8.             | Dr. Amarjiv Lochan<br>Associate Professor,<br>Ancient Indian History & Culture,  | Member          |

(Shivaji College)  
University of Delhi,  
Delhi-110007.

- |     |   |                      |
|-----|---|----------------------|
| 9.  | Prof. L. Tenzin<br>Dean,<br>Faculty of Sowa Rigpa and Bhot Jyotish<br>CIHTS, Sarnath, Varanasi. | Member               |
| 10. | Prof. D. R. Singh<br>Department of Social Science,<br>CIHTS, Sarnath, Varanasi.                 | Member               |
| 11. | Registrar<br>CIHTS,<br>Sarnath, Varanasi.   | Non-Member Secretary |

**APPENDIX-IV**

**LIST OF MEMBERS OF THE ACADEMIC COUNCIL AS ON 31.03.2020**

| <b>Sl. No.</b> | <b>Name &amp; Address</b>   | <b>Capacity</b> |
|----------------|---|-----------------|
| 1.             | Prof. Geshe N. Samten<br>Vice Chancellor,<br>CIHTS, Sarnath, Varanasi.  | Chairman        |
| 2.             | Prof. K.P. Pandey<br>Director, SHEPA<br>(Society for Higher Education &<br>Practical Application)<br>Mohansarai Mughalsarai<br>VRM Bypass Road Niba,<br>Bachchaon, Varanasi-221011. | Member          |
| 3.             | Geshe Dorjee Damdul<br>Director, Tibet House,<br>1, Institutional Area, Lodhi Road,<br>New Delhi-110003.  | Member          |
| 4.             | Prof. Lalan Mishra<br>Deptt. of Chemistry,<br>Institute of Sciences,<br>BHU, Varanasi.  | Member          |
| 5.             | Prof. Prof. Mukul Raj Mehta<br>Deptt. of Philosophy & Religion,<br>Faculty of Arts,<br>BHU, Varanasi.   | Member          |
| 6.             | Prof. Ajai Pratap Singh<br>HOD - History,<br>Faculty of Social Sciences,<br>BHU, Varanasi-221005.   | Member          |
| 7.             | Prof. Lobsang Tenzin<br>Professor in Sowa Rigpa, Dean,<br>CIHTS, Sarnath, Varanasi.   | Member          |
| 8.             | Prof. D. R. Singh<br>Professor in Economics,<br>CIHTS, Sarnath, Varanasi.   | Member          |



- |     |   |        |
|-----|---|--------|
| 9.  | Prof. W.D. Negi<br>Professor in Moolshastra,<br>CIHTS, Sarnath, Varanasi.   | Member |
| 10. | Prof. Jampa Samten<br>Professor in Tibetan History, HoD<br>CIHTS, Sarnath, Varanasi.                                | Member |
| 11. | Prof. Lobsang Yarphel<br>Professor in Moolshastra, HoD<br>CIHTS, Sarnath, Varanasi.                                 | Member |
| 12. | Prof. Tashi Tsering (S)<br>Professor in Sakya Sampradaya, Dean<br>CIHTS, Sarnath, Varanasi.                         | Member |
| 13. | Ven. G.L.L. Wangchuk<br>Reader in Bon Sampradaya, HoD<br>CIHTS, Sarnath, Varanasi.                                  | Member |
| 14. | Prof. D.D. Chataurvedi<br>Professor in Sanskrit, HoD<br>Dean, Faculty of Shabda Vidya,<br>CIHTS, Sarnath, Varanasi. | Member |
| 15. | Dr. Dorjee Damdul<br>Associate Professor in Sowa Rigpa, HoD<br>CIHTS, Sarnath, Varanasi.                            | Member |
| 16. | Ven. Lhakpa Tsering<br>Assistant Professor in Tib. Language, HoD<br>CIHTS, Sarnath, Varanasi.                       | Member |
| 17. | Dr. Jampa Chophel<br>Asistant Professor in Bhot Jyotish, HoD<br>CIHTS, Sarnath, Varanasi.                           | Member |
| 18. | Shri Jigme<br>Asistant Professor in Tib.Traditional<br>Fine Arts, HoD<br>CIHTS, Sarnath, Varanasi.                  | Member |
| 19. | Dr. Tashi Tsering (J)<br>Associate Professor in Bhot Jyotish,<br>CIHTS, Sarnath, Varanasi.                          | Member |

- |     |  |                      |
|-----|--|----------------------|
| 20. | Dr. Tashi Tsering (T)<br>Associate Professor in Tibetan Language,<br>CIHTS, Sarnath, Varanasi. | Member               |
| 21. | Prof. U.C. Singh<br>Professor in Ancient History,<br>CIHTS, Sarnath, Varanasi.                 | Member               |
| 22. | Dr. Tashi Samphel<br>Associate Professor in Kargyud Sampradaya,<br>CIHTS, Sarnath, Varanasi.   | Member               |
| 23. | Ven. Lobsang Wangdrak<br>Assistant Professor in Moolshastra,<br>CIHTS, Sarnath, Varanasi.      | Member               |
| 24. | Ven. Yungdrung Gelek<br>Assistant Professor in Bon Sampradaya<br>CIHTS, Sarnath, Varanasi.     | Member               |
| 25. | Dr. R. K. Upadhyay<br>Registrar, CIHTS,<br>Sarnath, Varanasi.                                  | Non-Member-Secretary |

**APPENDIX-V****LIST OF MEMBERS OF THE FINANCE COMMITTEE AS ON 31.03.2020**

| <b>Sl. No.</b> | <b>Name &amp; Address</b>   | <b>Capacity</b>  |
|----------------|---|------------------|
| 1.             | Prof. Geshe N. Samten<br>Vice Chancellor,<br>CIHTS, Sarnath,<br>Varanasi.   | Chairman         |
| 2.             | Director/Dy. Secretary (Finance)<br>Department of Culture (IFD),<br>Ministry of Culture,<br>Govt. of India,<br>Shastri Bhavan,<br>New Delhi.          | Member           |
| 3.             | Director/Dy. Secretary (BTI)<br>BTI Section,<br>Ministry of Culture,<br>II Floor, D-Block,<br>Puratattva Bhavan,<br>GPO Complex, INA<br>New Delhi-23. | Member           |
| 4.             | Dr. S.P. Mathur<br>Registrar,<br>IIT, BHU,<br>BHU, Lanka,<br>Varanasi-221005.   | Member           |
| 5.             | Dr. Ranshil Kumar Upadhyay<br>Registrar,<br>CIHTS, Sarnath,<br>Varanasi.  | Member-Secretary |

**APPENDIX-VI**

**LIST OF MEMBERS OF THE PLANNING & MONITORING BOARD AS ON 31.03.2020**

| <b>Sl. No.</b> | <b>Name &amp; Address</b>   | <b>Capacity</b>                                    |
|----------------|---|--|
| 1.             | Vice Chancellor,<br>CIHTS,<br>Sarnath, Varanasi.  | Chairman (ex-officio)                              |
| 2.             | Joint Secretary<br>Govt. of India,<br>Ministry of Culture,<br>Puratattva Bhawan, G.P.O. Complex<br>New Delhi-110023         | Member (ex-officio)                                |
| 3.             | Financial Adviser<br>Ministry of Culture,<br>Shastri Bhavan, New Delhi.   | Member (ex-officio)                                |
| 4.             | Prof. L. Tenzin<br>Prof. of Sowa-Rigpa,<br>(Tibetan Medicine)<br>Dept. of Tibetan Medicine,<br>CIHTS, Sarnath,<br>Varanasi. | Member<br>(Sr. Most Prof. of the Institute)        |
| 5.             | Prof. Baidyanath Labh<br>Vice-Chancellor,<br>NNM,<br>Nalanda.   | Member (Nominee of the<br>Chairman of the Society) |
| 6.             | Prof. Bhuvan Chandel<br>Centre of Civilization Studies,<br>New Delhi.   | Member - do -                                      |

**APPENDIX-VII****LIST OF MEMBERS OF THE PUBLICATION COMMITTEE AS ON 31.03.2020**

| <b>Sl. No.</b> | <b>Name &amp; Address</b>   | <b>Capacity</b>  |
|----------------|---|------------------|
| 1.             | Vice Chancellor,<br>CIHTS, Sarnath, Varanasi.                             | Chairman         |
| 2.             | Registrar<br>CIHTS, Sarnath, Varanasi.                                    | Member           |
| 3.             | Prof. Lobsang Tenzin<br>CIHTS, Sarnath, Varanasi.                         | Member           |
| 4.             | Prof. Pradyumna Dubey<br>B.H.U.,<br>Varanasi.                             | Member           |
| 5.             | Prof. P. P. Gokhale<br>CIHTS, Sarnath, Varanasi.                          | Member           |
| 6.             | Prof. R. K. Dwivedi<br>S.S.U., Varanasi.                                  | Member           |
| 7.             | Librarian<br>Shantarakshita Library,<br>CIHTS, Sarnath, Varanasi.         | Member           |
| 8.             | Editor<br>Translation Department,<br>CIHTS, Sarnath, Varanasi.            | Member           |
| 9.             | Editor<br>Restoration Department,<br>CIHTS, Sarnath, Varanasi.            | Member           |
| 10.            | Shri Sangay Tender<br>Head Tibetan Publication,<br>LTWA, Dharamsala, H.P. | Member           |
| 11.            | Publication In-charge<br>CIHTS, Sarnath, Varanasi.                        | Member Secretary |





भोट विद्या संस्थानम्

केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान  
**Central Institute of Higher Tibetan Studies**  
(Deemed University)

**SARNATH, VARANASI-221007**

**Tel. No. : 0542-2585148, Fax No. : 0542-2585150**

**E-mail: registraroffice.cuts@gmail.com**

*Published by*  
The Registrar, Central Institute of Higher Tibetan Studies  
Sarnath, Varanasi

*Printed by*  
Sattanam Printers  
Pandeypur, Varanasi